राष्ट्रीय संस्करण

||श्री गणेशाय नमः||

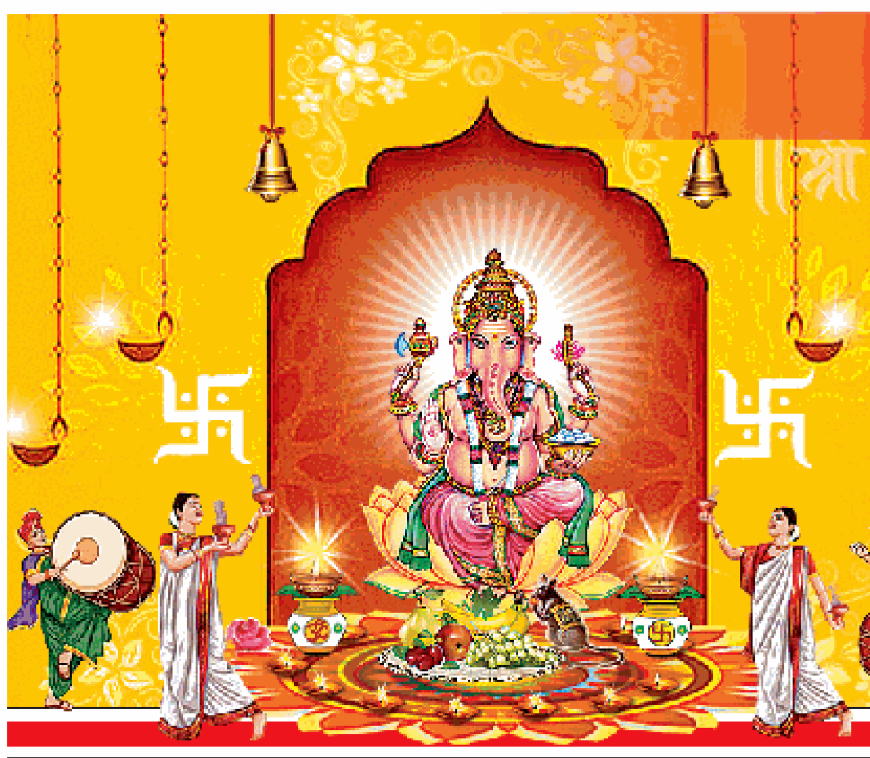

# दैनिक जागरण

वर्ष 8 अंक 90

मूल्य ₹8 .00 नई दिल्ली, शनिवार, 7 सितंबर, 2024

www.jagran.com

पृष्ठ 14


## यात्रा

### आध्यात्मिक चेतना होती साकार, ये है बुद्ध का बिहार

**पटना:** बुद्ध को जानना है तो केवल बोधगया भर नहीं, बिहार में भिन्न-भिन्न प्रखंडों की यात्रा पर जाएं तो उनके पदचिह्न मिलेंगे। हर प्रखंड से होते हुए पर्यटन करेंगे तो बिहार के साथ ही बुद्ध को भी और बेहतर तरीके से जान पाएंगे। ● पेज-7

## संपादकीय

**सांसदों की सीमित स्वतंत्रता:** आखिर हमारे सांसदों को वैसी अभिव्यक्ति की आजादी क्यों नहीं, जैसी यूरोप के देशों या अमेरिका में है? **शंकर शरण** का दृष्टिकोण।

**सबको मिले सामाजिक सुरक्षा की छतरी:** यूपीएस की घोषणा के बाद निजी क्षेत्र के कर्मियों के लिए भी उपयुक्त पेंशन की व्यवस्था होनी चाहिए। डा. **जयंतीलाल भंडारी** का सुझाव। ● पेज-8

## विमर्श

**प्रतियोगी परीक्षा संस्कृति से पनपती विसंगतियां:** देश भर में कोचिंग कारोबार के व्यापक प्रसार के बीच इसके अनेक सामाजिक-आर्थिक दुष्प्रभाव भी सामने आ रहे हैं, जिन्हें विश्लेषित कर रहे हैं, **डा. विकास सिंह**।

**पोर्न कंटेंट के प्रति संवेदनशीलता:** इंटरनेट पर पोर्न कंटेंट समाज में विकृति फैला रहे हैं। चूंकि यह कारोबार का रूप ले चुका है, सो इस पर नियंत्रण आसान नहीं, परंतु संवेदनशील नागरिक के तौर पर हमें इनसे बचना चाहिए। **डा. मुकुल श्रीवास्तव** का आलेख। ● पेज-9

## दैनिक जागरण सप्तरंग

जोश नई राहों का

साधना का सुफल

समझें सिलेबस और प्रश्नों की प्रकृति

● पेज-13

# पैरालिंपिक में प्रवीण ने देश को दिलाया छठा स्वर्ण

## नोएडा के प्रवीण ने ऊंची कूद टी64 स्पर्धा में एशियाई रिकार्ड के साथ जीता सोना

**जेएनएन, नई दिल्ली**

पेरिस पैरालिंपिक में एथलेटिक्स में भारतीय खिलाड़ियों का दमदार प्रदर्शन जारी है। शुक्रवार को पुरुषों की ऊंची कूद टी-64 स्पर्धा में प्रवीण कुमार ने स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच डाला। 21 वर्षीय नोएडा के प्रवीण ने 2.08 मीटर की कूद लगाकर एशियाई रिकार्ड ध्वस्त करने के साथ ही देश को छठा स्वर्ण दिलाया। प्रवीण से पहले अवनि लेखरा (शूटिंग), नितेश कुमार (बैडमिंटन), सुमित अंतिल व धरमबीर (एथलेटिक्स) और हरविंदर सिंह (तीरंदाजी) ने सोने का तमगा जीता था। पेरिस पैरालिंपिक में यह भारत का 26वां पदक है। अब तक भारत ने छह स्वर्ण, नौ रजत और 11 कांस्य पदक हैं।

पैरालिंपिक पेरिस 2024

**26** कुल पदक हो गए हैं भारत के पेरिस पैरालिंपिक में

**14** वां पदक जीता भारत ने एथलेटिक्स स्पर्धाओं में

पेरिस पैरालिंपिक में शुक्रवार को पुरुषों की ऊंची कूद टी64 स्पर्धा में स्वर्ण पदक विजेता बने प्रवीण कुमार। एएनआइ

छोटे पैर के साथ पैदा हुए प्रवीण ने टोक्यो पैरालिंपिक में रजत पदक जीता था। पेरिस में उन्होंने 1.89 मीटर की साथ शुरुआत की और 2.08 मीटर तक के अपने सभी प्रयासों को पहली ही बार में पूरा किया, लेकिन 2.10 मीटर की ऊंचाई को पार करने में वह तीनों प्रयासों में विफल रहे, हालांकि इससे उनके शीर्ष स्थान पर कोई असर नहीं पड़ा। 2023 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता प्रवीण का यह सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी रहा। अमेरिका के डेरेक लोकिडेंट ने 2.06 मीटर की कूद के साथ रजत और उज्बेकिस्तान के टेमुरबेक गियाजोव ने 2.03 मीटर से कांसा जीता। प्रवीण पेरिस में पदक जीतने वाले तीसरे ऊंची कूद धावक हैं। उनसे पहले शरद कुमार और टी मरियप्पन ने ऊंची कूद टी-63 स्पर्धा में क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीते थे। (पेज-12 भी देखें)

### समापन समारोह में हरविंदर-प्रीति होंगे ध्वजवाहक

स्वर्ण पदक विजेता तीरंदाज हरविंदर सिंह और दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला फर्राटा धाविका प्रीति पाल पेरिस पैरालिंपिक खेलों के समापन समारोह में भारत के ध्वजवाहक होंगे। हरविंदर ने कहा कि स्वर्ण जीतना सपना सच होने जैसा है। अब समापन समारोह में भारत का ध्वजवाहक होना सबसे बड़ा सम्मान है। यह जीत उन सभी के लिए है, जिन्हें मुझ पर भरोसा था। प्रीति ने कहा कि भारत का ध्वजवाहक होना गर्व की बात है। यह विषमताओं से निकलकर देश को गौरवान्वित करने वाले हर पैरा एथलीट के लिए है।

हरविंदर सिंह। फाइल/एएफपी

प्रीति पाल। फाइल/एएनआइ

### सेबी प्रमुख को बुलाने पर निर्णय लेगी पीएसी

**नई दिल्ली:** लोक लेखा समिति (पीएसी) के अध्यक्ष केसी वेणुगोपाल ने शुक्रवार को कहा कि हितों के टकराव के आरोपों का सामना कर रहीं सेबी प्रमुख माधबी पुरी बुच को समिति के समक्ष पेश होने के लिए कहा जाएगा या नहीं, इस पर समिति को निर्णय लेना है। माधबी बुच के खिलाफ आरोपों को लेकर इन दिनों राजनीतिक तूफान उठा हुआ है। अमेरिकी शार्ट-शेलिंग फर्म हिंडरबर्ग रिसर्च ने बुच के खिलाफ हितों के टकराव का आरोप लगाया था। (पेज-3)

### आरजी कर के पूर्व प्रिंसिपल के यहां ईडी की छापेमारी

**कोलकाता:** कोलकाता के जिस आरजी कर मेडिकल कालेज एवं अस्पताल में महिला डाक्टर से दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई, उसके पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष, उसके रिश्तेदारों के घर पर शुक्रवार को ईडी ने छापेमारी की। ईडी ने कोलकाता व इसके आसपास के कुल 12 ठिकानों पर कार्रवाई की। हालांकि ईडी टीम को घोष के बेलियाघाटा स्थित आवास के बाहर तीन घंटे तक इंतजार करना पड़ा। (पेज-5)

# अनुच्छेद-370 अब इतिहास, यह कभी नहीं हो सकता वापस : शाह

## भाजपा का संकल्प पत्र किया जारी, सुरक्षित और विकसित जम्मू-कश्मीर निर्माण का लक्ष्य

- कहा, प्रदेश में मिटाएंगे आतंकवाद व अलगाववाद
- नेकां का एजेंडा कभी जमीन नहीं उतरेगा
- राज्य का दर्जा लौटाने का भी किया वादा

**राज्य ब्यूरो, जागरण ● जम्मू**

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दो टूक कहा कि अनुच्छेद-370 अब इतिहास बन चुका है और कभी लौटेगा नहीं। नेशनल कान्फ्रेंस का एजेंडा कभी जमीन पर नहीं उतरेगा। अनुच्छेद-370 ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद और अलगाववाद को शह दी थी, अब वह युग समाप्त हो गया और यहां स्वर्णिम दौर शुरू हो चुका है। गृह मंत्री शुक्रवार को जम्मू में भाजपा का संकल्प पत्र जारी करने पहुंचे थे।

गृह मंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में कुछ दल आतंक, भय का माहौल फिर से बनाकर शासन करना चाहते हैं। पांच वर्ष पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अनुच्छेद-370 हटाने के ऐतिहासिक फैसले से प्रदेश में शांति, प्रगति और सामाजिक न्याय को बल मिला है। उन्होंने साफ किया कि हम आतंक का साथ देने वालों को जम्मू-कश्मीर में नहीं रहने देंगे। आतंक पर और सख्ती से प्रहार कर इसे देश की सीमाओं से बाहर कर देंगे।

अनुच्छेद-370 से बाहरी ताकतें हावी रहीं व सरकारें हुर्रियत जैसे अलगाववादियों को खुश करने के लिए उनके समक्ष नतमस्तक रहीं। लोगों से भाजपा को समर्थन देने की अपील करते हुए उन्होंने कहा कि बदलाव के चलते प्रदेश में अब आतंक की जगह पर्यटन ने ले ली। शाह ने कहा कि पंडित प्रेमनाथ डोगरा से लेकर श्यामा प्रसाद मुखर्जी की शहादत तक... ये पूरा संघर्ष पहले भारतीय जनसंघ और फिर भारतीय जनता पार्टी ने आगे बढ़ाया। क्योंकि हमारी पार्टी मानती है कि जम्मू-कश्मीर हमेशा से भारत का हिस्सा है और रहेगा।

**राहुल से पूछा, नेकां के घोषणापत्र से सहमत हैं :** शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से सवाल किया कि क्या वह नेकां के एजेंडे पर सहमत हैं, इस तरह मौन धारण करने से कुछ नहीं होगा। वह बताएं कि क्या वह अनुच्छेद-370 फिर से लाना चाहते हैं? यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस चुपचाप नेशनल कान्फ्रेंस के एजेंडे का समर्थन कर रही है।

जम्मू-कश्मीर विस चुनाव के लिए शुक्रवार को जम्मू में भाजपा का 'संकल्प पत्र' जारी करते केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह तथा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष रविंद्र रैना। प्रेट्र

### जवाबदेही तय करने के लिए श्वेत पत्र लाएंगे

शाह ने कहा कि आतंक के दौर में जम्मू-कश्मीर में हुई 40 हजार मौतों की जवाबदेही तय करने के लिए हम श्वेत पत्र लाएंगे। यह पता चलना चाहिए कि इन मौतों का जिम्मेदार कौन था। पाकिस्तान से बातचीत की पैरवी करने वाले नेकां व पीडीपी को आड़े हाथ लेते हुए उन्होंने कहा कि बातें व बम साथ में नहीं चलेंगे। नेकां के घोषणापत्र में आरक्षण पर पुनर्विचार करने के आश्वासन पर गृह मंत्री ने कहा कि मैं उमर अब्दुल्ला को बताना चाहता हूं कि आपको गुज्जर, बक्करवाल और पहाड़ियों को दिए आरक्षण को छूने नहीं देंगे।

त्रिशंकु विधानसभा नहीं होगी पेज>>4

# मणिपुर के पूर्व सीएम के घर पर राकेट हमले में बुजुर्ग की मौत

- विस्फोट से 13 साल की एक लड़की समेत पांच लोग घायल

मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में शुक्रवार को उग्रवादियों द्वारा आवासीय क्षेत्र में राकेट हमले के बाद जांच में जुटी मोबाइल फारेंसिक यूनिट। एएनआइ

**इंफाल, प्रेट्र :** मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में शुक्रवार दोपहर उग्रवादियों ने एक आवासीय क्षेत्र में राकेट से हमला किया। हमले में एक बुजुर्ग की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री मैरेमबाम कोइरेंग के आवासीय परिसर में राकेट गिरा। हमले के समय पूर्व मुख्यमंत्री और उनके परिवार का कोई सदस्य घर में मौजूद नहीं था। इस घटना के बाद मणिपुर सरकार ने शनिवार को स्कूल बंद रखने की घोषणा की है।

एक अधिकारी ने बताया कि जिस समय विस्फोट हुआ उस समय बुजुर्ग परिसर में कुछ धार्मिक अनुष्ठान की तैयारी कर रहे थे। उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। विस्फोट से 13 साल की एक लड़की समेत पांच अन्य घायल हो गए। राकेट आइएनए मुख्यालय से करीब दो किलोमीटर दूर गिरा था। इससे पहले शुक्रवार सुबह ऊंचे स्थान से त्रोंग्लाओबी के निचले आवासीय क्षेत्र की ओर राकेट दागा गया। पुलिस ने बताया कि राकेट की रेंज तीन किलोमीटर से ज्यादा होने का अनुमान है।

### ड्रोन हमले के विरोध में इंफाल घाटी में विरोध प्रदर्शन

राज्य में हाल ही में ड्रोन एवं बंदूक से हुए हमले के विरोध में इंफाल घाटी के पांच जिलों के हजारों लोगों ने शुक्रवार को मानव श्रृंखला रैली में भाग लिया। हमलों में दो लोगों की मौत और 12 अन्य घायल हो गए। गुरुवार रात 100 मीटर से भी कम ऊंचाई पर कई ड्रोन मंडराते देखे जाने के बाद त्रोंग्लाओबी से कुछ किलोमीटर दूर स्थित कुंबी गांव में तनाव बढ़ गया है।

### जल संरक्षण केवल नीति नहीं, पुण्य का काम : मोदी

**नई दिल्ली:** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जल संरक्षण पर जोर देते हुए कहा है कि यह एक नीति भर नहीं है, बल्कि एक प्रयास और पुण्य का काम भी है। जल संचय, जन भागीदारी अभियान की शुरुआत के अवसर पर पीएम ने कहा कि पानी वह पहला पैमाना होगा, जिस पर आने वाली पीढ़ियां हमारा मूल्यांकन करेंगी। (पेज-3)

### बिहार में आरक्षण संबंधी मामले में जवाब तलब

**नई दिल्ली:** बिहार में आरक्षण संशोधन कानूनों को रद करने के पटना हाई कोर्ट के आदेश के विरुद्ध राजद की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को केंद्र और राज्य सरकार से जवाब तलब किया। संशोधन के जरिये आरक्षण को 50% से बढ़ाकर 65% कर दिया गया था। (पेज-7)

# शिमला में अवैध मस्जिद मामले में नगर निगम आयुक्त कोर्ट पर नजरें

- पक्ष-प्रतिपक्ष दोनों ही कर रहे नियमानुसार कार्रवाई की बात
- पुलिस के पहरे में पढ़ी गई नमाज, पहुंचे सिर्फ 20 लोग

**जागरण संवाददाता, शिमला**

हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला के संजौली में बनी अवैध मस्जिद के विरुद्ध स्थानीय जनता खुल कर सामने आई तो पक्ष-प्रतिपक्ष दोनों ही नियमानुसार कार्रवाई की बात कर रहे हैं। हिंदू संगठनों के आक्रोश को देखते हुए शुक्रवार को संजौली में पहली बार पुलिस के पहरे में नमाज पढ़ी गई। अब नजरें शनिवार को होने वाली नगर निगम आयुक्त कोर्ट में सुनवाई पर टिकी हैं। इससे मस्जिद का भविष्य तय हो सकता है।

शुक्रवार को संजौली में सुरक्षा की दृष्टि से बाजार से मस्जिद जाने वाले हर रास्ते पर पुलिस जवान तैनात थे। यहां पहले करीब 400 से 500 लोग नमाज पढ़ने आते थे, लेकिन शुक्रवार को 20 लोग ही पहुंचे। पहले नमाज के दौरान यहां रास्ता भी रोक दिया जाता था। हिंदू संगठनों ने गुरुवार को संजौली से लेकर चौड़ा मैदान तक बड़ा प्रदर्शन किया था। इसके बाद प्रशासन ने शुक्रवार को भी सुरक्षा बाजार में लगाए रखी। हालांकि, शुक्रवार को कोई विरोध प्रदर्शन नहीं हुआ।

आयुक्त कोर्ट के फैसले पर निर्भर करेगा मस्जिद का भविष्य पेज>>7

# कांग्रेस की पहली सूची में 32 उम्मीदवारों में से 28 मौजूदा विधायक

महासमर हरियाणा

- ओलिंपियन विनेश जुलाना और हुड्डा किलोई से लड़ेंगे, सैलजा व सुरजेवाला का नाम नहीं
- जेल से चुनाव लड़ेंगे सुरेंद्र पंवार, ईडी में फंसे राव दान व धर्म सिंह छौक्कर को भी टिकट

**अनुराग अग्रवाल ● जागरण**

**चंडीगढ़ :** लंबी चर्चा के बाद कांग्रेस ने शुक्रवार देर रात हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए 90 में से 32 प्रत्याशियों की पहली सूची जारी कर दी। इनमें 28 मौजूदा विधायक हैं। शुक्रवार को ही कांग्रेस में शामिल हुईं ओलिंपियन विनेश फोगाट को जींद के जुलाना से टिकट दिया गया है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा अपनी परंपरागत गढ़ी सांपला किलोई सीट से चुनाव लड़ेंगे। लाडवा से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के सामने विधायक मेवा सिंह को उतारा गया है। पहली सूची में रणदीप सुरजेवाला और सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा के नाम नहीं हैं। सैलजा के चार समर्थकों को जरूर टिकट मिला है।

कांग्रेस ने मौजूदा तीन दागी विधायकों को भी टिकट दिया है। सोनीपत के विधायक सुरेंद्र पंवार जेल में रहते ही चुनाव लड़ेंगे। आय से अधिक संपत्ति समेत कई मामलों में गिरफ्तार किए गए थे। महेंद्रगढ़ से राव दान सिंह और समालखा से धर्म सिंह छौक्कर को भी टिकट दिए हैं। पिछली बार नीलोखेड़ी आरक्षित सीट से निर्दलीय जीतने वाले धर्मपाल गोंदर को टिकट दिया है। उन्होंने साढ़े चार साल से अधिक समय तक भाजपा सरकार को समर्थन दे रखा था। नूंह से चौधरी आफताब अहमद को उतारा गया है। जजपा से आए पूर्व विधायक रामकरण काला को शाहबाद से टिकट मिला है। कालका से प्रदीप चौधरी, नारायणगढ़ से विधायक शैली चौधरी और साढौरा आरक्षित से विधायक रेणु बाला शामिल हैं। डबवाली से विधायक अमित सिहाग को उतारा है। वह देवीलाल के परिवार से हैं।

नई दिल्ली में कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण लेने के बाद पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल के साथ विनेश फोगाट व बजरंग पूनिया। एएनआइ

### कैप्टन अजय यादव के बेटे चिरंजीव राव को टिकट

कांग्रेस ने कैप्टन अजय यादव के बेटे चिरंजीव राव को रेवाड़ी से उतारा है। फिरोजपुर झिरका से इंजीनियर मामन खान को फिर से टिकट दिया है। नूंह में दंगों में मामन खान की भूमिका पर सवाल उठ चुके हैं। पुन्हाना से विधायक मोहम्मद इलियास और फरीदाबाद एनआइटी से विधायक नीरज शर्मा को भी टिकट दिए गए हैं।

## कुदरत का कहर

कभी सूखे से परेशान रहने वाले 45 प्रतिशत जिले अब अतिवृष्टि का शिकार, आइपीई ग्लोबल और ईएसआरआइ इंडिया के अध्ययन में जताई गई चिंता

# देश के 85 प्रतिशत जिले झेल रहे मौसम की मार

**राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली**

आइपीई ग्लोबल एवं ईएसआरआइ इंडिया की ओर से शुक्रवार को जारी रिपोर्ट 'स्टेट आफ एक्सट्रीम क्लाइमेट इवेंटस इन इंडिया' में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। अध्ययन में बीते एक दशक में जलवायु परिवर्तन से जुड़ी मौसमी घटनाओं में पांच और बाढ़ की घटनाओं में चार गुना बढ़ोतरी देखी गई है। इसके मुताबिक, पूर्वी भारत के जिले बाढ़ की घटनाओं के लिए अधिक संवेदनशील हैं। इसके बाद देश के उत्तर-पूर्वी और दक्षिणी भागों का स्थान है। देश के 85 प्रतिशत से अधिक जिले बाढ़, सूखा, चक्रवात और लू की आशंका से ग्रस्त हैं। इनमें 45 प्रतिशत जिले ऐसे हैं, जहां पहले पारंपरिक रूप से बाढ़ का खतरा था, अब वहां सूखे की स्थिति पैदा हो रही है और सूखे वाले इलाके में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो रही है। त्रिपुरा, केरल, बिहार, पंजाब, झारखंड के जिलों में पारंपरिक जलवायु परिस्थिति में बदलाव की यह प्रवृत्ति सबसे अधिक देखी गई है।

प्रतीकात्मक।

अध्ययन से यह भी सामने आया है कि सूखे की घटनाओं में दो गुना वृद्धि हुई है, विशेष रूप से कृषि और मौसम संबंधी सूखे में। चक्रवात की घटनाओं में चार गुना वृद्धि हुई है। बिहार, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, गुजरात, राजस्थान, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और असम के 60 प्रतिशत से अधिक जिले एक से अधिक चरम जलवायु घटनाओं का सामना कर रहे हैं। जलवायु की वर्तमान प्रवृत्ति की वजह से 10 में से नौ भारतीयों को जलवायु परिवर्तन से होने वाली घटनाओं के खतरे का सामना करना पड़ रहा है, जो पिछली शताब्दी में हुए 0.6 डिग्री सेल्सियस तापमान वृद्धि का परिणाम है। अध्ययन बताता है कि 2036 तक 147 करोड़ से अधिक भारतीय मौसम से होने वाली घटनाओं से प्रभावित होंगे।

अध्ययन में पांच दशक के आंकड़ों के विश्लेषण को स्थानिक माडलिंग का उपयोग किया गया। इसमें 1973 से 2023 तक 50 वर्ष की अवधि के दौरान जलवायु घटनाओं की सूची तैयार की गई। आइपीई ग्लोबल में इस अध्ययन के लेखक अविनाश मोहंती तथा ईएसआरआइ इंडिया के प्रबंध निदेशक अगेंद्र कुमार ने कहा कि केरल में मूसलधार और असमान वर्षा के कारण भूस्खलन, गुजरात में बाढ़, उत्तराखंड में ओम पर्वत की बर्फ की चादर का गायब होना और अचानक वर्षा से शहरों का ठप हो जाना, इस बात के प्रमाण हैं कि जलवायु बदल गई है।

# बिहार में हत्याकांड के पहले घंटे में गिरफ्तारी, 14वें दिन आरोपपत्र, 50वें दिन मिली सजा

- भारतीय न्याय संहिता के तहत हत्या जैसे गंभीर मामलों में देशभर में दी गई पहली सजा

**राज्य ब्यूरो, जागरण ● पटना**

'तारीख पर तारीख' के लिए आलोचना झेलने वाली न्याय व्यवस्था के लिए यह खबर सुखद है। बिहार के सारण जिले के धानाडीह गांव में हुए तिहरे हत्याकांड में पुलिस और कोर्ट दोनों ने मिलकर नजीर पेश की है। त्वरित कार्रवाई, वैज्ञानिक अनुसंधान और स्पीडी ट्रायल के जरिये हत्याकांड में शामिल दोनों अभियुक्तों को महज 50 दिनों में उम्रकैद और 25-25 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई गई है। इस कांड में केवल एक घंटे के अंदर अभियुक्तों को गिरफ्तार कर 14वें दिन पुलिस ने आरोपपत्र दाखिल कर दिया। बिहार पुलिस का दावा है कि यह भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत हत्या जैसे गंभीर मामले में देशभर में दी गई पहली सजा है। इस उपलब्धि पर शुक्रवार को डीजीपी आलोक राज ने सारण के एसपी डा. कुमार आशीष और उनकी छह सदस्यीय टीम को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया है।

> हमारा मानना था कि तिहरे हत्याकांड की घटना जितनी जघन्य है सजा भी वैसी हो। ताकि अपराधियों को संदेश जाए। त्वरित और वैज्ञानिक जांच की बदौलत हमने यह काम कर दिखाया है। हत्या जैसे गंभीर कांड में बीएनएस के तहत यह देश में पहली सजा है।
> – डा. कुमार आशीष, एसपी, सारण

**वीडियोग्राफी और डीएनए जांच ने आसान की राह :** एक जुलाई से लागू नए कानूनों में घटनास्थल और आरोपितों-पीड़ितों के बयान की वीडियोग्राफी अनिवार्य कर दी गई है। इसके अलावा सात वर्ष से अधिक सजा वाले मामलों में एफएसएल जांच भी अनिवार्य है। सारण एसपी डा. कुमार आशीष ने बताया कि 17 जुलाई की रात पिता और दो नाबालिग बेटियों की धारदार हथियार से हत्या की सूचना डायल-112 के जरिये मिली। पुलिस घटनास्थल पर पहुंची जहां बेटियों की मां की निशानदेही पर अभियुक्त सुधांशु कुमार और अंकित कुमार को चिह्नित कर एक घंटे में गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपित खून लगे कपड़े जला रहे थे। मामले में 12 गवाह थे, जिनकी 13 अगस्त से प्रतिदिन गवाही हुई। तीन सितंबर को जिला सत्र न्यायाधीश ने दोनों अभियुक्तों को दोषी करार दिया, जबकि पांच सितंबर को 50वें दिन दंड सुनाया।

********

## आज का मौसम

सामान्यतया बादल छाए रहेंगे। गर्जन वाले बादल बनने और हल्की से मध्यम स्तर की वर्षा होने के आसार हैं।

| पूर्वानुमान | अधिकतम | न्यूनतम |
|---|---|---|
| दिल्ली | | |
| 7 सितंबर | 32.0 | 24.0 |
| 8 सितंबर | 34.0 | 25.0 |
| नोएडा | | |
| 7 सितंबर | 31.0 | 26.0 |
| 8 सितंबर | 33.0 | 27.0 |
| गुरुग्राम | | |
| 7 सितंबर | 34.0 | 24.0 |
| 8 सितंबर | 34.0 | 25.0 |

डिग्री सेल्सियस में

## न्यूज गैलरी

### ओटीटी प्लेटफार्म के डिस्क्लेमर डालने पर वापस ली याचिका

**नई दिल्ली :** विमान अपहर्ताओं की वास्तविक पहचान के बारे में तथ्यों को गलत तरीके से पेश करने का आरोप लगाते हुए ओटीटी प्लेटफार्म नेटफ्लिक्स पर प्रसारित मिनी सीरीज 'आइसी-814 : द कंधार हाईजैक' पर प्रतिबंध लगाने की मांग वाली याचिका को वापस लेने के अनुरोध पर दिल्ली हाई कोर्ट ने शुक्रवार को निपटारा कर दिया। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन व न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने टिप्पणी की कि समापन के लिए निर्माता घटना के संबंध में अदालती कार्यवाही पर एक और एपिसोड रखने पर विचार कर सकते हैं। (जासं)

### दिल्ली दंगे में मीरान ने वापस ली जमानत याचिका

**नई दिल्ली :** दिल्ली दंगा में साजिश रचने से जुड़े गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम के तहत दर्ज मामले में आरोपित राजद युवा विंग के नेता व जामिया मिल्लिया इस्लामिया के छात्र मीरान हैदर ने दिल्ली हाई कोर्ट से जमानत याचिका वापस ले ली है। हैदर ने न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत व न्यायमूर्ति गिरीश कथपालिया की पीठ को बताया कि ऐसे में जबकि पुलिस ने जांच पूरी कर ली है, जमानत के लिए वह ट्रायल कोर्ट से संपर्क करेंगे। (जासं)

### एअर इंडिया की उड़ान की मास्को में हुई लैंडिंग

**नई दिल्ली :** एअर इंडिया की नई दिल्ली से बर्मिंघम जाने वाली उड़ान में बीच सफर के दौरान ही तकनीकी खामी सामने आई। इसके बाद पायलट ने उड़ान को जारी रखने से इसे बीच में ही उतारने का फैसला किया। इसके बाद विमान की मास्को में प्रिकाशनरी लैंडिंग कराई गई। लैंडिंग सुरक्षित रही। (जासं)

# एम्स ट्रामा सेंटर में अगले माह से पांच नए आपरेशन थियेटर

## दोगुनी हो सकेंगी सर्जरी, हादसा पीड़ितों को मिलेगी बड़ी राहत

राज्य ब्यूरो, जागरण • नई दिल्ली

- अभी हैं छह आपरेशन थियेटर, प्रतिदिन 20-25 मरीजों की होती है सर्जरी
- इसमें हेफा फिल्टर सहित कई ऐसे उपकरण लगे हैं

एम्स ट्रामा सेंटर में पांच माड्यूलर आपरेशन थियेटर (ओटी) बनाए गए हैं। अगले माह इनमें सर्जरी की सुविधा शुरू हो जाएगी। इससे एम्स ट्रामा सेंटर में ओटी दोगुने हो जाएंगे। लिहाजा, हादसा पीड़ितों की सर्जरी भी दोगुनी हो सकेगी। इससे सर्जरी के लिए मरीजों को ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। नए मरीज भी अधिक भर्ती किए जा सकेंगे। इससे हादसा पीड़ितों को बड़ी राहत मिलेगी।

265 बेड की सुविधा वाला यह ट्रामा सेंटर दिल्ली का सबसे बड़ा व सुविधा संपन्न ट्रामा सेंटर है। इस वजह से यहां हादसा पीड़ित इलाज के लिए अधिक पहुंचते हैं। वर्तमान समय में इस ट्रामा सेंटर के मुख्य ओटी ब्लाक में पांच ओटी हैं। इसके अलावा एक अन्य ओटी भी है। इस तरह अभी कुल छह सामान्य ओटी मौजूद हैं। ट्रामा सेंटर में प्रतिदिन 175-200 हादसा पीड़ित इलाज के लिए पहुंचते हैं और 20-25 मरीजों की सर्जरी होती है। हर महीने करीब 650 मरीजों की सर्जरी होती है। वर्ष 2022-23 में ट्रामा सेंटर की ओपीडी में 60,430 मरीज देखे गए थे व 8,001 मरीजों की सर्जरी हुई थी। ओटी व्यस्त होने से कई बार कम गंभीर हादसा पीड़ितों को दूसरे अस्पताल में स्थानांतरित करना पड़ता है।

एम्स ट्रामा सेंटर के प्रमुख डा. कमरान फारूकी ने बताया कि नए ओटी एक दूसरे से इंटिग्रेटेड हैं। इसमें हेफा फिल्टर सहित कई ऐसे उपकरण लगे हैं जिससे संक्रमण दर बहुत कम होती है। इसके अलावा सर्जन कंट्रोल पैनल लगे होते हैं। इससे जरूरत के मुताबिक आपरेशन थियेटर के कमरे के तापमान व आद्रता को घटाया या बढ़ाया जा सकता है। लाइट को भी कंट्रोल पैनल से ही फोकस किया जा सकता है। सर्जरी के दौरान जरूरत पड़ने पर दूसरे ओटी में डाक्टर से बात की जा सकती है। उन्होंने बताया कि ट्रामा सेंटर में ज्यादातर ऐसे मरीज पहुंचते हैं, जिन्हें सर्जरी की जरूरत होती है। इसके लिए अधिक ओटी होना जरूरी है। क्योंकि अस्पताल में भर्ती मरीज की जितनी जल्दी सर्जरी होती है, बेड उतना ही जल्दी खाली होता है। सर्जरी में देर होने से अस्पताल का बेड भी अधिक दिन तक भरा रहता है। इससे नए मरीजों को भर्ती करने में दिक्कत आती है। नए ओटी शुरू होने पर सर्जरी की क्षमता दोगुनी हो जाएगी।

# कैदियों की असामान्य मौत पर मुआवजा देगी दिल्ली सरकार

राज्य ब्यूरो, जागरण • नई दिल्ली

- स्वजन या कानूनी उत्तराधिकारियों को मिलेगा 7.5 लाख रुपये का मुआवजा
- दोषी जेल अधिकारियों से मुआवजे की रकम वसूलने का भी प्रविधान होगा

दिल्ली सरकार की जेलों में कैदियों की असामान्य कारणों से मौत पर स्वजन या कानूनी उत्तराधिकारियों को 7.5 लाख रुपये का मुआवजा मिलेगा। दिल्ली सरकार ने इस संबंध में फाइल को स्वीकृति देकर उसे उपराज्यपाल के पास मंजूरी के लिए भेज दिया है। एलजी के पास भेजे गए इस प्रस्ताव के तहत हिरासत में, कैदियों के बीच झगड़े में, जेल कर्मचारियों की पिटाई या यातना से, जेल अधिकारियों की लापरवाही से या चिकित्सा एवं पैरामेडिकल कर्मियों की लापरवाही से मौत की स्थिति में मुआवजा दिया जाएगा। इसके साथ ही नई नीति में दोषी जेल अधिकारियों के वेतन से मुआवजे की राशि वसूलने का भी प्रविधान है।

दिल्ली के गृह मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा कि यह पहल जेल प्रणाली के भीतर न्याय और जवाबदेही सुनिश्चित करने की हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। उन्होंने कहा कि जेल में असामान्य परिस्थितियों में मृत्यु होने पर कैदियों के परिवारों को मुआवजा प्रदान करना मानवाधिकारों के स्तंभों को मजबूत करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। दिल्ली सरकार को विश्वास है कि इस कदम से जेलों में सुधार होगा और किसी भी तरह की लापरवाही में कमी आएगी। एक बार मंजूरी मिलने के बाद नीति अधिसूचना की तारीख से प्रभावी होगी।

प्रस्ताव के अनुसार संबंधित जेल अधीक्षक को एक रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी, जिसमें मजिस्ट्रेट जांच रिपोर्ट के साथ-साथ सभी जरूरी कार्रवाई शामिल होंगी। यह रिपोर्ट सूचना के लिए राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) को प्रस्तुत करने के लिए जेल महानिदेशक दिल्ली को भेजी जाएगी। जेल महानिदेशक की अध्यक्षता में एक समिति होगी, जिसमें दिल्ली जेल के अतिरिक्त महानिरीक्षक, रेजिडेंट मेडिकल आफीसर, डीसीए व ला आफिसर होंगे।

### क्या केजरीवाल पर कैदियों की माफी फाइलों पर हस्ताक्षर करने पर रोक है

**जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली :** मुख्यमंत्री के फाइलों पर हस्ताक्षर नहीं करने के कारण दिल्ली में कैदियों को माफी और समय पूर्व रिहाई के मामलों में हो रही देरी पर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि क्या मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर जेल में माफी और समयपूर्व रिहाई की फाइलों पर हस्ताक्षर करने पर कोई प्रतिबंध है। इस संबंध में कोई रोक आदेश है। एडिशनल सालिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि वह निर्देश लेकर कोर्ट को बताएंगी। जस्टिस अभय एस. ओका और जस्टिस आगस्टीन जार्ज मसीह की पीठ ने शुक्रवार को एक कैदी की माफी और समयपूर्व रिहाई की याचिका पर सुनवाई के दौरान दिल्ली सरकार से यह सवाल पूछा।

सीआरपीसी की धारा-432 के मुताबिक राज्य सरकार किसी कैदी की सजा कम कर सकती है या उसकी सजा माफ कर उसे समय पूर्व रिहाई दे सकती है। राज्य सरकार कैदी के आचरण, आयु, परिस्थितियों पर विचार करते हुए ऐसा कर सकती है। शुक्रवार को सुनवाई के दौरान जब कोर्ट को बताया गया कि फाइल पर मुख्यमंत्री के हस्ताक्षर नहीं होने के कारण माफी के मामलों में देरी हो रही है तो पीठ ने पूछा कि क्या मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर जेल से माफी की फाइलों पर हस्ताक्षर करने पर कोई प्रतिबंध है।

# विधायक अमानतुल्लाह की ईडी हिरासत तीन दिन के लिए बढ़ाई

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- प्लाट पर मेरा नाम नहीं, और न ही मेरे खिलाफ कोई सुबूत है : अमानतुल्लाह
- सहयोग नहीं कर रहे हैं खान, सवालों के जवाब देने से बच रहे हैं : ईडी

राउज एवेन्यू की विशेष एमपी/एमएलए अदालत ने दिल्ली वक्फ बोर्ड में भर्ती से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में गिरफ्तार विधायक अमानतुल्लाह खान की ईडी हिरासत तीन दिन के लिए बढ़ा दी। ईडी ने अमानतुल्लाह की चार दिन की हिरासत अवधि समाप्त होने पर उन्हें विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने की अदालत में पेश किया। हिरासत को 10 दिन बढ़ाने का अनुरोध करते हुए दलील दी कि अमानतुल्लाह जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं व सवालों के जवाब देने से बच रहे हैं। कोर्ट ने ईडी से कहा कि, अगर आपके मुताबिक अमानतुल्लाह सवालों के जवाब देने से बच रहे हैं तो फिर से पूछताछ के लिए कस्टडी की क्या जरूरत है?

ईडी ने दलील दी कि हमारे पास सिर्फ 15 दिन हैं और जांच को तार्किक निष्कर्ष पर ले जाना है। इसलिए उनका गवाहों और दस्तावेजों से आमना-सामना कराया जाना जरूरी है। ईडी ने कहा कि जांच के दौरान बरामद डायरी के अलावा गवाहों के बयान भी अहम हैं। अमानतुल्लाह ने कोर्ट में कहा कि उन्हें अंग्रेजी समझ नहीं आती। सिर्फ हिंदी समझ आती है। इसके बाद ईडी ने दलील दी कि आरोपित का सामना कराने के लिए गवाहों के बयानों का अनुवाद करने की भी जरूरत है।

आप विधायक अमानतुल्लाह खान की ओर से पेश अधिवक्ता ने कहा कि उनके मुवक्किल के नाम प्लाट नहीं है, उनके खिलाफ कोई साक्ष्य नहीं है। ऐसे में ईडी को उन्हें हिरासत में रखने की क्या जरूरत है? अधिवक्ता ने कहा कि एजेंसी ने उनके मुवक्किल से पूछताछ में पूछा था कि आपने ये प्लाट किस आय स्रोत से लिया है, जबकि उनका प्लाट से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने दलील दी कि 18 अप्रैल को अमानतुल्लाह ईडी के सामने पेश हुए थे तब उनसे 13 घंटे तक पूछताछ की गई। अब फिर से उनसे वही सब सवाल पूछे जा रहे हैं।

# 'आवंटन के आधार पर सात छात्रों को दाखिला दे सेंट स्टीफेंस'

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

दाखिले को लेकर दिल्ली विश्वविद्यालय व सेंट स्टीफेंस कालेज के बीच चल रहे विवाद में दिल्ली हाई कोर्ट ने छात्रों के पक्ष में निर्णय सुनाया है। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की पीठ ने सात छात्रों को राहत देते हुए सेंट स्टीफेंस को डीयू द्वारा आवंटित सीटों के आधार पर छात्रों को प्रवेश देने का निर्देश दिया है। सात छात्रों की दो अलग-अलग याचिकाओं पर निर्णय सुनाते हुए पीठ ने कहा कि चूंकि डीयू की सीटों की गणना को रद नहीं किया गया है, ऐसे में सेंट स्टीफेंस को निर्देश दिया जाता है कि वह याचिकाकर्ता छात्रों को पिछले शैक्षणिक वर्ष में ही कालेज द्वारा अपनाई गई आवंटन नीति के तहत प्रवेश दे, ताकि जरूरी औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद वे अपनी कक्षाओं में भाग ले सकें।

अदालत ने कहा कि एक तरफ जहां याचिकाकर्ता छात्र कोर्ट गलियारे में निर्णय का इंतजार कर रहे हैं, वहीं डीयू और कालेज एक-दूसरे के दावे का जोरदार विरोध कर रहे हैं। यह भी एक घटना है कि इस मामले में जिस दिन सुनवाई हुई और बहस पूरी हुई, उसे शिक्षक दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता छात्रों की कोई गलती नहीं है, लेकिन डीयू व कालेज के विवाद के कारण उन्हें परेशानी झेलनी पड़ी। अदालत ने कहा कि छात्रों को जहां पसंदीदा कालेज (सेंट स्टीफेंस) में प्रवेश पाने की चुनौती का सामना करना पड़ा, वहीं उन्हें दूसरी पसंद के कालेज को चुनने से भी वंचित किया गया। अदालत ने यह टिप्पणी व आदेश सात छात्रों की याचिका पर दिया। छात्रों ने आवंटित की गई सीटों पर कालेज को पाठ्यक्रमों के लिए सीटें उपलब्ध कराने का निर्देश देने की मांग को लेकर याचिका दायर की थी।

**7** छात्रों को हाई कोर्ट ने दी राहत, कहा, छात्रों को पसंदीदा कालेज (सेंट स्टीफेंस) में प्रवेश पाने की चुनौती का करना पड़ा सामना

सेंट स्टीफेंस कालेज। आर्काइव

## डीयू में आज से मिड एंट्री के जरिये मौका

**जागरण संवाददाता, नई दिल्ली :** दिल्ली विश्वविद्यालय में दो चरणों के बाद प्रवेश से प्रवेश से वंचित छात्र कामन सीट अलोकेशन सिस्टम (सीएसएएस) के प्रविधान के अनुसार सात सितंबर से शुरू हो रही मिड एंट्री के जरिये प्रवेश ले सकते हैं।

डीयू की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक, शनिवार सात सितंबर को शाम पांच से सोमवार नौ सितंबर शाम 04:59 बजे तक मिड एंट्री में प्रवेश लिए जा सकते हैं। मिड एंट्री में आवेदन करने के लिए छात्रों को एक हजार रुपये शुल्क देना होगा। यह शुल्क वापस नहीं किया जाएगा। डीयू ने कहा है कि जिन छात्रों के गलत विषय-मैपिंग या प्रोग्राम-विशिष्ट पात्रता में गलती होने के कारण पहले और दूसरे चरण में आवेदन निरस्त हो गए थे, वे भी मिड एंट्री के नियमों के मुताबिक अपनी विषय-मैपिंग को सही कर पाएंगे और अपनी प्राथमिकताओं को एडिट कर सकेंगे। इसके अलावा जिन छात्रों को मिड एंट्री की घोषणा तक किसी भी कार्यक्रम में प्रवेश नहीं मिला है, वे भी मिड एंट्री के दौरान अपनी प्राथमिकताएं एडिट कर पाएंगे।

डीयू ने तीसरे चरण में प्रवेश के इच्छुक छात्रों को खाली सीट मैट्रिक्स की जांच करने और अपनी प्राथमिकताएं सावधानीपूर्वक बनाने को कहा है। सभी को प्रवेश वेबसाइट (admission.uod.ac.in) को नियमित आधार पर जांचने की सलाह दी गई है।

**अब तक 74,108 प्रवेश**

डीयू में 69 कालेजों में 71600 सीटों पर प्रवेश लिए जा रहे हैं। इस वर्ष डीयू पांच से 50 प्रतिशत तक अतिरिक्त सीट आवंटन कर रहा है। दो चरणों के बाद 74,108 प्रवेश पूरे हो चुके हैं। इसमें 28,810 छात्रों ने नए कालेज व कोर्स के लिए अपग्रेड का विकल्प चुना है। 45,298 छात्रों ने सीट फ्रीज की है। डीयू के खेल कोटे में 1648 और पाठ्येत्तर गतिविधियों के लिए 1061 छात्रों को अलग-अलग कालेजों में सीटें आवंटित हुई हैं।

# पूर्व मंत्री राजेंद्र गौतम ने थामा कांग्रेस का हाथ

राज्य ब्यूरो, जागरण • नई दिल्ली

- गौतम ने विधानसभा की सदस्यता से भी इस्तीफा दे दिया, आप सरकार को अनुसूचित जाति-जनजाति विरोधी बताया

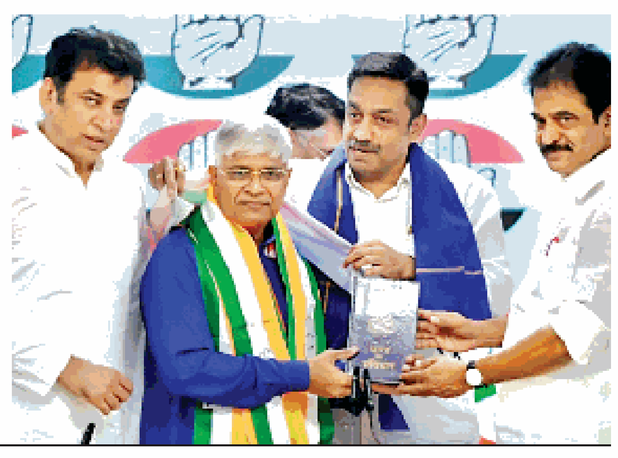

कांग्रेस मुख्यालय में केसी वेणु गोपाल व प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव की मौजूदगी में राजेंद्र पाल गौतम शमिल होते हुए। सौजन्य-कांग्रेस

सीमापुरी से विधायक व पूर्व समाज कल्याण मंत्री राजेंद्र पाल गौतम ने शुक्रवार को आम आदमी पार्टी छोड़कर कांग्रेस का हाथ थाम लिया। साथ ही उन्होंने विधानसभा की सदस्यता से भी इस्तीफा दे दिया। उन्हें कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने पटका पहनाकर सदस्यता दिलवाई। इस दौरान कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा, एससी विभागाध्यक्ष राजेश लिलोठिया और प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव सहित अन्य वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहे।

गौतम ने कहा, भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी की कही बात ने मेरे दिल को छू लिया। राहुल ने यह भी कहा था कि संविधान की रक्षा करनी है और सामाजिक न्याय को आगे बढ़ाते हुए सभी वर्गों को जनसंख्या के अनुपात में भागीदारी और हिस्सेदारी मिलनी चाहिए। उनकी इन्हीं बातों से प्रेरित होकर मैंने कांग्रेस में शामिल होने का मन बनाया। गौतम ने मुख्यमंत्री केजरीवाल के नाम पत्र भी लिखा है, जिसमें आप की नीतियों पर उन्होंने नाराजगी जताई है। साथ ही उन्होंने आप सरकार को अनुसूचित जाति-जनजाति विरोधी भी बताया है।

### जिन्हें लगता है टिकट नहीं मिलेगी, वे पाला बदलते ही हैं : आप

**राब्यू, जागरण • दिल्ली :** पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र पाल गौतम के पार्टी छोड़ने को आम आदमी पार्टी ने एक सामान्य घटना बताया है। आप के प्रदेश उपाध्यक्ष कुलदीप कुमार ने गौतम के कांग्रेस में शामिल होने पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ये राजनीति है और राजनीति में लोगों का आना-जाना लगा रहता है। उन्होंने कहा कि आप ने उनको मंत्री बनाया था। उनको इसके आगे के राजनीतिक भविष्य के लिए शुभकमनाएं हैं। कहा, वैसे भी जब चुनाव आते हैं और जिन्हें लगता है कि पार्टी उन्हें टिकट नहीं देगी, तब बहुत से लोग पाला बदलते हैं। हर पार्टी में टिकट कटने पर दो चार लोग पार्टियां बदल लेते हैं। यह कोई नई बात नहीं है।

### कांग्रेस सनातन विरोधी है : वीरेंद्र सचदेवा

**राब्यू, जागरण • दिल्ली :** दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा, पूर्व मंत्री राजेंद्र पाल गौतम बार-बार सनातन धर्म और हिंदू देवी-देवताओं का अपमान करते रहे हैं। इन्हें कांग्रेस में शामिल कर स्पष्ट कर दिया कि वह सनातन विरोधी हैं। कांग्रेस सनातन को नुकसान पहुंचाने वाली पार्टी है। गौतम सनातन धर्म के विरोध के चलते आप के लिए राजनीतिक बोझ बन गए थे। उनका कांग्रेस में जाना एक मात्र राजनीतिक विकल्प बचा था।

### प्रेमोदय खाखा की पत्नी को जमानत देने से हाई कोर्ट का इन्कार

**जागरण संवाददाता, नई दिल्ली :** नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के मामले में दिल्ली हाई कोर्ट ने निलंबित दिल्ली सरकार के अधिकारी प्रेमोदय खाखा की पत्नी सीमा रानी खाखा को जमानत देने से इनकार कर दिया। कई बार दुष्कर्म के कारण पीड़िता गर्भवती हो गई थी और आरोप है कि प्रेमोदय की पत्नी ने उसका गर्भपात कराने के लिए दवाएं दी थीं।

न्यायमूर्ति दिनेश कुमार शर्मा ने शुक्रवार को सीमा रानी की जमानत याचिका खारिज करते हुए कहा कि यह मामला दो परिवारों के बीच के विश्वास पर हमला करने जैसा है। ऐसे में इस स्तर पर गवाहों को प्रभावित करने की संभावना से इन्कार नहीं किया जा सकता है। प्रेमोदय खाखा पर नवंबर 2020 और जनवरी 2021 के बीच नाबालिग लड़की से दुष्कर्म करने का आरोप लगाया गया है। प्रेमोदय खाखा अगस्त 2023 में गिरफ्तार होने के बाद से न्यायिक हिरासत में हैं। पत्नी सीमा रानी भी तिहाड़ जेल में बंद है। लड़की आरोपित के परिचित की बेटी थी। सीमा की जमानत याचिका का विरोध करते हुए दिल्ली पुलिस ने तर्क दिया कि उसने अपराध में सक्रिय भूमिका निभाई थी।

# डेढ़ करोड़ रुपये की रकम डूबने पर गेमिंग एप संचालक का अपहरण

जागरण संवाददाता, गाजियाबाद

- स्मार्टवाच की मदद से पुलिस ने मथुरा से किया बरामद, दो गिरफ्तार

थाना विजय नगर पुलिस की गिरफ्त में अपहरण का आरोपित। जागरण

पुलिस की गिरफ्त में अपहरण का आरोपित सुरेंद्र। सौ. पुलिस

इंटरनेट मीडिया पर प्रमोशन देखने के बाद दिल्ली के कारोबारी राहुल गुप्ता ने गेमिंग एप पर मोटी रकम लगा दी। रकम डूबने पर कारोबारी ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर गेमिंग एप संचालक व यूट्यूबर प्रवीण चौधरी का दिन-दहाड़े एनएच-9 से अपहरण कर लिया। वारदात के बाद सक्रिय हुई पुलिस ने स्मार्ट वाच की मदद से मथुरा में घेराबंदी कर गेमिंग एप संचालक को सकुशल बरामद कर लिया। साथ ही मुठभेड़ के बाद दो बदमाशों को भी गिरफ्तार किया है, जबकि मुख्य आरोपित राहुल सहित चार बदमाश अभी फरार चल रहे हैं। आरोप है कि रास्ते में बदमाशों ने पीड़ित के साथ मारपीट कर 50 लाख रुपये भी मांगे।

डीसीपी सिटी राजेश कुमार के मुताबिक चिपियाना निवासी तिरंगा गेमिंग एप संचालक प्रवीण चौधरी गुरुवार सुबह करीब साढ़े 11 बजे अस्पताल में भर्ती पिता को देखने फार्च्यूनर कार से जा रहे थे। एबीईएस इंजीनियरिंग कालेज के सामने स्थित इंडियन आयल के पेट्रोल पंप के पास पहुंचे तो इको स्पोर्ट्स कार सवार बदमाशों ने उनकी गाड़ी में टक्कर मार दी। मारपीट कर प्रवीण को अगवा कर फरार हो गए। शाम करीब पांच बजे स्वजन ने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने प्रवीण की स्मार्टवाच की लोकेशन निकाली तो वह मथुरा क्षेत्र की मिली। इस पर मथुरा पुलिस के सहयोग से पुलिस ने फराह थाना क्षेत्र में बदमाशों की घेराबंदी कर ली। प्रवीण को बरामद करने के बाद कुछ ही दूरी पर पुलिस की बदमाशों से मुठभेड़ हो गई। इसमें मथुरा के फराह थानाक्षेत्र के गढ़ी बैरी निवासी सुरेंद्र उर्फ सौरभ व गौर सिटी निवासी मनीष को गिरफ्तार कर लिया। मनीष से प्रवीण की कार भी बरामद हुई है।

### हरित क्षेत्र बढ़ाने से जुड़ीं सीईसी की सिफारिशें सुप्रीम कोर्ट ने स्वीकारीं

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** दिल्ली में घटते हरित क्षेत्र से निपटने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति (सीईसी) की सिफारिशों को स्वीकार कर लिया। इनमें कस्टमाइज्ड मैनेजमेंट इन्फारमेशन सिस्टम (एमआइस) माड्यूल बनाना शामिल है, जिस में ऐसी परियोजनाओं के विवरण अपलोड करने होंगे जिनमें पेड़ों को काटने की आवश्यकता होगी। इनमें काटने वाले या स्थानांतरित पेड़ों एवं प्रतिपूरक पौधारोपण की संख्या शामिल होगी।

जस्टिस एएस ओका और जस्टिस एजी मसीह की पीठ दिल्ली में हरित क्षेत्र बढ़ाने एवं इसके लिए व्यवस्था बनाने संबंधी मामले पर सुनवाई कर रही थी। शीर्ष अदालत में दाखिल रिपोर्ट में सीईसी ने जिस एमआइएस माड्यूल को बनाने की सिफारिश की है उस पर परियोजना प्रस्तावकों द्वारा नियमित आधार पर आंकड़े अपलोड किए जाएंगे ताकि दिल्ली रिज से जुड़े मुद्दों पर अदालती आदेशों का उचित एवं समय पर अनुपालन सुनिश्चित किया जा सके। रिज दिल्ली में अरावली पहाड़ी श्रृंखला का विस्तार है जिसका कुल क्षेत्रफल 7,784 हेक्टेयर है।

**उम्मीद को झटका**

# राजधानी में बंद है सब्सिडी, कम हुई ई-वाहनों की ब्रिकी

पंजीकरण घटने का कारण सब्सिडी और रोड टैक्स में 10 प्रतिशत छूट बंद होना माना जा रहा, सब्सिडी देने की फाइल पर कैबिनेट से लगनी है मुहर, मुख्यमंत्री के नहीं होने से हो रही है देरी

वीके शुक्ला • जागरण

**नई दिल्ली :** दिल्ली में बढ़ने की जगह इलेक्ट्रिक वाहनों का पंजीकरण लगातार कम हो रहा है। इस साल अप्रैल से अगस्त तक पिछले साल की अपेक्षा दो हजार इलेक्ट्रिक वाहनों का पंजीकरण कम हुआ है। इन वाहनों में सब्सिडी और रोड टैक्स में मिलने वाली 10 प्रतिशत की छूट बंद होने को इसकी वजह माना जा रहा है। विशेषज्ञों की मानें तो सब्सिडी शुरू होने पर फिर से इन वाहनों का पंजीकरण बढ़ेगा। यहां गौर करने वाली बात यह भी है कि इस साल कुल वाहनों में पिछले साल की अपेक्षा पंजीकरण बढ़ा है।

दिल्ली सरकार का लक्ष्य दिल्ली को इलेक्ट्रिक वाहनों की राजधानी बनाना है। इसके तहत सरकार दिसंबर 2025 तक कुल पंजीकरण होने वाले वाहनों में से 25 प्रतिशत इलेक्ट्रिक वाहनों का लक्ष्य लेकर चल रही है। अगस्त 2020 से देखें तो अब तक दिल्ली में 2,15,000 इलेक्ट्रिक वाहन पंजीकृत हुए हैं। हर वर्ष इन वाहनों का प्रतिशत बढ़ भी रहा था, लेकिन अब इस मामले में सरकार को झटका लगा है। पुरानी नीति के तहत लोगों को जनवरी से वाहन खरीदने पर सब्सिडी नहीं मिल रही है। लोगों को उम्मीद थी कि सब्सिडी शुरू होगी, मगर इस वर्ष मार्च तक भी शुरू नहीं हो सकी, तो इसका असर वाहनों के पंजीकरण में देखने को मिल रहा है। दिल्ली सरकार ने पुरानी नीति को 30 जून तक बढ़ा दिया था। मगर उसके बाद से पुरानी नीति भी आगे नहीं बढ़ सकी है। हालांकि सरकार नई ईवी नीति पर भी काम कर रही है।

इलेक्ट्रिक वाहन। फाइल

**इलेक्ट्रिक वाहनों का पंजीकरण**

| माह | 2022 | 2023 | 2024 |
|---|---|---|---|
| अप्रैल | 3,962 | 5,185 | 5,263 |
| मई | 3,508 | 7,632 | 4,993 |
| जून | 4,459 | 4,907 | 4,077 |
| जुलाई | 5,595 | 4,917 | 5,155 |
| अगस्त | 4,591 | 4,939 | 4,366 |
| कुल | 22,115 | 27,578 | 25,778 |

कुल वाहनों का पंजीकरण

**2025** दिसंबर तक कुल पंजीकरण होने वाले वाहनों में से 25 प्रतिशत इलेक्ट्रिक वाहनों का लक्ष्य लेकर चल रही है सरकार

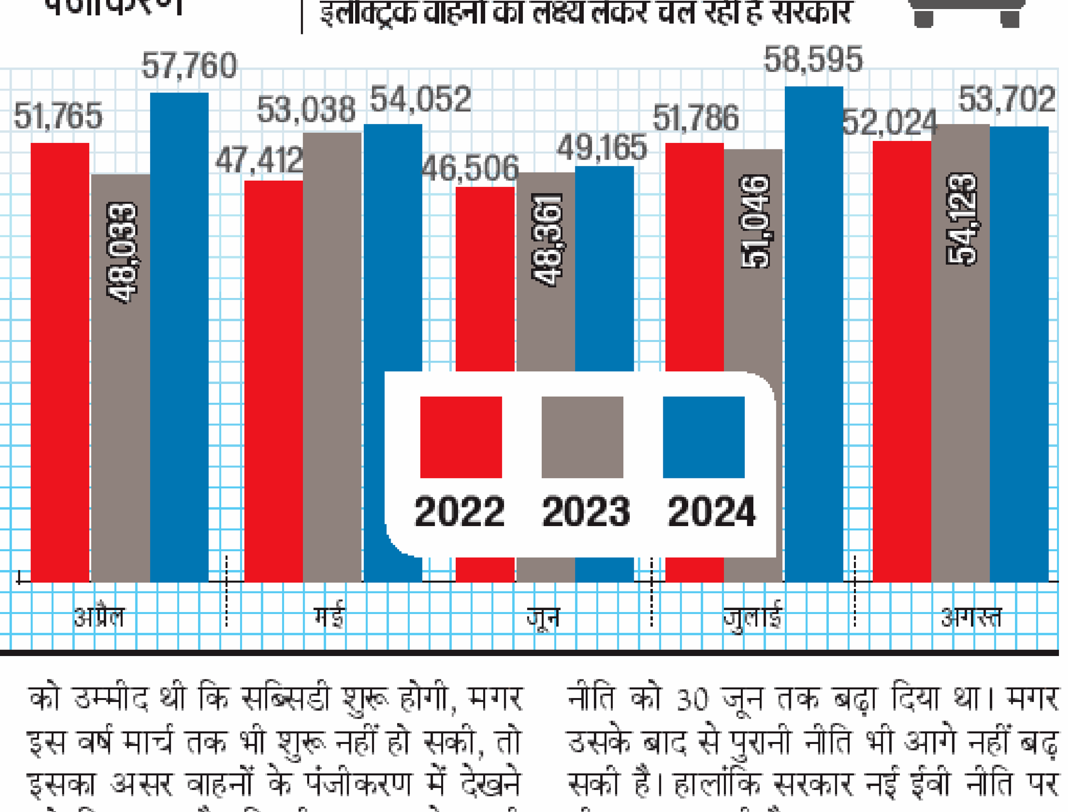


# जनवरी से अगस्त तक 160 दिन मिली दिल्ली वासियों को साफ हवा

संजीव गुप्ता • जागरण

- जुलाई और अगस्त में एक भी दिन 'खराब' श्रेणी में नहीं पहुंचा एयर क्वालिटी इंडेक्स

**नई दिल्ली :** आठ माह बीत जाने के बावजूद वर्ष 2024 में भी दिल्ली वासियों को एक बार भी 'अच्छी' श्रेणी की हवा में सांस लेने का मौका नहीं मिला है। मानसून में भी दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआइ) 'संतोषजनक' श्रेणी तक ही पहुंच सका। वर्ष 2023 में भी यही स्थिति बनी थी। हालांकि कहने को वर्ष 2016 से 2023 के दौरान (2020-कोरोना काल को छोड़कर) इन आठ माह में दिल्ली की वायु गुणवत्ता में काफी सुधार देखने को मिला है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) से मिले आंकड़ों के मुताबिक एक जनवरी से 31 अगस्त तक 245 दिन में से 160 दिन 'मध्यम' और 'संतोषजनक' श्रेणी की हवा रिकार्ड की गई। हालांकि साफ यानी 'अच्छी' श्रेणी की हवा एक भी दिन नहीं मिली। जून से सितंबर तक का समय मानसून सीजन का होता है। इस दौरान लगातार अच्छी वर्षा होने पर प्रदूषक तत्व भी धुल जाते हैं। हवा एकदम साफ हो जाती है और कभी-कभी इंद्रधनुष भी देखने को मिल जाता है, लेकिन इस बार जुलाई और अगस्त में काफी अच्छी वर्षा होने के बावजूद एक भी दिन दिल्ली का एक्यूआइ 50 से नीचे यानी 'अच्छी' श्रेणी में नहीं पहुंचा।

इस साल कमोबेश हर महीने ही मौसम की मेहरबानी बनी रही है। प्री मानसून और मानसून के हर माह में सामान्य से अधिक वर्षा हो रही है। इससे प्रदूषक तत्व बैठ गए हैं। इसीलिए हवा भी साफ चल रही है। यह बात अलग है कि एक्यूआइ 50 से नीचे नहीं पहुंच पाया। - **डा. अनिल गुप्ता, सदस्य, सीपीसीबी एवं डीपीसीसी**

********

# जल संरक्षण केवल नीति नहीं, पुण्य का काम : मोदी

**महत्वपूर्ण संदेश** ▶ पीएम बोले, पानी वह पहला पैमाना होगा, जिस पर आने वाली पीढ़ियां करेंगी हमारा मूल्यांकन

### पानी बचाने के लिए रीड्यूस, रीयूज, रीचार्ज और रीसाइकिल का दिया मंत्र

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जल संरक्षण की महत्ता पर जोर देते हुए कहा है कि यह एक नीति भर नहीं है, बल्कि एक प्रयास और पुण्य का काम भी है। जल संचय, जन भागीदारी अभियान की शुरुआत के अवसर पर पीएम ने कहा कि पानी वह पहला पैमाना होगा, जिस पर आने वाली पीढ़ियां हमारा मूल्यांकन करेंगी। पीएम ने इस अवसर पर जल संरक्षण के लिए रीड्यूस, रीयूज, रीचार्ज और रीसाइकिल का मंत्र दिया। इसे समझाते हुए मोदी ने कहा कि पानी तभी बचाया जा सकता है जब इसकी बर्बादी रुके, खर्च कम किया जाए, दोबारा इस्तेमाल हो, जल के स्रोतों को फिर से भरा जाए और दूषित जल को स्वच्छ किया जाए।

मोदी ने गुजरात और आंध्र प्रदेश में बाढ़ के कारण बिगड़े हालात पर चिंता जताई और कहा कि गुजरात के सीएम के रूप में अपने कार्यकाल में उन्होंने कभी हर तहसील में इस कदर बारिश न कभी देखी और न सुनी। गुजरात को इस बार बहुत बड़े संकट का सामना करना पड़ रहा है। बिगड़ी स्थिति से निपटने के लिए पूरा तरह तैयार नहीं थे। हालांकि, राज्य और देश के लोग कंधे से कंधे मिलाकर खड़े हुए। शुक्रवार को गुजरात में शुरू किए गए जल संचय और जन भागीदारी अभियान के तहत राज्य में जल संरक्षण के लिए 24 हजार से अधिक संरचनाओं का निर्माण किया जाना है।

समारोह को वर्चुअली संबोधित करते हुए पीएम ने कहा कि जल एक संसाधन भर नहीं है, बल्कि जीवन और मानवता का सवाल है। इसीलिए जल संरक्षण सुरक्षित भविष्य के हमारे नौ संकल्पों में सर्वोपरि है। पर्यावरण और जल संरक्षण की जरूरत रेखांकित करते हुए पीएम ने याद दिलाया कि देश में दुनिया का केवल चार प्रतिशत पेयजल है। भारत में अनेक बड़ी नदियां हैं, लेकिन एक बड़ा भौगोलिक क्षेत्र जल से वंचित है और जल स्तर तेजी से नीचे जा रहा है। पानी की कमी और जलवायु परिवर्तन ने लोगों के जीवन पर गहरा असर डाला है।

चुनौतीपूर्ण स्थितियों के बावजूद पीएम ने यह भरोसा भी जताया कि केवल भारत में ही अपने और विश्व के लिए जल संकट से निपटने की क्षमता है। जल और पर्यावरण संरक्षण हमारे लिए केवल किताबी बातें नहीं हैं, बल्कि यह हमारी परंपरागत और संस्कृतिक चेतना का हिस्सा है। हम जल को देवता मानते हैं, नदियां हमारे लिए देवी हैं और सरोवर ईश्वर के धाम। जल संचय और जल दान सेवा का सर्वोच्च भाव है। पीएम ने 25 साल पहले सौराष्ट्र की स्थिति को याद करते हुए कहा कि पहले की सरकारों के पास जल संरक्षण की कोई दृष्टि ही नहीं थी। भाजपा सरकार ने दशकों से लंबित सरदार सरोवर परियोजना को पूरा किया। पहले की सरकारों में पानी से जुड़ी परियोजनाओं पर हजारों करोड़ रुपये खर्च किए गए, लेकिन सार्थक नतीजे पिछले 10 सालों में नजर आए हैं। यह समग्र समाज और समग्र सरकार वाले दृष्टिकोण का नतीजा है। भाजपा सरकार में पानी को लेकर पहली बार सीमित नजरिये का सोच समाप्त हुआ है। जलशक्ति मंत्रालय का गठन इसी दूरगामी सोच का नतीजा था।

नई दिल्ली में शुक्रवार को 'जल संचय, जन भागीदारी अभियान का वर्चुअली शुभारंभ करते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गुजरात के सूरत में लाइव वीडियो देखते लोग। एएनआइ

### जल जीवन मिशन की भी सराहना की

पीएम ने हर घर में नल से पानी पहुंचाने के लिए चलाई जा रही जल जीवन मिशन की सफलता रेखांकित करते हुए कहा कि 10 साल पहले संप्रग सरकार के समय केवल तीन करोड़ घरों में नल जल कनेक्शन थे, लेकिन आज यह संख्या 15 करोड़ को पार कर गई है। अब देश के 75 प्रतिशत से अधिक ग्रामीण घरों में नल के जरिये पानी पहुंचाया जा चुका है।

### कृषि में सबसे अधिक खपत

प्रधानमंत्री ने यह भी स्मरण कराया कि देश का लगभग 80 प्रतिशत पानी कृषि कार्यों में प्रयुक्त होता है। इसलिए जरूरी है कि कृषि को ऐसा स्वरूप दिया जाए कि पानी की खपत कम हो। सरकार इसके लिए लगातार ड्रिप इरिगेशन को बढ़ावा दे रही है।

# लखनऊ में थिएटर कमांड के गठन पर बढ़े निर्णायक कदम

जागरण संवाददाता, लखनऊ

**ज्वाइंट कमांडर्स कान्फ्रेंस**

- रक्षा मंत्री के नेतृत्व में 'सशक्त और सुरक्षित भारत : सशस्त्र बलों का परिवर्तन' थीम पर मंथन
- भविष्य की चुनौतियों से निपटने की योजनाओं को दिया अंतिम रूप, एआइ के उपयोग पर भी रहा जोर

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के नेतृत्व में लखनऊ में हुई ज्वाइंट कमांडर्स कान्फ्रेंस में चीन और पाकिस्तान की चुनौतियों का मजबूती से जवाब देने के लिए थिएटर कमांड का फाइनल ब्लूप्रिंट तैयार किया गया। रूस-यूक्रेन के बीच युद्ध के हालात और बांग्लादेश में तख्तापलट से निपटने की तैयारी पर बात हुई तो तीनों सशस्त्र सेनाओं को भविष्य के लिए तैयार करने की योजना बनी। आमने-सामने की लड़ाई की जगह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) पर जोर दिया गया।

लखनऊ में पहली बार ज्वाइंट कमांडर्स कान्फ्रेंस का आयोजन रक्षा मंत्री की पहल पर ही किया गया। भारत की बढ़ती ताकत का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि ब्रह्मोस मिसाइल का लखनऊ में निर्माण हो रहा है। पिछले दिनों परमाणु क्षमता वाली पनडुब्बी अरिघात का लोकार्पण किया था। यह 750 किलोमीटर तक मार करने वाली स्वदेशी परमाणु पनडुब्बी है। सीडीएस जनरल अनिल चौहान के नेतृत्व में तीनों सेनाओं के शीर्ष कमांडरों ने 'सशक्त और सुरक्षित भारत: सशस्त्र बलों का परिवर्तन' थीम पर अपनी योजना साझा की।

रक्षा मंत्री की अध्यक्षता में बुधवार और गुरुवार को हुई विस्तृत चर्चा के बाद भावी थिएटर कमांड के जल्द आकार लेने का रोडमैप बन गया। शीर्ष अधिकारियों ने युद्ध लड़ने के तरीकों में आ रहे बदलाव का अध्ययन करने के बाद भावी थिएटर कमांड के अंतिम ब्लू प्रिंट को साझा किया।

**लखनऊ में होगी उत्तरी थिएटर कमांड :** सीडीएस की अध्यक्षता में उत्तरी थिएटर कमांड, पश्चिमी थिएटर कमांड और समुद्री (मैरीटाइम) थिएटर कमांड करीब 12 से 18 माह में बनेंगी। लखनऊ में स्थापित मध्य कमान के स्थान पर उत्तरी थिएटर कमांड की स्थापना की जाएगी। यह कमांड चीन के सामने मजबूत दीवार बनेगी। पाकिस्तान से निपटने के लिए पश्चिमी कमांड की स्थापना जयपुर में होगी। वहीं, समुद्री थिएटर कमांड तिरुवनंतपुरम में बनेगा। मौजूदा समय में तीनों सेनाओं की 17 कमांड का एकीकरण उनके बेहतर आपरेशन, प्लानिंग और लाजिस्टिक की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

## आइटी ट्रिब्यूनल में रिक्तियों के मुद्दे को देख रहे : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को बेंगलुरु स्थित एक बार एसोसिएशन से कहा कि वह इनकम टैक्स अपील ट्रिब्यूनल (आइटीएटी) में खाली पदों से संबंधित मुद्दों को देख रहा है।

चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पार्डीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ जैसे ही सूचीबद्ध मामलों पर सुनवाई के लिए बैठी, उसी समय बेंगलुरु बार एसोसिएशन की ओर से एक वकील ने शहर में आइटीएटी में रिक्त पदों का जिक्र किया। चीफ जस्टिस ने कहा, 'हम इस मामले से अवगत हैं। हम लंबित रिक्तियों के मुद्दे पर गौर करेंगे।' आइटीएटी देश में प्रत्यक्ष करों से संबंधित कानूनों के तहत अपीलों के निपटारे के लिए एक अर्ध न्यायिक निकाय है। प्रारंभ में इसकी केवल तीन पीठ दिल्ली, कोलकाता और मुंबई में थीं। अब यह संख्या बढ़कर 63 हो गई है और आइटीएटी की पीठें 30 शहरों में कार्यरत हैं। आइटीएटी में एक अध्यक्ष, एक वरिष्ठ उपाध्यक्ष और नौ उपाध्यक्षों समेत 126 सदस्य हैं।

# हर पंचायत में सामाजिक न्याय मजबूत करने में जुटी सरकार

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- बिहार में होगी तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला, एससी-एसटी सहित कमजोर वर्ग पर नजर

सामाजिक न्याय का बिगुल फूंककर विपक्षी दल इस बार लोकसभा चुनाव के मैदान में उतरे थे और आगे भी इसी मुद्दे के साथ चलने की तैयारी में हैं। इस बीच भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार का प्रयास है कि लोकतंत्र की सबसे निचली इकाई पंचायत स्तर तक सरकार के सामाजिक न्याय और सामाजिक सुरक्षा के संदेश पहुंचाया जाए।

देश की प्रत्येक पंचायत को किस तरह 'सामाजिक रूप से न्यायसंगत और सुरक्षित' बनाया जा सकता है इस पर मंथन के लिए पटना में 10 से 12 सितंबर तक तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की जा रही है। इसमें देशभर से लगभग 800 प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं। इसमें हर राज्य का प्रतिनिधित्व अनिवार्य है। जिन पंचायतों ने इस दिशा में अच्छा कार्य किया है, वह प्रस्तुतीकरण देंगे। मंत्रालय उसकी रिपोर्ट बनाकर सभी राज्यों से साझा करेगा ताकि सभी पंचायतों में उस माडल को अपनाया जा सके।

पंचायती राज मंत्रालय द्वारा जिन नौ विषयों पर सतत विकास लक्ष्यों का स्थानीयकरण किया गया है, उनमें सामाजिक न्याय एवं सुरक्षा शामिल है। सरकार की सामाजिक रूप से न्यायसंगत और सुरक्षित पंचायत की लेकर अवधारणा है कि गांव में हर व्यक्ति को देखभाल, सुरक्षा, अधिकार और सामाजिक सुरक्षा की योजनाओं का लाभ मिले। अनुसूचित जाति, जनजाति, ओबीसी, दिव्यांग, बुजुर्गों, महिलाओं, ट्रांसजेंडरों और अन्य उपेक्षित वर्गों की भलाई की योजनाएं पंचायतों में लागू हों। इनके कल्याण के लिए विभिन्न मंत्रालयों की योजनाओं का कन्वर्जेंस आवश्यक है। ग्राम पंचायतों के अधिकारियों सहित प्रधान इसकी जिम्मेदारी समझें। योजनाओं में सामाजिक न्याय को शामिल कर पात्रों को चिह्नित कर शत-प्रतिशत योजनाओं का लाभ दिलाने में भूमिका निभाएं।

## भारत और फ्रांस ने मेगा नौसैनिक अभ्यास किया

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारत और फ्रांस की नौसेनाओं ने भूमध्य सागर में एक मेगा युद्धाभ्यास किया। भारतीय नौसैनिक जहाज तबर और लंबी दूरी के समुद्री निगरानी विमान पी-8आइ ने वरुण अभ्यास के 22वें संस्करण में भाग लिया। यह मेगा अभ्यास दो से चार सितंबर तक हुआ। फ्रांसीसी पक्ष का प्रतिनिधित्व फ्रेंटलाइन जहाज एफएस प्रोवेंस, पनडुब्बी सफ्रेन, लड़ाकू विमान एमबी 339 और हेलीकाप्टर एनएच 90 द्वारा किया गया था।

नौसेना ने कहा कि अभ्यास के दौरान उन्नत नौसैनिक अभियानों की एक श्रृंखला आयोजित की गई, जिसमें पनडुब्बी रोधी युद्धाभ्यास, वायु रक्षा अभ्यास आदि शामिल थे। 2001 में शुरू हुआ द्विपक्षीय अभ्यास वरुण भारत-फ्रांस नौसैनिक संबंधों की रीढ़ है। भूमध्य सागर में वरुण का अभ्यास भारत की बढ़ती नौसैनिक पहुंच और हिंद महासागर क्षेत्र से परे निरंतर संचालन की क्षमता को रेखांकित करता है। इस अभियान के दौरान भारतीय और फ्रांसीसी नौसेना बलों के बीच सामरिक क्षमताओं और समन्वय को प्रदर्शित किया गया।

# शिक्षकों के हाथों में विकसित भारत के लिए युवाओं को तैयार करने की जिम्मेदारी : पीएम

- पीएम ने राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित शिक्षकों से की बातचीत
- छात्रों को शैक्षिक दौरों पर ले जाने के लिए किया प्रोत्साहित

नई दिल्ली, एएनआइ : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित शिक्षकों से बातचीत की। पीएम ने नई शिक्षा नीति के प्रभाव पर चर्चा की और कहा कि आज के युवाओं को विकसित भारत के लिए तैयार करने की जिम्मेदारी शिक्षकों के हाथों में है।

पीएम ने अपनी मातृभाषा में शिक्षा प्राप्त करने के महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने शिक्षकों को विभिन्न भाषाओं में छात्रों को स्थानीय लोककथाएं सिखाने का भी सुझाव दिया, ताकि उन्हें विभिन्न भाषाओं से परिचित होने में मदद मिल सके। शिक्षकों को भारत की विविधता का पता लगाने के लिए छात्रों को शैक्षणिक दौरों पर ले जाने के लिए भी प्रोत्साहित किया।

इस दौरान शिक्षकों ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ अपने अनुभव और सीखने को और अधिक रोचक बनाने के लिए अपनाई गई नवीन तकनीकों को भी साझा किया। देशभर के 82 शिक्षकों को पांच सितंबर को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने पुरस्कार से सम्मानित किया था। उन्हें संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षकों को ऐसे नागरिक तैयार करने होंगे, जो न केवल शिक्षित हों बल्कि संवेदनशील, ईमानदार और उद्यमशील भी हों। उन्होंने कहा कि जीवन में आगे बढ़ना सफलता है, लेकिन जीवन की सार्थकता दूसरों के कल्याण के लिए काम करने में है। शिक्षण सिर्फ एक नौकरी नहीं है। यह मानव विकास का एक पवित्र मिशन है।

नई दिल्ली में शुक्रवार को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2024 के विजेताओं से चर्चा करते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी। प्रेट्र

## विशेषज्ञ पैनल की मंजूरी के बाद ही बनेगी 1.5 किमी से ज्यादा लंबी टनल

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- सड़क परिवहन मंत्रालय ने सिलक्यारा टनल हादसे से लिया है सबक
- विशेषज्ञ पैनल गठित, इसके पास भेजना होगा परियोजनाओं का प्रस्ताव

उत्तराखंड में सिलक्यारा टनल हादसे से सबक लेते हुए सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय सुरंग निर्माण की परियोजनाओं को लेकर सतर्क हो गया है। विशेषज्ञ पैनल गठित कर राज्यों और एनएचएआइ तथा एनएचआइडीसीएल जैसी अपनी एजेंसियों से कहा गया है कि डेढ़ किलोमीटर से अधिक लंबी टनल निर्माण परियोजनाओं का प्रस्ताव पैनल को भेजना अनिवार्य होगा। विशेषज्ञ द्वारा विभिन्न मानकों और तकनीकी पहलुओं का परीक्षण कर जो सलाह या दिशानिर्देश दिए जाएंगे, उसी आधार पर टनल का निर्माण किया जा सकेगा।

मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को इस आशय की चिट्ठी जारी की गई। इसमें कहा गया है कि टनल निर्माण के दौरान होने वाले हादसे, खास कर सिलक्यारा हादसे को ध्यान में रखते हुए ऐसी परियोजनाओं के डिजाइन और निर्माण की गुणवत्ता जांच की प्रक्रिया की समीक्षा की तत्काल आवश्यकता है। सरकार ने व्यवस्था की है कि डीपीआर

टनल निर्माण में होगी अतिरिक्त सुरक्षा।

बनाते समय ही सुरंग परियोजनाओं के जियोलाजिकल, जियो-टेक्निकल, जियो-फिजीकल इन्वेस्टिगेशन, डिजाइन, सेफ्टी आडिट और निगरानी प्रक्रिया का परीक्षण कर लिया जाए। इसके लिए फ्रेमवर्क बनाया गया है। बता दें कि नवंबर, 2023 में उत्तरकाशी में सिलक्यारा टनल निर्माण के दौरान भूस्खलन की वजह से 41 मजदूर उसमें फंस गए थे। उन्हें बचाने को 17 दिन तक आपरेशन चला था।

# सेबी प्रमुख को बुलाने पर निर्णय लेगी पीएसी

नई दिल्ली, प्रेट्र : लोक लेखा समिति (पीएसी) के अध्यक्ष केसी वेणुगोपाल ने शुक्रवार को कहा कि हितों के टकराव के आरोपों का सामना कर रहीं सेबी प्रमुख माधबी पुरी बुच को समिति के समक्ष पेश होने के लिए कहा जाएगा या नहीं, इस पर समिति को निर्णय लेना है। माधबी बुच के खिलाफ आरोपों को लेकर इन दिनों राजनीतिक तूफान उठा हुआ है।

भाजपा सांसद और समिति के सदस्य निशिकांत दुबे ने इस सुझाव पर सवाल उठाया कि क्या आरोपों के आधार पर बुच की जांच की जा सकती है। पीएसी केवल 'आधिकारिक निकायों द्वारा तैयार तथ्यात्मक रिपोर्ट' के आधार पर ही किसी मामले की जांच कर सकती है। अमेरिकी शार्ट-शेलिंग फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च ने बुच के खिलाफ हितों के टकराव का आरोप लगाया था। हालांकि, बुच ने आरोपों से साफ इन्कार किया है।

वेणुगोपाल ने कहा कि संसदीय समिति ने अपने सदस्यों के सुझाव पर सेबी और ट्राई जैसे नियामक निकायों के प्रदर्शन की समीक्षा का भी निर्णय लिया है। सेबी अध्यक्ष को पीएसी के समक्ष बुलाने के बारे में पूछे गए सवालों पर कहा कि बाकी चीजों पर समिति को निर्णय लेना है।

केसी वेणुगोपाल। फाइल

- माधबी बुच के खिलाफ हितों के टकराव के आरोपों को लेकर उठा है राजनीतिक तूफान
- लोक लेखा समिति करेगी नियामक निकायों के प्रदर्शन की समीक्षा

माधबी बुच। फाइल

## बुच को किराया देने के कांग्रेस के आरोप को वाकहार्ट कंपनी ने गलत बताया

नई दिल्ली, एएनआइ : दवा और जैव प्रौद्योगिकी कंपनी वाकहार्ट ने सेबी प्रमुख माधबी बुच को किराया देने के कांग्रेस के आरोप का खंडन किया है। कंपनी ने स्टाक एक्सचेंजों को दी गई जानकारी में कहा कि यह आरोप पूरी तरह से निराधार और भ्रामक है।

इससे पहले माधबी बुच के खिलाफ हितों के टकराव का एक नया आरोप लगाते हुए कांग्रेस ने दावा किया कि उन्हें एक ऐसी कंपनी से जुड़ी इकाई से किराये की आय प्राप्त हुई, जिसकी पूंजी बाजार नियामक ने इनसाइडर ट्रेडिंग समेत विभिन्न मामलों में जांच की थी।

कांग्रेस के मीडिया और प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा कि 2018 से 2024 के बीच सेबी की पूर्णकालिक सदस्य और बाद में अध्यक्ष रहते हुए बुच ने वाकहार्ट लिमिटेड की सहयोगी कंपनी 'कैरोल इन्फो सर्विसेज लिमिटेड' से 2.16 करोड़ रुपये की किराये की आय प्राप्त की थी। वाकहार्ट लिमिटेड की सेबी द्वारा विभिन्न मामलों में जांच की गई थी।

## बंगाल में राज्यपाल के एडीसी की नियुक्ति को लेकर विवाद

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

- शांति दास को नया एडीसी नियुक्त करने पर राजभवन ने जताई आपत्ति
- सीएमओ को पत्र भेजकर प्रोटोकाल का पालन करने की दी सलाह

बंगाल सरकार (राज्य सचिवालय नवान्न) और राजभवन के बीच अब ताजा विवाद राज्यपाल के नए सहयोगी (एडीसी) की नियुक्ति को लेकर सामने आया है। सूत्रों ने बताया कि राजभवन ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक स्तर की डब्ल्यूबीपीएस अधिकारी शांति दास को राज्यपाल डा सीवी आनंद बोस का नया एडीसी नियुक्त करने के राज्य सरकार के हालिया फैसले पर कड़ी आपत्ति जताई है।

राजभवन सूत्रों ने बताया कि राज्यपाल के एडीसी के रूप में दास के नाम की घोषणा करते समय राज्य सचिवालय ने तीन नामों की राज्यपाल कार्यालय को भेजने और उनमें से एक नाम की मंजूरी देने के लिए राज्यपाल से अंतिम मंजूरी मिलने का इंतजार करने के प्रोटोकाल का पालन नहीं किया है।

राजभवन ने इस मामले में मुख्यमंत्री कार्यालय को पहले ही एक शिकायत पत्र भेजकर तीन नाम भेजने के प्रोटोकाल का पालन करने की सलाह दी है। प्रोटोकाल के अनुसार राज्यपाल के पास दो एडीसी होने चाहिए, एक रक्षा बलों से और दूसरा पुलिस बलों से। भारतीय सेना के एक मेजर रैंक के अधिकारी काफी समय से एडीसी के रूप में काम कर रहे हैं। हाल ही में सरकार ने राज्यपाल के दूसरे एडीसी आइपीएस मनोज जोशी का तबादला कर दिया और उनकी जगह महिला डब्ल्यूबीपीएस अधिकारी शांति दास को एडीसी नियुक्त किया है। यह पहली बार है कि डब्ल्यूबीपीएस (राज्य पुलिस) अधिकारी को राज्यपाल के एडीसी के पद पर तैनात किया गया है।

ममता बनर्जी और सीवी आनंद बोस। फाइल

**सम्मान**

कहा, भारत एआइ की दुनिया में प्रमुख खिलाड़ी बनने की कोशिश कर रहा, पांच वर्षों में सेमीकंडक्टर विनिर्माण में शीर्ष पांच में शामिल होने का लक्ष्य

# टाइम की एआइ 100 सूची में वैष्णव व अनिल कपूर भी शामिल

न्यूयार्क, प्रेट्र : टाइम मैगजीन ने गुरुवार को सबसे प्रभावशाली लोगों की प्रतिष्ठित सूची 2024 टाइम 100 एआइ जारी की है। इसमें केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव, इंफोसिस के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणि और अभिनेता अनिल कपूर सहित 15 भारतीय या भारतीय मूल के लोगों को शामिल किया गया है। इनमें गूगल के सुंदर पिचाई और माइक्रोसाफ्ट के सत्य नडेला भी शामिल हैं।

टाइम मैगजीन ने कहा है कि दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था एआइ की दुनिया में एक प्रमुख खिलाड़ी बनने की कोशिश कर रहा है। 54 वर्षीय अश्विनी वैष्णव के नेतृत्व में अगले पांच वर्षों के दौरान भारत सेमीकंडक्टर विनिर्माण के लिए शीर्ष पांच देशों में से एक बनने की उम्मीद कर रहा है।

मैगजीन के मुताबिक, इन महत्वाकांक्षाओं को साकार करने में वैष्णव की महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। भारत अत्याधुनिक एआइ और सेमीकंडक्टर विकास के लिए आवश्यक विशेष कार्यबल तैयार करने के लिए भी कार्य कर रहा।

67 वर्षीय अनिल कपूर को सितंबर 2023 में उनकी तस्वीर का एआइ के माध्यम से गलत तरीके से इस्तेमाल का विरोध करने के बाद टाइम की इस सूची में शामिल किया गया है। अनिल कपूर ने यह मामला तब उठाया, जब बड़ी संख्या में विकृत वीडियो, जीआइएफ और इमोजी आनलाइन प्रसारित होने लगे।

टाइम मैगजीन ने 69 वर्षीय नीलेकणि के बारे में कहा है कि इंफोसिस के सह-संस्थापक ने विश्व की सबसे अधिक आबादी वाले देश के डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्हें भारत का बिल गेट्स जैसे उपनाम मिले हैं। नीलेकणि ने दुनिया के सबसे बड़े बायोमीट्रिक पहचान पत्र कार्यक्रम आधार का नेतृत्व किया।

2024 टाइम 100 एआइ सूची में 40 सीईओ, संस्थापक और सह-संस्थापक शामिल हैं, जिनमें मेटा के मार्क जुकरबर्ग और परप्लेक्सिटी के अरविंद श्रीनिवास आदि शामिल हैं। एआइ नाउ इंस्टीट्यूट की सह-कार्यकारी निदेशक अंबा काक, यूएस आफिस आफ साइंस एंड टेक्नोलाजी पालिसी की निदेशक आरती प्रभाकर और कलेक्टिव इंटेलिजेंस प्रोजेक्ट की सह-संस्थापक दिव्या सिद्धार्थ इस सूची में शामिल प्रमुख महिलाएं हैं।

**15** भारतीय या भारतीय मूल के लोगों टाइम की इस सूची में मिला है स्थान

**2023** में कपूर ने अपनी तस्वीर का एआइ के माध्यम से गलत इस्तेमाल किए जाने का किया था विरोध

अश्विनी वैष्णव। फाइल

नंदन नीलेकणि। फाइल

अनिल कपूर। फाइल

**कह कर रहेंगे** माधव जोशी

********

**24** सीटों पर तीसरे चरण में चुनाव है जम्मू संभाग में। इनमें जम्मू जिले में 11, सांबा में तीन, कठुआ में छह और ऊधमपुर में चार विधानसभा क्षेत्र हैं। शेष 16 विधानसभा क्षेत्र कश्मीर के हैं।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
शनिवार 7 सितंबर, 2024

# 'राहुल और हुड्डा क्या देश को फिर आतंकवाद में झोंकना चाह रहे'

अनुराग अग्रवाल ● जागरण

- कहा, कांग्रेस व आप भ्रष्टाचारियों का टोला, मैं गोल्ड की बजाय डायमंड मेडल देना चाहूंगा
- जम्मू-कश्मीर में नेकां से कांग्रेस के गठबंधन पर हरियाणा के मुख्यमंत्री ने उठाए सवाल

नायब सिंह सैनी। फाइल

**चंडीगढ़ :** हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कांग्रेस और आम आदमी पार्टी को भ्रष्टाचारियों का टोला बताया। कहा कि यदि मुझे भ्रष्टाचार में इन दोनों दलों को मेडल देना पड़े तो मैं गोल्ड मेडल की बजाय उन्हें डायमंड मेडल देना चाहूंगा। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस शासित राज्यों में चुनाव पूर्व किए गए वादों को पूरा नहीं करने पर वहां के मुख्यमंत्रियों की कड़ी आलोचना की। जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस और नेशनल कान्फ्रेंस के बीच हुए गठबंधन कर नायब सैनी ने राहुल गांधी और भूपेंद्र सिंह हुड्डा से पूछा है कि क्या वे फिर देश को आतंकवाद की तरफ ले जाने वाली शक्तियों के साथ हैं। दैनिक जागरण से बातचीत में मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि हमारी सरकार के विरुद्ध किसी तरह की एंटी इनकमबेंसी नहीं हैं। एंटी इनकमबेंसी तो कांग्रेस में है। उसने 10 साल के कार्यकाल में अपने नेताओं, गांधी परिवार, बिल्डरों और प्रापर्टी डीलरों का विकास किया।

लोकसभा चुनाव में भाजपा की कम सीटों से जुड़े सवाल पर सैनी ने कहा कि कांग्रेस यह झूठ फैलाने में कामयाब रही कि प्रधानमंत्री मोदी को यदि 400 सीटें मिल गईं तो वह भारत के संविधान को बदल देंगे। मगर काठ की हांडी बार-बार नहीं चढ़ती। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के मुफ्त के वादों पर नायब सैनी ने कहा कि कांग्रेस के वादे हवा के बुलबुले होते हैं। हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक में सरकार बनने से पहले कांग्रेस ने वहां की जनता से बड़े-बड़े वादे किए थे। लेकिन अभी तक कोई वादा पूरा नहीं किया गया। हिमाचल प्रदेश में तो नौबत यहां तक आ गई कि कर्मचारियों को देने के लिए वेतन तक नहीं है। हिमाचल में कांग्रेस ने हर साल एक लाख नौकरी देने का वादा पूरा नहीं किया। कर्नाटक में महिलाओं को दो हजार रुपये मासिक नहीं दिए गए। तेलंगाना में कांग्रेस का एक साल में सरकारी पदों पर भर्तियां करने का वादा अधूरा है।

सैनी ने कहा कि हिमाचल में ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी नहीं करने का वादा किया था, लेकिन डीजल पर वैट बढ़ा दिया। हिमाचल में ही तीन सौ यूनिट बिजली मुफ्त देने का वादा पूरा करने की बजाय 86 पैसे प्रति यूनिट रेट बढ़ा दिए। कर्नाटक में किसानों को 24 घंटे बिजली देने का वादा पूरा नहीं किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों के आंदोलन कांग्रेस और आम आदमी पार्टी द्वारा प्रायोजित हैं। प्रदेश की भाजपा सरकार ने सभी 24 फसलों को एमएसपी पर खरीदने का काम किया है। पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के कार्यकाल में 14 फसलें एमएसपी पर खरीदी जाती थीं। 10 फसलें एमएसपी पर खरीदने का निर्णय मैंने लिया है। हमने फसलों की एमएसपी को महंगाई से जोड़ा हुआ है। कांग्रेस इस मुद्दे पर किसानों को गुमराह करने का काम कर रही है। सैनी ने कहा कि हरियाणा में भाजपा का मुकाबला केवल कांग्रेस पार्टी से है।

## सरकार बनने पर दो लाख भर्तियां करेगी कांग्रेस : हुड्डा

**राज्य ब्यूरो, जागरण ● चंडीगढ़ :** हरियाणा में चुनाव आचार संहिता में फंसी भर्तियों को सिरे चढ़ाने की मांग को लेकर अभ्यर्थियों ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा को ज्ञापन सौंपा है। विपक्ष के नेता ने आंदोलनरत युवाओं को भरोसा दिलाया कि जल्द ही उनका इंतजार खत्म होगा। कांग्रेस की सरकार बनते ही ने केवल सभी भर्तियों को तुरंत प्रभाव से पूरा किया जाएगा, बल्कि दो लाख रिक्त पदों को भी भरेंगे।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा

हुड्डा ने कहा कि युवाओं द्वारा दिया गया ज्ञापन कांग्रेस के लिए कोई मांग नहीं, बल्कि अभ्यर्थियों का अधिकार है। प्रदेश के युवा भाजपा के झांसे, पेपर लीक और भर्ती घोटालों से त्रस्त हैं। भाजपा ने पांच साल तक सिर्फ भर्तियों को लटकाने, भटकाने और युवाओं को कोर्ट के चक्कर कटवाने का काम किया है।

## भाजपाइयों का असंतोष दूर करने को मनोहर, नायब व देब ने संभाला मोर्चा

राज्य ब्यूरो, जागरण ● चंडीगढ़

हरियाणा में भाजपा के टिकट वितरण के बाद कुछ जिलों में कार्यकर्ताओं के बीच पनपे असंतोष के चलते आधा दर्जन विधानसभा सीटों पर प्रत्याशियों में बदलाव हो सकता है। इन सीटों पर उम्मीदवार बदलने को लेकर दिल्ली में भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने चर्चा की। कुछ असंतुष्ट नेताओं को बातचीत के लिए दिल्ली बुलाया गया। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल और विधानसभा चुनाव सह प्रभारी बिप्लब कुमार देब के साथ मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने टिकट से वंचित नेताओं के असंतोष को दूर करने के लिए मोर्चा संभाल लिया है। शाम को रोहतक में मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सभी को मना लेंगे। सभी कार्यकर्ता हमारा परिवार है, लेकिन फिलहाल किसी भी सीट पर टिकट बदले जाने की संभावना नहीं है।

भाजपा की सूची में जिन उम्मीदवारों के नाम हैं, वे जल्द से जल्द नामांकन कर लेना चाहते हैं। उन्हें डर है कि कहीं उनके टिकटों में बदलाव ना हो जाए। साल 2014 और 2019 में टिकट वितरण के बाद ऐसा असंतोष पार्टी कार्यकर्ताओं में देखने को नहीं मिला था। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि कोई पार्टी छोड़कर कहीं नहीं जाएगा।

भाजपा के राजनीतिक गलियारों में इंद्री, सोनीपत, हिसार, रानियां, बवानीखेड़ा, रादौर, सोहना, बाढ़डा, सफीदों, रेवाड़ी, गुरुग्राम और डबवाली विधानसभा सीटें ऐसी हैं, जहां टिकटों के बदलने की चर्चा है।

भाजपा के टिकट के दावेदारों को भी यही लग रहा है कि उनके विरोध के बाद पार्टी सूची बदल सकती है। भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने कार्यकर्ताओं के इस असंतोष को गंभीरता से लिया है और उन्हें संतुष्ट करने के लिए पार्टी के प्रमुख नेताओं को जिम्मेदारी सौंपी है। भारतीय जनता पार्टी के रणनीतिकारों का मानना है कि कांग्रेस की दूसरी लिस्ट आने के बाद उनमें ज्यादा असंतोष पैदा होगा।

# हरियाणा में गठबंधन के फार्मूले पर उलझीं कांग्रेस और आप

## कांग्रेस चार सीटें देने पर अड़ी, आप मांग रही सात सीटें

### केंद्रीय चुनाव समिति ने की हरियाणा में प्रत्याशी चयन पर बैठक

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

हरियाणा में कांग्रेस और आप भले ही भाजपा के विरुद्ध एकजुट होकर चुनाव लड़ने को तैयार हैं, लेकिन दोनों के बीच सीटों को लेकर तालमेल नहीं बन पा रहा है। यही वजह है कि दोनों दलों के बीच गठबंधन का पेंच अभी भी फंसा हुआ है। हालांकि दोनों ही दल अभी भी गठबंधन को लेकर आशान्वित है। दोनों ने इस पर जल्द ही सहमति के संकेत दिए हैं। शुक्रवार को भी सीटों पर तालमेल को लेकर कांग्रेस व आप नेताओं के बीच बैठक हुई, लेकिन बाकी बैठकों की तरह इसमें भी कोई सहमति नहीं बन पाई।

इस बीच कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति ने शुक्रवार शाम को फिर से हरियाणा में प्रत्याशियों के चयन को लेकर अहम बैठक की। इसमें सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे सहित पार्टी के सभी वरिष्ठ नेता मौजूद थे। सूत्रों की मानें तो बैठक में करीब 71 सीटों पर प्रत्याशियों के नाम फाइनल किए गए, लेकिन देर शाम 32 प्रत्याशियों की सूची जारी की गई। वैसे भी राज्य में विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन की प्रक्रिया पांच सितंबर से ही शुरू हो चुकी है। नामांकन की अंतिम तारीख 12 सितंबर तक है। सूत्रों की मानें तो पार्टी अपने प्रत्याशियों के नामों में देरी इसलिए भी कर रही है ताकि टिकट वितरण से नाराज लोगों को नामांकन करने के लिए ज्यादा मौका न मिल सके।

सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस और आप के बीच गठबंधन में जो दो अहम पेंच फंसे हुए हैं, उनमें पहला यह है कि आप राज्य में सात सीटों की मांग कर रही है, जबकि कांग्रेस उसे तीन-चार सीटों से ज्यादा देने को तैयार नहीं है। दूसरा पेंच यह है कि कांग्रेस उसे शहरी क्षेत्रों की सीटें आफर कर रही है, जो आप नहीं चाह रही है। वजह शहरी क्षेत्रों में भाजपा की मजबूती है। जिसके चलते आप इन सीटों को लेकर कोई रिस्क नहीं लेना चाहती है। वह चाहती है कि उसे वे सीटें दी जाएं, जहां जीत पक्की हो।

नई दिल्ली में शुक्रवार को हरियाणा केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से चर्चा करतीं पार्टी की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी। प्रेट्र

**आम आदमी पार्टी से गठबंधन पर कांग्रेस का दोहरा चेहरा :** आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन पर कांग्रेस का दोहरा चेहरा सामने आ रहा है। आम आदमी पार्टी छोड़ते समय दिल्ली के पूर्व समाज कल्याण मंत्री राजेंद्र पाल गौतम ने जिस पार्टी को सामाजिक न्याय और अनुसूचित जाति-जनजाति विरोधी कहा, उसी आम आदमी पार्टी के साथ कांग्रेस हरियाणा में हाथ मिलाने को आतुर दिखाई दे रही है। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच गठजोड़ को सिरे चढ़ाने में जुटे कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने राजेंद्र पाल गौतम को पार्टी ज्वाइन कराई है। वही हरियाणा में आप से तालमेल के निर्णायक बिंदु हैं।

## आप और कांग्रेस में घमासान के बीच अखिलेश पीछे हटे

अनुराग अग्रवाल ● जागरण

अखिलेश यादव ने एक्स हैंडिल पर पोस्ट कर कहा-हम हरियाणा के हित के लिए बड़े दिल से, हर त्याग-परित्याग के लिए तैयार हैं

**चंडीगढ़:** हरियाणा के विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी (आप) के साथ गठबंधन को लेकर कांग्रेस में घमासान मचा है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा किसी सूरत में आम आदमी पार्टी से गठबंधन करने को तैयार नहीं हैं जबकि राहुल गांधी चाहते हैं कि भाजपा को सत्ता में आने से रोकने के लिए यह गठजोड़ जरूरी है। गठबंधन का विरोध कर रहे हुड्डा ने कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी को अपनी राय से अवगत करा दिया है। इस सहमति-असहमति की रायशुमारी के बीच समाजवादी पार्टी ने स्वयं को अलग कर लिया है। शुक्रवार को समाजवादी पार्टी के मुखिया एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने एक्स हेंडिल पर पोस्ट कर कहा कि हम हरियाणा के हित के लिए बड़े दिल से, हर त्याग-परित्याग के लिए तैयार हैं। अखिलेश की इस पोस्ट के बाद साफ हो गया है कि समाजवादी पार्टी हरियाणा में सीधे चुनाव लड़ने के बजाय गठबंधन के तहत कांग्रेस की मदद करेगी।

दांव पेच

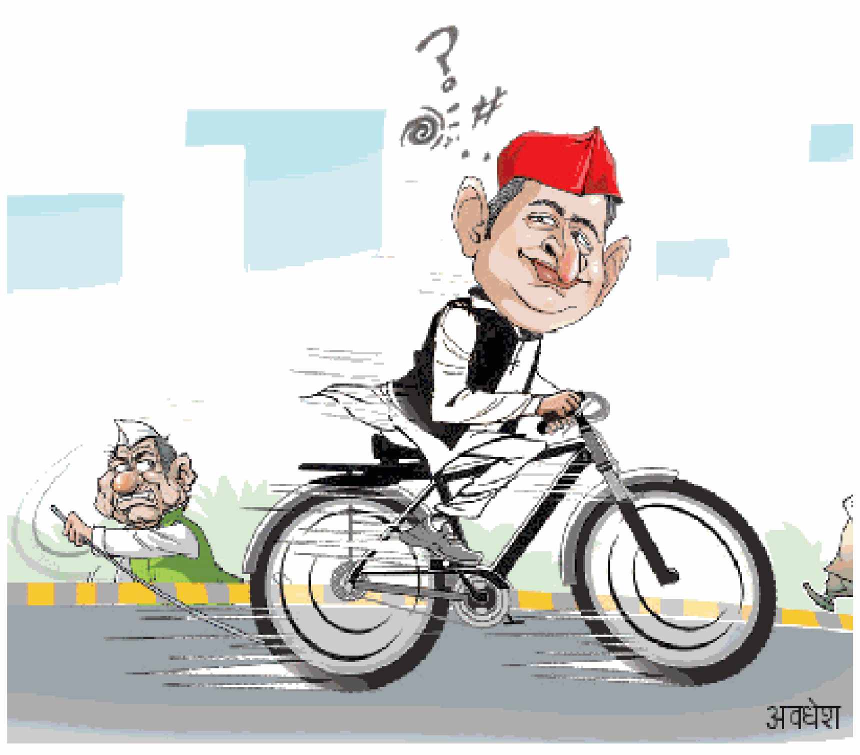
अवधेश

कांग्रेस के साथ गठबंधन में आम आदमी पार्टी भी मुस्लिम व यादव बाहुल्य सीटें मांग रही थी। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने भी एक से दो सीटों पर अपनी दावेदारी जताई थी। आम आदमी पार्टी राज्य में 10 सीटें मांग रही है, जबकि भूपेंद्र सिंह हुड्डा चार-पांच सीटों को देने पर भी राजी नहीं हैं। लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस के साथ गठजोड़ कर आम आदमी पार्टी एक कुरुक्षेत्र लोकसभा सीट पर चुनाव लड़ी थी और हार गई थी, जबकि कांग्रेस ने नौ में से पांच लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज कराई थी। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा का कहना है कि लोकसभा चुनाव में आइएनडीआइए गठबंधन ने मिलकर चुनाव लड़ा था, लेकिन विधानसभा के चुनाव में ऐसे किसी गठबंधन की जरूरत नहीं है। वह समाजवादी पार्टी को भी कोई सीट देने के हक में नहीं हैं। उधर, कांग्रेस महासचिव कुमारी सैलजा और अब बीरेंद्र सिंह आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन पर राहुल गांधी की राय से सहमत बताए जा रहे हैं लेकिन शुक्रवार शाम को रणदीप सुरजेवाला का बयान आया कि वे गठबंधन के पक्ष में बिल्कुल नहीं हैं।

### बात सीट की नहीं जीत की है : अखिलेश

अखिलेश यादव ने कहा है कि हरियाणा चुनाव में 'आइएनडीआइए' की एकजुटता नया इतिहास लिखने में सक्षम है। हमने कई बार कहा है और एक बार फिर दोहरा रहे हैं व आगे भी दोहराएंगे कि 'बात सीट की नहीं जीत की है'। हरियाणा के विकास व सौहार्द की विरोधी 'भाजपा की नकारात्मक, सांप्रदायिक, विभाजनकारी राजनीति' को हराने में 'इंडिया एलायंस' की जो भी पार्टी सक्षम होगी, हम उसके साथ अपने संगठन और समर्थकों की शक्ति को जोड़ देंगे। अखिलेश ने स्पष्ट किया कि बात दो-चार सीटों पर प्रत्याशी उतारने की नहीं है, बात तो जनता के दुख-दर्द को समझते हुए उनको भाजपा की जोड़तोड़ की भ्रष्टाचारी सियासत से मुक्ति दिलाने की है।

## राजनीति के अखाड़े में उतरे विनेश और बजरंग

**जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली :** कुश्ती के अखाड़े में दम दिखाने के बाद पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया ने अब राजनीति के दंगल में कदम रख दिया है। दोनों पहलवान शुक्रवार को कांग्रेस में शामिल हो गए। कांग्रेस ने विनेश फोगाट को जुलाना से विधानसभा चुनाव का टिकट देने का एलान भी कर दिया है। वहीं, बजरंग पूनिया को अखिल भारतीय किसान कांग्रेस का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है। कांग्रेस में शामिल होने से पहले विनेश फोगाट ने रेलवे की नौकरी से इस्तीफा दे दिया। इसकी जानकारी उन्होंने शुक्रवार सुबह ही एक्स पर साझा की। इससे पहले दोनों पहलवानों ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से उनके आवास पर मुलाकात की। वहां से दोनों कांग्रेस मुख्यालय पहुंचे। वहां कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई। इस मौके पर उन्होंने विनेश की राहुल गांधी से मुलाकात के बाद रेलवे की ओर से जारी किए गए नोटिस पर सवाल खड़ा किया कि नेता प्रतिपक्ष से किसी के मुलाकात करने पर रेलवे कैसे नोटिस जारी कर सकता है।

**विज ने कहा यह साबित हो गया कि आंदोलन को कांग्रेस ने उकसाया था:** हरियाणा के पूर्व गृह मंत्री अनिल विज ने तंज कसते हुए कहा कि अगर विनेश फोगाट देश की बेटी से कांग्रेस की बेटी बनना चाहती है, तो इसमें उन्हें कोई एतराज नहीं है। यह विनेश और बजरंग का फैसला है। लेकिन, यह बात आज साबित हो गई है कि नई दिल्ली में जो आंदोलन हुआ था, उसे उकसाने वाली कांग्रेस ही थी। अगर कांग्रेस इन खिलाड़ियों को नहीं उकसाती तो उनका फैसला हो जाता।

## झारखंड : भाजपा में अगली एंट्री को लेकर सुगबुगाहट शुरू

राजनीतिक उठापटक

राज्य ब्यूरो, जागरण ● रांची

- प्रमुख नेताओं की एंट्री के बाद राजनीतिक गलियारे में कयासों का दौर
- पूर्व मंत्री व कांग्रेस नेता बंधु तिर्की ने आरोप लगाकर दी अटकलों को हवा

झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के प्रमुख नेताओं में शुमार चम्पाई सोरेन व लोबिन हेम्ब्रम की भाजपा में एंट्री के बाद राजनीतिक गलियारे में झामुमो और कांग्रेस के कुछ और नेताओं के भी भाजपा में शामिल होने की सुगबुगाहट है। पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने यह कहकर इन अटकलों को हवा दी है कि उनसे भी सरकार को अस्थिर करने के लिए संपर्क साधा गया था। उधर, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपनी जनसभाओं में लगातार यह आरोप लगा रहे हैं कि उनकी सरकार को अस्थिर करने का प्रयास अभी भी जारी है। चर्चा हो रही है कि भाजपा राज्य में अलग-अलग क्षेत्रों में दमखम और प्रभाव रखने वाले नेताओं के संपर्क में है। मधु कोड़ा को तमाम आरोपों के बावजूद भाजपा में शामिल करने के बाद यह चर्चा और भी तेज हुई है। हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनाव में अपना प्रभाव दिखाकर चर्चा में आए टाइगर जयराम महतो को भी भाजपा द्वारा विचार-विमर्श के लिए आमंत्रित करने के चर्चे भी राजनीतिक गलियारे में हैं। ऐसे में कहा जा रहा है कि अन्य दलों से भाजपा में नेताओं के आने का सिलसिला आगे और बढ़ सकता है। कांग्रेस में इसे लेकर सतर्कता भी है। विधायकों की भितरखाने निगरानी भी हो रही है।

**मुझसे बहती गंगा में हाथ धोने की बात कही असम के सीएम ने : बंधु तिर्की**

पूर्व मंत्री और कांग्रेस के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की का दावा है कि सरकार को अस्थिर करने के लिए असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने उनसे भी संपर्क किया था। कुछ लोगों को झाड़-फूंक करने की आदत होती है। यही आदत उनको है, लेकिन झारखंड में उनकी दाल गलने वाली नहीं है। बंधु ने आरोप लगाया कि वह सांप्रदायिक भावना भड़काते हैं। और पिछले कुछ महीने से झारखंड में घुसपैठ का आरोप लगाकार जहरीली बातें करते हैं। बंधु के अनुसार, उन्हें सरकार को अस्थिर करने के लिए आफर दिया गया था।

## 'संसदीय बोर्ड करेगा महायुति में मुख्यमंत्री पद का फैसला'

**राज्य ब्यूरो, मुंबई :** महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि राज्य के सत्तारूढ़ गठबंधन महायुति में मुख्यमंत्री पद का फैसला विधानसभा चुनाव के बाद संसदीय बोर्ड करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि विधानसभा चुनाव मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में ही लड़ा जाएगा। गठबंधन में महायुति के तीन प्रमुख दलों भाजपा, शिवसेना और राकांपा के अलावा कई छोटे दल भी शामिल होंगे।

देवेंद्र फडणवीस। फाइल

फडणवीस शनिवार को एक मराठी टीवी चैनल के कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस दौरान एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री के चेहरे पर कोई विवाद नहीं है। वर्तमान मुख्यमंत्री के नेतृत्व में ही चुनाव लड़ा जाएगा। चुनाव बाद हमारे संसदीय दल की बैठक में मुख्यमंत्री का फैसला होगा। संसदीय दल की बैठक में एकनाथ शिंदे एवं अजीत पवार भी होंगे। सब मिलकर फैसला करेंगे।

हाल ही में फडणवीस ने शिवसेना को प्राकृतिक साझीदार और राकांपा को राजकीय साझीदार बताया था। इस बयान का अर्थ लगाया जाने लगा था कि विधानसभा चुनाव से पहले अजीत पवार को गठबंधन से अलग किया जा सकता है। इस संबंध में फडणवीस ने कहा कि महायुति में सभी साथ रहेंगे। विपक्षी दलों की ओर से हो रहे हमलों को लेकर उपमुख्यमंत्री ने कहा, उद्धव ठाकरे, शरद पवार, कांग्रेस और मनोज जरांगे पाटिल मिलकर चक्रव्यूह रच रहे हैं। मुझे अभिमन्यु बनाने का प्रयास कर रहे हैं। लेकिन मैं आधुनिक अभिमन्यु हूं। मुझे चक्रव्यूह में घुसना भी आता है, और चक्रव्यूह से निकलना भी आता है।

## कुछ कार्यकर्ता नाराज पर पार्टी की अपनी सीमाएं : गुर्जर

**जासं, फरीदाबाद :** केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने पार्टी की पहली सूची जारी होने के बाद उपजे असंतोष पर कहा कि कुछ कार्यकर्ताओं में नाराजगी है और टिकट न मिलने से आहत हैं। सभी को मना लिया जाएगा।

कृष्णपाल गुर्जर

भाजपा प्रत्याशी मूलचंद शर्मा का नामांकन दाखिल कराने बल्लभगढ़ आए कृष्णपाल ने कहा कि भाजपा पूरे विश्व में सबसे बड़ी लोकतांत्रिक पार्टी है और देश में पीएम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार सरकार बनी हैं और हरियाणा में भी बनने जा रही है। हर काबिल कार्यकर्ता चाहता है कि टिकट उसे मिले, पर एक विधानसभा क्षेत्र में एक को ही दिया जा सकता है। सभी कार्यकर्ता एक से एक काबिल हैं और जीतने में सक्षम हैं, उन्हें टिकट मांगने का भी हक है, पर पार्टी की अपनी सीमाएं हैं। कार्यकर्ता पार्टी की पूंजी हैं। हम ऐसे समर्पित कार्यकर्ताओं व नेताओं को मना लेंगे।

## बंसीलाल-भजनलाल के वारिसों पर भाजपा का भरोसा, देवीलाल परिवार का जादू कम

सुधीर तंवर ● जागरण

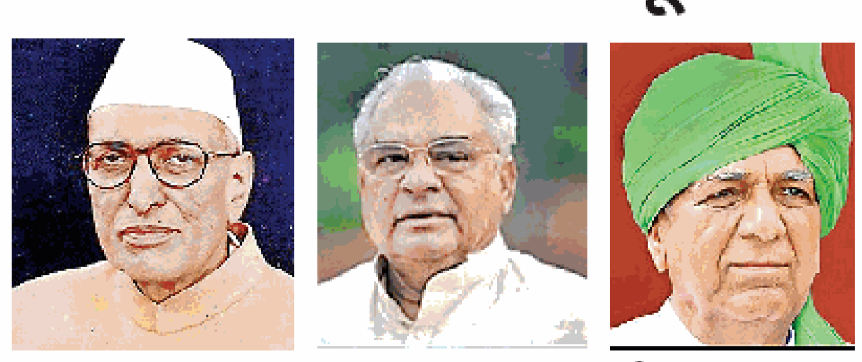
बंसीलाल भजनलाल देवीलाल

**चंडीगढ़:** हरियाणा में 10 साल से सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने लोकसभा चुनाव से सबक लेते विधानसभा चुनावों के लिए रणनीति बदली है। अभी तक पूर्व उपप्रधानमंत्री ताऊ देवीलाल के परिवार को तरजीह देती आ रही पार्टी ने अब पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी भजन लाल और पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी बंसी लाल के परिवारों पर ज्यादा भरोसा दिखाया है।

विरासत की सियासत

कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुईं स्वर्गीय बंसी लाल की पुत्रवधू किरण चौधरी को राज्यसभा भेज चुकी पार्टी ने अब पूर्व सांसद श्रुति चौधरी को तोशाम विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया है। इसी तरह, स्वर्गीय भजन लाल के पौत्र भव्य बिश्नोई को न केवल आदमपुर और भतीजे दुडाराम बिश्नोई को फतेहाबाद से दोबारा चुनावी रण में उतारा, बल्कि कुलदीप बिश्नोई के नजदीकियों में शामिल रणधीर पनिहार को नलवा, मनमोहन भड़ाना को समालखा और रणबीर गंगवा को बरवाला से टिकट दिया है। भजन और बंसी लाल के परिवारों का भिवानी, महेंद्रगढ़, चरखी दादरी, हिसार और फतेहाबाद सहित अन्य जिलों में खासा प्रभाव है। इसके उलट, भाजपा ने रानियां से दावेदार देवीलाल के पुत्र रणजीत सिंह चौटाला का टिकट काट दिया है।

### भाजपा ने चौटाला परिवार की मदद से बनाई थी सरकार

वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव के बाद बहुमत के जादुई आंकड़े से चूकी भाजपा की सरकार बनवाने में चौटाला परिवार ने अहम भूमिका निभाई थी। रानियां से निर्दलीय विधायक बने रणजीत सिंह चौटाला ने पांच अन्य निर्दलीय विधायकों को अपने साथ लाकर सरकार गठन का रास्ता साफ कर दिया। इसके अलावा दुष्यंत चौटाला की जजपा से गठबंधन में अहम भूमिका निभाई। भाजपा ने रणजीत चौटाला को कैबिनेट मंत्री बनाया, लोकसभा चुनाव में भी कुलदीप बिश्नोई को दरकिनार कर उन्हें हिसार में प्रत्याशी बना दिया। इसके बाद चौटाला परिवार के नुमाइंदों से भाजपा का भरोसा कम होता चला गया।

# कश्मीर में आसान नहीं गठबंधन की राह, अपने ही बिगाड़ रहे खेल

नवीन नवाज ● जागरण

- टिकट न मिलने से नाराज कांग्रेस और नेकां के एक दर्जन नेता निर्दलीय उतरे
- पीडीपी, पीपुल्स कान्फ्रेंस, अपनी पार्टी व भाजपा को मिल सकता इसका लाभ

जिस तरह से नेकां और कांग्रेस के कई नेता टिकट न मिलने पर निर्दलीय उतरे हैं, उसका नुकसान सिर्फ गठबंधन को ही होगा। त्राल, सेंट्रल शाल्टेंग, शोपियां, लालचौक, खानयार और गांदरबल में यह कांग्रेस और नेकां के वोट बैंक को प्रभावित कर सकते हैं। यह अपने ही लोगों के वोट काटेंगे। सुरनकोट में भी यही स्थिति है। सरकार बनाने के लिए एक-एक सीट जरूरी होती है। यहां लगभग एक दर्जन सीटें हैं, जिन पर गठबंधन के लिए उसके अपने ही मुश्किल पैदा कर रहे हैं।
- बिलाल बशीर, जम्मू-कश्मीर में राजनीतिक मामलों के जानकार

**श्रीनगर:** जम्मू-कश्मीर में 10 वर्ष बाद हो रहे विधानसभा चुनाव में सत्ता की कुर्सी तक पहुंचने के लिए नेशनल कान्फ्रेंस (नेकां) और कांग्रेस ने आपस में गठबंधन किया है, लेकिन अब उनके अपने ही उनका खेल बिगाड़ रहे हैं। टिकट न मिलने से नाराज कांग्रेस और नेकां के एक दर्जन से अधिक नेता बागी तेवर अपनाते हुए गठबंधन के अधिकृत उम्मीदवारों के खिलाफ बतौर निर्दलीय मैदान में उतर गए हैं। ये निर्दलीय कांग्रेस-नेकां के वोट बैंक में ही सेंध लगाएंगे। इसका सीधा लाभ पीडीपी, पीपुल्स कान्फ्रेंस, जम्मू-कश्मीर अपनी पार्टी और भाजपा को मिल सकता है।

श्रीनगर के खानयार विधानसभा क्षेत्र में प्रदेश कांग्रेस के पूर्व महासचिव वसीम शाला निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं। कांग्रेस ने यह सीट नेकां के महासचिव अली मोहम्मद सागर के लिए छोड़ी है। शाला ने दावा किया कि कांग्रेस आलाकमान ने नेकां के साथ गठजोड़ और सीटों पर तालमेल स्थानीय कांग्रेसियों की मर्जी के बिना किया। श्रीनगर जिले की ही ईदगाह विधानसभा सीट पर नेकां प्रत्याशी मुबारक गुल के खिलाफ चुनाव लड़ रहे नेताओं में इम्तियाज खान भी हैं। वह भी निर्दलीय उतरे हैं। इम्तियाज कांग्रेस के जिला प्रधान थे, लेकिन टिकट कटने पर उन्होंने इस्तीफा दे दिया।

श्रीनगर की हब्बाकदल सीट पर नेकां की उम्मीदवार शमीमा फिरदौस के खिलाफ मैदान में उतरे उम्मीदवारों में आसिफ बेग भी उतरे हैं। उन्होंने टिकट न मिलने पर कांग्रेस छोड़ी है। गांदरबल में कांग्रेस के जिला प्रधान साहिल फारूक ने भी नेकां उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला के खिलाफ निर्दलीय नामांकन किया है। लालचौक विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस नेता मंजूर अहमद बतौर निर्दलीय मैदान में उतरे हैं। उल्लेखनीय है कि यह पुराना इलाका है और यहां के स्थानीय मुद्दे भी चुनाव पर असर डाल सकते हैं।

### कांग्रेस के करा और मीर के खिलाफ नेकां के बागी

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष तारिक हमीद करा के खिलाफ निर्दलीय चुनाव लड़ने वालों में नेकां के बागी एवं पूर्व विधायक इरफान शाह शामिल हैं। करा श्रीनगर की शाल्टेंग सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। अनंतनाग की डुरू सीट से कांग्रेस के उम्मीदवार जीए मीर के चुनाव लड़ने से अपना टिकट कटने से नाराज नेकां नेता सैयद तौकीर अहमद ने भी चुनावी गतिविधियों से दूरी बना ली है। पुंछ की सुरनकोट सीट से कांग्रेस के उम्मीदवार शाहनवाज चौधरी के खिलाफ नेकां नेता अकरम चौधरी बतौर निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं। कोकरनाग में कांग्रेस ने निर्दलीय उतरे अपने एक नेता को संगठन से निष्कासित भी किया है।

********

### त्रिशंकु विधानसभा नहीं होगी

प्रथम पृष्ठ से आगे

पत्रकारों से बात करते हुए गृह मंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में त्रिशंकु विधानसभा नहीं होगी। हम तीन परिवारवादी (अब्दुल्ला, मुफ्ती, कांग्रेस) दलों में से किसी की भी सरकार नहीं बनने देंगे। बाकी विकल्प खुले हैं। जम्मू-कश्मीर में बाहर के लोगों के शासन संबंध विपक्ष के आरोप पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कार्यकाल में जम्मू-कश्मीर में तीन गुणा लंबा राज्यपाल, राष्ट्रपति शासन रहा। इसलिए जम्मू-कश्मीर से आतंकवाद, अलगाववाद खत्म करने के लिए उपराज्यपाल शासन लाया।

**राज्य दर्जे को बहाल कर दिया जाएगा :** जम्मू-कश्मीर के राज्य दर्जे को लेकर विपक्षी दलों पर लोगों को गुमराह करने के प्रयास करने का आरोप लगाते हुए शाह ने कहा कि हमने सदन में घोषणा की है कि विधानसभा चुनाव होने के बाद उपयुक्त समय पर राज्य दर्जे को बहाल कर दिया जाएगा। उमर अब्दुल्ला के दो विस सीटों से चुनाव लड़ने पर गृहमंत्री ने कहा कि यह आत्मविश्वास की कमी का संकेत है।

**महबूबा ने भी माना, कश्मीर मुद्दा अब कोई बड़ा मसला नहीं :** पीडीपी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती भी अब मान चुकी हैं कि कश्मीर मुद्दा अब पहले की तरह कोई बड़ा मुद्दा नहीं रहा है। जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए राजनीतिक दलों की बढ़ती मांग पर महबूबा ने कहा कि भाजपा कश्मीर मुद्दे के समाधान को विधानसभा चुनाव कराने तक सीमित करने में सफल रही है। भाजपा ने इस मुद्दे को पहले अनुच्छेद-370 तक सीमित किया, अब चुनावों तक सीमित कर दिया।

# भविष्य में मेडिकल हब बनेगा पटना व बिहार : नड्डा

## केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने किया प्रदेश में 304 स्वास्थ्य भवनों का शिलान्यास व 183 सुविधाओं का लोकार्पण

जाटी, पटना

▸ आइजीआइएमएस में अत्याधुनिक क्षेत्रीय चक्षु संस्थान के उद्घाटन पर बोले, प्रधानमंत्री दरभंगा एम्स को पूरा कराने को आतुर

पटना में शुक्रवार को नवनिर्मित क्षेत्रीय नेत्र संस्थान के उद्घाटन अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से चर्चा करते बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार। एएनआइ

बिहार के दोदिवसीय दौरे पर शुक्रवार को पहुंचे केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री सह भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि आने वाले समय में पटना व बिहार मेडिकल हब बनकर उभरेगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के स्वयं रुचि लेने के कारण पीएमसीएच (पटना मेडिकल कालेज एवं अस्पताल) 5462 बेड के साथ विश्व का दूसरे नंबर का अस्पताल बन रहा है। शनिवार को वहां जाकर बन चुके 200 बेड के सुपरस्पेशियलिटी हास्पिटल का निरीक्षण करूंगा। इसके पहले आज गया, भागलपुर, दरभंगा व मुजफ्फरपुर मेडिकल कालेज में 200-200 करोड़ से तैयार सुपरस्पेशियलिटी हास्पिटल का लोकार्पण किया गया है। दरभंगा में प्रस्तावित एम्स के शीघ्र निर्माण के लिए प्रधानमंत्री आतुर हैं। शनिवार को स्वयं जाकर वहां का निरीक्षण करूंगा। निर्माण एजेंसी को बदल दिया गया है और प्रोजेक्ट रिपोर्ट पर तेजी से काम हो रहा है। आइजीआइएमएस में न केवल बिहार व पटना बल्कि पश्चिम बंगाल, ओडिशा व नेपाल तक के मरीज उपचार कराने आते हैं।

जेपी नड्डा शुक्रवार को आइजीआइएमएस (इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान) स्थित अत्याधुनिक क्षेत्रीय चक्षु संस्थान के नवनिर्मित भवन समेत प्रदेश में 850 करोड़ की विभिन्न स्वास्थ्य परियोजनाओं के उद्घाटन व शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे। इसमें 304 स्वास्थ्य केंद्र के भवनों का शिलान्य व 183 स्वास्थ्य सुविधाओं का लोकार्पण किया गया। मौके पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी व विजय कुमार सिन्हा, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय, जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, राजस्व व भूमि सुधार मंत्री डा. दिलीप जायसवाल आदि मौजूद थे। एम्स दिल्ली के नेत्र अस्पताल जैसी सुविधाएं : जेपी नड्डा ने कहा कि आइजीआइएमएस के इस क्षेत्रीय चक्षु संस्थान को इतना अत्याधुनिक बनाया गया है कि यहां एम्स नई दिल्ली स्थित डा. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान संस्थान जैसी सुविधाएं मिलेंगी। यहां विश्व के आधुनिकतम उपकरण लगाए गए हैं। 11 ऐसे माड्युलर आपरेशन थिएटर बनाए गए हैं कि छात्र वहां गए बिना जटिल सर्जरियों का लाइव प्रसारण देखकर उसे सीख सकेंगे। उन्होंने कहा कि सही बटन पर ऊंगली दबाने का लाभ आपको मिल रहा है। अगर आप सही बटन पर ऊंगली नहीं दबाते तो आज बिहार में लूट और अपहरण जैसी घटनाएं बढ़ जातीं। आपको ऐसी स्वास्थ्य सुविधा नहीं मिल पाती। विकास की जगह विनाश होता। अंगुली सही जगह दबती है तो सुपर स्पेशलिटी हास्पिटल बनता है। बिहार को 60 हजार करोड़ रुपये मिलते हैं। पहले उपचार के लिए यहां के लोगों को दूसरे राज्यों में जाना पड़ता था। अब नीति बदल गई। अब बीमार होने से लोगों को रोका जा रहा है। घर पर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। पहले दिन-दहाड़े डकैती, लूट, लाठी भाजन-तेल पिलावन होता था। आज नए-नए मेडिकल कालेज खोले जा रहे हैं।

### हमसे दो बार गलती हुई, अब इधर-उधर नहीं होगा : नीतीश

**जासं, पटना:** मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि हमसे गलती हुई, जो दो बार उन लोगों (महागठबंधन) का साथ लिया। एनडीए से हमारा रिश्ता 1995 से है। बीच में दो बार इधर-उधर हुए। गलती हुई। अब कभी इधर-उधर नहीं होगा। प्रदेश में जो भी विकास कार्य हुए वो तभी हुए जब हम साथ थे। उन लोगों (महागठबंधन) ने कभी कुछ काम नहीं किया है, बस पटना से दिल्ली तक अखबारों में छपवाते रहते हैं। 2005 में जब प्रदेश में एनडीए की सरकार बनी तो दोनों पार्टियों के नेताओं ने देखा कि अस्पताल बदहाल हैं और इसके बाद पूरा ध्यान देकर आधुनिक उपचार की व्यवस्था की गई। 2003 में अटल बिहारी सरकार ने पटना एम्स को मंजूरी दी, जो आज प्रदेश का प्रीमियर संस्थान है। अब दरभंगा एम्स का कार्य भी जेपी नड्डा के निरीक्षण के बाद जल्द पूरा होगा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री सह भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से कहा कि आपका जन्म यहीं (पटना) हुआ है। हम तो जब भी दिल्ली आते हैं, आपसे मिलते ही हैं। आप भी बीच-बीच में यहां आते रहें, ताकि बिहार को बहुत कुछ मिलता रहे।

### उप मुख्यमंत्री सिन्हा अपने विस क्षेत्र के विज्ञापन से हुए बाहर

**राज्य ब्यूरो, जागरण ● पटना :** बिहार में मुख्यमंत्री के अतिरिक्त भाजपा के दो उप मुख्यमंत्री भी हैं। पहले राज्य सरकार के शिलान्यास, उद्घाटन एवं कार्यारंभ वाले सरकारी विज्ञापन में अमूमन दोनों उप मुख्यमंत्री का नाम छपता था। लेकिन, हाल के सरकारी विज्ञापन, पोस्टर, आमंत्रण में कभी एक उप मुख्यमंत्री का नाम हट जाता है तो कभी दूसरे का। शुक्रवार को भी ऐसा ही खेल हुआ। भागलपुर में 200 बेड के सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के उद्घाटन को लेकर प्रकाशित विज्ञापन में उप मुख्यमंत्री विजय सिन्हा का नाम नहीं छपा। सिन्हा का विधानसभा क्षेत्र लखीसराय भागलपुर से प्रकाशित अखबारों के प्रसार क्षेत्र में आता है। इस कारण सिन्हा की अपने विधानसभा क्षेत्र लखीसराय में किरकिरी हो रही है। सिन्हा के समर्थकों के साथ कार्यकर्ताओं ने भी इस बात को लेकर क्षोभ प्रकट किया है। विज्ञापन में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा एवं उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के अतिरिक्त कार्यक्रम की अध्यक्षता करने वाले में स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय का नाम छपा है। श्रम संसाधन मंत्री संतोष कुमार सिंह, भवन निर्माण मंत्री जयंत राज, सांसद गिरिधारी यादव, अजय मंडल के अतिरिक्त अन्य कई विधायक एवं विधान पार्षदों का भी नाम है। 29 अगस्त को खेल अकादमी और खेल विवि के उद्घाटन कार्यक्रम के लिए जारी विज्ञापन में भी उनका नाम नहीं था।

# लालू के अखाड़े से बाहर निकलने की कोशिश में तेजस्वी

अरविंद शर्मा ● जागरण

▸ लालू की गमछा संस्कृति से पीछा छुड़ाना राजद नेता की कोशिशों की एक और कड़ी

पिता लालू यादव के साथ तेजस्वी यादव। फाइल

**नई दिल्ली:** राजनीति के नए दौर की जरूरत के हिसाब से तेजस्वी यादव बार-बार लालू प्रसाद के अखाड़े से बाहर निकलने के प्रयास में हैं। किंतु राजद का घटनाक्रम बता रहा कि लालू उन्हें अपने दायरे से बाहर जाने देने के पक्ष में नहीं दिख रहे हैं। लालू की गमछा संस्कृति से पीछा छुड़ाने की तेजस्वी की कोशिशों को इसी की एक और कड़ी के रूप में देखा जा रहा है। इसके पहले लालू के माय (मुस्लिम-यादव) समीकरण को पीछे छोड़कर तेजस्वी ने लोकसभा चुनाव के दौरान बाप (बहुजन, अगड़ा, महिला, गरीब) के नारे को उछाला था। यहां तक कि 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव से पहले उन्होंने लालू के बैनर-पोस्टर से भी पीछा छुड़ा लिया था। संकेत साफ है कि परंपरागत पहचान को बदलकर तेजस्वी राजद को नए परिधान में सजाना चाह रहे हैं, लेकिन अब भी कई मोर्चों पर लालू दीवार बनकर खड़े दिखते हैं। खासकर प्रत्याशी चयन के दौरान राजद लालू की पटरी पर ही चलता नजर आता है।

उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की लाल टोपी से प्रभावित होकर लालू ने राजद में हरे गमछे का चलन तीन वर्ष पहले शुरू किया था, जो अब इतिहास बन गया। लालू के गमछे को खारिज करने में तेजस्वी को सर्वे का सहारा लेना पड़ा। तेजस्वी की यात्रा की तैयारियों के लिए चार सितंबर को पटना के राजद कार्यालय में बुलाई गई बैठक लीक से हटने की छटपटाहट का ताजा उदाहरण है। लालू ने आने की तैयारी कर रखी थी। संदेश पहुंच गया था। मंच पर कुर्सी भी लगा दी गई थी, लेकिन तेजस्वी इसके लिए तैयार नहीं थे। डर था कि लालू के आने से बैठक का उद्देश्य प्रभावित हो जाएगा। अंततः तेजस्वी कामयाब हुए। लालू नहीं आए। मंच पर यादव नेताओं की संख्या को भी सीमित कर दिया गया।

तेजस्वी के सामाजिक परिवर्तन के प्रयासों को राजद के जिला प्रभारियों के चश्मे से भी देखा जा रहा है। पहली बार सवर्ण की अच्छी भागीदारी होने जा रही है। जिला प्रभारियों में आठ सवर्ण हैं। सबसे ज्यादा चार भूमिहार समेत दो-दो राजपूत एवं ब्राह्मण हैं, जबकि अपने दौर में लालू ने भूरा बाल (भूमिहार, राजपूत, ब्राह्मण और लाला) साफ करो का नारा उछाला था।

## न्यूज गैलरी

### एक्जिट पोल को रेगुलेट करने संबंधी याचिका खारिज

**नई दिल्ली :** सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को चुनाव परिणामों पर एक्जिट पोल के कथित प्रभाव के चलते इसे रेगुलेट करने की मांग करने वाली जनहित याचिका को खारिज कर दिया। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पार्डीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने बीएल जैन की ओर से दायर जनहित याचिका को "राजनीतिक हित याचिका" करार दिया। सीजेआइ ने कहा- "सरकार पहले ही चुनी जा चुकी है। अब हमें चुनावों के दौरान जो कुछ भी होता है, उसे बंद करना चाहिए। अब हमें देश में शासन-प्रशासन के काम को आगे बढ़ाना चाहिए।" पीठ ने कहा कि वैसे भी चुनाव आयोग इस मुद्दे को संभालने में सक्षम है और वह चुनाव आयोग को नहीं चला सकता। बता दें कि जैन ने अपनी जनहित याचिका में कई चुनाव-सर्वेक्षण एजेंसियों और समाचार चैनलों को पार्टी बनाया था। (प्रेट्र)

### भाजपा के सदस्य बने जडेजा, पत्नी ने दिलाई सदस्यता

**अहमदाबाद:** क्रिकेटर रविंद्र सिंह जडेजा भाजपा के प्राथमिक सदस्य बन गए हैं। उनकी पत्नी एवं भाजपा विधायक रिवाबा जडेजा ने सदस्यता अभियान के तहत रविंद्र को भाजपा में शामिल कराया। भाजपा की सदस्यता दिलाने के बाद रिवाबा ने कहा कि भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है। रिवाबा ने रविंद्र का सदस्यता पहचान पत्र भी सार्वजनिक किया है। इसमें उनका सदस्यता क्रमांक का अंतिम चार अंक 3461है। रविंद्र के भाजपा सदस्य बनने के बाद यह तय माना जा रहा है कि रविंद्र क्रिकेट के साथ गुजरात में भाजपा की राजनीति में भी सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं। (राब्यू)

### ला छात्रा से दुष्कर्म करने वाला पुलिसकर्मी गिरफ्तार

**रायपुर :** रायपुर में ला छात्रा से दुष्कर्म के आरोपित पुलिसकर्मी चंद्रमणि शर्मा (26) को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपित ने जबरन शराब पिलाकर दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। पीड़िता ने थाने में बताया कि वह दो माह पूर्व से आरोपित को जानती थी। फोन पर बातें होती थीं। चार सितंबर को छात्रा ने चंद्रमणी को नए बीएनएस कानून के संबंध में जानकारी के लिए फोन किया था। (नईदुनिया)

# बंगाल में कल फिर 'रिक्लेम द नाइट' अभियान

**महिला दरिंदगी मामला**

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

▸ 14 अगस्त व चार सितंबर की रात को जुटे थे लाखों लोग

▸ सिलीगुड़ी में नौ को होगा 'वूमेन टेकओवर द डान' अभियान

कोलकाता में प्रशिक्षु महिला चिकित्सक के साथ दुष्कर्म एवं उसकी हत्या के विरोध में शुक्रवार को वीरभूम में भाजपा के चक्का जाम के दौरान जलाया गया टायर। एएनआइ

आरजी कर मेडिकल कालेज एवं अस्पताल में महिला डाक्टर से दरिंदगी के खिलाफ आंदोलन हर गुजरते दिन के साथ तेज होता जा रहा है। आंदोलनकारी रिमझिम सिन्हा ने अब आठ सितंबर को फिर राज्यभर में 'रिक्लेम द नाइट' अभियान का आह्वान किया है। इसको 'शासकेर घूम भांगाते नतून गानेर भोर' (शासक को जगाने के लिए नए गीत वाली सुबह) नाम दिया गया है। रिमझिम ने कहा कि जो किसी बैंड से जुड़े हैं, वे इस अभियान के दौरान शासक को नींद से जगाने के लिए अपने इलाके में परफार्म करें। इससे पहले दो बार इस अभियान का आयोजन हो चुका है। पहला 14 अगस्त व दूसरा चार सितंबर की रात को हुआ था। दोनों बार इसमें लाखों की तादाद में लोग शामिल हुए थे। दूसरी ओर, अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित टेबल टेनिस खिलाड़ी मांतू घोष व कुछ संस्थाओं ने उत्तर बंगाल के सिलीगुड़ी में नौ सितंबर को 'वूमेन टेकओवर द डान' अभियान की घोषणा की है, जो रात दो बजे से प्रातः 4.10 बजे तक चलेगा। उधर, गिरफ्तार आरोपित सिविक वालंटियर संजय राय की शुक्रवार को वर्चुअल माध्यम से सियालदह कोर्ट में पेशी हुई। उसे 14 दिन के लिए हिरासत में भेजा गया।

### आरजी कर के पूर्व प्रिंसिपल व उसके सहयोगियों के यहां ईडी की छापेमारी

**राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता:** कोलकाता के जिस आरजी कर मेडिकल कालेज एवं अस्पताल में महिला डाक्टर से दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई, उसके पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष, उसके रिश्तेदारों तथा करीबियों के घर पर शुक्रवार को ईडी ने छापेमारी की। वित्तीय अनियमितता मामले में ईडी ने कोलकाता व इसके आसपास के कुल 12 ठिकानों पर कार्रवाई की। जांच अधिकारियों ने घोष के कोलकाता के बेलियाघाटा स्थित फ्लैट के साथ दक्षिण 24 परगना जिले के कैनिंग में बने उसके आलीशान बंगले पर छापेमारी की। ईडी की टीम को घोष के बेलियाघाटा स्थित आवास के बाहर तीन घंटे तक इंतजार करना पड़ा। इसके बाद उसकी पत्नी ने ताला खोला।

# पुलिस आयुक्त व ममता के बीच बातचीत की हो जांच, सामने आ जाएगा सच : भाजपा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

▸ पात्रा बोले- सीएम पद छोड़ें ममता तभी चिकित्सक दुष्कर्म-हत्या मामले की निष्पक्ष जांच संभव

कोलकाता में प्रशिक्षु डाक्टर के साथ दुष्कर्म व हत्या और पुलिस उपायुक्त (उत्तर) के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता को हिरासत में लेते हुए पुलिसकर्मी। एएनआइ

संबित पात्रा। फाइल

भाजपा ने आरजी कर अस्पताल की दुष्कर्म पीड़िता के पिता द्वारा उठाए गए सवालों पर ममता बनर्जी सरकार से सफाई मांगी है। कई सवाल किए हैं जिसमें यह भी पूछा गया है कि जांच के पहले उनकी पुत्री की मौत को आत्महत्या क्यों बताया गया और उन्हें पैसे देने की कोशिश क्यों हुई? यही नहीं, भाजपा ने ममता से तत्काल मुख्यमंत्री पद छोड़ने की मांग भी की है। पार्टी ने कहा कि जब तक वह पद पर रहेंगी, कोलकाता की डाक्टर के दुष्कर्म-हत्या मामले की निष्पक्ष जांच संभव नहीं है। भाजपा ने ममता और कोलकाता पुलिस आयुक्त विनीत गोयल पर तथ्यों को दबाने में संलिप्त होने का आरोप लगाते हुए घटना के बाद 72 घंटों के दौरान उन दोनों के बीच टेलीफोन पर हुई बातचीत की रिकार्डिंग निकालकर जांच करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यह पता लगाना जरूरी है कि गोयल और ममता के बीच घटना के बाद कितनी बार बात हुई और क्या-क्या निर्देश दिए गए। दोनों के बीच काल रिकार्डिंग की जांच से ही सच का पता चल सकता है। उन्होंने कहा कि आखिरकार ममता सरकार ने एक डीसीपी को पीड़िता के घर भेजकर उसके माता-पिता को खरीदने की कोशिश उस समय की, जब उसकी लाश घर पर ही थी। जल्द दाह-संस्कार करने का दबाव क्यों बनाया गया।

# उज्जैन में महिला से दुष्कर्म का वीडियो बनाने वाले की तलाश, राजनीति भी गरमाई

नईदुनिया प्रतिनिधि, उज्जैन

▸ प्रियंका गांधी ने पोस्ट में लिखा- उज्जैन की पवित्र भूमि पर ऐसी घटना से मानवता कलंकित

▸ पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ ने लिखा- कानून व्यवस्था ठप, भाजपा ने किया कांग्रेस पर पलटवार

प्रियंका गांधी। फाइल

कमलनाथ। फाइल

शहर में कोयला फाटक क्षेत्र में महिला से फुटपाथ पर दिन-दहाड़े दुष्कर्म के मामले में राजनीति गरमा गई है। शुक्रवार को कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी और पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ ने इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट कर मध्य प्रदेश सरकार को कानून व्यवस्था के मुद्दे पर घेरा। प्रियंका ने लिखा कि पवित्र भूमि पर ऐसी घटना से मानवता कलंकित हुई है, वहीं कमलनाथ ने कानून व्यवस्था ठप होने का आरोप लगाया है। कांग्रेस पर पलटवार करते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा है कि प्रदेश में कोई भी घटना होती है तो उस पर तत्काल कार्रवाई होती है। उज्जैन की घटना में पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। कांग्रेस के पास कोई मुद्दा नहीं है, इसलिए वह प्रदेश को बदनाम करने का काम कर रही है। वहीं, अब पुलिस घटना का वीडियो बनाकर बहुप्रसारित करने वाले की तलाश में जुटी है। हालांकि महिला से दुष्कर्म का अरोपित पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। बता दें कि कि झाबुआ जिले की निवासी 45 वर्षीय महिला उज्जैन शहर में रहकर कचरे से सामान बीनने का काम करती थी। विगत बुधवार को शहर में कोयला फाटक के पास स्थित फुटपाथ पर महिला से फल का ठेला लगाने वाले आरोपित लोकेश ने दिन-दहाड़े दुष्कर्म किया। महिला का आरोप है कि उसको आरोपित ने पहले शराब पिलाई थी। किसी व्यक्ति ने दुष्कर्म का वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया पर बहुप्रसारित कर दिया। मामले में पुलिस ने बुधवार को वीडियो के आधार पर आरोपित लोकेश की पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया। गुरुवार को उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेजा गया।

**वीडियो बनाने वाला नागदा से आई बस से उतरा था :** उज्जैन के एएसपी नीतेश भार्गव ने बताया कि जिस व्यक्ति ने मोबाइल से वीडियो बनाया, उसने दुष्कर्म करने वाले को रोकने और पुलिस को सूचना देने के बजाय वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया पर बहुप्रसारित कर दिया। पुलिस की जांच में सामने आया है कि वीडियो बनाने वाला व्यक्ति नागदा से आई बस से कोयला फाटक पर उतरा था।

# उत्कल एक्सप्रेस में दिव्यांग महिला से दुष्कर्म, पेंट्रीकार कर्मचारी गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, पश्चिमी सिंहभूम

▸ पुत्र के साथ भुवनेश्वर से झांसी जा रही थी पीड़ित दिव्यांग महिला

▸ लोगों ने आरोपित को पकड़ कर जीआरपी को सौंपा

आरोपी पेंट्रीकार का कर्मचारी रामजीत सिंह।

ओडिशा के पुरी से योग नगरी ऋषिकेश जा रही उत्कल एक्सप्रेस में एक दिव्यांग महिला यात्री के साथ पेंट्रीकार कर्मचारी द्वारा दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। महिला अपने पुत्र के साथ सफर कर रही थी। गुरुवार-शुक्रवार की रात करीब ढाई बजे जब वह शौचालय गई तो पेंट्रीकार कर्मचारी रामजीत सिंह ने वारदात को अंजाम दिया। इस दौरान विरोध करने पर पेंट्रीकार कर्मचारी ने महिला के साथ मारपीट भी की। महिला की चीख-पुकार पर यात्रियों ने आरोपित रामजीत सिंह को पकड़ लिया और चक्रधरपुर रेलवे स्टेशन पहुंचने पर जीआरपी के हवाले कर दिया। जीआरपी प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

पीड़ित महिला ने बताया कि वह अपने बेटे के साथ झांसी जाने के लिए भुवनेश्वर स्टेशन से ट्रेन पर सवार हुई। ट्रेन में सफर के दौरान उसके साथ पेंट्रीकार का कर्मचारी रामजीत सिंह गलत व्यवहार कर रहा था। रात के ढाई बजे जब वह शौचालय गई तो रामजीत सिंह उसके पीछे-पीछे गया और शौचालय के अंदर धकेलकर दरवाजा बंद कर लिया। इसके बाद दुष्कर्म किया। महिला ने बताया कि आरोपित रामजीत सिंह नशे में था। आरोपित के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के लिए महिला को भी चक्रधरपुर स्टेशन पर उतारा गया। चक्रधरपुर जीआरपी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही।

# सुप्रीम कोर्ट ने पक्षकार बनाने की पूर्व प्रिंसिपल की याचिका खारिज की

**जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली:** सुप्रीम कोर्ट ने कोलकाता के आरजी कर अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष की कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी है। घोष ने वित्तीय अनियमितताओं के मामले में हाई कोर्ट में चल रही सुनवाई में पक्षकार बनने और उसके विरुद्ध वित्तीय अनियमितताओं की जांच सीबीआइ को सौंपने के हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जेबी पार्डीवाला एवं मनोज मिश्रा की पीठ ने घोष की याचिका खारिज करते हुए कहा कि हाई कोर्ट में लंबित जनहित याचिका में उसके पक्षकार बनने का क्या औचित्य है। वह जनहित याचिका की सुनवाई में पक्षकार कैसे बन सकता है।

**डाक्टर से दरिंदगी मामले पर सोमवार को सुनवाई:** जूनियर डाक्टर से दुष्कर्म एवं हत्या से जुड़े स्वतः संज्ञान मामले में सुप्रीम कोर्ट नौ सितंबर को सुनवाई करेगा। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पार्डीवाला एवं जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ सुनवाई करेगी।

## अधिकार

**पंजाब और हरियाणा कोर्ट ने कहा- महिलाओं को स्वतंत्रता से जीने का अधिकार है, कोर्ट की भूमिका सामाजिक मानदंडों या नैतिकता को लागू करना नहीं है, बल्कि संवैधानिक नैतिकता के सिद्धांतों को बनाए रखना है**

# 'महिलाओं पर कोई भी अपनी इच्छा नहीं थोप सकता'

राज्य ब्यूरो, जागरण ● चंडीगढ़

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने कहा कि महिलाओं को स्वतंत्रता से जीने का अधिकार है। कोई भी उस पर अपनी इच्छा नहीं थोप सकता है। यह समानता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार का सीधा उल्लंघन है। कोर्ट की भूमिका सामाजिक मानदंडों या नैतिकता को लागू करना नहीं है, बल्कि संवैधानिक नैतिकता के सिद्धांतों को बनाए रखना है। जस्टिस मंजरी नेहरू कौल ने मोहाली निवासी एक पिता द्वारा अपनी बेटी को एक व्यक्ति की कथित कैद से मुक्त कराने के लिए दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका खारिज करते हुए यह टिप्पणी की।

तीस वर्षीय महिला ने हाई कोर्ट को बताया कि वह अपनी इच्छा से स्वतंत्र रूप से रह रही है। वह न तो अपने पिता के घर लौटना चाहती है और न ही पति के घर। पिता की तरफ से पेश वकील ने दलील दी कि महिला के प्रति सामाजिक चिंताओं और उसके स्वतंत्र रूप से रहने के संभावित परिणामों को ध्यान में रखते हुए उसकी कस्टडी उसके पिता को सौंपी जानी चाहिए।

इस परर जस्टिस कौल ने कहा कि व्यस्क महिला अपने फैसले लेने में सक्षम है। उसने स्वतंत्र रूप से रहने की स्पष्ट इच्छा व्यक्त की है तो यह कोर्ट उसकी इच्छा को खारिज नहीं कर सकता है। कोर्ट किसी वयस्क को दूसरे के पास लौटने के लिए मजबूर नहीं कर सकता है। भले ही वह व्यक्ति एक नेक दिल माता-पिता हो। इस मामले में हाई कोर्ट ने पहले पुलिस को महिला का बयान चंडीगढ़ के चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट के समक्ष दर्ज कराने को कहा था और उसे सुरक्षा देने का आदेश दिया था। महिला ने अपने बयान में कहा कि वह जहां रह रही है, वहां सुरक्षित है और अपने पिता के घर जाना नहीं चाहती। महिला के दो बच्चे हैं।

### राजस्थान उच्च न्यायालय ने कहा, मातृत्व अवकाश महिलाओं का अधिकार

**जासं,जयपुर:** राजस्थान में सरकारी और निजी संस्थानों में काम करने वाली कामकाजी महिलाओं के लिए उच्च न्यायालय ने बड़ा फैसला सुनाया है। राजस्थान उच्च न्यायालय ने एक मामले में फैसला सुनाते हुए कहा,कोई भी कामकाजी महिला 180 दिन के मातृत्व अवकाश की हकदार है। किसी भी नियम और रेगुलेशन से उसका यह अधिकार नहीं छीना जा सकता है। यदि ऐसा होता है तो यह महिला के सैंवधानिक अधिकारों का हनन माना जाएगा। न्यायाधीश अनूप ढंढ ने रोड़वेज में कार्यरत महिला परिचालक मीनाक्षी चौधरी की याचिका पर यह फैसला सुनाते हुए कहा,मां बनना एक महिला के जीवन का सबसे अलग अनुभव है। गर्भावस्था और प्रसव एक महिला के जीवन में विशेष चरण होते हैं।

# उत्तराखंड में आरएसएस की गतिविधियों में भाग ले सकेंगे सरकारी कार्मिक

**राब्यू, जागरण ● देहरादून:** उत्तराखंड में भी राजकीय कार्मिक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की शाखा व अन्य सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियों में सम्मिलित हो सकेंगे। प्रदेश सरकार ने आरएसएस की गतिविधियों में भाग लेने पर लगा प्रतिबंध हटा लिया है।

कार्मिक एवं सतर्कता अपर मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने इस संबंध में सभी प्रमुख सचिवों, सचिवों, गढ़वाल व कुमाऊं मंडल के आयुक्तों, समस्त विभागाध्यक्षों, कार्यालयाध्यक्षों एवं जिलाधिकारियों को आदेश जारी किया है। आदेश में यह स्पष्ट किया गया है कि आरएसएस की शाखा व अन्य सांस्कृतिक-सामाजिक गतिविधियों में तब ही प्रतिभाग किया जा सकेगा, जब इस कार्य से सरकारी दायित्वों के निर्वहन में कोई अड़चन न पड़े। प्रदेश में भाजपा की पुष्कर सिंह धामी सरकार ने केंद्र सरकार के इस संबंध में लिए गए निर्णय के बाद यह कदम उठाया है। केंद्र सरकार ने 58 साल बाद हाल ही में यह प्रतिबंध हटा दिया है।

# बीजद छोड़ भाजपा में शामिल हुए सुजीत कुमार, राज्यसभा से दिया इस्तीफा

जागरण संवाददाता ● भुवनेश्वर

▸ केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान की मौजूदगी में सुजीत कुमार ने थामा भाजपा का दामन

पूर्व राज्यसभा सदस्य सुजित कुमार भाजपा में स्वागत।

ओडिशा में सत्ता परिवर्तन के बाद बीजू जनता दल को एक के बाद एक तगड़े झटके लगते ही जा रहे हैं। लोकसभा में पहले ही कोई सदस्य नहीं है, अब राज्यसभा में भी उसके एक बाद एक साथी साथ छोड़कर भाजपा में शामिल हो रहे हैं। पहले आदिवासी चेहरा रहीं राज्यसभा सदस्य ममता महंत ने बीजद से नाता तोड़ा। अब शुक्रवार को अन्य एक राज्यसभा सदस्य का बीजद से मोह भंग हो गया है। बीजद से राज्यसभा सदस्य रहे सुजीत कुमार पार्टी से इस्तीफा देने के साथ ही भाजपा में शामिल हो गए हैं। उधर, सुजीत कुमार के राज्यसभा सदस्य पद से इस्तीफा देने की बात सामने आते ही बीजद प्रमुख नवीन पटनायक ने उन्हें पार्टी से निकाले जाने की घोषणा की। इसके कुछ ही समय बाद सुजीत कुमार नई दिल्ली स्थित भाजपा कार्यालय पहुंचे और भाजपा में शामिल हो गए। 2026 में सुजीत का कार्यकाल खत्म हो रहा था। कार्यकाल खत्म होने के दो वर्ष पहले ही सुजीत ने राज्यसभा से इस्तीफा दे दिया है। ममता एवं सुजीत के इस्तीफा देने के बाद राज्यसभा में बीजद सदस्यों की संख्या अब मात्र 7 रह गई है। वही, लोकसभा में बीजद के एक भी सदस्य नहीं हैं।

********

**7167** बदमाश घायल हुए हैं मुठभेड़ में बीते सात वर्षों में उत्तर प्रदेश में 22 मार्च, 2017 से अब तक। इस दौरान 27,117 अपराधी यूपी पुलिस ने जेल तक पहुंचाए हैं।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
शनिवार 7 सितंबर, 2024

## न्यूज गैलरी

### मप्र में 14 लाख की इनामी महिला नक्सली गिरफ्तार

**बालाघाट :** मध्य प्रदेश में बालाघाट जिले में हाकफोर्स एसओजी (स्पेशल आपरेशन ग्रुप) ने महिला नक्सली को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार नक्सली का नाम साजंती है। उसके पास से हथियार भी बरामद किए गए हैं। साजंती पर सरकार ने 14 लाख रुपये का इनाम घोषित कर रखा है। उस पर मध्य प्रदेश में छह गंभीर मामले दर्ज हैं। उसके पास से पिस्टल और मैगजीन के साथ एक कुल्हाड़ी व अन्य सामान बरामद किया गया है। महाराष्ट्र में गढ़चिरौली जिले के ग्राम नैनगुड़ा की रहने वाली साजंती 2011 में नक्सली संगठन में भर्ती हुई थी। (नईदुनिया प्रतिनिधि)

### छात्रा को आत्महत्या के लिए उकसाने की आरोपित को राहत

**नई दिल्ली :** सुप्रीम कोर्ट ने छत्तीसगढ़ में कक्षा छह की छात्रा को आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में नन के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही पर शुक्रवार को रोक लगा दी। कोर्ट ने छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में कार्मेल कान्वेंट स्कूल में शिक्षिका के रूप में कार्यरत नन सिस्टर मर्सी उर्फ एलिजाबेथ की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह राहत दी। एलिजाबेथ ने छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ याचिका दायर की है। पुलिस ने आरोप लगाया है कि शिक्षिका ने छात्रा को आत्महत्या करने के लिए उकसाया था। अपनी अपील में नन ने कहा छात्रा को आत्महत्या के लिए उकसाने का कोई इरादा नहीं था। अनुशासनात्मक कार्रवाई को उकसाने के रूप में नहीं माना जा सकता। (प्रेट्र)

### झारखंड के कार्यवाहक डीजीपी से सुप्रीम कोर्ट ने मांगा जवाब

**नई दिल्ली :** सुप्रीम कोर्ट ने उस याचिका पर झारखंड के कार्यवाहक पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग गुप्ता से जवाब तलब किया है जिसमें झामुमो के नेतृत्व वाली हेमंत सोरेन सरकार द्वारा गुप्ता की तदर्थ नियुक्ति को चुनौती दी गई है। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पार्डीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने एक अवमानना याचिका पर झारखंड के मुख्य सचिव एल. खियांगते के जरिये राज्य सरकार को भी नोटिस जारी किया है। अवमानना याचिका में शीर्ष अदालत के वर्ष 2006 के फैसले और उसके बाद जारी निर्देशों के कथित गैर-अनुपालन का आरोप लगाया गया है। इस फैसले एवं निर्देशों में डीजीपी के लिए दो वर्ष का निश्चित कार्यकाल और यूपीएससी द्वारा तैयार राज्य के तीन वरिष्ठतम आइपीएस अधिकारियों की सूची में से उनका चयन शामिल है। याचिकाकर्ता ने कहा कि 1990 बैच के आइपीएस अधिकारी अनुराग गुप्ता की नियुक्ति सुप्रीम कोर्ट के 2006 के प्रकाश सिंह फैसले और उसके बाद जारी निर्देशों का उल्लंघन करके की गई है। (प्रेट्र)

# हाथरस में बस और लोडर की टक्कर में 17 की मौत

## आगरा-अलीगढ़ हाईवे पर ओवरटेक करने के दौरान हादसा, 16 की हालत गंभीर

**जागरण संवाददाता, हाथरस**

हाथरस में आगरा-अलीगढ़ हाईवे स्थित मीतई के पास हादसे के बाद शवों को झाड़ियों में तलाशती अग्निशमन और पुलिस की टीमें। जागरण

"घायलों को अलीगढ़ रेफर किया गया है। अन्य का उपचार जारी है। मरने वालों के पक्ष से जो भी तहरीर मिलेगी, उसके अनुसार कार्रवाई की जाएगी।"
**आशीष कुमार, डीएम, हाथरस**

"घायलों का बेहतर इलाज कराने का प्रयास किया जा रहा है। हादसे के कारण की जांच की जा रही है। बस चालक फरार है। उसके खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया जाएगा।"
**-शलभ माथुर, आइजी, अलीगढ़ रेंज**

आगरा-अलीगढ़ हाईवे पर शुक्रवार शाम तेज रफ्तार रोडवेज बस और ओवरटेक करते टाटा मैजिक लोडर (छोटा हाथी) की आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। इसमें लोडर में सवार 17 लोगों की मृत्यु हो गई। इनमें सात पुरुष, पांच महिलाएं, पांच बच्चे हैं। मरने वालों में ज्यादातर खंदौली (आगरा) के एक ही खानदान से हैं, तो कुछ पड़ोसी हैं। वहीं 16 सवार गंभीर रूप से घायल हैं, जिनमें से आठ को अलीगढ़ रेफर किया है। दुर्घटनाग्रस्त बस अलीगढ़ डिपो की है, जो आगरा से देहरादून जा रही थी। हादसे का कारण वर्षा के दौरान लोडर का तेज स्पीड में दूसरे वाहन को ओवरटेक करना बताया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर दुख जताते हुए मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

जिले में सासनी के गांव मुकुंदखेड़ा निवासी राजुद्दीन की दादी अंगूरी का शुक्रवार को चालीसवां था। राजुद्दीन के ससुराल खंदौली से 35 लोग इसमें शामिल होने आए थे। सभी लोडर से लौट रहे थे। शाम साढ़े छह बजे राष्ट्रीय राजमार्ग पर मीतई गांव के पास लोडर का ड्राइवर ओवरटेक कर रहा था। इस दौरान तेज रफ्तार आ रही रोडवेज की जनरथ बस से उसकी भिड़ंत हो गई। बस में सवार यात्रियों के अनुसार दोनों वाहन अनियंत्रित होकर रोड के किनारे गड्ढों और झाड़ियों में जा घुसे। लोडर की सवारियां दूर-दूर तक छिटककर गिरीं। चारों ओर खून ही खून बिखरा था।

सवारियों से खचाखच भरा लोडर खंदौली से चला तो चार थाना क्षेत्रों खंदौली, सादाबाद, चंदपा और सासनी कोतवाली से गुजरा। कहीं भी पुलिस ने इसे नहीं रोका। यह तब है, जब मुख्यमंत्री के सख्त आदेश हैं कि लोडिंग वाहनों में सवारियां न ढोई जाएं। दुर्घटना में हामिद के साथ पत्नी तबस्सुम, बेटे शोयब व सोफियान ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

## 'न्यायिक नियुक्तियों की प्रक्रिया किसी एक का विशेषाधिकार नहीं'

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि हाई कोर्ट में न्यायिक नियुक्तियों की प्रक्रिया किसी एक व्यक्ति का विशेषाधिकार नहीं है। साथ ही हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट कलेजियम को दो वरिष्ठतम जिला और सत्र न्यायाधीशों की पदोन्नति पर सामूहिक रूप से पुनर्विचार करने का निर्देश दिया। इसमें कहा गया है कि जिला और सत्र न्यायाधीशों को हाई कोर्ट में पदोन्नत करने पर हाई कोर्ट कलेजियम द्वारा कोई सामूहिक परामर्श नहीं किया गया था और दो वरिष्ठतम न्यायाधीशों की उपयुक्तता पर निर्णय मुख्य न्यायाधीश का व्यक्तिगत निर्णय प्रतीत होता है।

शीर्ष अदालत ने न्यायाधीशों की नियुक्ति से जुड़े मामलों में कुछ संवेदनशील जानकारी की रक्षा करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। साथ ही कहा कि ऐसी जानकारी को सामने लाने से न केवल व्यक्ति की गोपनीयता, बल्कि प्रक्रिया की अखंडता से भी समझौता होगा। न्यायमूर्ति हृषिकेश राय और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने हिमाचल प्रदेश में सेवारत दो वरिष्ठतम जिला और सत्र न्यायाधीशों चिराग भानु सिंह और अरविंद मल्होत्रा की याचिका पर अपना फैसला सुनाया है। उन्होंने आरोप लगाया था कि हाई कोर्ट के न्यायाधीश पद के लिए नामों के चयन में हाई कोर्ट कलेजियम द्वारा उनकी योग्यता और वरिष्ठता पर विचार नहीं किया गया।

# बच्चे को चल संपत्ति नहीं मान सकतीं अदालतें : सुप्रीम कोर्ट

- मानवीय आधार पर करें बच्चे की कस्टडी हस्तांतरित करने का फैसला
- मध्यप्रदेश हाई कोर्ट ने बच्ची की कस्टडी पिता को सौंपने का दिया था आदेश

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि नाबालिग के संबंध में बंदी प्रत्यक्षीकरण के मुद्दे पर विचार करने वाली अदालतें बच्चे को "चल संपत्ति" नहीं मान सकतीं। कस्टडी में बदलाव से बच्चे पर पड़ने वाले प्रभाव पर विचार किए बिना अदालतें बच्चे की कस्टडी हस्तांतरित नहीं कर सकतीं। बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका किसी लापता या अवैध रूप से हिरासत में लिए गए व्यक्ति को कोर्ट के समक्ष पेश करने के निर्देश की मांग करते हुए दायर की जाती है। कोर्ट ने कहा, ऐसे मुद्दों पर न्यायालय को मानवीय आधार पर कार्य करना होगा। जब कोर्ट किसी नाबालिग के संबंध में बंदी प्रत्यक्षीकरण के मुद्दे पर विचार करता है, तो वह बच्चे को चल संपत्ति नहीं मान सकता। कस्टडी में व्यवधान के बच्चे पर पड़ने वाले प्रभाव पर विचार किए बिना कस्टडी हस्तांतरित नहीं की जा सकती है।

शीर्ष अदालत ने दो साल सात महीने की बच्ची की कस्टडी से जुड़े मामले में फैसला सुनाते हुए यह टिप्पणी की। दिसंबर 2022 में बच्ची की मां की अप्राकृतिक मौत हो गई थी। बच्ची इस समय अपनी मौसी के पास है। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के जून 2023 के फैसले को चुनौती देते हुए शीर्ष अदालत में याचिका दायर की गई थी। हाई कोर्ट ने मौसी को बच्ची की कस्टडी उसके पिता और दादा-दादी को सौंपने का निर्देश दिया था। शीर्ष अदालत ने हाई कोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी थी।

पीठ ने कहा, हाई कोर्ट ने बच्ची के हित पर विचार नहीं किया। हाई कोर्ट ने केवल अभिभावक के रूप में पिता के अधिकार के आधार पर कस्टडी में बाधा डाली है। मामले के विशिष्ट तथ्यों और बच्ची की उम्र को देखते हुए, यह ऐसा मामला नहीं है, जिसमें संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत याचिका दायर कर कस्टडी में बाधा पहुंचाई जा सके। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि 21 सितंबर से प्रत्येक पहले, तीसरे और पांचवें शनिवार को बच्ची की मौसी उसे दोपहर तीन बजे मध्य प्रदेश के पन्ना में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) के सचिव के कार्यालय में ले जाएंगी। डीएलएसए सचिव की निगरानी में बच्ची के पिता और दादा-दादी शाम पांच बजे तक बच्ची से मिल सकेंगे।

# बिरयानी लाने पर अमरोहा में छात्र को स्कूल से निकाला

**जागरण संवाददाता, अमरोहा**

- जांच टीम ने हिल्टन स्कूल के 20 विद्यार्थियों के अभिभावकों के बयान किए दर्ज
- जांच में बच्चे का नाम काटे जाने की पुष्टि नहीं, छात्र की मां ने नहीं दर्ज कराए बयान

उत्तर प्रदेश के अमरोहा में स्कूल से एक छात्र को केवल इसलिए निकाल दिया क्योंकि वह लंच में मांसाहार लाया था। मामला जिले के हिल्टन कान्वेंट स्कूल का है। यहां कक्षा तीन के मुस्लिम छात्र द्वारा लंच में मांसाहार (बिरयानी) लाने पर बखेड़ा हो गया है।

वहीं, छात्र की मां का आरोप है प्रबंधन ने उसका नाम काट दिया, जबकि उसने कभी लंच में नानवेज नहीं भेजा। सोयाबीन की बड़ियों की बिरयानी भेजती थी। प्रिंसिपल का कहना है कि छात्र देवी-देवताओं के चित्रों को भी अपमानित करता था। डीएम राजेश त्यागी के निर्देश पर जांच के लिए संयुक्त टीम गठित की गई है। टीम ने शुक्रवार को जांच शुरू कर दी है। डीएम का कहना है कि रिपोर्ट मिलने पर दोषी के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

छात्र की मां साबरा बुधवार को प्रिंसिपल अवनीश कुमार शर्मा से मिलीं। उन्होंने बेटे को मंगलवार को प्रताड़ित करने का आरोप लगाया। प्रिंसिपल का कहना था कि वह लंच में मांसाहार लेकर आता है। इसे लेकर दोनों में तीखी नोकझोंक हुई।

इसका वीडियो प्रसारित होने पर डीएम ने डीआइओएस विष्णु प्रताप सिंह और बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) मोनिका को संयुक्त टीम से जांच कराने को कहा। टीम ने शुक्रवार को प्रिंसिपल और 20 बच्चों के अभिभावकों से बात की। अभिभावकों ने भी प्रिसिंपल के बयानों की पुष्टि की। इसके बाद टीम ने साबरा को बयान दर्ज करने के लिए बुलाया, लेकिन वह नहीं आईं। जांच टीम को स्कूल रिकार्ड में बच्चे का नाम काटने की पुष्टि नहीं हुई है।

# छत्तीसगढ़ के बीजापुर में तीन नक्सली गिरफ्तार, छह प्रेशर कुकर बम बरामद

**नईदुनिया न्यूज, बीजापुर**

सुरक्षा बल नक्सलियों के खिलाफ दबाव बनाए हुए हैं। बीजापुर जिले में वारदात की साजिश को नाकाम करते हुए तीन नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है। राज्य कोंडागांव जिले में पुलिस ने छह प्रेशर कुकर बम बरामद किए, जिन्हें सुरक्षा बल को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से रखा गया था।

बीजापुर में शुक्रवार को पकड़े गए तीनों नक्सली सारकेगुड़ा पुलिया के पास सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने के लिए बम लगाने की तैयारी में थे। इनके कब्जे से कार्डेक्स वायर, जिलेटिन, गन पाउडर सफेद-काला, डेटोनेटर व दैनिक उपयोग की सामग्री मिली है। नक्सली कमांडर मल्लेश ने उन्हें बम लगाने को सामग्री उपलब्ध कराई थी। इससे एक दिन पहले गुरुवार को मड़गांव में गश्त के दौरान प्रेशर कुकर बम मिले। इनमें तीन बम चार-चार किलो व अन्य तीन बम तीन-तीन किलो के थे।

नक्सलियों का छिपाया हुआ प्रेशर कुकर बम, जिसे पुलिस ने बरामद किया। नईदुनिया

### प्रशिक्षण केंद्र पर गिरी बिजली, दो जवान बलिदान

दंतेवाड़ा, नईदुनिया प्रतिनिधि : छत्तीसगढ़ में दंतेवाड़ा में संचालित नक्सल विरोधी प्रशिक्षण केंद्र पर शुक्रवार को बिजली गिरने से सीआरपीएफ के दो जवान बलिदान हो गए। परिसर में दोपहर तीन बजे आकाशीय बिजली गिरी। इससे प्रशिक्षण के दौरान कांस्टेबल महेंद्र कुमार व एस. शहुअट आलम घायल हो गए। दोनों को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

### पुंछ में दुर्घटनावश गोली चलने से सीआइएसएफ कांस्टेबल घायल

**जागरण संवाददाता, पुंछ :** पुंछ के सीमावर्ती झलास क्षेत्र में चुनाव ड्यूटी पर आया सीआइएसएफ का कांस्टेबल दुर्घटनावश गोली चलने से घायल हो गया। घायल जवान को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां आपरेशन के बाद उसे बटालियन भेज दिया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हरियाणा निवासी सीआइएसएफ का जवान मनीष कुमार शुक्रवार को पुंछ के हवेली क्षेत्र के हायर सेकेंडरी स्कूल, झलास में ड्यूटी पर तैनात था। सुबह करीब आठ बजे उसका पैर फिसलने से संतुलन बिगड़ गया और अचानक चली गोली उसके पांव में जा लगी। आवाज सुनते ही अन्य जवान घटनास्थल पर पहुंचे और साथी जवान को घायल हालत में देख तत्काल उच्च अधिकारियों को सूचित किया।

### सुलतानपुर में एसटीएफ की डकैतों से मुठभेड़ की होगी मजिस्ट्रेटी जांच

**जागरण संवाददाता, सुलतानपुर :** उत्तर प्रदेश के सुलतानपुर में एसटीएफ की डकैतों से हुई मुठभेड़ की मजिस्ट्रेटी जांच के आदेश दिए गए हैं। सुल्तानपुर की जिलाधिकारी कृत्तिका ज्योत्स्ना के निर्देश पर इसकी जांच लंभुआ की एसडीएम विदुषी सिंह करेंगी।

स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने सुलतानपुर शहर के ठठेरी बाजार में सर्राफ भरतजी सोनी की दुकान में 28 अगस्त को हुई डकैती में वांछित एक लाख रुपये के इनामी जौनपुर निवासी मंगेश यादव उर्फ कुंभे को गुरुवार तड़के मुठभेड़ में मार गिराया था। इसके बाद सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मुठभेड़ पर सवाल उठाते हुए कहा था कि जात देखकर जान ले ली गई। उधर, तीन आरोपित एक अन्य मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किए जा चुके हैं।

डकैती में एक अज्ञात के अतिरिक्त 14 आरोपित वांछित थे। गिरोह का सरगना विपिन सिंह रायबरेली न्यायालय में समर्पण कर चुका है। अब नौ बदमाशों की धर-पकड़ के लिए पुलिस की सात टीमें गठित की गई हैं।

### बेसहारा गोवंशियों से मुक्त होंगे मप्र में हाईवे, बनाई जाएंगी गोशालाएं

**सौरभ सोनी, नईदुनिया ● भोपाल :** मध्य प्रदेश में हाईवे अब बेसहारा गोवंशियों से मुक्त होंगे। सड़क पर बैठे गोवंशियों के लिए हाईवे किनारे अस्थायी गोशालाओं का निर्माण कराया जाएगा। सड़क विकास निगम का अमला इनको रेस्क्यू कर गोशालाओं तक पहुंचाएगा।

हाईवे के प्रत्येक पांच किलोमीटर के दायरे में गोशाला की व्यवस्था की जाएगी। टीन शेड से इसका निर्माण होगा। इसके साथ ही चबूतरों का निर्माण भी होगा, जिससे बारिश से समय गोवंशीय सड़क के बजाय उस पर बैठें। एक रेस्क्यू वाहन भी उपलब्ध होगा, जो गोवंशियों को सड़क से लेजाकर गोशाला तक छोड़ेगा। यह व्यवस्था स्टेट हाईवे पर होगी। नई सड़कों के निर्माण में जारी किए जाने वाले टेंडर की शर्तों में भी यह प्रविधान किए जाएंगे। सड़क बनाने वाली संबंधित एजेंसी, स्थानीय प्रशासन के समन्वय से यह व्यवस्था करेगी। बता दें कि गीली जमीन होने की वजह से गोवंशीय सड़क पर आकर बैठक जाते हैं। इससे कई बार तेज गति वाहन से वे घायल हो जाते हैं और उनकी मृत्यु तक हो जाती है।

**सौर ऊर्जा से जगमगाता पुल**

लोहित नदी पर निर्मित असम से अरुणाचल प्रदेश को जोड़ने वाले डा. भूपेन हजारिका सेतु (ढोला-सादिया पुल) पर प्रकाश व्यवस्था पूरी तरह से सौर ऊर्जा से संचालित हो गई है। 52.60 करोड़ रुपये की लागत से पूरी इस सौर ऊर्जा परियोजना में एनएच-115 का 10.150 किलोमीटर लंबा हिस्सा शामिल है। इस पर रोशनी देने के लिए कुल 1,215 सौर ऊर्जा संचालित लैंप लगाए गए हैं। इसमें 1284 सौर पैनल लगे हुए हैं, जो दिन में 700 किलोवाट बिजली उत्पन्न करते हैं। एएनआइ

# भाजपा नेता ने पीठ में गोली प्लांट करवा तीन विरोधियों को कराया गिरफ्तार

**जागरण संवाददाता, संभल**

- संभल में पुलिस ने में तीनों आरोपितों से तमंचा भी दिखाया बरामद
- उपमुख्यमंत्री के आदेश पर दोबारा जांच में खुला राज, तीनों गिरफ्तार

उत्तर प्रदेश के संभल में जमीन हथियाने के लिए भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के नगर अध्यक्ष प्रेमपाल ने अपनी पीठ में दो फार्मासिस्ट की मदद से गोली प्लांट करा ली। इसके बाद तीन विरोधियों के खिलाफ जानलेवा हमले की प्राथमिकी दर्ज करा दी। पुलिस ने नामजद तीनों को न केवल गिरफ्तार कर लिया, बल्कि उनसे तमंचा भी बरामद दिखा दिया। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के आदेश पर दोबारा हुई जांच में पूरे मामले का राजफाश हुआ। पुलिस ने भाजपा नेता सहित तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। निर्दोष होने के बाद भी 37 दिन जेल में रहने वाले तीनों लोगों को कोर्ट ने रिहा करने का आदेश दिया है।

भाजपा नेता ने गत 27 जुलाई को रात 10 बजे डायल 112 पर काल की। उसने बताया कि तीन लोगों ने उसे गोली मार दी है। पुलिस घायल नेता को सीएचसी लेकर आई। वहां से जिला अस्पताल और इसके बाद मुरादाबाद के अस्पताल ले जाया गया। प्रेमपाल ने पुलिस को बताया कि वह बहजोई में आयोजित व्यापार मंडल की बैठक में शामिल होकर लौट रहा था। रास्ते में उसके पड़ोसी दो भाई दिलीप व हेमंत और उनके साथी श्यामलाल ने घेरकर गोली मार दी। प्रेमपाल के भाई की ओर से प्राथमिकी दर्ज कराई गई। पुलिस ने रात में ही तीनों को गिरफ्तार कर लिया। अगले दिन पुलिस ने तमंचा बरामद दिखाकर तीनों को जेल भेज दिया। दावा किया गया कि इसी तमंचे से गोली मारी गई है।

संभल : पुलिस गिरफ्त में भाजपा नेता प्रेमपाल (गुलाबी शर्ट) सहित चारों आरोपित। जागरण

दिलीप व हेमंत की मां ने कई बार अधिकारियों से मिलकर बेटों को झूठा फंसाने की बात कही थी, लेकिन किसी ने उनकी नहीं सुनी। इस मामले की जांच सीओ चंदौसी डा. प्रदीप कुमार कर रहे थे। पीड़ित पक्ष ने उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य से गुहार लगाई। उपमुख्यमंत्री के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने दोबारा जांच की। इसमें मामला उल्टा निकला। पता चला कि भाजपा नेता ने फार्मासिस्ट आमिर अली और शराफत से चीरा लगवाकर पीठ में गोली फंसवाई थी। पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर लिया है। एडीजे (एससी एसटी एक्ट) कोर्ट में पुलिस ने घटना की नई कहानी के बारे में बताया। प्राथमिकी के आधार पर तीनों नामजद की गिरफ्तारी कराई थी। हालांकि, फायरिंग के साक्ष्य नहीं मिले थे।

# ठेकेदार ने राजमिस्त्री की लाश को गाड़कर बना दी पानी टंकी

**नईदुनिया प्रतिनिधि, अंबिकापुर**

- चोरी के शक में आरोपितों ने पीटकर मार डाला, तीन माह बाद मिला शव
- सर्व आदिवासी समाज के प्रदर्शन के बाद पुलिस ने तेज की कार्रवाई

छत्तीसगढ़ के सरगुजा में एक ठेकेदार ने अपने कर्मचारियों के साथ मिलकर राजमिस्त्री की हत्या कर दी और उसकी लाश को गाड़कर उस पर पानी की टंकी बना दी। तीन महीने बाद वारदात से पर्दा हटा तो पुलिस ने बैकहो लोडर से टंकी की नींव उखाड़कर शव बरामद किया। मामले में चार गिरफ्तार किए जा चुके हैं, लेकिन ठेकेदार अभी हाथ नहीं आया है।

पुलिस के मुताबिक, राजमिस्त्री संदीप लकड़ा ठेकेदार अभिषेक पांडेय की साइट पर काम करता था। साइट से निर्माण सामग्री चोरी हुई थी। ठेकेदार व उसके सहयोगियों को संदीप पर शक था। वे आठ जून को संदीप को अपने साथ ले गए। उसके साथ इतनी मारपीट की गई कि उसकी मौत हो गई। इसके बाद उसके शव को मैनपाट के ग्राम लुरैना में गड्ढा खोदकर शव दफना दिया और उसके ऊपर सौर ऊर्जा संचालित पानी की टंकी बना दी। कई दिनों बाद भी राजमिस्त्री का पता नहीं चला तो उसकी पत्नी ने 16 जून को गुमशुदगी की रिपोर्ट लिखाई। बीते महीने सर्व आदिवासी समाज ने संदीप लकड़ा की हत्या की आशंका जताते हुए कार्रवाई की मांग को लेकर थाने का घेराव किया। पुलिस ने ठेकेदार अभिषेक पांडेय सहित अन्य साथियों के खिलाफ अपहरण, मारपीट और आदिवासी एक्ट के तहत अपराध दर्ज किया।

# डान पीपी को मठाधीश बनाने में बैकफुट पर श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़ा, जांच शुरू

**जागरण संवाददाता, हरिद्वार**

- मामले में हो रही किरकिरी के बाद श्रीमहंत हरिगिरि ने बैठाई जांच, साथ ही कहा पीपी से किनारा नहीं किया जा सकता
- कहा, हर किसी को स्वेच्छा से सनातन की शरण में आने का अधिकार, आपराधिक मामलों में कानून करेगा अपना काम

उत्तराखंड की अल्मोड़ा जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहे माफिया डान प्रकाश पांडेय 'पीपी' (प्रकाशानंद गिरि) को जेल में ही श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़ा का संत और मठाधीश बनाए जाने के मामले में हो रही किरकिरी के बाद अखाड़ा प्रबंधन बैकफुट पर आ गया है। जूना अखाड़ा के अंतरराष्ट्रीय संरक्षक श्रीमहंत हरिगिरि ने मोटी रकम लेकर पीपी को जेल में ही संत बनाए जाने संबंधी आरोप पर कहा कि अलबत्ता तो ऐसा नहीं है, लेकिन मामले में जांच बैठा दी है। आरोप सही साबित होते हैं तो पीपी को दीक्षा देने वाले आरोपित संतों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

श्रीमहंत हरिगिरि ने इस बात से इन्कार किया कि पीपी को अखाड़े का महामंडलेश्वर या मठाधीश बनाया गया है। हालांकि, यह भी जोड़ा कि हर किसी को जीवन में स्वेच्छा से सनातन की शरण में आने का अधिकार है, इसलिए सनातन की शरण में आए माफिया पीपी को अकेला छोड़ उससे किनारा नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि अखाड़ा पीपी की धार्मिक यात्रा में सहयोग करेगा। बाकी उसके अपराधिक कृत्यों पर कानून अपना काम करेगा। विदित हो कि माफिया डान को बीते गुरुवार को शिक्षक दिवस के मौके पर नागा संन्यासियों के सबसे बड़े अखाड़े श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़ा के थानापति राजेंद्र गिरि की अगुआई में 11 संतों के प्रतिनिधिमंडल में शामिल तीन सदस्यों ने अल्मोड़ा जेल के भीतर जाकर दीक्षा दी।

बता दें कि वर्ष 2013 में इलाहाबाद कुंभ से पहले मुंबई की चर्चित संत राधे मां को हरिद्वार में आयोजित कार्यक्रम में अखाड़े का महामंडलेश्वर बना दिया गया था। विवाहित राधे मां को अचानक अखाड़े का महामंडलेश्वर बनाए जाने को लेकर जब किरकिरी होने लगी तो तब भी अखाड़ा प्रबंधन ने यही किया।

# शाम को अदालत लगाने व वर्चुअल सुनवाई की मांग वाली याचिका रद

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को देशभर के जिला न्यायालयों में शाम को अदालत लगाने और वर्चुअल सुनवाई का निर्देश देने की मांग वाली जनहित याचिका को खारिज कर दिया।

चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पार्डीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि प्रशासन की दिक्कतों को ध्यान में रखते हुए सभी जिला अदालतों के लिए इस मामले में एक समान निर्देश नहीं दिए जा सकते।

बता दें, इस मामले में किशन चंद जैन ने जनहित याचिका दायर की थी। इसमें कहा गया था कि ट्रायल कोर्ट में वर्चुअल सुनवाई चरणबद्ध तरीके से हो सकती है। इस पर सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने याचिकाकर्ता से पूछा भी कि क्या आप जानते हैं कि देश में कितनी जिला अदालतें हैं? आपने शाम की अदालतों की मांग की है। वकील इसका विरोध करेंगे। अगर हम निर्देश देते हैं कि शाम की अदालतें होंगी तो नियमित अदालतों में पूरे दिन बहस करने के बाद क्या वकील शाम की अदालतों में बहस करेंगे? हम सभी के लिए एक जैसा समाधान नहीं दे सकते। देश इतना बड़ा और जटिल है कि इस तरह के निर्देश नहीं दिए जा सकते।"

********

**700** बैठकें की हैं सीमा सुरक्षा बल ने बार्डर गार्ड बांग्लादेश के साथ 12 अगस्त से अभी तक। दोनों देशों के बल 1,367 स्थानों पर संयुक्त रूप से गश्त कर रहे हैं।

# बाढ़ प्रभावित आंध्र, तेलंगाना को 3,448 करोड़ की मदद देगा केंद्र : शिवराज

## आंध्र प्रदेश में बाढ़ की स्थिति की समीक्षा करने के बाद तेलंगाना पहुंचे

**हैदराबाद, प्रेट्र :** केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बाढ़ प्रभावित आंध्र प्रदेश और तेलंगाना को 3,448 करोड़ रुपये की तत्काल सहायता की शुक्रवार को घोषणा की। आंध्र प्रदेश में बाढ़ की स्थिति की समीक्षा करने के बाद शिवराज तेलंगाना पहुंचे।

उन्होंने कहा, राज्य आपदा राहत कोष (एसडीआरएफ) के तहत 3,448 करोड़ रुपये की तत्काल सहायता उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जा रही है, जिसमें केंद्र सरकार का हिस्सा भी शामिल है। सरकार अगली फसल के लिए किसानों को खाद और बीज उपलब्ध कराने के बारे में विचार करेगी। उन्होंने किसानों को आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार फसल क्षति का आकलन करने के बाद उचित मुआवजा देगी।

कृषि मंत्री ने तेलंगाना के मीनावलु, पेद्दागोपावरम, मन्नूर और कट्टलेरू के बाढ़ प्रभावित इलाकों में फसल नुकसान का हवाई सर्वेक्षण किया। उन्होंने खम्मम में लोगों से मुलाकात की।

वहीं आंध्र प्रदेश सरकार ने कहा कि भारतीय सेना की इंजीनियरिंग टास्क फोर्स विजयवाड़ा में बुडामेरु नामक नदी के टूटे तटबंधों के दरारों को बंद करने के लिए युद्ध स्तर पर काम कर रही है। तटबंधों के दरारों के कारण आई बाढ़ ने तबाही मचाई थी। आइएएनएस के अनुसार आंध्र प्रदेश के बाढ़ प्रभावित इलाकों में लोगों को राहत सामग्री बांटी गई।

आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में हुई भारी बारिश के बाद शुक्रवार को केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण किया। एएनआइ

## भूस्खलन से बदरीनाथ, गंगोत्री व यमुनोत्री मार्ग रहे बाधित, यात्रियों को हुई परेशानी

**जागरण संवाददाता, देहरादून :** उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में वर्षा का क्रम जारी है। उत्तरकाशी में गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर बंदरकोट भूस्खलन जोन सक्रिय हो गया है। गुरुवार की रात से लेकर शुक्रवार दिनभर बंदरकोट के पास रुक-रुककर भूस्खलन जारी रहा। दोपहर साढ़े 12 बजे मार्ग को वाहनों की आवाजाही के लिए खोला जा सका। पुलिस ने वाहनों की सुरक्षित आवाजाही कराई। यमुनोत्री राजमार्ग उत्तरकाशी में एक स्थान पर मलबा आने से दो घंटे बाधित रहा। चमोली में बदरीनाथ राजमार्ग भी तीन स्थानों पर मलबा आने से करीब चार घंटे अवरुद्ध रहा। यात्रा मार्गों के बाधित होने से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। पिथौरागढ़ में चीन सीमा को जोड़ने वाले तवाघाट-लिपुलेख राजमार्ग तीन दिन बाद भी नहीं खुल पाया है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, शनिवार को चमोली, पौड़ी व बागेश्वर में तीव्र वर्षा के आसार हैं। इन तीन जिलों में वर्षा का यलो अलर्ट जारी किया गया है।

## सीएम मान के आश्वासन पर किसानों ने चंडीगढ़ में खत्म किया धरना

**राज्य ब्यूरो, जागरण ● चंडीगढ़ :** पंजाब सरकार से कृषि नीति को सार्वजनिक करने सहित अन्य मांगों को लेकर चंडीगढ़ में रविवार से धरने पर बैठे किसानों ने मुख्यमंत्री भगवंत मान के आश्वासन पर शुक्रवार को धरना खत्म कर दिया। भारतीय किसान यूनियन एकता उगराहां के अध्यक्ष जोगिंदर सिंह उगराहां ने इसकी घोषणा करते हुए कहा कि सरकार ने मांगें जल्द पूरी करने का आश्वासन दिया है। 30 सितंबर तक कृषि नीति का ड्राफ्ट किसानों को भेज दिया जाएगा। अगर सरकार ने मांगें पूरी नहीं कीं तो वे बड़ा संघर्ष शुरू करेंगे।

मालूम हो कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ उगराहां गुट के नेताओं की गुरुवार को बैठक हुई थी। लगभग साढ़े तीन घंटे तक चली बैठक के दौरान किसानों ने 29 मांगें रखी थीं। दोनों पक्षों में कुछ मुद्दों को छोड़ कर शेष पर सहमति बन गई थी। किसानों ने सबसे ज्यादा दबाव कृषि नीति को लेकर बनाया था। मुख्यमंत्री ने बैठक में स्पष्ट कर दिया था कि कृषि नीति पर पहले सभी संबंधित विभागों से राय ली जाएगी। उसके बाद 30 सितंबर तक कृषि नीति का ड्राफ्ट किसान संगठनों को सौंपा जाएगा। बैठक में सहकारी बैंकों के डिफाल्टर किसानों के लिए वन टाइम सेटलमेंट स्कीम लाने पर भी सहमति बनी।

# निरंजनी अखाड़ा ने जगाई अलख-न करें उर्दू, अरबी-फारसी का प्रयोग

**जागरण संवाददाता, प्रयागराज**

- महाकुंभ के आमंत्रण कार्ड पर पेशवाई की जगह लिखें छावनी प्रवेश
- दूसरे अखाड़े भी इससे सहमत की शाही स्नान का विकल्प ढूंढ़ा जाए

महाकुंभ-2025 को लेकर अखाड़े उर्दू, अरबी-फारसी भाषा का प्रयोग करने से बचेंगे। श्रीनिरंजनी अखाड़ा ने अपने महामंडलेश्वर, महंतों सहित समस्त संतों को निर्देश दिया है कि वह बोल-चाल में हिंदी व संस्कृत भाषा का प्रयोग करें। जरूरत पड़ने पर अंग्रेजी बोल सकते हैं, लेकिन उर्दू, अरबी-फारसी का प्रयोग न करें। प्रयागराज महाकुंभ में जिन शिष्यों को आमंत्रित करें अथवा निमंत्रण कार्ड छपवाएं, उसमें शाही स्नान की जगह राजसी स्नान व पेशवाई की जगह छावनी प्रवेश लिखा जाय। वहीं, दूसरे अखाड़े भी शाही स्नान व पेशवाई शब्द का प्रयोग बंद कराने पर जोर दे रहे हैं।

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष (अध्यक्ष श्री निरंजनी अखाड़ा व मां मनसा देवी) श्रीमहंत रवींद्र पुरी ने स्पष्ट किया है कि गुलामी के दौर में तमाम कुरीतियां सनातन धर्म से जुड़ी हैं। वह बोलचाल में भी शामिल हैं। अब समय आ गया है कि उन्हें धीरे-धीरे खत्म किया जाय। इसके लिए निरंजनी अखाड़े में उर्दू, फारसी, अरबी भाषा का प्रयोग करने पर रोक लगाई गई है। देववाणी संस्कृत अथवा हिंदी का प्रयोग अधिक किया जाय। जो महामंडलेश्वर व उनके अनुयायी विदेश में हैं, वह अंग्रेजी भाषा का प्रयोग कर सकते हैं। आमंत्रण पत्रों, धार्मिक अनुष्ठान के बैनरों, पोस्टरों में उर्दू शब्द का प्रयोग न होने पाए।

इस विषय पर श्रीनिर्मोही अनी अखाड़ा के अध्यक्ष श्रीमहंत राजेंद्र दास भी मुखर हैं। उन्होंने भी उर्दू, अरबी-फारसी शब्दों के प्रयोग रोकने पर जोर दिया है। प्राचीन इतिहास विभाग इलाहाबाद विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त प्रोफेसर प्रो. डीपी दुबे भी महाकाल की शाही सवारी के शाही शब्द पर आपत्ति को उचित बताते हैं। कहते हैं कि अब प्रयागराज महाकुंभ में शाही स्नान के स्थान पर राजसी स्नान करने का विचार आया है। शाही शब्द फारसी स्याही का लोक नाम है। इसका नाम भी सात्विक स्नान होना चाहिए। अखाड़ों में अनेक फारसी शब्द प्रयोग में लाये जाते हैं उन्हें भी बदला जाना चाहिए। जैसे पेशवाई की जगह कुंभनगर प्रवेश होना चाहिए।

वहीं, जूना अखाड़ा के मुख्य संरक्षक महंत हरि गिरि का कहना है कि अखाड़ों की परंपरा सदियों पुरानी है। बदलाव करने से पहले उसकी तह में जाना होगा।

## न्यूज गैलरी

### आध्यात्मिक सत्र के आयोजन पर प्रिंसिपल पर गिरी गाज

**चेन्नई :** तमिलनाडु के एक स्कूल में आध्यात्मिक सत्र आयोजित करने पर विवाद के बाद शुक्रवार को अशोक नगर गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल की प्रिंसिपल आर. थमिलारसी का तबादला कर दिया गया है। शिक्षक दिवस पर अशोक नगर के सरकारी गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल में परमपोरुल फाउंडेशन द्वारा आयोजित सत्र में वक्ता ने कर्म और पुनर्जन्म का उल्लेख करते हुए कथित तौर पर जीवन में संघर्षों के लिए बच्चों को जिम्मेदार ठहराया। विवाद के बीच, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा कि वह पिछले तीन वर्षों से कई कार्यक्रमों में शिक्षा के महत्व और वैज्ञानिक सोच विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दे रहे हैं। स्कूल शिक्षा मंत्री अनबिल महेश इसकी जांच के लिए समिति बनाई गई है। (एएनआइ)

### यू-ट्यूब चैनल बंद करने की जमानत शर्त पर लगाई रोक

**नई दिल्ली :** सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को मद्रास हाई कोर्ट के उस निर्देश पर रोक लगा दी जिसमें जमानत की एक शर्त के तौर पर यू-ट्यूबर फेलिक्स जेराल्ड को अपना चैनल 'रेडपिक्स 24x7' बंद करने के लिए कहा गया था। जेराल्ड को एक अन्य यू-ट्यूबर सुवुक्कु शंकर का अपने यू-ट्यूब चैनल पर आपत्तिजनक साक्षात्कार करने के लिए गिरफ्तार किया गया था। इस साक्षात्कार में शंकर ने मद्रास हाई कोर्ट के जजों एवं राज्य की महिला पुलिस अधिकारियों के विरुद्ध कुछ टिप्पणियां की थीं। हाई कोर्ट ने दोनों यू-ट्यूबर्स को जमानत देते हुए जेराल्ड को एक शर्त के रूप में अपना चैनल बंद करने के लिए कहा था। (प्रेट्र)

### रिश्वतखोरी में उत्पाद शुल्क अधीक्षक को तीन साल की जेल

**नई दिल्ली :** अहमदाबाद की विशेष सीबीआइ अदालत ने 14,500 रुपये की रिश्वतखोरी के एक मामले में पूर्व उत्पाद शुल्क अधीक्षक को तीन साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। सीबीआइ ने 15 फरवरी, 2013 को केंद्रीय उत्पाद शुल्क के तत्कालीन अधीक्षक किशोर मारोतिराव अंबावले के खिलाफ मामला दर्ज किया था। उस पर आरोप लगाया गया था कि उसने शिकायतकर्ता से इनाम के रूप में 14,500 रुपये की रिश्वत मांगी थी। उसने पिछले सात महीनों के दौरान निजी कंपनी की ओर से दाखिल किए गए मासिक रिटर्न और निर्यात के दस्तावेज को आगे बढ़ाया था। (एएनआइ)

# भेड़ियों के आतंक के बीच बहराइच में फिर हमला, किसने किया यह स्पष्ट नहीं

**जागरण संवाददाता, बहराइच**

- डीएफओ ने कहा-यह हमला जंगली कुत्तों का, गांव वाले बोले- भेड़िया ही थे
- तीन घायल, कराए गए अस्पताल में भर्ती, अब तक नहीं मारे जा सके भेड़िये

उत्तर प्रदेश में बहराइच जिले के महसी तहसील क्षेत्र में तीन और लोग जंगली जानवरों के हमले में घायल हुए, लेकिन अब मामला भेड़ियों और जंगली कुत्तों में उलझ गया है। गांव वालों का कहना है कि भेड़ियों ने ही हमला किया है, जबकि डीएफओ का दावा है कि ये हमले जंगली कुत्तों ने किए। हमले में एक बुजुर्ग और दो बच्चे घायल हुए हैं। तीनों को बहराइच मेडिकल कालेज से संबंधित अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, प्रशासन ने रणनीति बदलते हुए महसी क्षेत्र को तीन सेक्टर में बांटकर नोडल अधिकारी तैनात किए हैं। भेड़ियों के हमलों में अब तक 10 लोगों की मृत्यु और 40 घायल हो चुके हैं।

गुरुवार रात महसी क्षेत्र की लोधनपुरवा गांव में जानवर ने मैकूलाल के आठ वर्षीय बेटे संगमलाल पर हमला कर दिया। शुक्रवार सुबह को अपने चार वर्षीय पोते सत्यम के साथ बैठे वृद्ध कृपाराम पर भी हमला किया गया। एसडीएम अखिलेश कुमार सिंह व वन विभाग के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जानकारी ली। डीएफओ अजीत प्रताप सिंह ने बताया कि वन कर्मियों को भेजकर जांच कराई गई है। कोई पगचिह्न नहीं मिले हैं।

### अब खंडवा में भेड़िये का हमला

**नईदुनिया प्रतिनिधि, खंडवा :** अब मध्य प्रदेश के खंडवा जिले के गांव मलगांव में गुरुवार रात भेड़िये ने घरों में सो रहे लोगों पर हमला कर दिया। इसमें पांच लोग घायल हो गए। इन्हें खंडवा मेडिकल कालेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ग्रामीणों के मुताबिक, भेड़िया रात करीब ढाई बजे घर में घुसा। इस दौरान उसने हमला किया।

### तेंदुओं की दहशत में जी रहे तीन जिलों के सौ से अधिक गांव के लोग

**जागरण टीम, मुरादाबाद :** शुक्रवार को दोपहर के तीन बजे हैं, मगर रामपुर के करीमपुर गांव में रात जैसा सन्नाटा है। ग्रामीण तेंदुए को लेकर चिंतित हैं। दहशतजदा होने की वजह से वह घरों से नहीं निकल रहे हैं। खेतों पर जाने से डर रहे हैं। गुरुवार रात राजू पाल ने घर के पास तेंदुआ दिखा, उनके चीखने से पूरे गांव में शोर मच गया। फिर ग्रामीण रात भर जागते रहे। कुछ दिन पहले गांव में एक बकरी को भी तेंदुए ने मार दिया था। अकेले करीमपुर में ही ऐसी स्थिति नहीं है। जिले के कई गांव के साथ अमरोहा और मुरादाबाद की स्थिति भी इससे भिन्न नहीं है। तीनों जिलों में सौ से अधिक गांव के लोग तेंदुए की दहशत में जीने को मजबूर हैं। तेंदुए कई लोगों को घायल भी कर चुके हैं।

# बिहार में आरक्षण बढ़ाने में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र व राज्य से मांगा जवाब

- राजद की याचिका पर जारी किया नोटिस
- लंबित याचिकाओं के साथ संलग्न की याचिका

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** बिहार में आरक्षण संशोधन कानूनों को रद करने के पटना हाई कोर्ट के आदेश के विरुद्ध राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को केंद्र और राज्य सरकार से जवाब तलब किया। इन संशोधन कानूनों के जरिये राज्य सरकार ने दलितों, जनजातियों एवं पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण को 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 65 प्रतिशत कर दिया था।

सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पार्डीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने राजद की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता पी. विल्सन की इन दलीलों पर संज्ञान लिया कि याचिका पर फैसला करने की आवश्यकता है।

सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश ने कहा, 'नोटिस जारी कीजिए और लंबित याचिकाओं के साथ संलग्न कीजिए।' 29 जुलाई को इसी तरह की 10 अन्य याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने हाई कोर्ट के उस आदेश पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया था जिसमें बिहार में संशोधित आरक्षण कानूनों को खारिज कर दिया गया था। हालांकि पीठ फैसले के विरुद्ध बिहार सरकार की याचिकाओं पर सुनवाई के लिए सहमत हो गई थी। राज्य सरकार ने भी हाई कोर्ट के फैसले के विरुद्ध शीर्ष अदालत में याचिका दाखिल की है।

पटना हाई कोर्ट ने अपने 20 जून के फैसले में राज्य की द्विसदनात्मक विधायिका द्वारा पिछले वर्ष नवंबर में सर्वसम्मति से पारित बिहार पदों एवं सेवाओं में रिक्तियों का आरक्षण (अनसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों एवं अन्य पिछड़ा वर्गों के लिए) संशोधन अधिनियम, 2023 एवं बिहार (शिक्षण संस्थाओं में प्रवेश में) आरक्षण संशोधन अधिनियम, 2023 को संविधान के दायरे से बाहर, कानून की नजर में खराब और समानता के प्रविधान का उल्लंघन करने वाला करार दिया था।

# तेलंगाना में व्हिस्की मिली आइसक्रीम बेचने वाले रैकेट का पर्दाफाश

**हैदराबाद, एएनआइ :** हैदराबाद में आबकारी विभाग ने व्हिस्की मिली आइसक्रीम बेचने के आरोप में एक आइसक्रीम पार्लर पर कार्रवाई की है। साथ ही रैकेट में शामिल कई लोगों को गिरफ्तार किया है। यह घटना तब सामने आई, जब टीम ने शहर के जुबली हिल्स इलाके में अरिको कैफे आइसक्रीम पार्लर पर छापा मारा।

छापेमारी के दौरान टीम ने 11.5 किलो व्हिस्की आइसक्रीम जब्त कर आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पार्लर का संचालन शरथ चंद्र रेड्डी द्वारा किया जा रहा था, जो प्रत्येक किलो आइसक्रीम में 60 मिलीलीटर व्हिस्की मिलाता था और इसे ऊंचे दामों पर बेच रहा था।

रैकेट में शामिल अन्य आरोपित की पहचान दयाकर रेड्डी और शोभन के रूप में हुई है। ये ग्राहकों को लुभाने के लिए फेसबुक पर अपने उत्पाद का विज्ञापन भी कर रहे थे। टीम की ओर से गुरुवार को हैदराबाद के आरटीसी क्रास रोड पर 3.85 लाख रुपये की बिना शुल्क चुकाई गई शराब भी जब्त की गई।

## जम्मू-कश्मीर के फर्जी गन लाइसेंस मामले में अब सीबीआइ भी प्रतिवादी

**जेएनएफ, जम्मू :** जम्मू-कश्मीर के बहुचर्चित फर्जी गन लाइसेंस मामले में अब सीबीआइ भी प्रतिवादी होगी। जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख उच्च न्यायालय ने शेख मोहम्मद शफी व अन्य की जनहित याचिका पर जांच एजेंसी को भी इस मामले में शामिल कर लिया है। हाई कोर्ट ने सीबीआइ के नई दिल्ली स्थित निदेशक और चंडीगढ़ स्थित विशेष सीबीआइ शाखा को नोटिस जारी कर 15 अक्टूबर तक जवाब मांगा है। यह मामला वर्ष 2012 से 2016 के बीच जम्मू-कश्मीर के विभिन्न जिलों में जिला उपायुक्त की ओर से फर्जी हस्ताक्षर एवं नियमों को ताक पर रखकर अवैध तरीके से गन लाइसेंस जारी करने का है। याची ने बताया कि केंद्र सरकार और प्रदेश प्रशासन को अंतिम मौका देकर इस मामले में सीबीआइ को प्रतिवादी बनाने के आदेश दिए गए थे, लेकिन उनकी ओर से कोई जवाब नहीं दिया गया। प्रशासन के आग्रह पर सीबीआइ ने इस घोटाले को लेकर दो मामले दर्ज किए थे। इसमें कई आइएएस अधिकारी और जम्मू-कश्मीर प्रशासनिक सेवा के अधिकारी शामिल पाए गए हैं।

# राहुल हिमाचल प्रदेश में एनआरसी लागू कराएं : गिरिराज सिंह

- केंद्रीय मंत्री ने एनआरसी लागू करने पर दिया जोर, कहा- वरना भारतीय अपने ही देश में अल्पसंख्यक बन जाएंगे

**नई दिल्ली, आइएएनएस :** केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने शुक्रवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से कहा कि वह हिमाचल प्रदेश में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) लागू कराएं। गुरुवार को हिमाचल प्रदेश के ग्रामीण विकास मंत्री अनिरुद्ध सिंह ने राज्य में अवैध प्रवासियों के बारे में बड़ा राजफाश किया था। हिमाचल प्रदेश विधानसभा में अनिरुद्ध ने कहा था कि अवैध प्रवासियों द्वारा तेजी से निर्माण के कारण कुछ क्षेत्रों में तनाव बढ़ रहा है। उनके मुताबिक ये प्रवासी रोहिंग्या और बांग्लादेशी हो सकते हैं।

केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह कहा- ''अनिरुद्ध सिंह हिमाचल प्रदेश सरकार में मंत्री हैं। वह मुख्यमंत्री की मौजूदगी में सदन में बोल रहे थे, जिसे पूरे देश ने देखा। वह कह रहे हैं कि शहरी मंत्रालय ने केवल 190 विक्रेताओं को सामान बेचने के लिए प्रमाण पत्र दिया है और मुझे पता है कि ये 1,900 कहां से आए। वह कह रहे थे कि वे बांग्लादेशी थे। उन्होंने कहा कि वह उनमें से दो को पहचानते भी हैं।''

गिरिराज सिंह। फाइल

केंद्रीय मंत्री ने एनआरसी लागू करने की जरूरत पर जोर देते हुए कहा कि ऐसा नहीं हुआ तो भारतीय अपने ही देश में अल्पसंख्यक बन जाएंगे।

केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि अनिरुद्ध सिंह जैसे लोग एनआरसी की मांग कर रहे हैं और कह रहे हैं कि उन्हें प्रमाण पत्र दिया जाना चाहिए। पूरे देश में एनआरसी की जरूरत है नहीं तो 200 से ज्यादा जिलों में भारतीय अल्पसंख्यक बन जाएंगे।

## आयुक्त कोर्ट के फैसले पर निर्भर करेगा मस्जिद का भविष्य

प्रथम पृष्ठ से आगे

संजौली में मस्जिद का निर्माण वैध या अवैध बने होने के मामले पर शनिवार को नगर निगम शिमला के आयुक्त भूपेंद्र अत्री की कोर्ट में सुनवाई होगी। इसमें क्या फैसला लिया जाता है या सुनवाई के बाद अगली तिथि दी जाती है, इसी फैसले पर मस्जिद का भविष्य निर्भर करेगा। यदि मस्जिद का निर्माण नगर निगम की अनुमति के बिना किया गया है तो इसे तोड़ने तक के आदेश जारी हो सकते हैं। यदि तोड़ने का फैसला आता है तो इसे चुनौती देना तय है।

धर्मनिरपेक्ष देश भारत में सभी धर्मों का सम्मान है। शिमला में लोगों ने शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन किया। संजौली मस्जिद का मामला नगर निगम की कोर्ट में है। इस संबंध में जो भी निर्णय आएगा, सरकार उसी के तहत कार्य करेगी। **- सुखविंदर सिंह सुक्खू, मुख्यमंत्री**

यदि मस्जिद अवैध तौर पर बनी है तो कानून के तहत कार्रवाई होगी। जो नेता लोगों की भावनाओं को सदन के भीतर नहीं उठा सकते हैं, वह इस पद के लायक नहीं होते। जनता से आग्रह है कि शांति बनाएं रखें। **- अनिरुद्ध सिंह, पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास मंत्री**

# भारत ने किया अग्नि चार मिसाइल का सफल परीक्षण

**जागरण संवाददाता, बालेश्वर**

भारत ने शुक्रवार को ओडिशा के चांदीपुर तट पर स्थित अब्दुल कलाम द्वीप के एकीकृत परीक्षण रेंज से मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि -चार का सफल प्रक्षेपण किया। प्रक्षेपण के दौरान सभी परिचालन और तकनीकी मानकों पर खरी उतरते हुए मिसाइल ने तय समय सीमा में लक्ष्य को भेदा। सेना की सामरिक बल कमान के निर्देशन में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में यह परीक्षण किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मिसाइल के परीक्षण के लिए विज्ञानियों एवं रक्षा अधिकारियों को बधाई दी है।

अग्नि चार अग्नि श्रृंखला की चौथी मिसाइल है, जिसे भारतीय सशस्त्र बलों के इस्तेमाल के लिए विकसित किया गया है। इसकी मारक क्षमता चार हजार किलोमीटर तक है। इस तरह इसकी जद में चीन, पाकिस्तान समेत कई देश हैं। स्वदेशी तकनीक से यह कई अत्याधुनिक तकनीकी और सामरिक क्षमताओं से लैस है। इस मिसाइल की एक बड़ी खासियत यह है कि यह रडार की पकड़ में नहीं आती है। वहीं, उड़ान के दौरान आने वाली खामियों को यह खुद ठीक करने में भी सक्षम है। इसे सड़क के मोबाइल लांचर से लांच किया जा सकता है।

अग्नि चार मिसाइल के परीक्षण का दृश्य। स्रोत : डीआरडीओ

## यात्रा

# दर्शनीय हर पथ, आध्यात्मिक चेतना होती साकार, यह है बुद्ध का बिहार

### ज्ञान की खोज में निकले एक राजकुमार की यात्रा और उसे बुद्धत्व प्राप्त होने के साक्षी हैं ये स्थल

**अश्विनी ● जागरण**

**पटना :** ज्ञान-ध्यान की भूमि बोधगया। गौतम बुद्ध की नगरी। लाखों आस्थावान और पर्यटक हर वर्ष यहां आते हैं, लेकिन बुद्ध को जानना है तो केवल बोधगया भर नहीं, बिहार में भिन्न-भिन्न प्रखंडों की यात्रा पर जाएं तो उनके पदचिह्न मिलेंगे। बोधगया, राजगीर, नालंदा, वैशाली, भागलपुर, चंपारण तक एक पूरा बुद्ध फुटप्रिंट है। हर प्रखंड से होते हुए पर्यटन करेंगे तो बिहार के साथ ही बुद्ध को भी और बेहतर तरीके से जान पाएंगे।

इन वन, पर्वत, नदी-सरोवर ने उस राजकुमार को देखा। उस बुद्धत्व को भी, जिसने एक राजकुमार को गौतम बुद्ध बना दिया। ज्ञान की खोज में निकले उस यात्री की यात्रा का साक्षी है बिहार। गया जिले के बोधगया की उस तपोभूमि को तो पूरी दुनिया जानती है, पर राजकुमार से बुद्ध बनने की वह यात्रा! जिसकी कल्पना भर से स्पंदन होता है, तो उसकी अनुभूति क्या होगी। इसके लिए करना होगा बिहार का भ्रमण। और जिस राह से बुद्ध चले, बस उस राह पर बढ़ते चलना होगा।

बोधगया स्थित महाबोधि मंदिर ● जागरण

राजगीर में शिष्यों के साथ स्थापित बुद्ध की आदमकद प्रतिमा ● जागरण

**यहां कैसे आएं :** बिहार की राजधानी पटना तक आने के लिए रेल, हवाई सेवा है। यहां से गया, नालंदा, वैशाली, भागलपुर, पश्चिम व पूर्वी चंपारण के विभिन्न स्थलों तक पहुंचने के लिए रेल व सड़क मार्ग है। निजी बसें, टैक्सी आदि उपलब्ध हैं। सीधे गया आ रहे हैं तो हवाई और रेल सेवा है। यहां से भी रेल और सड़क मार्ग से जा सकते हैं।

**सुजाता स्तूप : जहां जीर्ण हो चुके शरीर में लौटी चेतना :** बुद्ध ने जंगल-पर्वत को अपना मार्ग बनाया। इस मार्ग पर कहीं स्तूप मिलेंगे, कहीं बुद्ध की स्मृतियों के चिह्न। नालंदा से गया पहुंचे तो गुरपा प्रखंड में ढुंगेश्वरी है। जहां बुद्ध पहुंचे थे। फिर बोधगया। तब इसे उरुवेल वन कहा जाता था। यहीं बोधगया में है महाबोधि मंदिर। पीपल का वह वृक्ष, जिसके नीचे ज्ञान प्राप्त हुआ। बोधगया के पास ही सुजातागढ़ है, जहां बहुत बड़ा स्तूप है। कहा जाता है कि यहीं की एक युवती सुजाता ने तप से स्वयं को जीर्ण-कर चुके राजकुमार को खीर खिलाई थी, जिससे राजकुमार की चेतना लौटी और बुद्धत्व मिला। वह फिर उसी राह से लौटे, जिससे आए थे। वेणु वन में मगध के राजा बिम्बिसार से मिले, जिन्हें वापस आने का वचन दिया था।

### नालंदा पहुंचे तो वेणु वन ने मोहा मन

ज्ञान की खोज में निकले राजकुमार का स्वागत करता है नालंदा। जहां विश्वविख्यात विश्वविद्यालय हुआ करता था। जिसे विदेशी आक्रांता बख्तियार खिलजी ने जला डाला था। इसी नालंदा जिले का राजगीर प्रखंड। यहां है वेणु वन। राजकुमार सिद्धार्थ ने इसे विश्राम स्थल बनाया था। वेणु वन का प्राकृतिक सौंदर्य जैसे कदमों को रोक लेता है। बुद्ध को यह स्थल यूं ही प्रिय नहीं रहा होगा। उन्होंने कहा था- आनंदमयी राजगीर रमणीय है और रमणीय है वेणु वन का कलन्दक सरोवर। यह सरोवर भी यहीं है और अतीत के साक्ष्यों के साथ आज भी यह स्थल रमणीय है, दर्शनीय है।

राजगीर प्रखंड स्थित वेणु वन ● जागरण

**आध्यात्मिक चेतना और ज्ञान की खोज का साक्ष्य है बिहार की यात्रा :** बुद्ध ज्ञान प्राप्ति के बाद बिहार के हर क्षेत्र में पहुंचे। इसके ऐतिहासिक साक्ष्य और प्रतीक चिह्न आज भी उपस्थित हैं। इन प्रखंडों से यात्रा करते हुए वैशाली जिले में प्रवेश करने पर चेचर (तब कोटिग्राम) गांव मिलता है। बुद्ध के यहां 12 बार आने के प्रमाण हैं। यहां संग्रहालय भी है, जिसमें कई पुरातात्विक साक्ष्य हैं। पटेढ़ी बेलबर प्रखंड के बेलबर (तब बेलुग्राम) में उन्होंने 483 ईसा पूर्व अपने निर्वाण की घोषणा की थी। यहीं उन्होंने महिलाओं को भिक्षुणी बनने की सलाह भी दी। यहां से मुजफ्फरपुर होते हुए पूर्वी चंपारण और पश्चिम चंपारण में कई स्तूप हैं। रमपुरवा में विशाल बौद्ध स्तंभ है। इन स्थलों पर भ्रमण से ही बुद्ध पथ की यात्रा पूरी होती है।

अतिरिक्त सामग्री पढ़ने के लिए स्कैन करें।

## ग्वालियर के पास रेलवे ट्रैक पर रखे पत्थर से ट्रेन टकराने की सूचना निकली अफवाह

**नईदुनिया प्रतिनिधि, ग्वालियर :** मध्य प्रदेश के ग्वालियर में रेलवे ट्रैक पर रखे भारी पत्थर से ट्रेन के टकराने की अफवाह के चलते शुक्रवार को रेल अधिकारी हलकान रहे। एक इंटरनेट मीडिया पोस्ट में दावा किया गया था कि ग्वालियर के पास ट्रैक पर पत्थर रखकर ट्रेन को नुकसान पहुंचाने का प्रयास हुआ है। यह पोस्ट सामने आते ही आरपीएफ जवानों ने पूरे ट्रैक की जांच की, लेकिन उनके मुताबिक, ऐसा कुछ भी नहीं मिला। एक्स पर शुक्रवार रात आठ बजे एक पोस्ट बहुप्रसारित हुई। इसके मुताबिक, ग्वालियर के पास रेलवे ट्रैक पर बड़ा पत्थर मिला है। पत्थर से टकराने के बाद रेलगाड़ी को रोककर पटरी की जांच की गई। रेल लाइनों पर दोनों तरफ पत्थर टकराने के निशान पाए गए। रेल लाइन के दोनों तरफ कच्ची पगडंडी बनी हुई थी, आसपास कोई बस्ती नहीं थी और न ही रेलवे ट्रैक पार करने के लिए कोई समपार फाटक या अंडरपास था।

दैनिक जागरण

धैर्य प्रतिभा का एक आवश्यक तत्व है

# जल संरक्षण का मंत्र

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जल संचय जनभागीदारी की शुरुआत करते हुए यह जो कहा कि जल संरक्षण केवल नीतियों का नहीं, बल्कि सामाजिक निष्ठा का भी विषय है, उस पर लोगों को गंभीरता से चिंतन-मनन करना चाहिए, क्योंकि अपने देश में तमाम प्रयासों के बावजूद जल संरक्षण की दिशा में वैसा काम नहीं हो पा रहा है, जैसा होना चाहिए। बरसात के इस मौसम में तो जल संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए, क्योंकि इस दौरान वर्षा जल का बड़े पैमाने पर संचयन किया जा सकता है। वैसे तो जल संरक्षण के संदर्भ में कई नियम-कानून बने हुए हैं और केंद्र एवं राज्य सरकारों की ओर से लोगों को जल संरक्षण के लिए प्रेरित करने हेतु कई योजनाएं भी चलाई जा रही हैं, लेकिन अभी वे सही तरह क्रियान्वित नहीं हो रही हैं। इसका कारण जागरूकता का अभाव भी है और यह धारणा भी कि जल संरक्षण मूलतः सरकार और उसकी एजेंसियों का काम है। यह धारणा सही नहीं। जल संरक्षण जन भागीदारी की मांग करता है। जब जल संरक्षण जन आंदोलन का रूप लेगा, तभी बेहतर परिणाम मिल सकेंगे। ऐसे परिणाम मिलें, इसके लिए अपने-अपने स्तर पर सभी को प्रयत्न करने चाहिए। जल संरक्षण का अर्थ केवल वर्षा जल का संचयन ही नहीं है। इसके दायरे में पानी की बर्बादी को रोकना भी आता है और अपशिष्ट जल का शोधन करके उसे फिर से प्रयोग करना भी। अभी देश में यह काम एक सीमित स्तर पर ही हो रहा है।

इससे सभी परिचित हैं कि आने वाले समय में जल संकट बढ़ने वाला है। केवल पीने के पानी की उपलब्धता ही कम नहीं हो रही है, बल्कि सिंचाई के पानी की कमी भी महसूस की जा रही है। बरसात का मौसम बीत जाने के कुछ समय उपरांत ही देश के अनेक इलाकों में जल संकट सिर उठा लेता है और गर्मियां आते-आते वह गंभीर रूप धारण कर लेता है। जल संकट का सामना तभी किया जा सकता है, जब जन-जन इसके प्रति सक्रिय होगा कि जल का हर स्तर पर संरक्षण कैसे किया जाए? यह सही समय है कि प्रधानमंत्री ने जल संरक्षण के संदर्भ में रिड्यूस, रियूज, रिचार्ज और रिसाइकिल का जो मंत्र दिया, उसे लोग अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। इसके लिए सरकारों के स्तर पर नए सिरे से प्रयास किया जाए, ताकि पानी की बर्बादी को रोका जा सके, उसे फिर से प्रयोग करने की आदत बढ़े और गिरते भूजल स्तर को ऊपर लाया जा सके। आज ऐसी तकनीक और उपाय आसानी से उपलब्ध हैं, जिनसे जल संरक्षण का काम कहीं अधिक प्रभावी ढंग से किया जा सकता है। सरकारी एजेंसियों और लोगों के स्तर अभी यह काम छिटपुट स्तर ही किया जा रहा है। जल संरक्षण के मामले में यह भी समझा जाना चाहिए कि इसकी चिंता केवल बरसात में नहीं में ही नहीं, बल्कि पूरे वर्ष करनी होगी।

# असुरक्षित पुल

कोई पुल यदि जर्जर है और उससे लोगों की जिंदगी खतरे में पड़ सकती है तो समय रहते ही उसे नष्ट किया जाना ही उचित है। इस दृष्टि से उत्तर प्रदेश में लोक निर्माण विभाग ने यदि राज्य के 68 असुरक्षित पुलों को तोड़ने का निर्णय लिया है तो इस पर जल्द से जल्द अमल किया जाना चाहिए। बिहार में पुल गिरने की कई घटनाओं को देखते हुए उत्तर प्रदेश में लोक निर्माण विभाग ने 50 साल पुराने पुलों की जांच कराई थी। इसमें 68 पुलों को जर्जर पाया गया है। अच्छी बात है कि समय रहते ही विभाग ने न सिर्फ इनका पता लगा लिया, बल्कि निर्माण के लिए 245 करोड़ रुपये के प्रस्ताव को मंजूरी भी दे दी। इसलिए शासन को भी चाहिए कि वह लोक निर्माण विभाग के प्रस्ताव को जल्द ही अपनी स्वीकृति दे। सिर्फ 50 साल पूर्व बने ही नहीं, पुराने बने सभी पुलों की समय-समय पर जांच की जानी चाहिए और यदि वे तनिक भी असुरक्षित हैं तो उनके स्थान पर नया पुल बनाया जाना चाहिए। प्रदेश में 50 साल पुराने 721 पुल हैं जो लोगों के आवागमन को सुगम बनाते हैं। प्रदेश में पिछले कुछ सालों में जर्जर पुलों के गिरने की छिटपुट घटनाएं होती रही हैं। इसमें जान-माल का कोई बड़ा नुकसान भले ही न हुआ हो, लेकिन ऐसी घटनाएं सबक के रूप में सामने तो हैं ही। जिन जिलों में सर्वाधिक असुरक्षित पुल हैं, जैसे कि कानपुर में 10 और सहारनपुर में छह, वहां तो जल्द ही उन्हें तोड़कर नया बनाया जाए, क्योंकि यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखना भी जरूरी है। सिर्फ लोक निर्माण विभाग ही नहीं, सेतु निगम और रेलवे को भी अपने पुलों की जांच करानी चाहिए और यदि उनके रखरखाव में कोई खामी हो तो उन्हें तत्काल दूर कराया जाए।

**पुराने बने सभी पुलों की समय-समय पर जांच की जानी चाहिए और यदि वे तनिक भी असुरक्षित हैं तो उनके स्थान पर नया पुल बनाया जाना चाहिए**

# सांसदों की सीमित स्वतंत्रता

शंकर शरण

**आखिर हमारे सांसदों को वैसी अभिव्यक्ति की आजादी क्यों नहीं, जैसी यूरोप के देशों या अमेरिका में है?**

अपने देश में प्रायः ही किसी सांसद या विधायक के किसी वक्तव्य पर उसकी पार्टी के नेता नाराज होकर उसकी सार्वजनिक रूप से खिंचाई करते हैं। उसे केवल 'पार्टी लाइन' के अनुसार बोलने की चेतावनी देते हैं, जबकि जो नेता अपने दल के सांसदों की स्वतंत्र अभिव्यक्ति को फटकारते हैं, वे स्वयं दूसरे दलों को नीचा दिखाने के लिए घटिया, झूठी और उत्तेजक बयानबाजियां करते रहते हैं। यह अनैतिक तो है ही, देश-हित की दृष्टि से आत्मघाती चलन भी है। यदि सर्वोच्च विचार सभा यानी संसद के सदस्य ही अपने विचार नहीं रख सकते तो इसका असर अन्य सभी वैचारिक, शैक्षिक संस्थानों, क्रियाकलापों पर पड़ता है। आखिर जो अधिकार सांसद को नहीं, वह किसी अन्य को भी क्यों हो? राजनीतिक दलों के सुप्रीमो जो तर्क अपने सांसदों का दिमाग बंद करने के लिए उचित समझ देते हैं, वह लेखक-पत्रकार, शिक्षक आदि पर लगाम लगाने में भी उपयुक्त है। सो जिस समस्या पर संसद ही विचार न करे, उस पर किसी शोध-आकलन की भी क्या जरूरत! सत्ताधारी दल अनुदान और नियुक्तियों के माध्यम से अकादमिक संस्थाओं पर नियंत्रण रखते हैं। इसीलिए कश्मीरी हिंदुओं के संहार-विस्थापन, सांप्रदायिक विद्वेष के प्रचार, संगठित मतांतरण, जिहादी आतंकवाद, तरह-तरह के आरक्षण आदि अनेक विषयों पर कोई अध्ययन-अध्यापन नहीं होता। एक तरह से संबंधित समस्याओं की पूरी अनदेखी। इस चलन का परिणाम अच्छा नहीं होगा।

संविधान का कोई अनुच्छेद, अथवा संसद का कोई नियम संसद सदस्यों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से वंचित नहीं करता। संविधान के अनुच्छेद 19 में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मौलिक अधिकार सभी नागरिकों के लिए है। राजनीतिक दलों के सुप्रीमो अपने सांसदों को इससे वंचित करके मूल मानवीय अधिकार पर चोट करते हैं। यदि सांसद की कोई बात गलत है तो उसकी गलती प्रमाणिक दिखा देना अधिक सटीक उत्तर है। इससे ही सबको लाभ होगा। जबकि सेंसरशिप से अंततः सबकी हानि होनी है। सांसदों को ही अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से खुलेआम वंचित करना देश को दुनिया के सामने हीन भी बनाता है, क्योंकि यह अपने ही संविधान और संसद की हेठी करना है। यह नागरिकों के मूल अधिकार पर एक संविधानेतर संस्था राजनीतिक दल का अतिक्रमण है। इससे संसद का कर्तव्य बाधित होता है। आखिर सांसद जो सोच-समझ-देख रहे हैं, उसे बोल ही नहीं सकते तो फिर उनकी आवश्यकता क्या है? तब संसद का भी क्या प्रयोजन? यह हानिकारक चलन निश्चित रूप से खत्म करना चाहिए। किसी प्रतिष्ठित लोकतंत्र में ऐसा नहीं है। ब्रिटेन या अमेरिका में नियमित देखा जाता है कि गंभीरतम राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय मुद्दे पर भी हरेक सांसद स्वतंत्रता पूर्वक अपने विवेक से अपने विचार रखते हैं। उसमें उनकी पार्टी का कोई दखल नहीं है। कारण संसद सदस्यों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर राजनीतिक दल वहां कोई बंधन नहीं लगा सकते। सांसद पहले देश और जनता के प्रति जिम्मेदार हैं। वहां उनके सोच-विचार या संसद में राष्ट्रीय नीति बनाने में 'पार्टी लाइन' जैसी कोई बाधा नहीं है। इससे पार्टी नेता भी सतर्क और गतिशील रहते हैं। अमेरिका में एक ही दल में रहते हुए सीनेटर हर विषय पर न केवल अपनी राय स्वतंत्रतापूर्वक रखते हैं, बल्कि एक-दूसरे को चुनौती देते अपने लिए जनमत पाने की खुली लड़ाई भी लड़ते हैं। सांसदों को ऐसी स्वतंत्रता से ब्रिटेन, अमेरिका का लोकतंत्र अधिक मजबूत बना है। विभिन्न विचारों की खुली प्रस्तुति से ही किसी मसले की सभी बातें सामने आती हैं। तभी बेहतर समाधान पाना भी संभव है।

अवधेश राजपूत

यह ध्यान रहे कि कम्युनिस्ट देशों में दलीय निर्देश पर सारे सांसदों द्वारा बंधी-बधाई बातें ही कहने की रीति से उनकी वैचारिक, नैतिक और राजनीतिक क्षति हुई। किसी भी समस्या पर खुली चर्चा के बजाय संसद तोतारटंत दिखावटी विमर्श का स्थान बना रहा। फलतः अच्छे-अच्छे जानकार सांसद चुपचाप मिथ्या दावों और नीतियों को स्वीकार करने के लिए बाध्य हुए। पूरी जनता भी सदा अंधेरे में रही। सोवियत रूस और पूर्वी यूरोप के सभी कम्युनिस्ट देशों में 1989-91 के दौर में इसी के आश्चर्यजनक नजारे दुनिया ने देखे थे। इसकी तुलना में यूरोप और अमेरिका में संसद खुले विचार-विमर्श का स्थान है। हर प्रकार के विचार, सुझाव और विरोध को अबाध स्वतंत्रता रहने से ही वे शोध, आकलन, स्वस्थ नीति तथा गतिशील व्यवस्था बनाए रखने में सफल रहे हैं। हर तरह के मौलिक चिंतन, लेखन और दार्शनिक-वैज्ञानिक आविष्कारों में भी वही अग्रणी हैं। तमाम गड़बड़ियों के बावजूद यूरोपीय लोकतंत्रों में रचनात्मकता और आत्मविश्वास का बड़ा साधन वह स्वतंत्रता ही है, जो किसी को अपनी बात या आलोचना से नहीं रोकती। उस देश का क्या होगा जहां सर्वोच्च विचार सभा यानी संसद के सदस्यों को ही अपने विचार प्रकट करने की स्वतंत्रता न हो? यह एक डरावनी स्थिति है। हमारे संवैधानिक संरक्षकों को इस पर ध्यान देना चाहिए।

स्वतंत्र भारत के संविधान में यूरोपीय-अमेरिकी लोकतंत्र वाली भावना और प्रविधान रखे गए थे, पर व्यवहार में धीरे-धीरे कम्युनिस्ट देशों वाला चलन ही बढ़ता गया। इसके दुष्परिणाम भी उसी तरह के हुए। अल्पसंख्यकवाद का बढ़ता एकाधिकार, कश्मीर से हिंदुओं का सफाया, कई अन्य इलाकों में वही दिशा, शैक्षिक क्षेत्र में बढ़ती राजनीति, क्षरण, नियमित प्रतिभा-पलायन आदि गंभीरतम मुद्दों पर हमारी संसद का इतिहास एक लज्जाजनक चुप्पी दिखाता है, क्योंकि सांसदों पर राजनीतिक दलों की असंवैधानिक, अनैतिक लगाम है। यह दयनीय स्थिति केवल इसलिए छिपी रही है, क्योंकि सभी दलों के नेता इस संकीर्ण स्वार्थ में समान रूप से डूबे हैं। इसीलिए अभी बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे जुल्म पर हमारे किसी सांसद ने संसद में चर्चा का प्रस्ताव नहीं दिया। चूंकि वैचारिक सेंसरशिप हर प्रकार की तानाशाही, सामाजिक रोग और बुराइयां बढ़ाती है, अतः सांसदों को विचार विमर्श के क्षेत्र में पार्टीकैद से मुक्त करना चाहिए। ऐसा न करना दूरगामी पतन सुनिश्चित करने के समान होगा। यह कम्युनिस्ट देशों के अनुभव से समझना चाहिए।

(लेखक राजनीति शास्त्र के प्रोफेसर एवं वरिष्ठ स्तंभकार हैं)

response@jagran.com

# सबको मिले सामाजिक सुरक्षा की छतरी

डा. जयंतीलाल भंडारी

**यूपीएस की घोषणा के बाद निजी क्षेत्र के कर्मियों के लिए भी उपयुक्त पेंशन की व्यवस्था होनी चाहिए**

बीते दिनों केंद्र सरकार ने यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) को मंजूरी दी। इससे सरकारी क्षेत्र के कर्मचारियों को निश्चित रूप से फायदा होगा, लेकिन प्राइवेट सेक्टर के संगठित एवं असंगठित क्षेत्र के अन्य करोड़ों श्रमिकों तथा कर्मचारियों के सामने वित्तीय और सामाजिक सुरक्षा चिंता का विषय बना हुआ है। उन्हें भी पर्याप्त पेंशन की छतरी उपलब्ध होनी चाहिए। भारत में वित्तीय और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के मद्देनजर पेंशन एक महत्वपूर्ण साधन है। एक अच्छी पेंशन प्रणाली कर्मचारियों को अपनी नौकरी के प्रति प्रतिबद्धता और अधिक काम करने की प्रेरणा प्रदान करती है। जब कर्मचारी सेवानिवृत्त होते हैं, तब पेंशन उनका बड़ा आर्थिक और सामाजिक सहारा बन जाती है। अतः सरकार द्वारा यूपीएस की मंजूरी के बाद देशभर में प्राइवेट सेक्टर के कर्मचारी भी उपयुक्त पेंशन की मांग कर रहे हैं।

यद्यपि प्राइवेट सेक्टर के कर्मचारियों के लिए भी पेंशन की कुछ व्यवस्थाएं हैं, लेकिन वे वित्तीय और सामाजिक सुरक्षा के मद्देनजर अपर्याप्त हैं। संगठित क्षेत्र में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) सबसे बड़ा सामाजिक सुरक्षा संगठन है। वस्तुतः भविष्य निधि के लिए एक कर्मचारी का जो अंशदान कटता है, उसका एक हिस्सा पेंशन फंड के लिए कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएफ) में जाता है। पेंशन के लिए कर्मचारी को कम से कम 10 साल तक नौकरी पूरी करनी होती है और पीएफ अकाउंट में अंशदान करना होता है। मौजूदा नियमों के अनुसार पेंशन योग्य वेतन की अधिकतम सीमा 15 हजार रुपये है। इसके तहत ईपीएफ सदस्य को न्यूनतम 1,000 रुपये प्रति माह की पेंशन मिल पाती है। इसे 7,500 रुपये करने की मांग एक लंबे समय से हो रही है। यह अभी पूरी नहीं हुई और उच्च पेंशन का मौका उपलब्ध कराए जाने के संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का भी अभी अनुपालन नहीं हो सका है। निजी क्षेत्र के जिन कर्मियों ने उच्च पेंशन का विकल्प चुना है, उन्हें नहीं पता कि वे कितने पेंशन के हकदार होंगे। दुविधा की यह स्थिति समाप्त होनी चाहिए।

अटल पेंशन योजना असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों पर केंद्रित पेंशन योजना है। इसके तहत 60 साल की उम्र में 1,000 रुपये से लेकर 5,000 रुपये प्रति माह रुपये की न्यूनतम पेंशन की गारंटी ग्राहकों द्वारा योगदान के आधार पर दी जाती है। देश का कोई भी श्रमिक जिसकी उम्र 18 से 40 साल के बीच हो, इसमें शामिल हो सकता है। राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) एक स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति बचत योजना है, जो निजी क्षेत्र के कर्मचारियों को एक मजबूत सेवानिवृत्ति कोष बनाने में सक्षम बनाती है। इनके अलावा व्यापारियों, दुकानदारों और स्वरोजगार करने वालों सहित असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए सरकार ने प्रधानमंत्री श्रम योगी मान-धन योजना और राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस-ट्रेडर्स) नाम से दो प्रमुख पेंशन योजनाएं शुरू की हैं। ये स्वैच्छिक और अंशदायी पेंशन योजनाएं हैं। इनके तहत लाभार्थी 60 वर्ष की आयु प्राप्त करने के बाद न्यूनतम 3,000 रुपये की मासिक सुनिश्चित पेंशन प्राप्त करने के हकदार हैं।

पेंशन पर एक प्रतिनिधिमंडल से भेंट करतीं वित्त मंत्री। फाइल

इस समय गिग वर्क सहित ज्यादातर नई नौकरियां असंगठित क्षेत्र में निर्मित हो रही हैं और इनमें पेंशन संबंधी सुरक्षा नहीं है। गिग अर्थव्यवस्था का मतलब है अनुबंध आधारित या अस्थायी रोजगार वाली अर्थव्यवस्था। गिग अर्थव्यवस्था के तहत गिग वर्कर प्रोजेक्ट-दर-प्रोजेक्ट आधार पर काम करते हैं और अपनी सेवाएं देते हैं। गिग अर्थव्यवस्था डिजिटल प्लेटफार्म और आनलाइन मार्केटप्लेस से संचालित होती है, जो गिग वर्कर्स को खास तरह की सेवाओं की तलाश करने वाले कस्टमर्स से जोड़ती है। मैन्यूफैक्चरिंग, डिलीवरी जैसे कम योग्यता वाले कार्यों के बाद अब गिग वर्किंग के मौके ऐसे कामों में भी बढ़ रहे हैं, जहां उच्च स्तर के कौशल और शिक्षा की जरूरत होती है। नीति आयोग के मुताबिक देश में 77 लाख गिग कर्मी हैं। देश में गिग अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है, लेकिन गिग अर्थव्यवस्था के तहत सामाजिक सुरक्षा की भारी कमी है। यद्यपि देश में गिग वर्कर्स के लिए सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 अधिनियमित हो चुकी है, लेकिन अभी तक प्रभावी नहीं है। नीति आयोग ने 'इंडियाज बूमिंग गिग एंड प्लेटफार्म इकोनमी' शीर्षक से जारी रिपोर्ट में गिग वर्कर्स और उनके परिवारों के लिए सामाजिक सुरक्षा के उपाय करने की सिफारिश की है, जिसमें बीमा और पेंशन जैसी योजनाएं शामिल हैं।

स्पष्ट है कि अभी भी देश में बड़ी संख्या में लोगों को सामाजिक सुरक्षा की छतरी उपलब्ध नहीं है। ऐसे में उपयुक्त पेंशन की अहमियत बढ़ जाती है। सरकार को प्राइवेट सेक्टर में सेवा देने वाले करोड़ों लोगों के लिए भी उपयुक्त पेंशन और सामाजिक सुरक्षा के बारे में गंभीरतापूर्वक ध्यान देना चाहिए। अच्छा हो कि संगठित क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए भी सरकार ऐसी पेंशन स्कीम लाए, जो कम से कम प्रतिमाह 10,000 रुपये तक पेंशन राशि सुनिश्चित कर सके। इसके लिए कर्मचारी भविष्य निधि के तहत पेंशन योग्य वेतन की 15,000 रुपये की सीमा को बढ़ाकर 25,000 रुपये किया जाना उपयुक्त होगा, वहीं अटल पेंशन योजना को भी आकर्षक बनाया जाना लाभप्रद होगा। अटल पेंशन योजना में 5,000 रुपये प्रति माह तक की गारंटीकृत पेंशन की राशि को दो गुना करके 10,000 रुपये प्रति माह किया जाना उपयुक्त होगा। इसके साथ ही असंगठित क्षेत्र और गिग कर्मचारियों के लिए भी उपयुक्त पेंशन योजना लाई जानी चाहिए।

(लेखक एक्रोपोलिस इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट स्टडीज एंड रिसर्च, इंदौर के निदेशक हैं)

response@jagran.com

ऊर्जा

## विश्वास

विश्वास एक संवेदनशील मनोभाव है, जो मानव संबंधों की पवित्र भावनाओं पर आधारित होता है, किंतु इसकी उत्पत्ति सहसा नहीं होती। यह चारित्रिक दृढ़ता को परखने के बाद अंतर्मन में धीरे-धीरे उत्पन्न होता है। आंतरिक प्रेम एवं सौहार्द से पल्लवित और पुष्पित होकर अंतस में फिर इन्हीं भावों को जन्म देता है। इससे मानवीय संबंध और अधिक प्रगाढ़ होते हैं। विश्वास पारिवारिक और सामाजिक रिश्तों की बुनियाद है तथा इनके स्थायित्व के लिए संजीवनी का काम करता है। विश्वासजन्य आत्मीयता के संबंध प्राणियों को आत्मीयता के बंधन में बांध लेते हैं, किंतु इसकी डोर इतनी नाजुक होती है कि टूटने में भी देर नहीं लगती। स्वार्थ इसका प्रमुख कारण है। इसका लेशमात्र भी विश्वास को एक पल के लिए टिकने नहीं देता। जब यह टूटता है तो हृदय पर चोट पड़ती है। फिर प्रगाढ़ से प्रगाढ़ संबंध भी चकनाचूर हो जाते हैं। जिसका प्रतिकूल प्रभाव जीवन-जगत पर पड़ता है, क्योंकि इनका अस्तित्व विश्वास पर टिका है। अतः इनके कल्याण के लिए विश्वास को बनाए रखना प्रत्येक समाज का कर्तव्य है।

प्रेम एवं सत्यनिष्ठा की आधार भूमि पर अवस्थित होने से विश्वास में आंतरिक शक्ति इतनी प्रबल होती है कि इससे बड़े सपने भी साकार किए जा सकते हैं। फिर विद्वानों का 'विश्वासं फलदायकम्' का भाव चरितार्थ होने लगता है। वस्तुतः विश्वास शुभ संकल्पों का प्रवेश द्वार है। सुख-समृद्धि के साथ सामाजिक समरसता इसी से प्रवेश करती है। समाज में विश्वास जितना प्रबल होगा, प्रगति की धार उतनी ही तेज होगी। तीनों कालों को संवारने वाला विश्वास संकल्प सिद्धि के लिए कल्पवृक्ष और उज्ज्वल भविष्य की गारंटी है। आजकल तमाम प्रगति के बावजूद परस्पर विश्वास में कमी चिंता का विषय है। आत्मनिरीक्षण कर गलतियों को सुधारने से कम हो रहे विश्वास को बढ़ाया जा सकता है।

डा. सत्यप्रकाश मिश्र

# विज्ञान की कसौटी पर 'प्रेम'

प्रदीप

**विज्ञान की मानें तो प्यार और रिश्तों का अपना रसायनशास्त्र है जिसे हमारा मस्तिष्क संचालित करता है**

कवि, शायर, लेखक और दार्शनिक- सभी ने प्रेम को दिल का मामला माना है। परंतु विज्ञान ने यह सिद्ध कर दिया है कि प्यार और रिश्तों का अपना रसायनशास्त्र है जिसे हमारा मस्तिष्क संचालित करता है। विज्ञान के अनुसार प्रेम दिल का नहीं, बल्कि दिमाग का मामला है। लिहाजा प्रेम, उसके प्रकार और जोड़ियों के समीकरण को समझने में दुनिया भर के विज्ञानी शोधरत हैं। इसी कड़ी में हाल में किए गए एक अध्ययन के तहत फिनलैंड स्थित आल्टो विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने प्रेम के विभिन्न रूपों के प्रति मस्तिष्क की प्रतिक्रिया को व्यापक एफएमआरआइ इमेजिंग के जरिये मैप किया है, जिसमें दिखाया गया है कि कम से कम छह अलग-अलग प्रकार के प्रेम हैं जो मस्तिष्क के विभिन्न भागों को सक्रिय करते हैं। इनमें रोमांटिक प्रेम, माता-पिता का प्रेम, दोस्तों के प्रति प्रेम, अजनबियों के प्रति प्रेम, पालतू जानवरों के प्रति प्रेम और प्रकृति के प्रति प्रेम शामिल हैं। यह अध्ययन हाल ही में 'सेरेब्रल कार्टेक्स' जर्नल में प्रकाशित हुआ है।

प्रख्यात अमेरिकी शोधकर्ता और 'ह्वाई हिम? ह्वाई हर?ः हाउ टू फाइंड एंड कीप लास्टिंग लव' पुस्तक की लेखिका हेलन फिशर के अनुसार मोटे तौर पर प्रेम की तीन अवस्थाएं होती हैं- वासना यानी चाहत, आकर्षण और लगाव। हर अवस्था के प्रेम को अलग-अलग तरह के हार्मोंस नियंत्रित करते हैं। प्रेम की सच्चाई और गहराई को मापने के लिए विज्ञानी एक विशेष तरीका अपनाते हैं। जिस व्यक्ति के प्रेम की जांच करनी होती है उसे ब्रेन स्कैन मशीन के निकट आने के लिए कहा जाता है। इसके बाद उसे उस व्यक्ति का फोटो दिखाया जाता है जिससे वह प्रेम का दावा करता है। जब वह व्यक्ति (पुरुष या महिला) अपने प्रेमी अथवा प्रेमिका का देख रहा होता है, उसी दौरान उसके मस्तिष्क को स्कैन किया जाता है। यदि वह व्यक्ति फोटो वाले व्यक्ति से सचमुच प्रेम करता है तो उसके मस्तिष्क में चार ऐसे कोने पाए जाते हैं जो फोटो देखते समय रक्त से पूरी तरह भर जाते हैं। उनमें से दो कोने मस्तिष्क के बेहद विकसित भाग सेरेब्रल कार्टेक्स में उपस्थित हैं, जबकि बाकी दो कोने मस्तिष्क के कम विकसित भाग बेसल गैंग्लिया में पाए गए। विभिन्न शोधों में यह देखा गया है कि प्रेम की गहराई जितनी अधिक होगी, मस्तिष्क के उपरोक्त चारों कोने रक्त से उतना ही ज्यादा भर जाएंगे।

बहरहाल, विज्ञान प्रेम के कुछ पहलुओं को समझने में मदद कर सकता है, लेकिन प्रेम की पूर्णता और उसकी गहराई को केवल वैज्ञानिक दृष्टिकोण से ही नहीं समझा जा सकता। वस्तुतः प्रेम एक ऐसी भावना है जो अक्सर व्यक्तिगत अनुभव, भावनाओं व सांस्कृतिक संदर्भों से परिभाषित होती है।

**(लेखक विज्ञान संचारक हैं)**

## मेलबाक्स

### जाति गणना लाभदायक

''कितना कारगर होगा जाति गणना का दांव'' शीर्षक से लिखे आलेख में सुरेंद्र किशोर ने जातिगत गणना का राजनीतिक प्रभाव एवं आरक्षण की सीमा बढ़ोतरी की संक्षिप्त चर्चा की है। ज्यादा चर्चा कांग्रेस की भ्रष्टाचारी नीति की की है। 19वीं सदी के उत्तरार्ध एवं 20वीं सदी के पूर्वार्द्ध में बिहार में हुए सामाजिक परिवर्तन के आयाम का अध्ययन करने पर जातीय जनगणना का प्रभाव पता चलता है। पूर्व में अंग्रेजों द्वारा 1871 से आरंभ हुई जातियों की गणना एवं श्रेणीकरण की कोशिश ने देश में जातीय आंदोलन और विमर्श को जन्म दिया। बदले में इन आंदोलनों और विमर्शों ने जातियों के श्रेणीकरण को प्रभावित किया। जातियों के श्रेणीकरण और जातीय आंदोलन के बीच यह परस्पर क्रिया-प्रतिक्रिया 1871 से 1931 के बीच करीब 60 वर्षों तक लगातार चलती रही। स्वतंत्रता उपरांत 1951 से लेकर आज तक राष्ट्रीय स्तर पर जाति जनगणना नहीं हुई है, लेकिन जाति सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्र में पूरी ताकत के साथ विद्यमान है। जातीय जनगणना नहीं होने के कारण ही देश का पिछड़ा समाज जाति से जमात की ओर आगे बढ़ा। बिहार के परिपेक्ष्य में कर्पूरी ठाकुर, रामविलास पासवान, लालू प्रसाद यादव, नीतीश कुमार आदि पिछड़े जमात के नेता बने। वर्तमान जातीय जनगणना की मांग के साथ ही राजनीति में जमात का यह तिलिस्म टूटने का कारण बन रहा है, क्योंकि जमात की शक्ति के बदले जातीय नेताओं की मोल-तोल की शक्ति ज्यादा सशक्त हो रही है। यह भ्रम है कि सामाजिक रूप से हिंदू समाज जाति जनगणना के बाद खंडित होगा। वह तो अभी भी विखंडित है। जाति जनगणना के बाद हिंदू समाज इकाई के रूप में मजबूत होगा। उनकी लोक आस्था एवं लोक देवता मजबूत होंगे। जातीय एवं धार्मिक स्वाभिमान बढ़ेगा। मतपरिवर्तन में कमी आएगी। इसलिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भी जातीय जनगणना का समर्थन किया है, लेकिन राजनीतिक दुरुपयोग के प्रति चेताया है। सामाजिक सद्भावना एवं प्रगति के लिए जातीय गणना एवं सर्वे से अर्जित डाटा लाभदायक हो तो गणना अवश्य होना चाहिए।

डा. अंजेश कुमार, शिशु रोग विशेषज्ञ, पटना

### स्वच्छ भारत का सपना

संपादकीय 'स्वच्छ भारत अभियान' पढ़ा। केंद्र सरकार द्वारा चलाया जा रहा स्वच्छ भारत अभियान अब देश से बाहर वैश्विक स्तर पर साख बटोर रही है। इस मिशन के तहत बनाए गए शौचालयों से हर साल 60 से 70 हजार नवजात को मृत्यु तक रोकने में मदद मिली है। प्रख्यात विज्ञान पत्रिका नेचर ने अपने एक लेख में भारत के इस मिशन की जमकर तारीफ की है। बेहतर साफ सफाई भारत में जन स्वास्थ्य के क्षेत्र में बड़ा परिवर्तनकारी कदम साबित हुई है। शौचालयों तक पहुंच शिशु और बाल मृत्यु दर को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। देश में स्वच्छता, सुरक्षित सफाई व्यवस्था जन स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक बड़ा परिवर्तनकारी कदम बन गई है। पीएम नरेन्द्र मोदी ने स्वयं स्वच्छता अभियान को शुरू किया था। धूल-मिट्टी को साफ करने के लिए झाड़ू उठाकर स्वच्छ भारत अभियान को पूरे राष्ट्र के लिए एक जन-आंदोलन का रूप दिया और कहा था कि लोगों को न तो स्वयं गंदगी फैलानी चाहिए और न ही किसी और को फैलाने देना चाहिए। उन्होंने ''न गंदगी करेंगे, न करने देंगे।'' का मंत्र भी दिया। मोदी ने नौ लोगों को स्वच्छता अभियान में शामिल होने के लिए भी आमंत्रित किया और उनमें से हर एक से यह अनुरोध किया वे अन्य नौ लोगों को इस पहल में शामिल होने के लिए प्रेरित करें। आज स्वच्छता अभियान एक राष्ट्रीय आंदोलन का रूप ले चुका है। स्वच्छ भारत के संदेश ने लोगों के अंदर उत्तरदायित्व की एक अनुभूति जगा दी है। अब जबकि नागरिक पूरे देश में स्वच्छता के कामों में सक्रिय रूप से सम्मिलित हो रहे हैं, महात्मा गांधी द्वारा देखा गया 'स्वच्छ भारत' का सपना अब साकार होने लगा है। प्रधानमंत्री ने अपने कामों से स्वच्छ भारत के संदेश को लोगों का प्रयोग करके पूरे भारत और पूरी दुनिया में फैला दिया है।

युगल किशोर राही, ग्रेटर नोएडा

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।

अपने पत्र इस पते पर भेजें:
दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा
ई-मेल: mailbox@jagran.com

संस्थापक- स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त, पूर्व प्रधान संपादक- स्व.नरेन्द्र मोहन, नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन- महेन्द्र मोहन गुप्त, प्रधान संपादक- संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई/रेल शुल्क ₹-2 अतिरिक्त।
********

**25** लाख से अधिक वीडियो को हटाया था यूट्यूब ने अपने प्लेटफार्म से अक्टूबर से दिसंबर के बीच, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देश के बाद, यूट्यूब ने अपनी नई कम्युनिटी गाइडलाइंस के अनुसार।

कोचिंग व्यवस्था

# प्रतियोगी परीक्षा संस्कृति से पनपती विसंगतियां

डा. विकास सिंह
मैनेजमेंट गुरु तथा वित्तीय एवं समग्र विकास के विशेषज्ञ

**उच्च शिक्षा पाठ्यक्रमों में नामांकन और सरकारी नौकरी प्राप्त करने के लिए संबंधित प्रतियोगी परीक्षाओं में मेरिट लिस्ट में आना आवश्यक होता है। चूंकि इन परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्रों की तुलना में सीटों की संख्या बहुत कम होती है, इसलिए बड़ी संख्या में छात्र कोचिंग संस्थानों का सहारा लेते हैं। इस कारण देश भर में कोचिंग कारोबार निरंतर फैलता गया। हालांकि इसके अनेक सामाजिक-आर्थिक दुष्प्रभाव भी सामने आए, परंतु अब तक उनकी अनदेखी की जाती रही है। दिल्ली में माह भर पहले एक कोचिंग संस्थान में हुई दुर्घटना के बाद से इस ओर गंभीरता से ध्यान दिया जा रहा है, लिहाजा इससे संबंधित कई अन्य पहलुओं को भी समझा जाना चाहिए**

प्रतीकात्मक

भारत का शैक्षिक परिदृश्य प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की संस्कृति के कारण अनोखे तरीके से परिभाषित होता है। इंजीनियरिंग, प्रबंधन और चिकित्सा संस्थानों में प्रवेश परीक्षाओं से लेकर प्रतिष्ठित सिविल सेवा परीक्षाओं तक, इन सभी में उत्कृष्टता प्राप्त करने का दबाव बढ़ते हुए कोचिंग उद्योग को जन्म दे चुका है। यह परिघटना देश की शिक्षा प्रणाली और युवा पीढ़ी की समग्र भलाई पर दूरगामी प्रभाव डाल रही है। युवा प्रतिभा को वर्षों तक परीक्षा की तैयारी में शामिल करके, कोचिंग उद्योग भारत के जनसांख्यिकीय लाभांश को भुनाने की क्षमता को प्रभावित करता है। अकादमिक अनुसंधान द्वारा हमारे कार्यबल में योगदान देने में होने वाली देरी से आर्थिक विकास भी प्रभावित होता है।

इन परीक्षाओं में सफलता की दर अपेक्षाकृत बहुत कम होने के कारण छात्रों पर गंभीर मनोवैज्ञानिक दुष्परिणाम देखा गया है। असफलता का भय और साथियों से आगे निकलने का दबाव छात्रों में मानसिक स्वास्थ्य संकट का कारण बन रहा है। ऐसे में चिंता, अवसाद और यहां तक कि आत्महत्या के विचार भी मन में आना सामान्य रूप में देखा जाने लगा है। इसके अलावा, असफलता से जुड़े आत्मसम्मान के कम होने का भय भी समाहित होता है, जो व्यक्तिगत विकास को बाधित कर सकता है।

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की सिविल सेवा परीक्षा इस जुनून का सबसे बड़ा प्रतीक है। प्रतिष्ठित सिविल सेवा करियर का आकर्षण प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देता है। हालांकि इसकी वास्तविक तस्वीर बहुत अलग है। वस्तुतः यूपीएससी की सिविल सर्विसेज परीक्षा की तैयारी पूरे देश में जितने छात्र करते हैं, उनमें से केवल 0.1 प्रतिशत छात्र ही इसमें सफल हो पाते हैं, यानी इस परीक्षा की सफलता दर एक हजार में केवल एक छात्र की ही है। लिहाजा यह एक उच्च-दांव का जुआ बन गया है। अपनी सफलता दर को बढ़ाने के लिए उम्मीदवार अक्सर कोचिंग संस्थानों में प्रवेश लेते हैं, जिसे अर्थशास्त्र की भाषा में कहा जा सकता है कि वे अपने महत्वपूर्ण वित्तीय संसाधनों का निवेश करते हैं। कोचिंग संस्थान भारी शुल्क वसूलते हैं, जो मध्यम वर्गीय परिवारों की पहुंच से बाहर होते हैं। इस कारण शैक्षिक ऋणों में वृद्धि हुई है, जिससे छात्रों और उनके परिवारों पर भारी वित्तीय दबाव पड़ता है। सफलता की अनिश्चितता से यह बोझ और भी बढ़ जाता है, क्योंकि सभी छात्रों को वांछित पद नहीं मिल पाता, जिससे वे बड़े कर्ज में फंस जाते हैं। ट्यूशन फीस के अलावा कोचिंग से जुड़े अन्य खर्चे भी होते हैं, जैसे आवास, भोजन, अध्ययन सामग्री, कनवेंस आदि। आर्थिक रूप से पिछड़े पृष्ठभूमि के छात्रों के लिए ये खर्चे भारी हो सकते हैं। ऐसे में वित्तीय दबाव परिवारों को कठिन विकल्प बनाने के लिए मजबूर कर सकता है, जिससे अक्सर स्वास्थ्य सेवा और पोषण जैसी आवश्यकताओं से समझौता करना पड़ता है।

**आर्थिक दुष्प्रभाव** : आइआइटी जेईई, नीट और यूपीएससी की सिविल सर्विसेज जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं को पास करने पर अत्यधिक जोर देने के दूरगामी परिणाम होते हैं। वस्तुतः बौद्धिक रूप से सक्षम युवाओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा इन परीक्षाओं की तैयारी में अपने करियर का लंबा समय गुजार देता है, जिससे उन्हें अन्य संभावित करियर विकल्पों और अध्ययन के क्षेत्रों की ओर रुख करने के प्रति रुचि कम हो जाती है। इससे अर्थव्यवस्था में प्रतिभा का बेमेल हो जाता है। साथ ही, अनेक महत्वपूर्ण क्षेत्रों में कुशल पेशेवरों की कमी होने की आशंका पनप सकती है। इससे एक देश के रूप में हमारी समग्र कार्य कुशलता भी दुष्प्रभावित होती है, क्योंकि कई उम्मीदवार अपनी शैक्षणिक प्रतिभा के बावजूद उन क्षेत्रों का चयन नहीं करते, जिनमें उनकी स्वाभाविक रुचित होती है। लंबे समय के दौरान इसका आर्थिक दुष्प्रभाव भी दिखने में आता है।

**सामाजिक असमानता** : इन परीक्षाओं में निहित कड़ी प्रतिस्पर्धा सामाजिक असमानता बढ़ाती है। संपन्न पृष्ठभूमि के छात्रों को अक्सर बेहतर शैक्षिक संसाधनों, कोचिंग संस्थानों और समर्थन प्रणालियों तक पहुंच होती है, जिससे लक्ष्य प्राप्ति की दिशा में समान अवसर प्राप्त नहीं होता है। इससे विशेषाधिकार प्राप्त छात्रों के बीच अधिकार और श्रेष्ठता की भावना को बढ़ावा मिलने की आशंका रहती है, जबकि वंचित पृष्ठभूमि के लोग निराशा और आत्मविश्वास कमजोर होने का अहसास कर सकते हैं। उत्कृष्टता प्राप्त करने का तीव्र दबाव भी गलत प्रतिस्पर्धा का कारण बन सकता है, जिससे सामाजिक विभाजन और सहयोग की भावना कमजोर हो सकती है।

साथ ही, इन परीक्षाओं की तैयारी में निवेश किए गए वर्ष हमारे समग्र कार्यबल में प्रवेश में देरी करते हैं, जिससे महत्वपूर्ण आर्थिक नुकसान होता है। वहीं, संभावित कमाई और अर्थव्यवस्था में योगदान कम होने की आशंका बढ़ जाती है, क्योंकि युवा व्यक्ति अपने सर्वाधिक ऊर्जावान समय को शैक्षणिक अनुसंधान में झोंक देते हैं, बजाय कोई पेशेवर अनुभव प्राप्त करने के। एक बड़ी चिंताजनक बात यह है कि प्रतिभा का अपर्याप्त उपयोग होता है। कई अत्यधिक सक्षम व्यक्ति एक प्रतिष्ठित सरकारी नौकरी या प्रतिष्ठित शैक्षिक डिग्री प्राप्त करने के दबाव के कारण अपनी करियर आकांक्षाओं के साथ समझौता कर सकते हैं, जिससे उनकी क्षमताओं और समाज निर्माण में उनकी भूमिकाओं के बीच एक असंगति हो जाती है।

**माता-पिता का दबाव और अपेक्षाएं** : माता-पिता की आकांक्षाओं का दबाव किसी छात्र की शैक्षिक यात्रा को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अक्सर एक स्थिर भविष्य को सुरक्षित करने के लिए समाज के दबाव से प्रेरित, माता-पिता अपने बच्चों के लिए प्रतिष्ठित करियर को प्राथमिकता देते हैं। कई बार वे अपने बच्चों की व्यक्तिगत रुचियों और उसकी स्वाभाविक क्षमता को भी नजरअंदाज कर देते हैं। यह मानसिकता अभिभावक को अपने बच्चे को कोचिंग की ओर लेकर जाती है। विडंबना यह कि इस मामले में अक्सर अभिभावक अपनी आर्थिक स्थिति से कहीं अधिक आगे जाकर निर्णय ले लेते हैं, जिससे उन्हें अपने सामान्य खर्चों में भी कटौती करनी पड़ती है। ऐसे में कई बार छात्र मानसिक रूप से चिंता में भी रहता है। लिहाजा माता-पिता की आकांक्षाओं को बच्चे की व्यक्तिगत क्षमता और जुनून के साथ संतुलित करना आवश्यक है।

**आगे की राह** : अभी तक के तथ्य इस ओर इशारा करते हैं कि इस प्रकार की परीक्षाओं पर अत्यधिक निर्भरता को समाप्त करने का समय आ गया है। हमें एक व्यापक मूल्यांकन प्रणाली की ओर बढ़ना चाहिए जो छात्र की क्षमता का मूल्यांकन स्वाभाविक तरीके से करने में सक्षम हो सके। हमें विश्व उन देशों से सीख लेनी चाहिए जिन्होंने इस दिशा में बदलाव किया है। केवल प्रतियोगी परीक्षाओं पर ध्यान केंद्रित करने से हटकर एक बहुआयामी दृष्टिकोण को अपनाना, जो कौशल विकास, व्यावसायिक प्रशिक्षण और उद्यमशीलता के अवसरों पर जोर देता है, वह कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। यह परिवर्तन न केवल छात्रों पर भारी दबाव को कम करेगा, बल्कि राष्ट्र की समग्र प्रगति में भी योगदान देगा। प्रतिस्पर्धी परीक्षा संस्कृति से उत्पन्न दबाव को कम करने के लिए भारत सरकार को सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। व्यावसायिक प्रशिक्षण, कौशल विकास कार्यक्रमों और उद्यमशीलता प्रोत्साहनों के माध्यम से करियर विकल्पों का विविधीकरण इस दिशा में बेहतर व्यावहारिक विकल्प प्रदान कर सकता है।

## विश्व में सर्वोत्तम प्रथाओं से सीखने का समय

भारत की प्रतियोगी परीक्षाओं पर अत्यधिक निर्भरता का पुनर्मूल्यांकन आवश्यक है। वैश्विक स्तर पर यह देखने में आया है कि इस मामले में राष्ट्र व्यापक मूल्यांकन को प्राथमिकता देते हैं, जिसमें कार्य अनुभव, अतिरिक्त गतिविधियां और नेतृत्व कौशल शामिल होते हैं। कौशल-आधारित दृष्टिकोण, जैसे व्यावसायिक प्रशिक्षण और अप्रेंटिसशिप को प्रमुखता से इसमें शामिल किया जाता है। सतत मूल्यांकन और साक्षात्कार एवं समूह चर्चा जैसी विधियां उम्मीदवार की क्षमता का अधिक व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करती हैं। कई अन्य देशों में इसके वैकल्पिक माडल भी हैं। जर्मनी और स्विट्जरलैंड जैसे देश व्यावसायिक प्रशिक्षण पर जोर देते हैं, जबकि फिनलैंड और नीदरलैंड समग्र शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करते हैं। यह प्रणाली पारंपरिक शैक्षणिक मार्गों के अलावा सफलता के लिए कई रास्ते प्रदान करती हैं। हमारी सरकार ने भी व्यावसायिक प्रशिक्षण और तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए नीतियां भी बनाई हैं, जो वैकल्पिक करियर के लिहाज से लोकप्रिय हो रही है, परंतु अभी इस दिशा में हमें लंबा रास्ता तय करना होगा।

इस संदर्भ में यदि हम चीन को देखें तो उसने वर्ष 2021 में शैक्षणिक विषयों के लिए निजी ट्यूशन पर व्यापक प्रतिबंध लगा दिया। यह कठोर उपाय छात्रों और परिवारों पर अत्यधिक ट्यूशन के कारण उत्पन्न तीव्र दबाव को कम करने और शैक्षिक असमानता को कम करने के लिए उठाया गया था। वैसे इस नीति के दीर्घकालिक प्रभावों का अभी मूल्यांकन किया जा रहा है। हालांकि, इसमें कई अच्छी बातें सामने आई हैं, जबकि कई चुनौतियां बनी हुई हैं। ये कदम अधिक संतुलित और कम तनावपूर्ण शैक्षिक वातावरण बनाने के लिए एक संगठित प्रयास को दर्शाते हैं। ये दृष्टिकोण उच्च-दांव परीक्षाओं पर अत्यधिक निर्भरता को कम करते हैं। इसके अलावा, इन देशों में सरकारें सक्रिय रूप से नौकरी के अवसरों के सृजन, नवाचार और उद्यमशीलता को बढ़ावा देती हैं, जिससे सीमित पदों के लिए अधिक अभ्यर्थियों के तीव्र प्रतिस्पर्धा को कम करने में मदद मिल रही है। हमारे देश में भी व्यवस्था कुछ इस तरह से होनी चाहिए कि उच्च शिक्षा में नामांकन या शीर्ष सरकारी पदों पर नियुक्ति की अपेक्षा युवा नवाचार और उद्यमशीलता की ओर आगे बढ़ने को प्राथमिकता दे। **(डा. विकास सिंह)**

खरी-खरी

## साहित्य की राजनीति

पूरन सरमा

राज्य साहित्य अकादमी में अध्यक्ष का पद रिक्त है, मेरी नजर उस पर लगी हुई है। मैंने अपना बायोडाटा एक राजनीतिक कार्यकर्ता के हाथों राज्य सरकार तक पहुंचा दिया है। लेकिन उसने मुझे बताया कि सरकार ने एक विधायक को अकादमी अध्यक्ष बनाने का मानस बना रखा है। सुना है वे विधायक लंबे समय से सरकार से असंतुष्ट चल रहे थे, तो राज्य सरकार को एक चारागाह उन्हें सौंपना है।

अध्यक्ष पद को लेकर कजोड़मल जी के पेट में भी ऐंठन हो रही थी। एक दिन घर आए तो मैंने पूछा, 'सुना है राज्य अकादमी अध्यक्ष किसी राजनेता को बनाया जा रहा है। मैंने अपना बायोडाटा भेजा था, उत्तर मिला कि इसके लिए साहित्यकार होना आवश्यक नहीं है। आप थोड़ा जोर लगाइये न।'

कजोड़मल बोले, 'थोड़ा शर्म करो यार। मैं तुमसे सीनियर हूं, हो सके तो मेरा बायोडाटा लगाओ। मैं तुमसे इसी पर तो वार्ता करने आया था।'

मैंने कहा, 'आपने आठ किताबें लिखी हैं। मैंने 28 लिखी हैं। मेरा बायोडाटा ही फाइलों में दब गया है। आपकी वरिष्ठता कोई काम आ जाए तो देख लो। मैं तो अपना बायोडाटा वापस मंगा लेता हूं। आप स्वयं सीएम से मिल लीजिए।'

'नहीं, मेरा मिलना ठीक नहीं। तुम डेलीगेशन लेकर जाओ। साहित्यकारों का दबाव काम आ सकता है।'

मैं बोला, 'मेरे साथ कौन जाएगा? सारे रचनाकार मुझसे नाराज हैं। साहित्यकारों की फूट के कारण ही विधायक को अध्यक्ष बनाया जा रहा है। खेमेबाजी, गुटबाजी और वैचारिक मतभेद के कारण ही साहित्य अकादमी गैर साहित्यिक लोगों का अखाड़ा बनती जा रही है।'

'यार शर्मा, तुमने पहले क्यों नहीं बताया। मैं और कोई जुगाड़ बैठाता। मैं तो तुम्हारे भरोसे रह गया। तुम कोशिश करो कि मेरे नाम पर माहौल बने। मैंने सुना है साहित्य शिरोमणी पुरस्कार भी किसी कार्यकर्ता को ही दिया जाएगा,' वह बोले।

मैंने कहा, 'अकादमी अध्यक्ष बनने का सपना तो मेरा भी था, पर मैं विड्रा कर रहा हूं। वैसे मैं आपके समर्थन में तो हूं, परंतु यह राजनीतिक नियुक्ति है। इसलिए इसमें साहित्यकार की दाल गलना बहुत कठिन है।'

## X पोस्ट

विनेश फोगाट और बजरंग पुनिया ने कांग्रेस का हाथ थाम लिया। अब इस पर बहस चल रही है कि क्या यह खिलाड़ियों के आंदोलन के प्रति अन्याय है या नहीं? और क्या इससे यह साबित नहीं होता कि खिलाड़ियों के आंदोलन में राजनीति थी?
संकेत उपाध्याय@sanket

अब तक उत्तराखंड में डेमोग्राफी में बदलाव के खतरे की चर्चा हो रही थी, लेकिन हिमाचल प्रदेश में संजोली की अवैध मस्जिद और कांग्रेस के मंत्री अनिरुद्ध सिंह के बयान के बाद अब यह साफ है कि खतरा कहीं बड़ा और व्यापक है।
अशोक श्रीवास्तव@AshokShrivasta6

विडंबना देखिए कि इमरजेंसी पर बनी फिल्म को ही सेंसर बोर्ड ने रोक दिया। इमरजेंसी में लड़ाई सेंसर के खिलाफ भी थी। अब सरकार भाजपा की है, कांग्रेस की नहीं।
मिलिंद खांडेकर@milindkhandekar

चीजों को कभी भी बाद के लिए मत टालें। बाद में लोग बदल जाते हैं। शब्द अनकहे रह जाते हैं। अवसर भी हाथ से निकल जाते हैं और यह बाद में कभी नहीं में बदल जाता है। फिर पछतावा के अलावा कुछ नहीं हाथ आता।
हर्ष गोयनका@hvgoenka

## जागरण जनमत

कल का परिणाम

**क्या आरएसएस की ओर से जाति गणना की पैरवी करने के बाद भाजपा के लिए उसका विरोध करना कठिन होगा?**

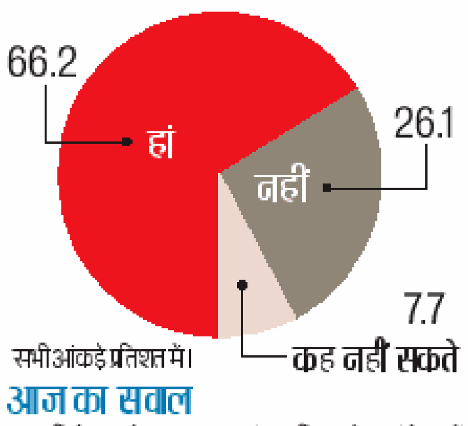


सभी आंकड़े प्रतिशत में।

**आज का सवाल**

क्या विनेश फोगाट व बजरंग पुनिया के कांग्रेस में जाने से हरियाणा चुनाव में पार्टी को लाभ होगा?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

## जनपथ

तजि कुश्ती का मैट अब धरा सियासी रूप,
चलिए मैडम झेलिए राजनीति की धूप।
राजनीति की धूप 'वजन' अब यहीं बढ़ाओ,
लड़ि कुर्सी की जंग जीतकर जरा दिखाओ।
थीं लाखों में एक राह चुन ली अब सस्ती,
लड़ने चलीं चुनाव आज मैडम तजि कुश्ती!
– ओमप्रकाश तिवारी

बिहार डायरी

# सिर पर टिकने से पहले उछलने लगी टोपी

आलोक मिश्रा
स्थानीय संपादक, बिहार

भले ही बिहार में अगले वर्ष विधानसभा चुनाव हों, लेकिन माहौल अभी से बनने लगा है। पिछले कुछ दिनों से सभी राजनीतिक दलों की गतिविधियां बढ़ गई हैं। टोपी-गमछा चर्चा का विषय बने हैं। टोपी सिर पर टिकने से पहले उछलने लगी है तो गमछा बिहारी अस्मिता का प्रतीक होने के बावजूद मखौल का विषय बन गया है। नीतीश-तेजस्वी की मुलाकात चर्चा में है और चाचा-भतीजे (रामविलास पासवान के भाई पशुपति कुमार पारस और पुत्र चिराग पासवान) की लड़ाई को काफी हद तक थामने की स्थिति में भारतीय जनता पार्टी आ गई है। इलाज कराकर सिंगापुर से लौटे लालू यादव ने भी अपनी गतिविधियां तेज कर दी हैं।

राजद की एक तरह से बागडोर थामे लालू यादव के छोटे पुत्र पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव पिछले विधानसभा चुनाव से ही अपने ऊपर से पिता की छाप छुड़ाने में जुटे हैं। भाजपा और जदयू के पास चुनाव जीतने के लिए लालू का जंगलराज एक तरह से ब्रह्मास्त्र है। पिछले विधानसभा चुनाव और इस लोकसभा चुनाव में तेजस्वी के आड़े अगर कुछ आया तो माता-पिता के राज का हाल। तेजस्वी का अंदाज भी इस लोकसभा चुनाव में बदला जो लोगों को रास नहीं आया। हाथ हिलाना और गमछा लहराना लोगों को जंगलराज से जोड़ने लगा। यह तेजस्वी के खिलाफ गया। अब तेजस्वी इसे समझ चुके हैं। वह प्रदेश की यात्रा पर निकलने वाले हैं। यात्रा पर निकलने से पहले गत बुधवार को उन्होंने पार्टी की बड़ी बैठक की, जिसमें निर्देश दिया कि कोई कंधे पर गमछा नहीं रखेगा। अब सिर पर हरी टोपी पहनी जाएगी। बैठक में कार्यकर्ताओं के अलावा अन्य का प्रवेश वर्जित होगा। तेजस्वी अपने दल की छवि बदलना चाहते हैं। वह जानते हैं कि उनके दल का उत्साह कई जातियों को

बुधवार को राजद प्रदेश कार्यालय में पार्टी नेताओं-कार्यकर्ताओं को संबोधित करते तेजस्वी यादव। सौ: राजद

उनसे दूर कर देता है।

लेकिन वे भले ही कोशिश कर लें, एनडीए अपने इस हथियार को नहीं खोना चाहता। इसलिए गमछा-टोपी इस समय मुद्दा है। जदयू कह रहा है कि नेचर और सिग्नेचर (स्वभाव और हस्ताक्षर) नहीं बदलता। राजद के कार्यकर्ता चाहे गमछा रखें या टोपी, जनता को आतंकित करने वाली उनकी आदत नहीं बदल सकती। लालू यादव ने ही वर्ष 2021 में अपने पार्टी कार्यकर्ताओं कहा था कि कंधे पर हरा गमछा रखो, यही तुम्हारी पहचान है। अब तेजस्वी उसे उतरवा कर टोपी पहनवा रहे हैं। इससे प्रतीत होता है कि तेजस्वी, लालू की बात नहीं मानते। उधर, भारतीय जनता पार्टी कह रही है कि लालटेन छाप हरे गमछे पर पाबंदी लगाकर लालू यादव के जंगलराज वाले शासनकाल से ध्यान हटाने का प्रयास हो रहा है, लेकिन जनता दिग्भ्रमित होने वाली नहीं है। वह अब टोपी पहनने वाली नहीं, बल्कि इनकी विदाई करने वाली है। वहीं, हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा का कहना है कि लालू परिवार भेष बदल कर जनता को गुमराह करने का खेल खेल रहा है। लेकिन उसके मूल चरित्र में बदलाव आने वाला नहीं है। लालू यादव अपना इलाज कराकर सिंगापुर से वापस आ गए हैं। उनके आने के बाद दल की सक्रियता बढ़ गई है।

जदयू भले ही तेजस्वी को लेकर हमलावर हो, लेकिन मंगलवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव की मुलाकात काफी चर्चा में रही। हालांकि इस मुलाकात के पीछे सूचना आयुक्त के पदों पर नियुक्ति को कारण बताया गया, जिसमें मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष की मौजूदगी आवश्यक है। लेकिन सरकार की अदला-बदली के कई धारावाहिकों की गवाह बिहार की जनता ऐसे घटनाक्रमों से सशंकित तो हो ही जाती है। एक-दूसरे के धुर विरोधी राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के अध्यक्ष पशुपति कुमार पारस और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान को साधने में जुटी भारतीय जनता पार्टी अब काफी हद तक इसमें सफल दिख रही है। चिराग पासवान तो केंद्र में मंत्री हैं ही, अब पशुपति कुमार पारस को भी कुछ मिलने की आशा बंध गई है। अगर ऐसा होता है तो सभी सीटों पर उनके उम्मीदवार उतारने का फैसला दरकिनार हो सकता है। भारतीय जनता पार्टी ने चाचा को साध कर भतीजे के पर कतरने की कोशिश की है, जो तमाम संवेदनशील मुद्दों पर बोल कर भाजपा को असहज करते रहे हैं। उन्हें भी अब पटना कम जाने की सलाह दी गई है। जिस तरह की गतिविधियां शुरू हो चली हैं, वे आगे क्या गुल खिलाती हैं, इसके लिए अभी इंतजार करना होगा।

मंथन

# पोर्न कंटेंट के प्रति संवेदनशीलता

डा. मुकुल श्रीवास्तव
प्रोफेसर, लखनऊ विश्वविद्यालय

**इंटरनेट पर पोर्न कंटेंट समाज में विकृति फैला रहे हैं। चूंकि यह कारोबार का रूप ले चुका है, सो इस पर नियंत्रण आसान नहीं, परंतु संवेदनशील नागरिक के तौर पर हमें इनसे बचना चाहिए**

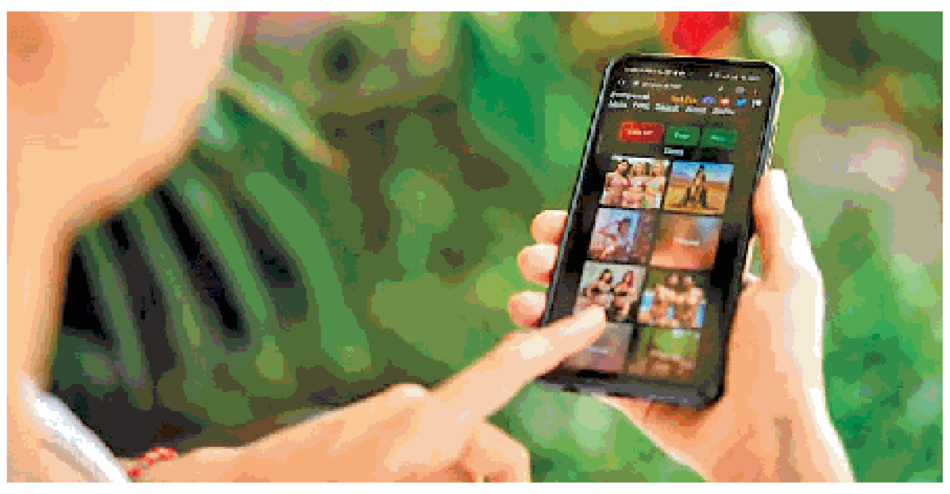

इंटरनेट के माध्यम से स्मार्टफोन पर आसानी से उपलब्ध है पोर्न कंटेंट। प्रतीकात्मक

बीते माह कोलकाता में एक युवा महिला डाक्टर के साथ हुई दरिंदगी और निर्मम हत्या ने पूरे देश को हिला कर रख दिया है। इस जघन्य अपराध के खिलाफ लोगों का विरोध प्रदर्शन जारी है। जहां हर कोई पीड़िता के दर्द से आहत है, वहीं कुछ विकृत मानसिकता वाले लोग इस भयावह घटना का फायदा उठाकर तथाकथित रेप वीडियो के नाम पर सामग्री बेचने में जुट गए। इंटरनेट पर अचानक ऐसे वीडियो की मांग बढ़ गई और कई इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म्स और मैसेजिंग एप्स पर इन वीडियो को बेचने की कोशिशें शुरू हो गईं। इंटरनेट के इस भयावह चेहरे ने समाज की संवेदनशीलता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

नौ अगस्त को हुई इस घटना के बाद से गूगल पर लोगों ने रेप से जुड़े वीडियो सर्च करने शुरू कर दिए। गूगल ट्रेंड्स पर रेप वीडियो जैसे कीवर्ड की खोजों में वृद्धि हुई। 'पब्लिका' की एक रिपोर्ट के अनुसार, पोर्न साइट्स पर तो लोगों ने पीड़िता के नाम तक से वीडियो खोजने की कोशिश की। यह इस तरह का पहला मामला नहीं है, इससे पहले भी जब कोई रेप का मामला सुर्खियों में आया है, उस घटना से जुड़े तथाकथित वीडियो के नाम से गूगल पर सर्च की संख्या बढ़ गई है। चाहे वह प्रज्जवल रेवन्ना के खिलाफ यौन हिंसा के आरोप हों या मणिपुर में महिलाओं को निर्वस्त्र करने का मामला, हर घटना के बाद इन सर्च ट्रेंड्स में वृद्धि हुई है। इंटरनेट पर इस प्रकार की सामग्री की बढ़ती मांग ने नए प्रकार के कारोबार को जन्म दिया है।

**अनैतिक व्यापार** : टेलीग्राम जैसे मैसेजिंग एप्स पर एन्क्रिप्शन की आड़ में तथाकथित 'रेप' वीडियो के लिंक खुलेआम बेचे जा रहे हैं। इन एप्स पर रेप और चाइल्ड पोर्नोग्राफी जैसे वीडियो मामूली कीमत पर बेचे जाते हैं। भुगतान करने के बाद सब्सक्राइबर को टेराबाक्स और पोर्न साइट्स जैसी क्लाउड एग्रीगेटर एप्स की ओर ले जाया जाता है। यह व्यापार इतनी तेजी से बढ़ता जा रहा है कि कानून प्रवर्तन एजेंसियां भी इसे रोकने में असमर्थ नजर आ रही हैं। इन एन्क्रिप्टेड चैनलों को बंद करना भी एक अस्थायी समाधान है, क्योंकि नए चैनल्स कुछ ही मिनटों में शुरू हो जाते हैं। इस अनैतिक व्यापार ने न केवल कानून को चुनौती दी है, बल्कि समाज की नैतिकता और संवेदनशीलता को भी कठघरे में खड़ा कर दिया है।

इस कड़ी में एआइ जैसी तकनीक आने से अपराधियों के हौसले बढ़ गए हैं। एआइ की मदद से किसी भी व्यक्ति की तस्वीर को फेक न्यूड तस्वीरों और डीप फेक वीडियो में बदला जा सकता है। तकनीकी रिसर्च संस्था 'वर्ज' की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को प्रशासन ने हाल में 18 वेबसाइट्स व एप्स के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है, जो इस तरह के न्यूड फेक वीडियो बनाने में मदद करते हैं। इसके सब्सक्राइबर की संख्या करोड़ों में है।

वहीं इस तरह की घटनाओं को अंजाम देने वाले अपराधी व्यापार के लिए पीड़िता को धमकाते हैं और ब्लैकमेल करने के लिए वीडियो बनाते हैं। इस वीडियो के अमानवीय व्यापार से पीड़िता का आघात और बढ़ जाता है, जिससे वे कई बार अपनी जान तक दे देती हैं। इस तरह के अमानवीय कृत्यों को मैसेजिंग एप्स पर ग्रुप्स और चैनलों की मदद से खरीदा-बेचा जाता है। साल 2023 में सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार ने फेसबुक, यूट्यूब और टेलीग्राम जैसी कंपनियों को इस तरह की सामग्री के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए कहा था। यूट्यूब ने अपनी कम्युनिटी गाइडलाइंस के तहत, अक्टूबर से दिसंबर के बीच 25 लाख वीडियो को हटाया था।

**यौन शिक्षा की कमी** : वस्तुतः पोर्नोग्राफी और इस तरह की यौन हिंसा के वीडियो देखने की आदत के बीच एक गहरा संबंध पाया गया है। मनोचिकित्सक मानते हैं कि इस तरह की सामग्री देखने से व्यक्ति की यौन और हिंसा के प्रति सामान्य दृष्टि विकृत हो गई है। भारत में जहां यौन शिक्षा की कमी है, वहां यह इस समस्या को और गंभीर कर देती है। 'ब्रिटिश जर्नल आफ क्रिमिनोलाजी' में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, मुख्यधारा की पोर्न साइट्स पर पहली बार आने वाले हर आठ में से एक उपयोगकर्ता को ऐसे वीडियो दिखाए जाते हैं, जिनमें यौन हिंसा या बिना पीड़ित की सहमति के रिकार्ड की गई गतिविधियों का उल्लेख होता है।

यह आंकड़ा हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि इंटरनेट पर इस तरह की सामग्री कितनी सामान्य होती जा रही है और किस हद तक हमारी मानसिकता एवं नैतिकता को दुष्प्रभावित कर रही है। इस समस्या का समाधान हम केवल कानून से नहीं कर सकते हैं, बल्कि जागरूकता के माध्यम से ही इसका समाधान किया जा सकता है। हमें इस तरह की सामग्री को नकारने के साथ ही उसके विरुद्ध खड़ा होना होगा। हमें यह समझना होगा कि इस तरह के किसी लिंक या साइट पर किया गया हर क्लिक किसी की जिंदगी को तबाह कर सकता है। इस तरह के अमानवीय व्यापार की रोकथाम के लिए हम सभी को आगे आना चाहिए।

********

### तीन प्रतिशत घट सकती है वोडाफोन की बाजार हिस्सेदारी

नई दिल्ली : ब्रोकरेज फर्म गोल्डमैन सैक्स ने कहा है कि वोडाफोन आइडिया की हालिया पूंजी वृद्धि सकारात्मक है। लेकिन यह कंपनी की बाजार हिस्सेदारी में कमी को रोकने के लिए पर्याप्त नहीं हो सकती है। ब्रोकरेज फर्म ने पूंजीगत व्यय और राजस्व बाजार हिस्सेदारी के बीच सीधे संबंध का हवाला देते हुए कहा कि अगले 3-4 वर्षों में वोडाफोन आइडिया की बाजार हिस्सेदारी में तीन प्रतिशत की कमी आ सकती है। (प्रेट्र)

इन्फ्रास्ट्रक्चर से जुड़े लोन पर घाटा काफी कम है। ऐसे में आरबीआइ का निर्माणाधीन परियोजनाओं के कर्ज की पांच प्रतिशत राशि अलग रखने का प्रस्ताव सही नहीं है।

— राजकिरन राय, एमडी, नेशनल बैंक फार फाइनेंसिंग इंफ्रास्ट्रक्चर एंड डेवलपमेंट

| | | |
|---|---|---|
| सेंसेक्स | 81,183.93 | ▼ 1,017.23 |
| निफ्टी | 24,852.15 | ▼ 292.95 |
| सोना प्रति दस ग्राम | ₹ 74,200 | ▲ ₹100 |
| चांदी प्रति किलोग्राम | ₹85,800 | ▲ ₹1,200 |
| डालर | ₹83.95 | ▼ ₹0.02 |
| क्रूड (ब्रेंट) प्रति बैरल | $ 72.79 | |

## एक नजर में

### भारत में कार्बन फाइबर का उत्पादन अगले वर्ष से

नई दिल्ली : केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने शुक्रवार को भरोसा जताया कि भारत अगले वित्त वर्ष 2025-26 से उच्च गुणवत्ता वाली कार्बन फाइबर का उत्पादन शुरू कर देगा। इस कार्बन फाइबर का इस्तेमाल एयरोस्पेस, सिविल इंजीनियरिंग और रक्षा क्षेत्र में धातु के विकल्प के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है। अभी भारत कार्बन फाइबर के लिए पूरी तरह से आयात पर निर्भर है। (प्रेट्र)

### 1,200 रुपये बढ़ी चांदी की कीमत, सोना भी चढ़ा

नई दिल्ली : वैश्विक संकेतों के चलते शुक्रवार को सोना और चांदी के मूल्य में बढ़ोतरी दर्ज की गई। आल इंडिया सराफा एसोसिएशन के अनुसार, दिल्ली में चांदी की कीमत में 1,200 रुपये की बढ़ोतरी हुई है और अब इसका मूल्य 85,800 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया है। इसी प्रकार, सोना 100 रुपये बढ़कर 74,200 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया है। (प्रेट्र)

### नौ सितंबर को लांच होगी आइफोन 16 सीरीज

मुंबई : अमेरिका की दिग्गज टेक्नोलाजी कंपनी एपल अपनी आगामी आइफोन 16 सीरीज के स्मार्टफोन नौ सितंबर को लांच करेगी। रिपोर्ट्स के अनुसार, आइफोन 16 सीरीज में एपल ए18 चिप का इस्तेमाल कर सकती है। यह एपल का सबसे तेज प्रोसेसर है जो अभी तक किसी भी आइफोन में इस्तेमाल नहीं हुआ है। इसको दो रंगों में लांच किया जा सकता है और इसमें 48 मेगापिक्सल का डुअल कैमरा दिया जा सकता है। (एएनआइ)

### डेट और इक्विटी से 3,200 करोड़ जुटाएगी स्पाइसजेट

मुंबई : नकदी संकट से जूझ रही विमानन कंपनी स्पाइसजेट 3,200 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है। यह राशि डेट और इक्विटी के जरिये जुटाई जाएगी। इस राशि का इस्तेमाल खराब खड़े विमानों को फिर से इस्तेमाल में लाने, कर्ज निपटाने, बेड़े में नए विमान शामिल करने और अन्य सामान्य उद्देश्यों में किया जाएगा। हालांकि, यह राशि शेयरधारकों की मंजूरी के बाद ही जुटाई जाएगी। (प्रेट्र)

# कमजोर वैश्विक संकेतों से लुढ़के घरेलू बाजार

## 1,017 अंक लुढ़कर 81,183 पर बंद हुआ बीएसई सेंसेक्स, एनएसई का निफ्टी 25 हजार से नीचे आया

मुंबई, प्रेट्र: कमजोर वैश्विक संकेतों और विदेशी निवेशकों की निकासी के बीच आइटी, तेल व गैस और सरकारी बैंकों में शेयरों में बिकवाली के कारण घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को लगातार चौथे दिन गिरावट के साथ बंद हुए। बीएसई का मानक सूचकांक सेंसेक्स 1,017.23 अंक की गिरावट के साथ 81,183.93 अंक पर जाकर बंद हुआ। दिनभर के कारोबार के दौरान सेंसेक्स में 1,219.23 अंक तक की गिरावट आई और एक समय यह 81 हजार से नीचे गिरकर 80,981.93 के स्तर पर पहुंच गया था। इसी तरह, एनएसई का निफ्टी 292.95 अंक की गिरावट के साथ 25 हजार से नीचे आकर 24,852.15 अंक पर बंद हुआ।

जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआइआइ) की ओर से जानकारी देने का अंतिम दिन होने के कारण घरेलू बाजारों में शुक्रवार को थोड़ी घबराहट दिखी। हालांकि, इससे लंबी अवधि में एफआइआइ का भारतीय बाजारों के प्रति आकर्षण पर असर पड़ने की उम्मीद नहीं है। बाजारों में तेजी लाने के नए कारकों की कमी और ज्यादा मूल्यांकन के कारण अल्प अवधि में एक मौन प्रवृत्ति जारी रह सकती है। इसके अलावा, अमेरिका में पेरोल डाटा जारी होने से पहले भी निवेशक सतर्कता बरतते दिखे। बैंकिंग और ऊर्जा क्षेत्र के शेयरों में सबसे ज्यादा बिकवाली देखी गई। इस गिरावट से निवेशकों की संपत्ति में 5.49 लाख करोड़ रुपये की कमी आई है। अब बीएसई में सूचीबद्ध सभी कंपनियों का बाजार पूंजीकरण घटकर 460.18 लाख करोड़ रुपये या 5.48 ट्रिलियन डालर रह गया है।

**2.3 अरब डालर बढ़ा विदेशी मुद्रा भंडार:** देश के विदेशी मुद्रा भंडार में बीते सप्ताह 2.299 अरब डालर की बढ़ोतरी रही है। आरबीआइ की ओर से शुक्रवार को जारी डाटा के अनुसार, 30 अगस्त को समाप्त सप्ताह में कुल विदेशी मुद्रा भंडार 683.987 अरब डालर के नए उच्च स्तर पर पहुंच गया है। बीते सप्ताह विदेशी मुद्रा आस्तियां 1.485 अरब डालर बढ़कर 599.037 अरब डालर हो गई हैं।

### शेयरधारकों के लिए दिवाली का तोहफा होगा शेयर बोनस : रिलायंस

नई दिल्ली, आइएएनएस : रिलायंस इंडस्ट्रीज ने कहा है कि शेयरधारकों को दिया जा रहा एक पर एक बोनस शेयर भारतीय बाजारों में अब तक का सबसे बड़ा बोनस इश्यू होगा। कंपनी ने कहा कि बोनस शेयर देने की प्रक्रिया आगामी त्योहारी सीजन के दौरान पूरी हो जाएगी और यह हमारे सम्मानित शेयरधारकों के लिए दिवाली का तोहफा होगा। शेयर बाजारों में सूचीबद्ध होने के बाद से अब तक यह रिलायंस का छठा बोनस इश्यू है। कंपनी बोर्ड ने पांच सितंबर को ही बोनस शेयर देने की मंजूरी दी है।

- आइटी, तेल व गैस और सरकारी बैंकों के शेयरों में जमकर बिकवाली
- इस गिरावट से निवेशकों की संपत्ति 5.49 लाख करोड़ रुपये घटी

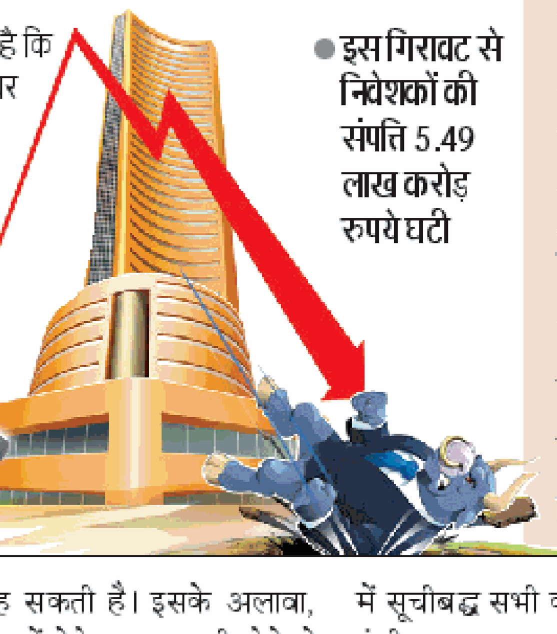

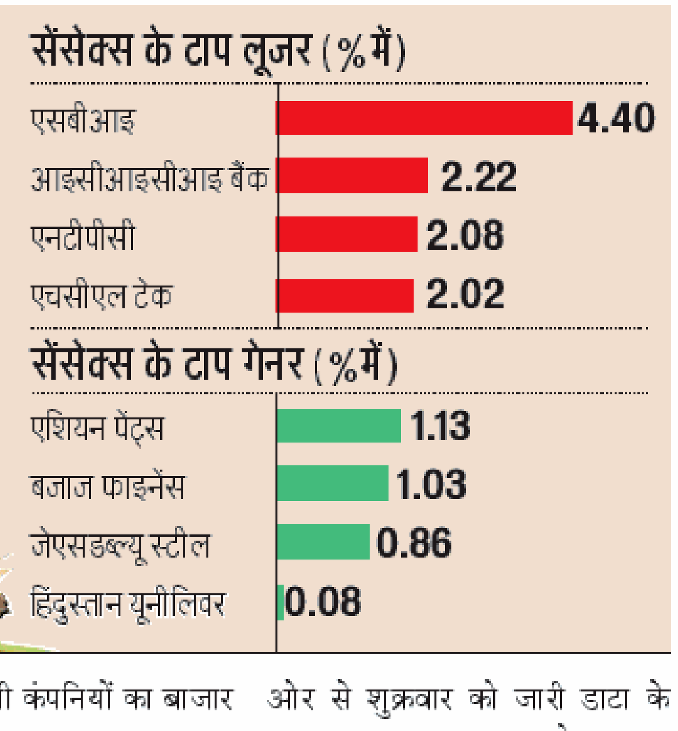


# बाजारों के निवेश सूचकांक में भारत ने चीन को पीछे छोड़ा

- मार्गन स्टेनली कैपिटल इंटरनेशनल में 22.27% हुआ भारत का भार
- इससे भारतीय बाजारों में 4.5 अरब डालर के प्रवाह का अनुमान

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली: मार्गन स्टेनली ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा है कि उभरते बाजार के निवेश योग्य सूचकांक में भारत ने चीन को पीछे छोड़ दिया है। एमएससीआइ में भारत का भार चीन के 21.58 प्रतिशत की तुलना में 22.27 प्रतिशत रहा। मार्गन स्टेनली कैपिटल इंटरनेशनल (एमएससीआइ) आइएमआइ में 3,355 स्टाक शामिल हैं। यह उभरते बाजारों वाले 24 देशों के स्टाक को कवर करता है।

एमएससीआइ आइएमआइ में चीन के मुकाबले भारत का अधिक भार या सूचकांक स्मालकैप की अधिक भारित क्षमता के कारण हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, विपरीत आर्थिक परिस्थितियों के कारण चीन के बाजार संघर्ष कर रहे हैं। वहीं, भारत के बाजारों को अनुकूल व्यापक आर्थिक स्थितियों से लाभ हुआ है। हाल के दिनों में भारत ने देश की अर्थव्यवस्था के मजबूत व्यापक आर्थिक बुनियादी सिद्धांतों के साथ कंपनियों के शानदार प्रदर्शन के बल पर इक्विटी बाजार में बेहतर प्रदर्शन किया है। इसके अलावा, भारतीय इक्विटी बाजार में लाभ का व्यापक आधार है, जो लार्ज कैप के साथ मीडियम और स्मालकैप सूचकांकों में भी दिखाई पड़ता है। विश्लेषकों का अनुमान है कि इस बदलाव से भारतीय इक्विटी में 4-4.5 अरब डालर का प्रवाह आ सकता है।

वित्त मंत्रालय के सूत्रों का कहना है कि 2024 में अब तक एफडीआइ में 47 प्रतिशत की वृद्धि, कच्चे तेल की कीमतों में कमी और भारतीय ऋण बाजारों में पर्याप्त विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआइ) से भारतीय अर्थव्यवस्था में मजबूती आई है। इससे एमएससीआइ में भारतीय शेयरों का भार बढ़ रहा है। मार्च-2024 से अगस्त-2024 के दौरान एमएससीआइ ईएम में भारत के भार मूल्य में बढ़ोतरी हुई है।

## एप्सन ने लांच किया नया मार्केटिंग कैंपेन

नई दिल्ली, वि.: देश की दिग्गज प्रिंटर निर्माता कंपनी एप्सन ने अपने ईकोटैंक प्रिंटर के लिए नया मार्केटिंग कैंपेन शुरू किया है। कंपनी की ब्रांड एंबेसडर रश्मिका मंधाना इस कैंपेन में दिखाई देंगी।

कंपनी ने बताया कि कैंपेन को कम लागत पर बिना बाधा रंगीन प्रिंटिंग के मुख्य वादे पर केंद्रित किया गया है। एप्सन इंडिया के सीनियर जनरल मैनेजर शिवा कुमार ने बताया कि इस ईकोटैंक प्रिंटर से निकाले जाने वाले ब्लैक प्रिंट की लागत नौ पैसे और कलर प्रिंट की लागत 33 पैसे से शुरू होती है। इस प्रिंटर पर एक साल या 50 हजार प्रिंट तक की वारंटी दी जा रही है। इस प्रिंटर को वाई-फाई, एलएएन या यूएसबी से कनेक्ट किया जा सकता है।

# टमाटर और चिकन में नरमी से सस्ती हुई भोजन की थाली

मुंबई, प्रेट्र: टमाटर की कीमतों में कमी के चलते अगस्त में शाकाहारी थाली की कीमत में कमी आई है। वहीं पवित्र सावन महीने में बहुत से लोग मांस नहीं खाते हैं, जिसके चलते मांसाहारी थाली भी सस्ती हुई है। घरेलू रेटिंग एजेंसी क्रिसिल की रिपोर्ट के अनुसार, शाकाहारी भोजन की कीमत जुलाई के 32.60 रुपये प्रति प्लेट से चार प्रतिशत घटकर अगस्त में 31.20 रुपये रह गई। पिछले साल की समान अवधि में शाकाहारी थाली की कीमत 34 रुपये थी। इसी तरह, मांसाहारी थाली की कीमत पिछले महीने की तुलना में तीन प्रतिशत घटकर 59.30 रुपये रह गई। हालांकि पिछले साल की समान अवधि से मांसाहारी थाली की कीमत 12 प्रतिशत सस्ती दिखती है।

क्रिसिल ने अपनी मासिक 'रोटी-चावल दर' रिपोर्ट में कहा कि जुलाई के मुकाबले टमाटर की कीमतें 23 प्रतिशत घटकर अगस्त में 50 रुपये प्रति किलो पर आ गईं। यह पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 51 प्रतिशत कम है। रेटिंग एजेंसी के मुताबिक, शाकाहारी थाली में रोटी, सब्जियां (प्याज, टमाटर और आलू), चावल, दाल, दही और सलाद शामिल हैं, जबकि मांसाहारी थाली में दाल की जगह ब्रायलर होता है। अगस्त में ब्रायलर की कीमत मासिक आधार पर तीन प्रतिशत तो पिछले साल की तुलना में 13 प्रतिशत घटी हैं।

**31.20** रुपये पर रही शाकाहारी थाली की लागत अगस्त में, जो इसी वर्ष जुलाई में 32.60 रुपये थी

## नौ और हवाई अड्डों पर डिजियात्रा सुविधा शुरू

नई दिल्ली, एएनआइ: हवाई यात्रियों को बाधारहित बोर्डिंग सेवा प्रदान करने वाली डिजियात्रा सुविधा शुक्रवार को देश के नौ और हवाई अड्डों पर शुरू हो गई। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के राम मोहन नायडू ने विशाखापत्तनम हवाई अड्डे से इसकी शुरुआत की। अन्य हवाई अड्डों में पटना, रायपुर, भुवनेश्वर, गोवा (डाबोलिम), इंदौर, रांची, कोयंबटूर और बागडोगरा शामिल हैं। यह सभी हवाई अड्डे एयरपोर्ट अथारिटी आफ इंडिया (एएआइ) की ओर से संचालित हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि डिजियात्रा नागरिक उड्डयन उद्योग में एक महत्वपूर्ण तकनीकी प्रगति है और इसे तीन करोड़ से अधिक लोग उपयोग कर रहे हैं। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने देश के सभी हवाई अड्डों पर डिजियात्रा को लागू करने का लक्ष्य रखा है। इसके साथ डिजियात्रा का इस्तेमाल करने वाले हवाई अड्डों की संख्या बढ़कर 22 हो गई है।

# इजरायली कंपनी के साथ चिप निर्माण में उतरा अदाणी समूह

नई दिल्ली, रायटर: अरबपति कारोबारी गौतम अदाणी का अदाणी समूह और इजरायल का टावर सेमीकंडक्टर महाराष्ट्र में 10 अरब डालर (83 हजार करोड़ रुपये) की लागत से एक सेमीकंडक्टर संयंत्र लगाएंगे। इस बात की जानकारी राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने गुरुवार को इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर दी। भारत ने वैश्विक चिप कंपनियों को देश में अपनी मैन्यूफैक्चरिंग इकाइयां स्थापित करने के लिए कई कदम उठाए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश को दुनिया का चिपमेकर हब बनाने का लक्ष्य रखा है।

फाक्सकान ने पिछले साल जुलाई में भारतीय कंपनी वेदांत के साथ 19.5 अरब डालर के सेमीकंडक्टर संयुक्त उद्यम से हाथ खींच लिया था। इतना ही नहीं अबुधाबी स्थित नेक्स्ट आर्बिट वेंचर्स और टावर सेमीकंडक्टर भारत में तीन अरब डालर की लागत से एक उद्यम लगाने का एलान किया था, लेकिन बाद यह योजना भी ठप हो गई। हालांकि शुरुआती असफलताओं के बावजूद भारत को उम्मीद है कि 2026 तक उसका सेमीकंडक्टर बाजार 63 अरब डालर का हो जाएगा। अदाणी समूह के लिए चिप निर्माण में कदम रखना बिल्कुल नया अनुभव होगा।

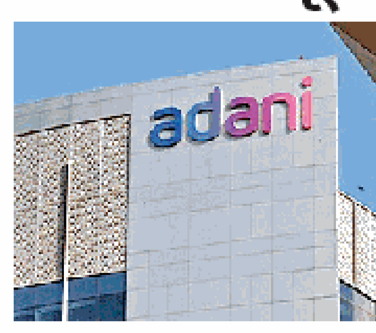


**83** हजार करोड़ रुपये की लागत से महाराष्ट्र में लगाया जाएगा संयंत्र

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को दुनिया का चिपमेकर हब बनाने का रखा है लक्ष्य

## इलेक्ट्रिक कार निर्माण में कदम रखेगी अनिल अंबानी की कंपनी

नई दिल्ली, रायटर: अनिल अंबानी के रिलायंस समूह की कंपनी रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर इलेक्ट्रिक कार और बैटरी मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र में कदम रखने की योजना बना रही है। इसके लिए रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर ने चीन की इलेक्ट्रिक कार निर्माता कंपनी बीवाईडी के पूर्व भारत प्रमुख संजय गोपालकृष्णन को सलाहकार नियुक्त किया है।

सूत्रों के अनुसार, रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर ने इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) मैन्यूफैक्चरिंग संयंत्र की लागत का अध्ययन कराने के लिए बाहरी सलाहकार नियुक्त किए हैं। इस संयंत्र की शुरुआती क्षमता 2.5 लाख वाहन प्रति वर्ष होगी, जिसे कुछ वर्षों में बढ़ाकर 7.5 लाख किया जा सकता है। इसके अलावा बैटरी मैन्यूफैक्चरिंग संयंत्र शुरू करने पर भी विचार कर रही है। इस रिपोर्ट पर रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर और संजय गोपालकृष्णन ने प्रतिक्रिया नहीं दी है।

## राष्ट्रीय फलक

# नमक बनाने वाले मजदूरों की रोजी रोटी पर संकट

शत्रुघ्न शर्मा : जागरण

- नमक श्रमिकों को बेदखल करने के किए जा रहे प्रयास
- कच्छ के रण के श्रमिकों से राजस्व रिकार्ड मांग रहा वन विभाग
- करीब 98 प्रतिशत श्रमिक हो जाते हैं चर्म रोग के शिकार

अहमदाबाद : गुजरात के कच्छ के रण में समुद्र के खारे पानी में नमक बनाने वाले सात हजार से अधिक मजदूरों के परिवारों की रोजी रोटी पर संकट आ गया है। रण में अभयारण्य की घोषणा के बाद से नमक मजदूरों को यहां से बेदखल करने के प्रयास किए जा रहे हैं। यह क्षेत्र कभी भी राजस्व रिकार्ड में दर्ज भी नहीं था। इस क्षेत्र को 0 सर्वे के नाम से जाना जाता था।

वन अधिकार कानून के अनुसार पीढ़ियों से नमक बनाने वाले इन परिवारों को बेदखल नहीं किया जा सकता इसके बावजूद वन विभाग अब इनसे राजस्व रिकार्ड मांग रहा है। सरकार की ओर से इस जमीन के कभी कोई दस्तावेज बनाए ही नहीं गए हैं।

कच्छ का रण दो भाग लिटिल रण आफ कच्छ और ग्रेट रण आफ कच्छ में बंटा है। यहां खारे पानी के कारण बंजर हुई जमीन ही नमक श्रमिकों के गुजारे का सहारा है, जहां समुद्री जल को वाष्पित करके नमक के क्रिस्टल बनाए जाते हैं। अगरिया हित रक्षक मंच के संयोजक हरिणेश पंड्या बताते हैं कि नमक बनाने वाले श्रमिकों को अंगरिया कहते हैं। नमक बनाने के लिए श्रमिकों को जिंदगी खतरे में डालनी पड़ती है। करीब 98 प्रतिशत श्रमिक चर्म रोग के शिकार हो जाते हैं। कई मोतियाबिंद तो कईयों को हड्डी रोग जकड़ लेता है। 90 प्रतिशत नमक श्रमिकों के पास कोई जमीन नहीं है, ये गरीबी की रेखा के नीचे आते हैं। इसलिए उनकी हालत बद से बदतर है। आगे आने वाले समय में उनमें सुधार की कोई उम्मीद नहीं है। ऐसे में इन मजदूरों की स्थिति में सुधार के लिए सरकार से पहल करने की मांग की गई है।

# आपातकाल पर बनी इन फिल्मों को भी करना पड़ा है संघर्ष

छह सितंबर को कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली थी। लेकिन भारी विवाद और सेंसर वोर्ड से सर्टिफिकेट नहीं मिल सकने की वजह से यह प्रदर्शित नहीं हो सकी। इस फिल्म की प्रदर्शन तिथि पहले भी कई वार टल चुकी है। ऐसा पहली वार नहीं है जब भारतीय राजनीति के सबसे काले दौर यानी आपातकाल पर बनी फिल्म को प्रदर्शित होने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है...

### प्रदर्शित होने के बाद बैन हुई गुलजार की आंधी

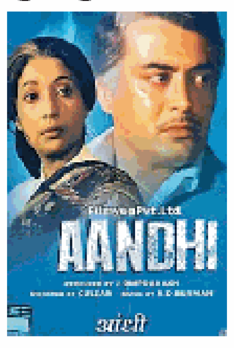


इंदिरा गांधी के जीवन और राजनीति के संदर्भों के साथ बनी गुलजार की फिल्म आंधी फरवरी, 1975 में प्रदर्शित हुई थी। सुचित्रा सेन और संजीव कुमार अभिनीत इस फिल्म को 1975 के आम चुनावों को देखते हुए प्रदर्शित होने के 24 सप्ताह बाद बैन कर दिया गया था।

### गुप्त रूप से बनी डाक्यूमेंट्री

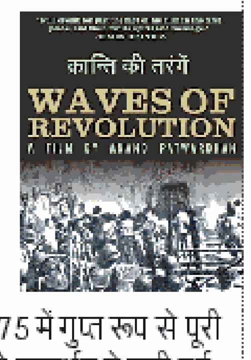


आनंद पटवर्धन की डाक्यूमेंट्री क्रांति की तरंगें में बिहार में 1974-75 में जेपी नारायण के नेतृत्व में हुए विद्रोह को दर्शाया गया है। सीमित संसाधनों के साथ 1975 में गुप्त रूप से पूरी की गई इस फिल्म को पटवर्धन ने उसी वर्ष गुप्त रूप से प्रदर्शित भी किया था।

### इंदु सरकार फिल्म में लगे थे 14 कट

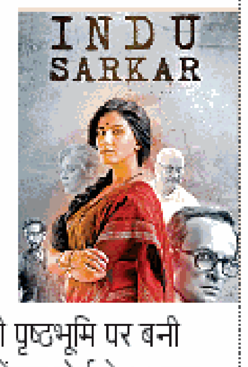


2011 में, मधुर भंडारकर की फिल्म इंदु सरकार का भी ऐसा ही हश्र हुआ था। आपातकाल की पृष्ठभूमि पर बनी इस फिल्म में सेंसर बोर्ड ने 14 कट लगाने को कहा था।

**नसबंदी:** आइएस जौहर की फिल्म नसबंदी पर भी प्रतिबंध लगाया गया था। इसमें 1975 में संजय गांधी द्वारा शुरू किए गए जबरन नसबंदी अभियान को व्यंगयात्मक तरीके से दर्शाया गया था।

### संजय गांधी को गिरफ्तार कराने वाली फिल्म

अमृत नाहटा की प्रसिद्ध आपातकाल विरोधी फिल्म किस्सा कुर्सी का अप्रैल, 1975 में बनी थी लेकिन कभी प्रदर्शित नहीं हुई। शबाना आजमी, राज बब्बर और मनोहर सिंह अभिनीत फिल्म के सभी प्रिंट तत्कालीन सूचना और प्रसारण मंत्री विद्या चरण शुक्ला और संजय गांधी ने नष्ट कर दिए थे। बाद में जनता पार्टी सरकार द्वारा गठित शाह आयोग ने संजय गांधी को फिल्म प्रिंट को नष्ट करने का दोषी पाया था। सुप्रीम कोर्ट से जमानत नहीं मिलने पर संजय गांधी को तिहाड़ जेल में एक महीना बिताना पड़ा। विद्या चरण शुक्ला को भी दो साल जेल की सजा सुनाई गई थी। बाद में उसी स्क्रिप्ट और अधिकांश कलाकारों के साथ फिल्म का पुनर्निर्माण कर 1978 में इसे प्रदर्शित किया गया।

# मोबाइल चोरों के अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़, आठ पकड़े

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : क्राइम ब्रांच ने अंतरराज्यीय मोबाइल चोर गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए आठ आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपित चोरी किए गए मोबाइल फोन को दिल्ली और पंजाब के रिसीवरों को देते थे। उनके कब्जे से 99 मोबाइल फोन, एक लैपटाप, दो सिम, नेपाल के दो बोर्डिंग पास बरामद किए गए हैं। पुलिस ने मोबाइल चोरी के 30 और गुमशुदगी के 55 मामलों को सुलझाया है।

क्राइम ब्रांच के डीसीपी अमित गोयल के मुताबिक, पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि झारखंड का मोबाइल फोन चोर गिरोह एनसीआर में सक्रिय है, जो साप्ताहिक बाजारों और भीड़भाड़ वाली जगहों से मोबाइल फोन चुराता था। न्यू उस्मानपुर में छापामारी कर महेंद्र महतो, सूरज कुमार महतो, कारू कुमार, अलोपी महतो को उनके रिसीवर पप्पू कोली के साथ गिरफ्तार किया गया और उनके पास से 46 मोबाइल फोन बरामद किए गए। पूछताछ में पता चला कि आरोपितों का गिरोह कई जगह सक्रिय है। आपरेशन के दौरान कुल आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें से पांच चोर और तीन रिसीवर हैं। पूछताछ के दौरान पता चला कि झारखंड के कारू, महेंद्र, सूरज और अलोपी दिल्ली में रहने वाले अपने साथी नदीम उर्फ छोटा के साथ मिलकर मोबाइल चुराते थे और अपने रिसीवर पप्पू कोली को बेच देते थे। इसके बाद पप्पू कोली अपने रिसीवर मलखागंज के कामिल रहमान को मोबाइल फोन बेचता था, जिसके पास से 49 मोबाइल फोन बरामद किए गए। पूछताछ में कामिल ने बताया कि वह खरीदे गए मोबाइल फोन को अपने रिसीवर पंजाब के हरबेज सिंह को बेचता था, जिसके कब्जे से एक लैपटाप, सिम, नेपाल बोर्डिंग पास, मोबाइल फोन और चोरी किए गए फोन के कई कवर बरामद किए गए।

## भूषण स्टील के पूर्व प्रमोटर को मनी लान्ड्रिंग केस में सुप्रीम कोर्ट से जमानत

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को 46,000 करोड़ रुपये के कथित बैंक धोखाधड़ी के मनी लान्ड्रिंग केस में भूषण स्टील के पूर्व प्रमोटर नीरज सिंघल को रिहा करने का आदेश दिया। साथ ही कहा है कि ईडी ने उन्हें गिरफ्तार करते समय उचित प्रक्रिया का पालन नहीं किया था।

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने कहा कि सिंघल 16 महीने से जेल में हैं और मुकदमा जल्द खत्म होने की संभावना नहीं है। वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि उनके मुवक्किल को मुकदमे से पहले लंबी अवधि तक सलाखों के पीछे रहने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता है। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि नीरज सिंघल एक टेलीफोन नंबर उपलब्ध कराएंगे, जिस पर अधिकारी उनसे संपर्क कर सकें।

# तत्काल बुकिंग टूल बनाने वाले को कर्नाटक हाई कोर्ट से राहत

- स्टार्टअप संस्थापक गौरव ढाके के खिलाफ आपराधिक मुकदमा खारिज
- 'ब्राउजर एक्सटेंशन' बनाने से रेलवे अधिनियम का उल्लंघन नहीं : कोर्ट

बेंगलुरु, प्रेट्र : कर्नाटक हाई कोर्ट ने तत्काल बुकिंग टूल बनाने वाले आइआइटी स्नातक और स्टार्टअप संस्थापक गौरव ढाके को राहत दी है। हाई कोर्ट ने उनके खिलाफ आपराधिक मुकदमे को खारिज कर दिया है। ढाके ने ऐसा 'साफ्टवेयर टूल' विकसित किया था जिससे रेलवे तत्काल टिकट बुक करने में लगने वाले समय में काफी कमी आई थी। गौरव पर रेलवे अधिनियम की धारा 143 के तहत अवैध रूप से रेलवे टिकट खरीदने और बांटने का आरोप लगाया था।

जस्टिस एम. नागप्रसन्ना की एकल पीठ ने उनके खिलाफ दर्ज मामला खारिज कर दिया। अदालत ने कहा कि ढाके द्वारा 'ब्राउजर एक्सटेंशन' बनाने से रेलवे अधिनियम का उल्लंघन नहीं हुआ। ब्राउजर एक्सटेंशन से मात्र 45 सेकंड में तत्काल बुकिंग संभव हुई, जबकि सामान्यतः तत्काल बुकिंग में पांच-सात मिनट मिनट लगते हैं। यह साफ्टवेयर टूल आइआरसीटीसी वेबसाइट पर बुकिंग प्रक्रिया को तेज करने कोयात्री के विवरण को स्वतः भर देता है। शुरू में इसे निशुल्क उपलब्ध कराया गया था। फरवरी 2020 में, ढाके ने एजेंट द्वारा थोक में टिकट बुक कराने से रोकने के लिए उपयोग को प्रतिदिन 10 बुकिंग तक सीमित कर दिया था और प्रति बुकिंग 30 रुपये शुल्क लेना शुरू कर दिया।

## वीडियोकान ऋण मामले में चंदा कोचर व उनके पति को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

नई दिल्ली, प्रेट्र : आइसीआइसीआइ-वीडियोकान ऋण मामले में सुप्रीम कोर्ट ने एक याचिका पर शुक्रवार को आइसीआइसीआइ बैंक की पूर्व एमडी व सीईओ चंदा कोचर एवं उनके कारोबारी पति दीपक कोचर से जवाब तलब किया। यह याचिका दंपती की गिरफ्तारी को गैरकानूनी ठहराने वाले बांबे हाई कोर्ट के आदेश के विरुद्ध दाखिल की गई है।

जस्टिस संजीव खन्ना एवं जस्टिस संजय कुमार की पीठ ने सीबीआइ की अपील पर दंपती को यह नोटिस जारी किया। सीबीआइ की ओर से पेश एएसजी एसवी राजू ने कहा कि मामले में उनकी गिरफ्तारी उचित थी। उन्होंने सूचित किया कि चंदा कोचर लंबे समय अंतरिम जमानत पर रहीं और उन्होंने लगभग दो सप्ताह ही हिरासत में गुजारे।

********

# अब केवल छह महीने में होगा एमडीआर-टीबी का इलाज

- सरकार ने उपचार की नई पद्धति 'बीपीएएलएम' को दी मंजूरी
- देश में एमडीआर-टीबी के 75,000 मरीजों को होगा लाभ

नई दिल्ली, प्रेट्र : केवल छह महीने में टीबी का प्रभावी उपचार संभव होगा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मल्टी- ड्रग रेसिस्टेंट ट्यूबरकुलोसिस (एमडीआर-टीबी) या दवा प्रतिरोधिक तपेदिक के उपचार की नई पद्धति को मंजूरी दे दी है। भारत में एमडीआर-टीबी के 75,000 रोगी इस उपचार विधि का लाभ उठा सकेंगे। इस समय एमडीआर-टीबी का पारंपरिक उपचार 20 महीने तक चलता है। इसके दुष्परिणाम भी सामने आ सकते हैं।

मंत्रालय ने राष्ट्रीय तपेदिक उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) के तहत टीबी के उपचार के लिए बेहद प्रभावी उपचार 'बीपीएएलएम' को स्वीकृति दे दी है। 'बीपीएएलएम' पद्धति में चार दवाएं- प्रीटोमैनिड, बेडेक्विलिन और लिनजोलिड और माक्सीफ्लाक्सेसिन – शामिल हैं। यह पुरानी एमडीआर-टीबी उपचार विधि की तुलना में सुरक्षित, अधिक प्रभावी है। 'प्रीटोमैनिड' को भारत में उपयोग के लिए स्वीकृति व लाइसेंस केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) पहले ही दे चुका है। बीपीएएलएम पद्धति काफी कारगर है। यह एमडीआर-टीबी को केवल छह महीने में ठीक कर सकती है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के परामर्श के बाद टीबी के इस नए उपचार को मंजूरी दी।

## उत्तराखंड के अधिकारियों के विरुद्ध एनजीटी के आदेश पर रोक

नई दिल्ली, प्रेट्र: सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को उत्तराखंड सरकार के अधिकारियों के विरुद्ध नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के एक आदेश पर रोक लगा दी। एनजीटी ने गंगा में बगैर शोधित सीवेज बहाने पर रोक नहीं लगा पाने को लेकर अधिकारियों के विरुद्ध आपराधिक मुकदमा चलाने और दंडात्मक कार्रवाई करने का निर्देश दिया था।

जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की पीठ ने केंद्र को नोटिस जारी किया और मामले की सुनवाई दिसंबर के दूसरे सप्ताह में करना तय किया। एनजीटी ने गत नौ फरवरी को गंगा में प्रदूषित जल प्रवाह पर रोक लगाने के लिए उचित कार्रवाई नहीं करने और मूक दर्शक बने रहने के लिए उत्तराखंड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से नाराजगी जताई थी।

**5** आत्मघाती आतंकी पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में शुक्रवार को सेना मुख्यालय पर हमला करने पहुंचे थे। इनमें से दो मारे गए हैं। हमलावर अफगानिस्तान सीमा से सटे घलानी कस्बे में मोहमंद राइफल्स मुख्यालय पर हमला करने पहुंचे थे।



## पाकिस्तान में सेना के एक ले. जनरल को अन्य पद से हटाने का आदेश

**लाहौर, प्रेट्र :** लाहौर हाई कोर्ट ने पाकिस्तानी सेना के लेफ्टिनेंट जनरल मुनीर अफसार को एक महत्वपूर्ण संगठन के प्रमुख के पद से हटाने का आदेश दिया है। लाहौर हाई कोर्ट ने कहा है कि नेशनल डाटाबेस एंड रजिस्ट्रेशन अथार्टी (नादरा) के चेयरमैन के रूप में मुनीर की नियुक्ति अनधिकृत और नियमों का उल्लंघन है। नादरा सरकारी डाटाबेस को नियंत्रित करता है और देश के सभी नागरिकों के संवेदनशील पंजीकरण डाटाबेस का सांख्यिकी प्रबंधन करता है।

अक्टूबर 2023 में मुनीर नादरा के चेयरमैन नियुक्त होने वाले पहले सेवारत सैन्य अधिकारी बने। पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री अनवारुल हक काकर की अगुआई वाली कार्यवाहक सरकार ने मुनीर की नियुक्ति की थी और बाद में शहबाज शरीफ की अगुआई वाली निर्वाचित संघीय सरकार ने नियुक्ति की पुष्टि की। मुनीर का कार्यकाल मार्च 2027 तक है।

अशबा कामरान ने हाई कोर्ट में याचिका दाखिल कर मुनीर की नियुक्ति को चुनौती दी। अपनी याचिका में कामरान ने कहा था कि मुनीर की नियुक्ति नादरा अध्यादेश 2000 के प्रविधानों का उल्लंघन है। यह नियुक्ति के लिए निष्पक्ष एवं प्रतिस्पर्धी प्रक्रियाओं का पालन नहीं करता है। हाई कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस असीम हाफिज ने अपने फैसले में कहा है कि सेना जनरल की यह नियुक्ति अवैध थी।

# गाजा में इजरायली हमले जारी, 12 फलस्तीनियों की मौत

### वेस्ट बैंक से जाते दिखे इजरायली सैनिक, लेकिन कहा–अभियान जारी रहेगा

#### गाजा में साढ़े तीन लाख से ज्यादा बच्चों का हो चुका पोलियोरोधी टीकाकरण

**यरुशलम, रायटर:** गाजा में पोलियो टीकाकरण के बीच शुक्रवार को भी इजरायली हमले जारी रहे। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि इन हमलों में 12 फलस्तीनियों की मौत हो गई। वहीं, वेस्ट बैंक में एक सप्ताह से अधिक समय से जारी अभियान के बाद इजरायली सैनिक वापस जाते दिखे, लेकिन सेना ने कहा, अभियान अभी पूरा नहीं हुआ है। इस दौरान इजरायली कार्रवाई में बड़ी संख्या में लोग मारे गए। सेना ने दावा किया था कि जेनिन, तुलकेरम और अल-फारा में ठिकाना बनाए आतंकियों को लक्षित कर कार्रवाई की गई।

गाजा सिटी के अधिकारियों ने बताया कि आठ कैंपों में से एक नुसरत क्षेत्र में इजरायली हमले में दो महिलाएं और दो बच्चे मारे गए। वहीं, गाजा सिटी में दो अन्य हमलों में आठ फलस्तीनियों की मौत हो गई। हमास के लड़ाके इजरायली सेना से मुकाबला कर रहे हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि पूर्वी खान यूनिस और मिस्र की सीमा के पास रफाह में इजरायली टैंक एक सप्ताह से अधिक समय से अभियान चला रहे हैं। इधर, 11 महीने से चल रहे गाजा युद्ध को समाप्त कराने में राजनयिक विफल रहे हैं। दोनों पक्षों के अपने रुख पर अड़े हैं, अब तक परिणाम नहीं निकल पाया।

अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि युद्ध विराम पर करीब 90 प्रतिशत सहमति बन चुकी है। केवल कुछ बिंदुओं पर दोनों पक्षों को एतराज है। दूसरी ओर, गाजा में पोलियो टीकाकरण अभियान जारी है। संयुक्त राष्ट्र एजेंसी यूएनआरडब्लयूए ने कहा कि गुरुवार को डेढ़ लाख से अधिक बच्चों का टीकाकरण किया गया। अब तक साढ़े तीन लाख से अधिक बच्चों का टीकाकरण हो चुका है।

#### प्रदर्शन में अमेरिकी को लगी गोली, मौत

कब्जे वाले वेस्ट बैंक में बस्ती विस्तार के विरोध में शुक्रवार को प्रदर्शन में शामिल एक अमेरिकी महिला को गोली मार दी गई, जिससे उसकी मौत हो गई। फलस्तीन न्यूज एजेंसी डब्ल्यूएएफए के अनुसार, इरायली सैनिकों ने 26 वर्षीय अमेरिकी महिला के सिर में गोली मारी थी। वह विस्तार के विरुद्ध फलस्तीन समर्थक प्रदर्शन में शामिल हुई थी। इजरायली सेना ने कहा कि वह इस खबर की जांच कर रही है। जबकि व्हाइट हाउस ने एक बयान में कहा कि वह वेस्ट बैंक में अमेरिकी नागरिक की हत्या से बहुत परेशान है। इजरायल से जांच की मांग की गई है।

इजरायली कब्जे वाले वेस्ट बैंक में बस्ती विस्तार के विरोध में शुक्रवार को प्रदर्शन के दौरान गोली लगने से एक अमेरिकी महिला की मृत्यु के बाद शोकाकुल लोग। रायटर

## केन्या में प्राथमिक बोर्डिंग स्कूल में लगी आग में 18 बच्चों की मौत

**नैरोबी, एपी :** केन्या के प्राथमिक बोर्डिंग स्कूल में लगी भीषण आग की चपेट में आकर 18 बच्चों की मौत हो गई, जबकि 27 घायल हो गए। मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। आग लगने के कारणों का अब तक पता नहीं चल पाया है। घटना गुरुवार देर रात की है। न्येरी स्थित एंडरासा एकेडमी छात्रावास में 14 वर्ष तक के बच्चों को रखा जाता है। शिक्षा मंत्री ने बताया कि यहां 150 छात्र रह रहे थे। यहां अधिकांश मकान लकड़ी से बने हैं, यही कारण है कि आग तेजी से फैल गई। राष्ट्रपति विलियम रुटो ने घटना की व्यापक जांच के आदेश दिए हैं।

हाल के वर्षों में केन्या में स्कूलों में आग लगने की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। सितंबर 2017 में स्कूल में लगी आग में नौ छात्रों की मौत हो गई थी। यह घटना नैरोबी में हुई थी। वहीं, वर्ष 2021 में छात्रावास में लगी आग की चपेट में आकर 58 छात्रों की मौत हो गई थी, जबकि 2012 में लगी आग में आठ छात्रों की मौत हो गई थी।

केन्या के न्येरी में प्राथमिक बोर्डिंग स्कूल में भीषण आग की घटना के दौरान सुरक्षित बचाया गया एक बच्चा। रायटर

# पीएम मोदी से अमेरिका में मिलने को उत्सुक यूनुस

**जयप्रकाश रंजन ● जागरण**

- यूनुस के भारत विरोधी बयानों से बिगड़ सकती है बात
- यूएन की सालाना बैठक के दौरान दोनों नेता रहेंगे अमेरिका में

**नई दिल्ली :** बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलने को उत्सुक हैं। बांग्लादेश सरकार की तरफ से इस बारे में संदेश भेजा गया है। यूनुस और मोदी इस महीने संयुक्त राष्ट्र की सालाना बैठक में हिस्सा लेने के लिए अमेरिका में होंगे। लेकिन भारत ने बांग्लादेश सरकार के आग्रह पर अभी कोई मन नही बनाया है। खास तौर पर जिस तरह से एक दिन पहले यूनुस ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को लेकर बयान दिया है और भारत के बारे में जो बातें कही हैं, उसको भारतीय विदेश मंत्रालय बहुत सकारात्मक नहीं ले रहा।

कूटनीतिक सूत्रों का कहना है कि यूनुस की अगुआई में चल रही सरकार के साथ ढाका स्थित उच्चायोग लगातार संपर्क में है और भारत की चिंताओं को लगातार बताया है। इसके बावजूद उसने पिछले कुछ दिनों में भारत को चुभने वाले कई कदम उठाए हैं। पूर्व में भारत विरोधी अभियान चलाने वाले जमात के कट्टरपंथी नेताओं को जेल से छोड़ने से लेकर पाकिस्तान से हथियार खरीदने तक के फैसले विगत कुछ हफ्तों में किए गए हैं। हिंदू मंदिरों पर हमले थमे नहीं हैं। बांग्लादेश के सैन्य व पुलिस बलों के सामने एक हिंदू युवक की भीड़ द्वारा हत्या वहां की स्थिति बताती है। दूसरी तरफ, यूनुस ने मीडिया को दिए साक्षात्कार में हसीना को लेकर भारत को ही संदेश देने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि हिंदुओं पर राजनीतिक वजह से हमले हुए हैं, धार्मिक वजह से नहीं। यह भी कहा कि जब तक बांग्लादेश सरकार भारत से हसीना के प्रत्यर्पण की मांग नहीं करती, तब तक उन्हें चुप रहना चाहिए।

मुहम्मद यूनुस। फाइल

यूनुस के इस साक्षात्कार को भारत बहुत सकारात्मक नहीं मान रहा। जबकि हसीना के सत्ता से बेदखल होने के बाद स्थिति को भांपते हुए भारत ने साफ कर दिया है कि उसके लिए बांग्लादेश की जनता का हित सर्वोपरि है। जमात नेताओं को छोड़ने के यूनुस प्रशासन के फैसले को भी भारत ने वहां का आंतरिक मामला बताया। पाकिस्तान से हथियार खरीदने, बांग्लादेश व पाकिस्तान के प्रधानमंत्रियों के बीच वार्ता में सार्क को पुनर्जीवित करने के सवाल पर भी विदेश मंत्रालय ने कोई प्रतिक्रिया नहीं जताई।

# यूक्रेन को नहीं मिलेंगे लंबी दूरी तक मार करने वाले हथियार

जर्मनी के रैम्सटीन एयरबेस में शुक्रवार को बैठक के दौरान अमेरिकी रक्षा मंत्री लायड आस्टिन (बाएं) तथा यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की। एएफपी

- अमेरिका ने खारिज की राष्ट्रपति जेलेंस्की की मांग
- कहा, मिसाइलों-विमानों से युद्ध का रुख नहीं बदलेगा

**बर्लिन, रायटर :** अमेरिका ने यूक्रेन की लंबी दूरी तक मार करने वाले हथियारों की मांग खारिज कर दी है। अमेरिका के रक्षा मंत्री लायड आस्टिन ने कहा कि लंबी दूरी तक मार करने वाले हथियार (मिसाइल और लड़ाकू विमान) यूक्रेन युद्ध का रुख बदलने में सफल नहीं होंगे, इसलिए उन्हें यूक्रेन को देने से कोई लाभ नहीं होने वाला है।

अमेरिका के रक्षा मंत्री लायड आस्टिन ने यह बात रूस पर हमले के लिए लंबी दूरी के हथियारों की यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की की मांग के जवाब में कही है।

इस बीच अमेरिका ने यूक्रेन को 25 करोड़ डालर के नए हथियार देने की घोषणा की है। इससे पहले यूक्रेन के राष्ट्रपति ने सहयोगी देशों से रूस की रेड लाइन की चेतावनी की अनदेखी करने की अपील करते हुए यूक्रेनी सेना को हमले के लिए लंबी दूरी तक मार वाले हथियार देने की मांग की थी। इन हथियारों से यूक्रेनी सेना रूस के अंदरूनी इलाकों में हमले करेगी। कहा, इससे रूस पर युद्ध को खत्म करने के लिए दबाव बनेगा।

जर्मनी के रैम्सटीन एयरबेस में अमेरिका की मेजबानी में यूक्रेन के सहयोगी देशों की बैठक में जेलेंस्की ने लंबी दूरी तक मार करने वाले हथियारों की मांग दोहराई। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने यह मांग तब दोहराई जब उनकी सेना ने रूस के कुर्स्क क्षेत्र की करीब 1,300 वर्ग किलोमीटर भूमि पर कब्जा कर लिया है। लेकिन रूस भी पूर्वी यूक्रेन में लगातार आगे बढ़ रहा है। इस समय रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण पोक्रोव्स्क के नजदीक भीषण लड़ाई चल रही है।

रूस के साथ ढाई वर्ष से जारी युद्ध में अमेरिका सहित पश्चिमी देशों ने यूक्रेन को हथियार और आर्थिक सहयोग देकर मुकाबले में बनाए रखा है। लेकिन यूक्रेन को लंबी दूरी तक मार करने वाले हथियार नहीं दिए और जो हथियार दिए उन्हें रूसी भूमि पर हमले के लिए इस्तेमाल न करने की शर्त भी रखी। अमेरिका को लगता है कि यूक्रेन का रूस पर हमला तीसरे विश्वयुद्ध का कारण बन सकता है जिसमें अमेरिका और यूरोप को भारी नुकसान हो सकता है। लेकिन रैम्सटीन में अमेरिकी रक्षा मंत्री लायड आस्टिन ने कहा, कुर्स्क पर कब्जे के बाद रूसी सेना को अब अपनी जमीन बचाने की भी चिंता करनी पड़ रही है।

बैठक में जर्मनी ने यूक्रेन को 12 तोपें देने और कनाडा ने 80,840 राकेट देने की घोषणा की। बैठक में अमेरिकी रक्षा मंत्री ने रूस के साढ़े तीन लाख सैनिकों के मारे जाने या घायल होने का आंकड़ा रखा और बताया कि यूक्रेन युद्ध के दौरान रूस के 32 युद्धपोत बर्बाद हो गए या क्षतिग्रस्त हुए हैं।

## पोप फ्रांसिस पर हमले की साजिश में इंडोनेशिया ने सात को हिरासत में लिया

**सिंगापुर, प्रेट्र :** इंडोनेशियाई पुलिस ने पोप फ्रांसिस पर हमला करने की एक असफल साजिश में सात लोगों को हिरासत में लिया है। सातों को जकार्ता के पास बोगोर और बेकासी से हिरासत में लिया गया है। फ्रांसिस अपनी चार देशों की यात्रा के पहले चरण में इंडोनिशिया पहुंचे थे।

पुलिस की ओर से कहा गया है कि जांच अभी जारी है। इस बात की पुष्टि नहीं हो पाई है कि क्या सातों एक-दूसरे को जानते हैं या एक ही आतंकी समूह के सदस्य हैं। पुलिस के अनुसार, उन्हें उनके संबंध में गुप्त सूचना मिली थी। मंगलवार से शुक्रवार तक जकार्ता का दौरा करने वाले पोप फ्रांसिस पर हमले की योजना बना रहे आरोपितों में से एक के घर की तलाशी ली गई। वहां धनुष-बाण, एक ड्रोन और आइएस के पर्चे मिले हैं। इस बीच, पोप फ्रांसिस दक्षिण पूर्व एशिया और ओशिनिया के माध्यम से अपनी चार देशों की यात्रा के दूसरे चरण के दौरान शुक्रवार को पापुआ न्यू गिनी पहुंचे।

# अमेरिकी चुनाव में दखल देने की कोशिश कर रहे रूस, चीन, ईरान

- अमेरिकी खुफिया अधिकारी ने कहा–चुनाव प्रभावित करने में रूस सबसे सक्रिय विदेशी विरोधी
- न्याय विभाग ने रूसी टेलीविजन के अमेरिकी कमेंटेटर और उनकी पत्नी को किया है आरोपित

**वाशिंगटन, रायटर:** अमेरिका में पांच नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में अब दो महीने से भी कम समय बचा है। ऐसे में डेमोक्रेट और रिपब्लिकन दोनों दलों ने पूरी ताकत झोंक दी है। इस बीच, यह दावा किया गया है कि रूस, चीन और ईरान चुनाव में दखल देने की कोशिश कर रहे हैं।

एक वरिष्ठ अमेरिकी खुफिया अधिकारी ने शुक्रवार को कहा कि रूस सबसे सक्रिय विदेशी विरोधी है, जो राष्ट्रपति चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश कर रहा है। चीन भी चुनाव को प्रभावित करने का प्रयास कर रहा है। जबकि ईरान पहले की तुलना में ज्यादा सक्रिय है। ये सभी राष्ट्रपति और संसदीय चुनावों में मतदाताओं को प्रभावित करने का प्रयास कर रहे हैं। इधर, न्यूयार्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी न्याय विभाग ने गुरुवार को रूसी टेलीविजन के अमेरिकी कमेंटेटर दिमित्री सिम्स और उनकी पत्नी अनास्तासिया सिम्स को राष्ट्रपति चुनाव को प्रभावित करने में आरोपित किया है। दिमित्री डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान उनके सलाहकार रहे। दिमित्री अमेरिका के वर्जीनिया में अपनी पत्नी के साथ रहते हैं। लेकिन इस समय वह रूस में रह रहे हैं। वहीं, रूस के राष्ट्रपति भवन क्रेमलिन ने कहा है कि अमेरिका का रूसी मीडिया पर इस तरह दबाव अस्वीकार्य है। इससे पहले इस सप्ताह रूस के दो सरकारी मीडिया कर्मचारियों पर टेनिसी कंपनी के जरिये रूस समर्थक सामग्री परोस कर अमेरिकी चुनाव को प्रभावित करने का आरोप लगा है। अभियोजकों के अनुसार, रूसी आउटलेट रसिया टुडे (आरटी) के दो कर्मचारियों ने एक अमेरिकी मीडिया कंपनी को एक करोड़ डालर का फंड दिया। रूस का झुकाव रिपब्लिकन प्रत्याशी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर माना जाता है। ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि वह दोबारा राष्ट्रपति चुने जाने पर एक दक्षता आयोग का गठन करेंगे, और इसका अध्यक्ष वह मीडिया प्लेटफार्म एक्स के मालिक एलन मस्क

रूसी टेलीविजन के अमेरिकी कमेंटेटर दिमित्री सिम्स। फाइल/एपी

**ट्रंप से ज्यादा कमला ने जुटाया चंदा :** राष्ट्रपति पद की डेमोक्रेट प्रत्याशी कमला हैरिस चंदा जुटाने के मामले में अपने प्रतिद्वंद्वी रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप से आगे निकल गई हैं। उनकी चुनावी अभियान टीम की ओर से शुक्रवार को बताया गया कि उन्होंने अगस्त में करीब तीस लाख दानदाताओं से 36.1 करोड़ डालर चंदा जुटाया। जबकि इससे पहले ट्रंप की टीम ने इसी अवधि में 13 करोड़ जुटाने की घोषणा की थी।

अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में कमला हैरिस के लिए समर्थन बढ़ता जा रहा है। कंपनियों के मौजूदा और पूर्व 90 कार्यकारी ने कमला हैरिस का समर्थन किया है। उनका समर्थन करने वालों में पेप्सिको, फोर्ड मोटर और याहू जैसी कंपनियों के पूर्व सीईओ भी शामिल हैं।

#### जीत किसी की हो भारत–अमेरिका के संबंधों में होगी वृद्धि

वाशिंगटन, प्रेट्र : यूएस इंडिया स्ट्रैटजिक एंड पार्टनरशिप फोरमप्रमुख मुकेश अघी ने कहा कि राष्ट्रपति चुनाव में कमला हैरिस और डोनाल्ड ट्रंप के बीच मुकाबला बेहद करीबी होने वाला है। जीत किसी की हो, लेकिन अमेरिका और भारत का संबंध लगातार बढ़ता रहेगा। मुझे लगता है कि भारत अमेरिकी भू-राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण बना हुआ है। वह चीन की आक्रामकता को रोकने की कोशिश कर रहा है। यह भारत के हित में है कि उसके पास ऐसे पड़ोसी से निपटने के लिए एक भागीदार है।

# बाइडन के बेटे ने संघीय कर मामले में अपना दोष स्वीकार किया

- 17 साल तक की जेल का सामना करना पड़ सकता है

**वाशिंगटन, रायटर :** अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के बेटे हंटर बाइडन ने गुरुवार को चौंकाने वाले फैसले में संघीय कर मामले में अपना दोष स्वीकार कर लिया है। करों के रूप में 1.4 मिलियन डालर का भुगतान करने में विफल रहने के आपराधिक आरोपों पर हंटर को लास एंजिलिस की संघीय अदालत में मुकदमा चलाने की तैयारी थी। इसके बजाय, उन्होंने अपने ऊपर लगे सभी नौ मामलों में दोष स्वीकार कर लिया। हंटर ने कहा कि उन्होंने परिवार पर इस ट्रायल का प्रभाव पड़ने से बचाने के लिए दोष स्वीकार लिया है।

न्यायाधीश मार्क स्कार्सी ने हंटर बाइडन से कहा कि उन्हें 17 साल तक की जेल और 450,000 डालर तक के जुर्माने का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने सजा के लिए 16 दिसंबर की तारीख तय की है। आपराधिक मामलों में दोष स्वीकार करने वाले प्रतिवादी आमतौर पर मुकदमे से बचने के बदले में कम सजा पाने की उम्मीद में अभियोजकों के साथ पहले से ही समझौता कर लेते हैं। यहां वैसा मामला नजर नहीं आया। इससे पहले दिन में हंटर द्वारा अल्फोर्ड याचिका की पेशकश की, जिसमें आरोपों को स्वीकार करने की पेशकश की गई थी लेकिन कोई गलत कार्य स्वीकार करने से बचने की बात कही गई थी। इस पर अभियोजकों द्वारा आपत्ति जताए जाने के बाद बाइडन की टीम उस योजना से पीछे हट गई और न्यायाधीश ने कहा कि वह मामले का अध्ययन करना चाहेंगे और शुक्रवार सुबह फिर से बैठक करना चाहेंगे।

हंटर बाइडन। फाइल

**सजा के लिए 16 दिसंबर की तारीख तय की गई है**

## अमेरिका में इस महीने ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद बढ़ी

**न्यूयार्क, रायटर:** अमेरिका में इस महीने ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद बढ़ गई है। इसका प्रमुख कारण यह है कि अगस्त के दौरान अमेरिका में रोजगार में अनुमान के मुताबिक बढ़ोतरी नहीं हो पाई है।

अमेरिका के श्रम विभाग के अनुसार, अगस्त में गैर-कृषि नौकरियों में 1.42 लाख की वृद्धि रही है। इससे पहले जुलाई में इनमें 89 हजार की वृद्धि हुई थी। अर्थशास्त्रियों ने अनुमान जताया था कि अगस्त में गैर-कृषि नौकरियों में 1.60 लाख की वृद्धि रह सकती है।

न्यूयार्क फेड के प्रेसिडेंट जान विलियम्स ने शुक्रवार को एक कार्यक्रम में कहा कि अब ब्याज दरों में कमी करने का समय आ गया है। हालांकि, उन्होंने कहा कि दरों में कटौती कितनी और कितनी गति से होनी चाहिए, यह अभी भी अनिश्चित है। एक अन्य फेड गवर्नर क्रिस्टोफर वालर का कहना है कि हमें बाजार की आवश्यकता के अनुसार दरों में कटौती करनी चाहिए।

# टोरंटो अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में फलस्तीन समर्थकों का प्रदर्शन

- उद्घाटन भाषण के दौरान नरसंहार बंद करो के नारे लगाए गए
- कई उपस्थित लोगों ने घटना से संबंधित वीडियो आनलाइन पोस्ट किए

**टोरंटो, एपी :** टोरंटो अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में फलस्तीन समर्थकों ने विरोध प्रदर्शन किया। उद्घाटन भाषण के दौरान उन्होंने नरसंहार बंद करो के नारे लगाए। गुरुवार शाम को डेविड गार्डन ग्रीन की कामेडी नटक्रैकर्स की स्क्रीनिंग के दौरान चार प्रदर्शनकारी फेस्टिवल प्रायोजक रायल बैंक आफ कनाडा (आरबीसी) की आलोचना करते हुए साइनबोर्ड और फ्लैशलाइट लेकर प्रिंसेस आफ वेल्स थिएटर के केंद्रीय गलियारे के पास चले गए। वह नारे लगा रहे थे कि आरबीसी के साथ संबंध तोड़ें।

विरोध प्रदर्शन जब शुरू हुआ, तो महोत्सव के निदेशक कैमरून बेली मंच पर भाषण दे रहे थे। उन्होंने प्रदर्शनकारियों से आग्रह करते हुए व्यवस्था बनाए रखने की अपील की।

उन्होंने कहा कि हम यहां महोत्सव शुरू करने के लिए आए हैं। सुरक्षाकर्मियों द्वारा प्रदर्शनकारियों को बाहर निकाले जाने से पहले विरोध कुछ मिनटों तक चला। कई उपस्थित लोगों ने घटना से संबंधित वीडियो आनलाइन पोस्ट किए। एक बयान में आरबीसी ने कहा कि हम अपनी आवाज उठाने के व्यक्तियों के अधिकार का सम्मान करते हैं, लेकिन इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम के दौरान इस तरह का प्रदर्शन देखना दुर्भाग्यपूर्ण है।

टोरंटो फिल्म फेस्टिवल। एपी

## राष्ट्रीय फलक

## बीएसएफ ने बीजीबी से घुसपैठ रोकने को कहा

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** बीएसएफ ने बार्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) से बांग्लादेशी नागरिकों को भारत में अवैध रूप से प्रवेश करने से रोकने के लिए कहा है। बांग्लादेश में अगस्त में शेख हसीना सरकार के गिरने के बाद भारत में बांग्लादेशी नागरिकों का अवैध प्रवेश तेज हो गया है। छिपकर भारत आने वाले लोगों में ज्यादातर हसीना की पार्टी अवामी लीग के नेता-कार्यकर्ता और हिंदू अल्पसंख्यक हैं। बीएसएफ ने कहा है कि वह बांग्लादेश से लगने वाली भारत की 4,096 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा और सीमा क्षेत्र में रहने वाले भारतीयों की सुरक्षा के लिए संकल्पित है। 12 अगस्त से अभी तक बीएसएफ ने बीजीबी के साथ 722 बैठकें की हैं। दोनों देशों के बल 1,367 स्थानों पर संयुक्त रूप से गश्त कर रहे हैं। बीजीबी ने का आश्वासन कि अवैध रूप से सीमा पार करने वालों को रोका जाएगा।

# सजा पूरी कर चुके पांच मछुआरों समेत 14 कैदी पाकिस्तान भेजे गए

अटारी सीमा पर पहुंचे पाकिस्तानी कैदी, जिन्हें पाकिस्तानी रेंजरों को सौंप दिया गया। डीपीआरओ

**जासं, अमृतसर**

भारत सरकार ने पांच मछुआरों समेत 14 पाकिस्तानी कैदियों को रिहा कर दिया है। इन कैदियों को शुक्रवार को अटारी सीमा के रास्ते पाकिस्तान भेज दिया गया।

जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार को छोड़े गए पाकिस्तानी कैदियों ने कुछ वर्ष पहले विभिन्न केंद्रीय जेलों में अपनी सजाएं पूरी कर ली थीं। मछुआरों ने बताया कि वे मछली पकड़ने के दौरान भारतीय सीमा में प्रवेश कर गए थे। बिना पासपोर्ट व वीजा के भारतीय सीमा में प्रवेश करने वाले नौ सिविल कैदियों ने चार से 15 वर्ष तक की सजा काटी, जबकि मछुआरों ने दो से चार वर्ष की सजा काटी है। उनके खिलाफ जासूसी और बिना पासपोर्ट-वीजा के भारत की सीमा में अवैध प्रवेश के मामले दर्ज किए गए थे।

## जापान के पूर्व पीएम शिंजो एबी की पत्नी से मिले मोदी

**नई दिल्ली, एएनआइ :** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जापान के दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो एबी की पत्नी अकी एबी से शुक्रवार को मुलाकात की। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शिंजो एबी के साथ अपनी घनिष्ठ मित्रता को याद किया। पीएम मोदी ने भारत के साथ अकी एबी के सहयोग की भी सराहना की।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मोदी ने एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, श्रीमती एबी से मिलकर खुशी हुई। जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो एबी के साथ मेरी घनिष्ठ व्यक्तिगत मित्रता याद आ गई। इससे पहले विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी अकी एबी के साथ मुलाकात की।

बता दें, आठ जुलाई 2022 को चुनावी अभियान के दौरान शिंजो एबी की हत्या कर दी गई थी। जापान के सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहे शिंजो एबी ने 2006 से 2007 और फिर 2012 से 2020 तक पीएम पद संभाला था।

# कश्मीरी युवाओं को आतंक की राह में धकेल रहा था पाकिस्तानी आतंकी इलियास

**राज्य ब्यूरो, जागरण, श्रीनगर**

- सीआइ विंग ने चार आतंकियों खिलाफ एनआइ की विशेष अदालत में पेश किया आरोप पत्र

कश्मीर में स्थानीय युवाओं की आतंकी संगठनों में भर्ती करने और आतंकी हमलों के षड्यंत्र रचने के मामले में पाकिस्तानी आतंकी इलियास कश्मीरी उर्फ गाजी हमास समेत चार आतंकियों के खिलाफ पुलिस की सीआइ विंग ने एनआइए अधिनियम के तहत विशेष अदालत में आरोपपत्र दायर किया है। इलियास कश्मीरी फरार है और उस पर तीन लाख का इनाम घोषित किया गया है।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि जम्मू-कश्मीर पुलिस के काउंटर इंटेलीजेंस (सीआइ) विंग की कश्मीर इकाई ने बीते वर्ष कश्मीर में युवाओं में जिहादी मानसिकता पैदा करने, स्थानीय युवाओं को आतंकी संगठनों में भर्ती करने और आतंकी हमलों के एक षड्यंत्र का पता लगाकर मामला दर्ज कर छानबीन शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने पता लगाया कि पाकिस्तानी हैंडलर और आतंकी कमांडर इलियास कश्मीरी उर्फ गाजी हमास ने कश्मीर में एक माड्यूल तैयार किया है। उसके इस माड्यूल में बीरवाह बड़गाम जिले का वसीम अहमद शेख, टेकीपोरा लोलाब कुपवाड़ा का जुनैद अहमद मीर और दरबाग हारवन श्रीनगर का शब्बीर अहमद गोजरी शामिल हैं। इलियास कश्मीरी इंटरनेट मीडिया के विभिन्न माध्यमों का प्रयोग कर कश्मीरी युवाओं को आतंकी संगठनों में शामिल होने के लिए तैयार कर रहा है।

प्रवक्ता ने बताया कि इलियास कश्मीरी उर्फ गाजी हमास अपने मंसूबों को पूरा करने के लिए वसीम अहमद शेख, जुनैद अहमद मीर और शब्बीर अहमद गोजरी के साथ इंटरनेट मीडिया के जरिये लगातार संपर्क में था। वह इनके जरिये कश्मीर में न सिर्फ नए आतंकियों की भर्ती कर रहा था बल्कि आतंकी गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए कश्मीर में पहले से सक्रिय आतंकियों के लिए साजो सामान भी पहुंचाने का काम कर रहा था। वसीम अहमद शेख, जुनैद अहमद मीर और शब्बीर अहमद गोजरी प्रतिबंधित आतंकी संगठनों जैसे लश्कर, एयूजीएच, जेईएम के मददगार के रूप में भी काम कर रहे थे। सभी आवश्यक साक्ष्य और तथ्य जुटाने के बाद पुलिस ने इलियास कश्मीरी के तीन स्थानीय साथियों को पकड़ लिया और इस समय यह तीनों जेल में हैं।

********

दैनिक जागरण

# पेरिस पैरालिंपिक

PARIS 2024 PARALYMPIC GAMES

## स्वर्ण पदक जीतने का संकल्प पूरा हुआ : प्रवीण

अर्पित त्रिपाठी ● जागरण

**ग्रेटर नोएडा :** पेरिस पैरालिंपिक में ऊंची कूद टी64 में एशियाई रिकार्ड तोड़कर स्वर्ण पदक जीतने वाले प्रवीण कुमार ने डेढ़ महीने पहले संकल्प लिया था कि वह स्वर्ण पदक जीतकर ही लौटेंगे जो पूरा हो गया।

प्रवीण का पैरा एथलीट बनने का सफर चुनौतियों से भरा था। छोटे पैर के साथ जन्मे प्रवीण शुरू में साथियों की तुलना में हीनता की भावना से जूझते रहे। ग्रेटर नोएडा के गोविंद गढ़ गांव के रहने वाले प्रवीण ने दैनिक जागरण को फोन पर बताया कि पिता अमरपाल सिंह और माता निर्दोष की खुशी अकल्पनीय है। टोक्यो पैरालिंपिक से पहले करीब डेढ़ महीने तक प्रवीण कोविड-19 से संक्रमित होने के कारण बिस्तर पर थे। ठीक होने के बाद उन्होंने जी-तोड़ मेहनत की और रजत जीता। पेरिस पैरालिंपिक से तीन महीने पहले विश्व चैंपियनशिप के दौरान वह 'ग्रोइन' की चोट से जूझ रहे थे। वह तीसरे स्थान पर रहे लेकिन पेरिस का टिकट कटाने में सफल रहे।

प्रवीण ने कहा कि कोच डा. सत्यपाल सिंह ने चोट की समस्या का पता लगाने के लिए तुरंत एमआरआइ कराने को कहा था। उनके प्रयासों की बदौलत मैं 15 दिनों के अंदर तैयारी करने लगा। कोच ने कभी भी हार न मानने की सीख दी, जिसका नतीजा सामने है।

### क्या फर्क पड़ता है यदि कूद लेगा तो...

ग्रेटर नोएडा : प्रवीण के पिता अमरपाल ने बताया प्रवीण का बायां पैर दायें से करीब तीन इंच छोटा है। कूल्हे से पैर की हड्डी पूरी तरह से जुड़ी नहीं है। जिस स्कूल में वह पढ़ते थे वहां 11वीं में खेलकूद प्रतियोगिता में उसने भी ऊंची कूद में शामिल होने के लिए शिक्षक से कहा तो उन्होंने मना कर दिया। यह बात प्रवीण ने अपने पिता को बताई। इस पर पिता ने शिक्षक से कहा कि सभी बच्चे हिस्सा ले रहे हैं, क्या फर्क पड़ता है, प्रवीण भी कूद लेगा। प्रतियोगिता में प्रवीण पहले स्थान पर रहे। इसके बाद स्कूल ने उनकी पूरी मदद की और उसके बाद उसने राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता जीती।

स्पर्धा के दौरान प्रवीण कुमार ● रायटर

### तालिका

| देश | सोना | चांदी | कांस्य | कुल |
|---|---|---|---|---|
| 1 चीन | 74 | 57 | 39 | 170 |
| 2 ब्रिटेन | 39 | 31 | 20 | 90 |
| 3 अमेरिका | 27 | 34 | 18 | 79 |
| 4 नीदरलैंड्स | 22 | 12 | 8 | 42 |
| 5 फ्रांस | 17 | 24 | 23 | 64 |
| 6 इटली | 17 | 11 | 29 | 57 |
| 7 यूक्रेन | 16 | 21 | 27 | 64 |
| 8 ब्राजील | 15 | 18 | 30 | 63 |
| 9 आस्ट्रेलिया | 14 | 12 | 19 | 45 |
| 10 जापान | 10 | 8 | 13 | 31 |
| 14 भारत | 6 | 9 | 11 | 26 |

## सिमरन 200 मीटर टी12 के फाइनल में

**पेरिस, प्रेट्र :** भारतीय ट्रैक एवं फील्ड एथलीट सिमरन शर्मा ने शुक्रवार को महिलाओं की 200 मीटर टी12 स्पर्धा के फाइनल में जगह बनाई। मौजूदा विश्व चैंपियन सिमरन ने सेमीफाइनल में 25.03 सेकेंड का समय लेते हुए पहला स्थान प्राप्त किया। सिमरन 100 मीटर टी12 स्पर्धा के फाइनल में भी पहुंची थीं, लेकिन वहां वह चौथे स्थान पर रही थीं। इससे पहले सिमरन ने अपनी हीट में भी शीर्ष पर रहते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश किया था। सिमरन ने 25.41 सेकेंड के समय के साथ अपनी हीट में पहला स्थान हासिल किया।

वहीं महिलाओं की भालाफेंक एफ-46 स्पर्धा में भारत की भावनाबेन चौधरी पांचवें स्थान पर रहीं। भावना ने 39.70 मीटर दूरी तक भाला फेंका, जो उन्हें पोडियम पर जगह दिलाने के लिए नाकाफी था। भारत के दीपेश कुमार पुरुषों की भाला फेंक एफ54 स्पर्धा के फाइनल में अंतिम स्थान पर रहे। दीपेश 26.11 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ निचले स्थान पर रहे।

### भारतीय कैनोइंग एथलीट सेमीफाइनल में

भारत की प्राची यादव और यश कुमार ने शुक्रवार को कैनोइंग (डोंगीचालन) प्रतियोगिता में क्रमश: महिलाओं की वीएल2 200 मीटर और पुरुषों की केएल1 200 मीटर में अपनी-अपनी हीट में चौथे और छठे स्थान पर रहकर सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया। प्राची और पूजा ओझा ने महिलाओं की एकल 200 मीटर वीएल2 हीट एक और केएल1 200 मीटर हीट दो में क्रमश: 1:06.83 और 1:16.09 का समय निकाला।

## विनेश-बजरंग के कारण ओलिंपिक में छह पदक गंवाए : संजय सिंह

**नई दिल्ली, आइएएनएस :** भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआइ) के अध्यक्ष संजय सिंह ने पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया के कांग्रेस में शामिल होने पर हैरानी नहीं जताई। संजय सिंह ने शुक्रवार को कहा कि विनेश और बजरंग ने अपनी राजनीतिक महत्वकांक्षाओं के कारण कुश्ती का बेड़ागर्क कर दिया। ओलिंपिक वर्ष में कांग्रेस और इन दोनों पहलवानों ने देशद्रोह किया और इनके कारण ही हमने ओलिंपिक में छह पदक गंवाए। देश को कांग्रेस समर्थित उनके प्रदर्शन के कारण भारी कीमत चुकानी पड़ी। विनेश और बजरंग देश के शीर्ष पहलवान थे, लेकिन अब उन्हें कांग्रेस के प्यादे के रूप में देखा जाएगा।

डब्ल्यूएफआइ अध्यक्ष ने कहा कि भले ही विनेश और बजरंग ने शुक्रवार को अपनी राजनीतिक पारी की शुरू की, लेकिन उन्होंने इसकी तैयार लंबे समय से की थी। महिला पहलवानों के लिए उनका आंदोलन प्रेरित था और उसके पीछे कांग्रेस थी। दीपेंद्र हुड्डा ने पूरे विरोध प्रदर्शन की योजना बनाई। विनेश और इनके साथी पहलवानों के विरोध प्रदर्शन के कारण कई अच्छे पहलवानों को बलिदान देना पड़ा और हम ओलिंपिक में इनकी वजह से छह पदक हारे। इसका असर सीधे रूप से ओलिंपिक तैयारियों पर हुआ और हम पेरिस ओलिंपिक में केवल एक ही पदक कुश्ती में जीत पाए।

**भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष ने कहा, दोनों पहलवानों ने राजनीतिक महत्वकांक्षा के कारण कुश्ती को नष्ट किया**

## ट्राफी के लिए सबालेंका से भिड़ेंगी पेगुला

### मोचुवा को हराकर पहली बार ग्रैंडस्लैम के फाइनल में पहुंची जेसिका, सबालेंका ने नवारो को हराया

**न्यूयार्क, एपी :** अमेरिका की जेसिका पेगुला ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए कारोलिना मोचुवा को हराकर वर्ष के अंतिम ग्रैंडस्लैम यूएस ओपन के फाइनल में जगह बनाई, जहां उनका सामना दूसरी वरीय एरिना सबालेंका से होगा। पिछले वर्ष की उपविजेता रहीं सबालेंका ने अन्य सेमीफाइनल में स्थानीय खिलाड़ी एमा नवारो को पराजित किया। सबालेंका और पेगुला पिछले महीने सिनसिनाटी ओपन के फाइनल में भिड़ी थीं, जिसमें सबालेंका ने बाजी मारी थी।

न्यूयार्क के फ्लेशिंग मेडोज पर घरेलू दर्शकों के सामने खेल रहीं 30 वर्षीय छठी वरीयता प्राप्त पेगुला ने मुचोवा को 1-6, 6-4, 6-2 से हराकर पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। पेगुला की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उन्हें संघर्ष करना पड़ा।

मुचोवा ने पहला सेट आसानी से 28 मिनट में जीता। उन्होंने पहले नौ गेम में से आठ में जीत हासिल की और दूसरे सेट में वह 3-0 से आगे थी लेकिन इसके बाद उनकी लय गड़बड़ा गई। पेगुला तब तक लय हासिल कर चुकी थी और उन्होंने इसके बाद अपनी प्रतिद्वंद्वी को कोई अवसर नहीं दिया। पेगुला पिछले वर्ष महिला सिंगल्स का खिताब जीतने वाली कोको गफ की राह पर हैं, जिन्होंने 2023 में पहले सेमीफाइनल में मुचोवा को हराया था और फिर फाइनल में सबालेंका को मात दी थी। 2023 फ्रेंच ओपन की उपविजेता मुचोवा कलाई की चोट से उबरकर करीब 10 महीने बाद कोर्ट पर लौटी थीं। मुचोवा ने अपने दूसरे सर्विस गेम में तीन ब्रेक प्वाइंट बचाए और फिर स्लाइस, सर्व और वाली को मिलाकर अपने प्रभावशाली आल कोर्ट गेम का प्रदर्शन किया। मुचोवा ने अपना दबदबा बनाते हुए अंतिम 20 में से 16 अंक जीते और पहला सेट केवल 28 मिनट में अपने नाम किया।

### इरानी-वावसोरी बने चैंपियन

**न्यूयार्क :** सारा इरानी और एंड्रिया वावसोरी ने गुरुवार को टेलर टाउनसेंड और डोनाल्ड यंग को 7-6(0), 7-5 से हराकर यूएस ओपन में मिक्स्ड डबल्स का खिताब जीता। इटली की अपनी साथी रोबर्टा विंची के साथ महिला डबल्स में करियर ग्रैंडस्लैम जीतने वाली इरानी का यह करियर का पहला मिक्स्ड डबल्स खिताब है।

### लगातार दूसरी बार फाइनल में सबालेंका

सबालेंका ने पहले सेमीफाइनल में अमेरिका का एमा नवारो को 6-3, 7-6(2) से हराकर लगातार दूसरी बार यूएस ओपनके फाइनल में जगह बनाई। इस जीत के साथ 26 वर्षीय सबालेंका 2018 और 2019 में सेरेना विलियम्स के बाद लगातार यूएस ओपन फाइनल में पहुंचने वाली पहली खिलाड़ी बन गई हैं। सबालेंका पिछले दो सीजन के दौरान सभी चार हार्डकोर्ट ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंची हैं। 2016 में एंजेलिक कर्बर के आस्ट्रेलियन ओपन व यूएस ओपन जीतने के बाद सबालेंका एक ही वर्ष में दोनों हार्डकोर्ट ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाली पहली महिला बनने से एक जीत दूर हैं। सबालेंका ने इस साल की शुरुआत में अपना लगातार दूसरा आस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीता था।

एरिना सबालेंका ● एपी

जेसिका पेगुला ● एएफपी

## मुशीर ने तोड़ डाला सचिन का रिकार्ड

दलीप ट्राफी

**पदार्पण मैच में तीसरा सर्वोच्च स्कोर बनाया, खेली 181 रन की पारी, भारत 'बी' ने भारत 'ए' के विरुद्ध पहली पारी में बनाए 321 रन**

**नई दिल्ली, जेएनएन :** अंडर-19 विश्व कप और रणजी ट्राफी के बाद अब मुशीर खान ने दलीप ट्राफी में भी अपने बल्लेबाजी का दम दिखाते हुए 181 रन की पारी खेली और सचिन तेंदुलकर के 33 वर्ष पुराने रिकार्ड को ध्वस्त किया। मुशीर दलीप ट्राफी पदार्पण पर तीसरा सर्वोच्च स्कोर बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उनकी इस पारी से भारत 'बी' ने भारत 'ए' के विरुद्ध पहली पारी में 321 रन का स्कोर खड़ा किया। जवाब में भारत 'ए' ने दो विकेट खोकर 135 रन बना लिए हैं। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक केएल राहुल 23 और रियान पराग 27 रन बनाकर खेल रहे थे।

19 साल के मुशीर दलीप ट्राफी इतिहास में पदार्पण करते हुए सबसे बड़ा स्कोर बनाने वाले सबसे कम उम्र के चौथे बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले यह रिकार्ड सचिन के नाम था। सचिन ने 1991 में पश्चिम क्षेत्र से खेलते हुए पूर्व के विरुद्ध 159 रन की पारी खेली थी। दलीप ट्राफी में सबसे सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकार्ड बाबा अपराजित के नाम हैं। उन्होंने पदार्पण पर 212 रन बनाए थे। इस मामले में दूसरे नंबर पर विनोद कांबली (203) और तीसरे नंबर पर यश ढुल (193) हैं।

**सैनी के साथ रिकार्ड साझेदारी:** मुशीर ने अपनी पारी में 76 रन और जोड़े। सैनी (56 रन) ने भी उनका पूरा साथ दिया और अपना प्रथम श्रेणी में अपना दूसरा अर्धशतक पूरा किया जिससे भारत बी ने बिना कोई विकेट खोए 30 ओवर में 88 रन जोड़ लिए। लंच के बाद दूसरे ओवर में मुशीर की क्रीज पर 484 मिनट की पारी समाप्त हुई जब कुलदीप यादव की गेंद पर पराग ने कैच लपका। इससे उनकी 205 रन की शानदार साझेदारी का भी अंत हुआ जो दलीप ट्रॉफी के इतिहास में आठवें विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी थी। उनकी यह साझेदारी 2010 में अभिषेक नायर और रमेश पोवार के बीच आठवें विकेट के लिए जोड़े गए 197 रन से बेहतर रही।

### पडिक्कल और श्रेयस के अर्धशतक से भारत डी मजबूत

कप्तान श्रेयस अय्यर (54) और देवदत्त पडिक्कल (56) के तेज अर्धशतकों से भारत 'डी' ने शुक्रवार को दूसरे दिन भारत 'सी' के विरुद्ध बढ़त 202 रन की कर ली। स्टंप तक भारत डी ने अपनी दूसरी पारी में आठ विकेट पर 206 रन बना लिए। अक्षर पटेल (11 रन) और हर्षित राणा क्रीज पर थे जिन्होंने अभी खाता नहीं खोला था। बायें हाथ के युवा स्पिनर मानव सुथार भारत सी के लिए दिन के स्टार रहे जिन्होंने 15 ओवर 30 रन देकर पांच विकेट झटके जिसमें पडिक्कल और रिकी भुई (44 रन) के विकेट शामिल थे, जिससे भारत सी की पहली पारी 168 रन पर सिमट गई।

मुशीर खान ● प्रेट्र

## नीरज चोपड़ा ने किया क्वालीफाई

खेल डायरी

**नई दिल्ली, प्रेट्र:** भारत के दो बार के ओलिंपिक पदक विजेता भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने डायमंड लीग की 14 सीरीज के बाद तालिका में चौथे स्थान पर रहकर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। डायमंड लीग का फाइनल 13 और 14 सितंबर को ब्रूसेल्स में होगा। इस प्रतियोगिता के साथ ही एथलेटिक्स में इस सत्र का समापन हो जाएगा। चोपड़ा डायमंड लीग के दोहा और लुसाने चरण में दूसरे स्थान पर रहे थे। उन्होंने कुल 14 अंक अर्जित किए। उन्होंने गुरुवार को ज्यूरिख में आखिरी सीरीज में भाग नहीं लिया था।

नीरज चोपड़ा ने 2022 और 2023 में डायमंड लीग के लुसाने चरण में जीत दर्ज की थी। वह पिछले साल डायमंड लीग में दूसरे स्थान पर रहे थे। डायमंड लीग विजेता को डायमंड ट्राफी, 30000 डालर (लगभग 25 लाख रुपये) और विश्व चैंपियनशिप में वाइल्ड कार्ड मिलता है।

### शौर्य ने रिकार्ड के साथ जीता स्वर्ण पदक

**नई दिल्ली :** शौर्य सैनी ने शुक्रवार को जर्मनी के हनोवर में चल रही विश्व बधिर निशानेबाजी चैंपियनशिप में पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन स्पर्धा में 452.4 के स्कोर के साथ रिकार्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक जीता। सैनी ने क्वालीफिकेशन दौर में 580 से फाइनल में प्रवेश किया। पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में रजत जीतने के बाद यह सैनी का प्रतियोगिता में दूसरा पदक है।

नीरज चोपड़ा

## विक्रम न्यूजीलैंड के सहायक कोच

**नई दिल्ली, जेएनएन:** भारत के पूर्व बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ और श्रीलंका के स्पिन गेंदबाज रंगना हेराथ को अफगानिस्तान और श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले न्यूजीलैंड के कोचिंग स्टाफ में शामिल किया गया। राठौड़ सहायक कोच होंगे। यह एकमात्र टेस्ट मैच नौ से 13 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा में खेला जाएगा। इसके बाद कीवी टीम श्रीलंका का दौरा करेगी। राठौर पहले भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच थे। इस साल टी-20 विश्व कप में जीत के बाद उनका कार्यकाल समाप्त हो गया था।

**अफगानिस्तान टीम में तीन अनकैप्ड खिलाड़ी:** अफगानिस्तान ने एकमात्र टेस्ट मैच के लिए तीन अनकैप्ड खिलाड़ी रियाज हसन, शम्सुरहमान और खलील अहमद को टीम में शामिल किया है। चोट के राशिद खान को जगह नहीं मिली है। गुलबदीन नैब, फरीद अहमद और यमा को भी बाहर कर दिया गया है।

### राजस्थान से जुड़े द्रविड़

**मुंबई, प्रेट्र :** राहुल द्रविड़ को शुक्रवार को आइपीएल फ्रेंचाइजी राजस्थान रायल्स का मुख्य कोच बनाया गया। राजस्थान रायल्स ने कहा, 2011 से 2015 तक टीम के साथ रहे द्रविड़ क्रिकेट निदेशक कुमार संगकारा के साथ काम करेंगे। द्रविड़ ने कहा, विश्व कप के बाद मुझे लगा कि यह दूसरी चुनौती स्वीकार करने का सही समय है और रायल्स इसके लिये सर्वश्रेष्ठ विकल्प है। हमने पिछले कुछ साल में बेहतर प्रदर्शन किया है।

## रोनाल्डो ने दागा करियर का 900वां गोल

**ये उपलब्धि हासिल करने वाले पहले फुटबालर बने क्रिस्टियानो नेशंस कप में क्रोएशिया पर पुर्तगाल को दिलाई 2-1 की जीत**

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ● रायटर

### रोनाल्डो के गोल

| | |
|---|---|
| पुर्तगाल | 131 |
| मैनचेस्टर युनाइटेड | 145 |
| रीयल मैड्रिड | 450 |
| युवेंट्स | 101 |
| स्पोर्टिंग सीपी | 5 |
| अल नस्र | 68 |
| कुल | 900 |

**नई दिल्ली, जेएनएन:** अपने चमकदार करियर में अनगिनत रिकार्ड बना चुके पुर्तगाल के करिश्माई फुटबालर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के नाम गुरुवार रात एक और उपलब्धि जुड़ गई। यूएफा नेशंस लीग ग्रुप मैच में क्रोएशिया के विरुद्ध गोल दागकर इस 39 वर्षीय स्ट्राइकर ने अपने करियर का 900वां गोल दागा। रोनाल्डो से पहले इस आंकड़े तक कोई भी फुटबालर नहीं पहुंच सका है। यह गोल क्रोएशिया के विरुद्ध मैच के 34वें मिनट में आया, जब नुनो मेंडेज के सटीक क्रास को रोनाल्डो ने नेट के करीब से गोल दागा, जो राष्ट्रीय टीम के लिए उनका 131वां गोल था। पुर्तगाल ने यह मैच 2-1 से जीता।

रोनाल्डो ने कहा, 900 गोल किसी भी अन्य मील के पत्थर की तरह लगते हैं, लेकिन केवल मैं ही जानता हूं कि अपना 900वां गोल करने के लिए हर दिन कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। यह मेरे करियर में एक अनोखा मील का पत्थर है।

# राष्ट्रीय फलक

## जीएसटी के अंतर्गत अनुपालन रेटिंग तंत्र की मांग वाली याचिका खारिज

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को जीएसटी के तहत अनुपालन रेटिंग तंत्र लागू करने की मांग वाली जनहित याचिका को खारिज कर दिया और कहा कि वह जीएसटी प्रशासन नहीं चलाना चाहता। जीएसटी अनुपालन रेटिंग अधिकारियों द्वारा दिया जाने वाला एक स्कोर है और इसकी गणना कई मापदंडों के आधार पर की जाती है जैसे कि मासिक और वार्षिक रिटर्न समय पर दाखिल करना, इस्तेमाल किए गए इनपुट क्रेडिट और भुगतान किए गए करों का विवरण प्रस्तुत करना। रेटिंग तंत्र की मदद से जीएसटी भुगतानकर्ता यह देख सकते हैं कि वे कर नियमों का कितना अनुपालन करते हैं।

प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पार्डीवाला और जस्टिस मनोज मिश्र की पीठ ने कहा कि यह संसद का मामला है। हमें इसके लिए जनहित याचिका के अधिकार क्षेत्र का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। जनहित याचिका मानवाधिकारों के महत्वपूर्ण मुद्दों के लिए है। जैसे ही आप अखबारों में कोई अच्छा मुद्दा देखते हैं...कहते हैं चलो, जनहित याचिका दायर करें।

## हिमाचल में गारंटी पर लगी शर्त तो रद होने लगे आवेदन

जागरण संवाददाता, शिमला

- मंत्री बोले – एक परिवार से एक ही महिला होगी 1500 लेने के लिए पात्र
- प्रदेश में सात लाख 88 हजार 784 महिलाओं ने किया आवेदन, 2384 रद
- 28,249 महिलाओं को मिले प्यारी बहना सुख सम्मान निधि के 1500

हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस सरकार ने चुनाव से पहले दी गारंटी पर शर्त लगा दी है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कर्नल धनीराम शांडिल ने बताया कि इंदिरा गांधी प्यारी बहना सुख सम्मान निधि योजना के तहत एक परिवार से एक ही महिला पात्र होगी। जबकि पहले कहा गया था कि 18 से 60 वर्ष की सभी महिलाओं को हर महीने 1500 रुपये दिए जाएंगे। अगर परिवार में चार महिलाएं हैं तो सभी को हर माह यह राशि मिलेगी। ऐसे में 31 जुलाई तक आए 7,88,784 महिलाओं के आवेदन में से शर्त लगने के बाद 2384 आवेदनों को पात्रता नहीं रखने के कारण रद कर दिया गया है।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री शांडिल ने कहा कि योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 में 22.84 करोड़ रुपये के बजट का प्रविधान किया गया है। अब तक 28,249 महिलाओं को इस योजना के तहत राशि जारी की गई है।

विधायक सुखराम चौधरी, राकेश जम्वाल, रणधीर शर्मा, पवन कुमार, विनोद कुमार के प्रश्न पर शांडिल ने यह बात कही। उन्होंने बताया कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन ले रही 2,45,881 महिलाओं को पहले मिल रही पेंशन को 1200 से बढ़ाकर 1500 रुपये किया है।

उन्होंने विपक्ष के सवालों पर कहा कि सरकार के अच्छे कार्यों की सराहना भी करनी चाहिए। यह मुख्यमंत्री का ड्रीम प्रोजेक्ट है और हम नारी सशक्तीकरण चाहते हैं। विधायक सुखराम चौधरी ने कहा कि इसके सत्यापन में देरी हो रही है।

**पहले सभी को देने की बात कही, अब लगा दी शर्त :** विधायक राकेश जम्वाल ने कहा कि उनके विधानसभा क्षेत्र से 10 हजार महिलाओं ने आवेदन किया है। वह जब शिमला आते हैं तो महिलाएं कहती हैं कि मुख्यमंत्री से पूछकर आना कि कब उन्हें 1500 रुपये मिलेंगे।

## विवाहिता व भतीजियों को बाल पकड़कर पीटा, तीन गिरफ्तार

**जागरण संवाददाता, प्रतापगढ़ :** सामुदायिक शौचालय का उपयोग करने जाने पर विवाद करके विवाहिता व उसकी दो भतीजियों पर मुस्लिम परिवार ने हमला बोल दिया। आरोपितों ने तीनों को बाल पकड़ कर घसीटा भी, जिसका वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो गया। पुलिस ने सात आरोपितों पर केस दर्ज करके तीन मुख्य आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया।

जेठवारा के सराय बाबू गांव के लक्ष्मीकांत दुबे दिल्ली में वाहन चालक हैं। घर पर उनकी पत्नी पुष्पा बच्चों संग साथ रहती हैं। बुधवार सुबह करीब छह बजे पुष्पा अपनी भतीजियों रुचि व तनु के साथ शौच के लिए गांव में बने सामुदायिक शौचालय गई थीं, क्योंकि उनके घर का शौचालय ठीक नहीं है। वहां पर पहले से मौजूद गांव के ही रहीम की पत्नी व दो बेटियां गाली देने लगीं। इसके बाद तीनों को मारने-पीटने लगीं। गांव के लोग दौड़े तो उनके सामने भी नफीस, उसके भाई राजू, रहीम, इलियास आदि पुष्पा, रुचि और तनु को बाल से पकड़कर घसीटते हुए लाठी-डंडे से पीटते रहे।

## हमारे संरक्षित स्मारकों पर अपना दावा कर रहा वक्फ : एएसआइ

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) ने वक्फ संशोधन अधिनियम की जांच-पड़ताल कर रही संसदीय समिति के समक्ष शुक्रवार को 120 से अधिक स्मारकों की सूची पेश की जोकि आधिकारिक तौर पर उसके संरक्षण में हैं, लेकिन उन पर विभिन्न राज्य वक्फ बोर्ड दावा करते हैं। एएसआइ ने कहा कि विभिन्न वक्फ निकायों ने इसके स्मारकों पर अतिक्रमण किया है। मदरसा व शौचालय बनाए हैं। इसका कुछ विपक्षी सदस्यों ने विरोध किया और कहा कि ये सुविधाएं मुसलमानों के इबादत स्थलों में मौजूद होनी चाहिए। बता दें, एएसआइ संस्कृति मंत्रालय के अधीन ही काम करता है।

सूत्रों ने बताया कि बैठक के पहले सत्र में विपक्ष और भाजपा के कुछ सदस्यों के बीच तीखी बहस हुई। एएसआइ को दोनों पक्षों की ओर से तीखे सवालों का सामना करना पड़ा। विपक्षी सदस्यों ने संस्कृति मंत्रालय पर समिति के सदस्यों को गुमराह करने और वाट्सएप यूनिवर्सिटी जैसी गलत सूचना फैलाने का आरोप लगाया, जिसमें दावा किया जाता है कि वक्फ बोर्ड किसी भी संपत्ति पर अपना स्वामित्व घोषित कर सकता है।

सूत्रों ने बताया कि एएसआइ ने अपनी प्रस्तुति में कई दर्जन स्मारकों की सूची दी, जिन पर वक्फ अपना दावा करता है। इनमें से कुछ को देश की आजादी से पहले का इतिहास रखने वाले एएसआइ द्वारा संरक्षित स्मारक घोषित किए जाने के लगभग एक सदी बाद वक्फ की संपत्ति घोषित किया गया।

सूची में ऐसा ही एक उदाहरण महाराष्ट्र के अहमदनगर स्थित निजाम शासक अहमद शाह की कब्र का दिया गया, जिसे एएसआइ ने 1909 में संरक्षित स्मारक घोषित किया था, जबकि 2006 में इसे वक्फ संपत्ति घोषित कर दिया गया।

जकात फाउंडेशन आफ इंडिया और इंटरफेथ कोलिशन फार पीस का प्रतिनिधित्व सैयद जफर महमूद ने किया, जो इन दोनों निकायों के अध्यक्ष हैं। दिल्ली के पूर्व उपराज्यपाल नजीब जंग, सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल एवं एएमयू के पूर्व कुलपति जमीर उद्दीन शाह तथा पैकियम सैमुअल भी संयुक्त संसदीय समिति के समक्ष पेश हुए। तेलंगाना राज्य वक्फ बोर्ड भी समिति के सामने पेश हुआ। इन तीनों ने विधेयक का विरोध करते हुए कहा कि यह मुस्लिम समुदाय के हितों के खिलाफ है।

## खड़ी रही वंदे भारत और लड़ते रहे दो मंडल के कर्मचारी

**जागरण संवाददाता, आगरा :** आगरा-उदयपुर के बीच शुरू हुई वंदे भारत एक्सप्रेस में आगरा रेल मंडल और कोटा रेल मंडल के लोको पायलट सहित कर्मचारियों में संचालन को लेकर विवाद हो गया। इस दौरान ट्रेन कोटा स्टेशन पर खड़ी रही और कर्मचारी लड़ते रहे। मारपीट का वीडियो शुक्रवार को इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। आगरा-उदयपुर के बीच दो सितंबर से वंदे भारत का संचालन शुरू हुआ है। ट्रेन उदयपुर से आगरा के लिए सोमवार, गुरुवार और शनिवार को चलती है। पहले दिन ही ट्रेन के संचालन को लेकर आगरा रेल मंडल और कोटा रेल मंडल के कर्मचारियों के बीच विवाद हो गया था। गुरुवार को ट्रेन दोपहर तीन बजे आगरा से उदयपुर के लिए रवाना हुई। आगरा से लोको पायलट, सह लोको पायलट, गार्ड सहित अन्य कर्मचारी ट्रेन को लेकर कोटा पहुंचे। वहां से ट्रेन को आगे ले जाने के लिए कोटा रेल मंडल के लोको पायलट सहित पूरी टीम आ गई। इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहे वीडियो में दिख रहा है कि आगरा रेल मंडल की टीम ट्रेन से नहीं उतरी, जिसे लेकर विवाद के बाद मारपीट होने लगी।

********

## लाइफ स्किल

# समय अनुरूप ढालें खुद को

नई-नई डिजिटल तकनीकों के आ जाने से करियर और रोजगार में तेजी से बदलाव देखा जा रहा है। इससे एक ओर जहां कामकाजी लोगों के लिए चुनौतियां बढ़ी हैं, वहीं यह चुनौती पढ़ाई पूरी कर रोजगार की तलाश कर रहे युवाओं के लिए भी है। ऐसे में सवाल यह है कि आज की जरूरतों के अनुसार खुद को रोजगार के लिए उपयुक्त बनाने का सही तरीका क्या है? किन बातों को ध्यान में रखकर अपने लिए बेहतर करियर सुनिश्चित किया जा सकता है...

इसमें कोई दो राय नहीं कि एक अच्छे कोर्स और अच्छी डिग्री से बेहतर करियर के अवसर खुलते हैं। लेकिन लगातार बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण अब कोर्स के अतिरिक्त भी खुद को निखारने की जरूरत है। इसके लिए कुछ बातों पर ध्यान देने की जरूरत है, जैसे कि:

**डिजिटल लिटरेसी:** आज के समय में तकनीकी ज्ञान के बिना आगे बढ़ना आसान नहीं है। फिर चाहे कामकाजी लोग हों या फिर नौकरी तलाश रहे युवा। रुचि न होते हुए भी तकनीक के साथ तालमेल बिठाने और नई तकनीकों को सीखने के प्रति उत्सुकता दिखाना जरूरी है, नहीं तो शायद ही आप किसी भी नौकरी में फिट हो पाएं। जो युवा इस बात को समझते हुए अपने स्कूल-कालेज के दौरान ही कोई तकनीकी कोर्स कर रहे हैं, वे करियर की प्रतिस्पर्धा में आगे रह सकते हैं। सरकार की ओर से आनलाइन कोर्सों को मान्यता मिलने के बाद अब तो यह और भी आसान हो गया है। कोर्सेरा, उडेमी, करियरएरा जैसे आज ऐसे कई एडु टेक प्लेटफार्म आ गए हैं, जहां से डिजिटल मार्केटिंग, साइबर सिक्योरिटी, एआइ, मशीन लर्निंग, डाटा एनालिटिक्स, यूआइ एंड यूएक्स डिजाइन, कोडिंग जैसे कोर्स अपनी सुविधानुसार किए जा सकते हैं। कामकाजी लोगों के लिए भी देश-विदेश के कई विश्वविद्यालय/संस्थान आनलाइन कोर्स करा रहे हैं।

**नया सीखने को रहें तैयार:** तेजी से बदलते कामकाज के तौर तरीकों के बीच हमें हर दिन कुछ न कुछ नया सीखने के लिए उत्सुक रहना होगा। कोई भी क्षेत्र हो नया सोच और इनोवेटिव आइडियाज की पूछ आज सबसे अधिक देखी जा रही है। आज के समय में सफलता की यही कुंजी भी है। यह चीज आपकी क्रिएटिविटी से आएगी और यह क्रिएटिविटी आपमें तभी आएगी, जब आप ज्यादा से ज्यादा पढ़ने और सीखने में दिलचस्पी लेंगे। इसके लिए मार्केट में क्या नया है, उस पर नजर रखनी होगी।

धीरेंद्र पाठक

---

किसी के हाथ नहीं हैं, तो किसी के पैर..., पर ये लाचार कतई नहीं। अपनी साधना से पेरिस पैरालिंपिक में सफलता की जोरदार कहानी लिख रहे ये दिव्यांग अपने जज्बे से हर किसी को प्रेरित कर रहे हैं। साधना से सफलता की इस सीख के बारे में चर्चा कर रहे हैं अरुण श्रीवास्तव...

## एक्स्ट्रा शाट

● जागरण आर्काइव

# साधना का सुफल

**सबकी हैं प्रेरक कहानियां**

अवनि के बाद पेरिस पैरालिंपिक में भाग ले रहे बाकी खिलाड़ियों ने भी पदकों की झड़ी लगा दी। सभी दिव्यांग हैं। सबकी अपनी प्रेरक कहानियां हैं। पर एक बात सबमें लगभग एक जैसी है कि उन्होंने रुकने के बजाय जीत की राह पर आगे ही बढ़ते गए, अपनी कमी से निराश-हताश होने के बजाय लगातार अनथक परिश्रम और परिस्थितियों से संघर्ष करते हुए उसे अपनी ताकत बना लिया।

'जब हम जीवन के सबसे कठिन दौर से गुजर रहे होते हैं, खासकर यदि किसी को ऐसी दुर्घटना से गुजरना पड़े कि वह दिव्यांग हो जाए, तो अक्सर लोग यह सोचने लगते हैं कि शायद वे अपने आसपास के लोगों के लिए बोझ बन गए हैं। जीवन में अब कुछ नहीं हो सकता, लेकिन मैं बहुत सौभाग्यशाली रही हूं कि मेरे आसपास के लोग बहुत सहयोग करने वाले हैं... जब जीवन में यह लगे कि यहां अंत है तो हमें केवल वर्तमान को नहीं देखना चाहिए। सकारात्मक होकर आगे बढ़ते रहें और स्वयं पर विश्वास रखें तो भविष्य निश्चित रूप से बहुत उज्ज्वल हो सकता है।' यह कहना है पेरिस पैरालिंपिक में भारत के लिए पहला और टोक्यो के बाद अपना दूसरा स्वर्ण (10 मीटर एयर राइफल एसएच1 स्पर्धा में) जीतने वाली निशानेबाज अवनि लेखरा का। 12 वर्ष की छोटी उम्र में दुर्घटना के बाद लकवा ग्रस्त हो जाने के बाद भी उन्होंने हार नहीं मानी और आज दुनिया की सर्वश्रेष्ठ पैरानिशानेबाज हैं।

**हौसले से जीत रहे दुनिया:** क्या आपने पैरा तीरंदाज शीतल देवी पर गौर किया है। जन्म से ही दोनों बाजू न होने के बावजूद शीतल जब पैरों से निशाना साधती हैं, तो उनका हौसला देख चकित हो जाएंगे। शीतल और राकेश कुमार की जोड़ी ने पेरिस पैरालिंपिक में मिक्स्ड टीम कंपाउंड ओपन तीरंदाजी स्पर्धा में कांस्य पदक जीता है। रीढ़ की हड्डी में चोट लगने से राकेश के पैर लकवा ग्रस्त हो गए हैं। इनसे पहले पेरिस पैरालिंपिक में भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाने वाले हरविंदर सिंह के दोनों पैर बचपन में डेंगू के इलाज और दवा के दुष्प्रभाव से खराब हो गए थे, पर उन्होंने हार नहीं मानी। लगातार अभ्यास से न केवल वह जीत की इबारत लिख रहे हैं, बल्कि अर्थशास्त्र में पीएचडी भी कर रहे हैं। उधर, नीरज चोपड़ा टोक्यो के अपने स्वर्णिम इतिहास को भले न दोहरा पाए हों, पर सुमित अंतिल ने इस कसर को दूर करते हुए वर्तमान पैरालिंपिक में टोक्यो में मिले अपने स्वर्ण का बचाव तो किया ही, 70.59 मीटर के थ्रो के साथ अपने पुराने पैरालिंपिक रिकार्ड को भी तोड़ दिया। पेरिस ओलिंपिक में जो थोड़ी कसक सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की रह गई थी, वह हमारे दिव्यांग खिलाड़ियों ने न केवल पूरी कर दी है, बल्कि दिखाया है कि भारत में खेल संस्कृति एक नए रूप में खिलखिला रही है।

**न थके, न रुके:** कुछ खिलाड़ियों ने तो टोक्यो में भी पदक जीते और अब पेरिस में भी। इनमें अवनि लेखरा, मरियप्पन थंगावेलु, सुमित अंतिल, सुहास एल यतिराज, सुंदर सिंह गुर्जर, मनीष नरवाल, योगेश कथुनिया, शरद कुमार और निशाद कुमार शामिल हैं। 400 मीटर रेस में ब्रांज मेडल जीतने वाली दीप्ति जीवनजी हों या राजस्थान के सुंदर सिंह गुर्जर...न तो इच्छाशक्ति की कमी है न प्रयास की। थंगावेलु को हाई जंप करते देखिए, सफलता के आसमान तक छलांग लगाने के लिए किसी और प्रोत्साहन की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। सचिन खिलारी तो गजब के खिलाड़ी निकले। मैकेनिकल इंजीनियर हैं, यूपीएससी की कोचिंग में पढ़ाते हैं और पेरिस में शाटपुट का सिल्वर जीत लिया। शरद कुमार का हाईजंप किसी भी निराश व्यक्ति को सकारात्मकता से भर सकता है।

**नजरिया बदलने की जरूरत:** एक समय था, जब देश में शारीरिक अक्षमता से ग्रस्त लोगों को इस प्रकार के संबोधन से दो-चार होना पड़ता था जो उनकी कमी पर ही केंद्रित होते थे। पर अब वे दिव्यांग कहे जाते हैं। सिर्फ कहे ही नहीं जाते, बल्कि खेल के मैदान पर वे अपने प्रदर्शन से इसे सार्थक भी कर रहे हैं। पेरिस पैरालिंपिक इसका ताजा उदाहरण है। खेल अभी बाकी हैं। भारत ने पांच सितंबर तक 25 पदक जीत लिए थे जो अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। 2012 में लंदन पैरालिंपिक से आरंभ हुई यह यात्रा महज 12 साल में एक से इतने पदकों तक पहुंच चुकी है।

---

## क्लैट-2025

# समझें सिलेबस और प्रश्नों की प्रकृति

**पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड ला डिग्री प्रोग्राम में प्रवेश के लिए आगामी कामन ला एडमिशन टेस्ट (क्लैट-2025) आगामी एक दिसंबर को आयोजित होगा। इसके लिए अभी आनलाइन आवेदन की प्रक्रिया चल रही है। आवेदन 15 अक्टूबर, 2024 तक किया जा सकता है। कानून के क्षेत्र में करियर बनाने वालों के बीच इस परीक्षा को लेकर काफी क्रेज देखा जा रहा है। इस इंटीग्रेटेड प्रोग्राम में प्रवेश मिल जाने से ग्रेजुएशन और ला डिग्री दोनों एक साथ मिल जाती है। इससे एक साल का समय भी बच जाता है। एनएलयू के इस इंटीग्रेटेड प्रोग्राम की एक अलग वैल्यू भी है, जिससे प्लेसमेंट मिलने के साथ-साथ जाब के अवसर भी आसानी से मिल जाते हैं...**

क्लैट के माध्यम से उम्मीदवार की काम्प्रिहेंशन तथा रीजनिंग स्किल और इसकी क्षमता की परख की जाती है। इसलिए इस परीक्षा के प्रश्नपत्र का डिजाइन इस तरह से होता है कि उम्मीदवार में कानून की शिक्षा के लिए आवश्यक एप्टिट्यूड और स्किल का टेस्ट हो सके। यह परीक्षा दो घंटे की अवधि की होती है। इसमें कुल 120 बहुविकल्पीय टाइप के प्रश्न पूछे जाते हैं। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होता है। परीक्षा में निगेटिव मार्किंग का भी प्रविधान है यानी गलत उत्तर देने पर एक चौथाई अंक काट लिया जाता है। प्रश्नपत्र में प्रश्न कुल पांच विषयों (इंग्लिश, करेंट अफेयर्स/जनरल नालेज, लीगल/लाजिकल रीजनिंग तथा क्वांटिटेटिव टेक्निक) से पूछे जाते हैं, जिनकी प्रकृति इस प्रकार है:

**इंग्लिश लैंग्वेज:** इस सेक्शन में करीब 450-450 शब्दों के पैसेज आते हैं। यह 12वीं के स्तर का होता है। हर पैसेज के नीचे कुछ प्रश्न दिए होते हैं, जिससे आपके भाषा ज्ञान और काम्पिहेंशन क्षमता को परखा जाता है। प्रश्न का उत्तर पैसेज में दिए गए बिंदुओं और तथ्यों पर आधारित होता है।

**करेंट अफेयर्स:** इस सेक्शन के तहत करेंट अफेयर्स और जनरल नालेज से जुड़े प्रश्न पूछे जाते हैं। इसमें भी 450-450 शब्दों के पैसेज दिए होते हैं। ये पैसेज समसामयिक घटनाओं से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित होते हैं। इसमें विधि संबंधी जानकारी भी होती है। इसमें भी नीचे कुछ प्रश्न दिए होते हैं, जिनका जवाब पैसेज में से ढूंढ़कर लिखना होता है।

**लीगल रीजनिंग/लाजिकल रीजनिंग:** इस सेक्शन में भी पैसेज से जुड़े प्रश्न आते हैं। इसमें लीगल मैटर, पब्लिक पालिसी और फिलासफी से संबंधित पैसेज होते हैं। वहीं, लाजिकल रीजनिंग में एनालिसिस और रीजनिंग से संबंधित प्रश्न होते हैं।

**क्वांटिटेटिव टेक्निक्स:** इस सेक्शन में नंबर इंफार्मेशन से जुड़े पैसेज आते हैं, जिन पर आधारित प्रश्नों का जवाब देना होता है।

**ऐसे करें तैयारी**

इस परीक्षा की तैयारी के लिए एनएलयू कंसोर्टियम की ओर से तैयारी से जुड़े मैटीरियल वेबसाइट पर उपलब्ध कराए गए हैं, जैसे कि सैंपल प्रश्नपत्र, माडल क्वेश्चन पेपर्स और सब्जेक्ट वाइज एक्सरसाइज आदि। आप पिछले वर्षों के प्रश्नपत्रों से भी इस परीक्षा में पूछे जाने वाले प्रश्नों की प्रकृति को समझकर अपनी तैयारी को आगे बढ़ा सकते हैं। आनलाइन टेस्ट सीरीज/माक टेस्ट के अभ्यास से भी बेहतर तैयारी हो सकती है।

धीरेंद्र

---

## वर्ग पहेली-2744

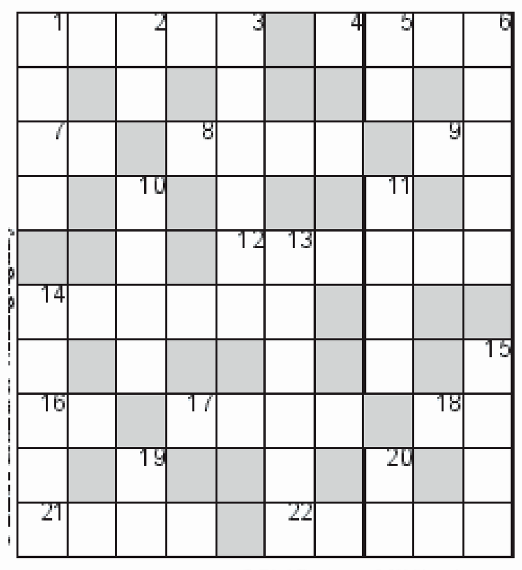

**बाएं से दाएं**

1. ध्वस्त या बर्बाद करना (2,3)। 4. ताजा, प्रफुल्ल (4)। 7. दवा में काम आने वाली एक जंगली वनस्पति (2)। 8. ठीक-ठीक, निश्चित रूप से (4)। 9. शंका, संदेह (2)। 12. लेखन में अत्यंत कुशल (3,1,2)। 14. अंट-शंट, फालतू बकवास (3,3)। 16. समुदाय, समूह, वर्ग (2)। 17. कलेवा, नाश्ता (4)। 18. जीवन, प्राण (2)। 21. नदी के दोनों तटों के बीच की जगह (4)। 22. टन-टन की आवाज होना (5)।

**ऊपर से नीचे**

1. अस्वीकार (4)। 2. न्यून (2)। 3. यश या कीर्ति का चारों तरफ फैलना (2,4)। 5. रास्ता, डगर (2)। 6. अपने जीवन का सुनाया जाने वाला वृतांत (2,3)। 10. समाप्ति, अंत (4)। 11. नाके पर पहरा बैठाना, अवरोध (4)। 13. लपलपाने की क्रिया (6)। 14. उचित लक्ष्य से आगे निशाना लगाना, धोखा (5)। 15. खिन्न, अस्वस्थ (4)। 19. विशिष्ट गान प्रकार (2)। 20. जुल्फ, अलका (2)।

© Bird Features & Writing Agency

**कल का हल**

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| वि | | उ | प | ब | न | | सा | र | थी |
| चा | | ढ़ | | ह | | | र | | |
| र | च | ना | | न | मी | | स | ढ़ | न |
| | | | | क | | | | | ज |
| ट | | छा | | र | ब | ने | ब | ना | दी |
| टो | पी | प | ह | ना | ना | | लि | | क |
| ल | | | | | र | | | | |
| ना | ह | क | | बा | सी | | ज | मा | त |
| | | शी | | | ठ | | हा | | ग |
| यं | शो | दा | | सी | ग | बा | न | | ढ़ा |

## जागरण सुडोकू-2744

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 1 | | | | 2 | | 7 |
| 9 | 8 | | | | 7 | | | 3 |
| | | 4 | | | 3 | 6 | 1 | |
| | | 5 | 7 | | | | 2 | |
| 8 | 1 | | | | | | | 4 |
| | | | 8 | | 4 | | 3 | |
| 4 | | | | 7 | | 3 | | 1 |
| | 7 | | 9 | | 6 | | | |
| 6 | | | | 8 | | | 7 | 2 |

**कल का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 6 | 5 | 8 | 3 | 4 | 1 | 7 | 9 | 2 |
| 1 | 9 | 2 | 8 | 7 | 5 | 3 | 4 | 6 |
| 4 | 7 | 3 | 6 | 9 | 2 | 1 | 8 | 5 |
| 8 | 4 | 5 | 7 | 1 | 6 | 2 | 3 | 9 |
| 9 | 3 | 6 | 2 | 8 | 4 | 5 | 7 | 1 |
| 2 | 1 | 7 | 9 | 5 | 3 | 8 | 6 | 4 |
| 3 | 2 | 9 | 1 | 6 | 7 | 4 | 5 | 8 |
| 5 | 6 | 1 | 4 | 3 | 8 | 9 | 2 | 7 |
| 7 | 8 | 4 | 5 | 2 | 9 | 6 | 1 | 3 |

## आज का भविष्यफल- 07 सितंबर, 2024 शनिवार

के.ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति : भाद्रपद मास शुक्ल पक्ष चतुर्थी। राहुकाल : प्रातः 09 से 10 : 30 बजे तक। आज का दिशाशूल : पूर्व। पर्व एवं त्योहार : श्रीगणेश चतुर्थी जन्मोत्सव। विशेष : आज चंद्र दर्शन का निषेध है। आज की भद्रा : सायं 05 : 38 बजे तक।

कल 08 सितंबर, 2024 का पंचांग
कल का दिशाशूल : पश्चिम
कल का पर्व एवं त्योहार : ऋषि पंचमी सप्त ऋषी पूजा
विक्रम संवत 2081 शके 1946 दक्षिणायण उत्तरगोल वर्षा ऋतु भाद्रपद मास शुक्ल पक्ष की पंचमी तत्पश्चात षष्ठी स्वाती नक्षत्र 15 घंटे 31 मिनट तक तत्पश्चात विशाखा नक्षत्र ऐन्द्र योग 24 घंटे 05 मिनट तक तत्पश्चात वैधृति योग तुला में चंद्रमा।

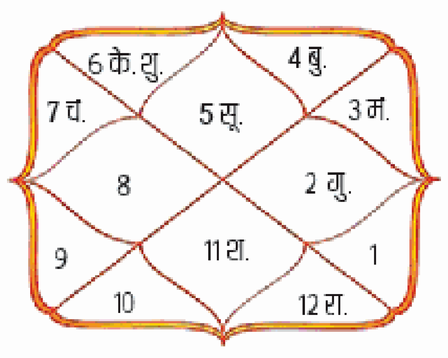


मेष : यात्रा देशाटन की संभावना है। पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।
वृष : व्यर्थ का तनाव हो सकता है। आर्थिक मामलों में सुधार होगा।
मिथुन : शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी।
कर्क : गृह उपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। अपनों से पीड़ा मिलेगी।
सिंह : रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।
कन्या : वाणी पर संयम रखें। अपनों से ही तनाव मिल सकता है।
तुला : जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। लेकिन मन खिन्न रहेगा।
वृश्चिक : चली आ रही समस्या का समाधान होगा पर बाधा भी आएगी।
धनु : शासन सत्ता का सहयोग रहेगा। व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी।
मकर : शासन सत्ता से सहयोग लेने में सफलता मिलेगी। प्रयास सफल होंगे।
कुंभ : दायित्व की पूर्ति में व्यस्त रहेंगे। रिश्तों में निकटता आएगी।
मीन : व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। अनचाही यात्रा हो सकती है।

---

## राष्ट्रीय फलक

# श्रीराम चित्रकूट में 12 वर्ष नहीं बल्कि सात महीने ही ठहरे थे

रघुवरशरण ● जागरण

- पूर्व आइपीएस आचार्य किशोर कुणाल के शोध का निष्कर्ष, जुटाई चित्रकूट प्रवास से जुड़ी नई जानकारियां

**अयोध्या:** प्रचलित मान्यता के विपरीत श्रीराम चित्रकूट में 12 वर्ष नहीं, सात माह ही ठहरे थे। यह निष्कर्ष है, पूर्व आइपीएस अधिकारी एवं पटना स्थित सुप्रसिद्ध महावीर मंदिर तथा अयोध्या के अमावा राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव आचार्य किशोर कुणाल का। वह इन दिनों 'रामो विग्रहवान धर्मः' शीर्षक अंतर्गत श्रीराम की जीवन गाथा को संयोजित-संकलित कर रहे हैं।

कुणाल बताते हैं कि चित्रकूट में श्रीराम के प्रवास का 32वां दिन और अयोध्या से प्रस्थान का 38वां दिन था, जब भरत राजकीय मर्यादा के साथ पहुंचे और श्रीराम से अयोध्या लौटने का अनुरोध किया और न मानने पर श्रीराम की खड़ाऊं लेकर अयोध्या लौट आए। संस्कृत के उद्भट विद्वान नागेश भट्ट की कृति रामायण तिलक (रामायण की टीका) के हवाले से कुणाल बताते हैं कि चैत्र शुक्ल दशमी को श्रीराम ने वन के लिए प्रस्थान किया। चैत्र पूर्णिमा की मध्य रात्रि राजा दशरथ का निधन हुआ। उसके बाद एक पखवाड़ा भरत को अयोध्या आने में लगा। भरत के अयोध्या आने के बाद श्राद्ध कर्म आदि में 15 दिन और व्यतीत हुआ। इस प्रकार बैशाख व्यतीत हो गया और भरत ने ज्येष्ठ माह में चित्रकूट के लिए प्रस्थान किया। बरसात के चलते श्रीराम का चित्रकूट से प्रस्थान चार माह तक स्थगित रहा। कार्तिक मास के अंतिम चरण में अत्रि के आश्रम गए और एक रात्रि प्रवास के बाद सीता व लक्ष्मण के साथ दंडकारण्य में प्रवेश किया। इस तरह सात मास तक ही चित्रकूट में ठहरे।

पूर्व आइपीएस आचार्य किशोर कुणाल। जागरण

## शतरंज के मोहरों से बने गणपति...

आज गणेश चतुर्थी है। इसके साथ ही पूरे देश में गणेशोत्सव प्रारंभ हो रहा है। गणेश पूजा को लेकर श्रद्धालुओं में काफी उत्साह छाया हुआ है। इस अवसर पर परंपरागत गणेश जी की मूर्ति की तो मांग है ही, विभिन्न स्थानों पर गणपति बप्पा की अनूठी मूर्ति भी निर्मित की जा रही है। मुंबई में भी कुछ कलाकारों ने शतरंज के काले और सफेद मोहरों से गणपति की भव्य मूर्ति बनाई है, जो लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। गणेशोत्सव देखने के लिए यहां दुनियाभर से लोग आते हैं। प्रेट्र

आज से देशभर में ही घरों और पांडालों में गणपति विराजेंगे लेकिन मुंबई में इस उत्सव की छटा ही निराली है। यहां के जीएसबी सेवा मंडल के पंडाल में गणेश भगवान की यह मूर्ति 66 किग्रा सोना तथा 336 किग्रा चांदी से सज्जित है। इस मूर्ति को लेकर मुंबईवासियों में काफी उत्सुकता है। एएनआइ

# तवांग पर चीनी दावों के बीच दलाई लामा से मिले पेमा खांडू

- अरुणाचल के मुख्यमंत्री ने दलाई लामा को भेंट की फोडरंग की तस्वीर, चीनी सैनिकों ने तवांग के यांग्त्से इलाके में अतिक्रमण का किया था प्रयास

हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में शुक्रवार को तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा से आशीर्वाद लेते अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू। एएनआइ

जागरण संवाददाता, धर्मशाला

अरुणाचल प्रदेश के तवांग में चीन के दावों के बीच मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने शुक्रवार को मैक्लोडगंज में तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा से मुलाकात की। इस दौरान खांडू ने दलाई लामा को फोडरंग की तस्वीर भेंट की। तवांग के पुंगटेंग में निर्मित फोडरंग यानी तिब्बत ल्हासा के पोटाला महल के बाद विश्व का दूसरा सबसे बड़ा मठ है। यह तवांग नदी की घाटी में तवांग कस्बे के निकट स्थित है। जहां दलाई लामा ने वर्ष 1959 में तिब्बत से आने के बाद कुछ दिन बिताए थे। पेमा खांडू ने इस फोडरंग के माध्यम से मोनपा समुदाय की ओर से अपनी भक्ति व प्रेम को भी प्रदर्शित कर दलाई लामा के प्रवास के दौरान उनके आतिथ्य को याद किया।

दलाई लामा से अरुणाचल के मुख्यमंत्री की मुलाकात तवांग में चीनी सैनिकों द्वारा अतिक्रमण के मामले को देखते हुए भी महत्वपूर्ण है। दिसंबर, 2022 में तवांग सेक्टर के यांग्त्से इलाके में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीनी सैनिकों ने अतिक्रमण कर यथास्थिति को एकतरफा रूप से बदलने का प्रयास किया था। इस दौरान भारतीय सेना ने बहादुरी से चीनी सैनिकों को रोका था।

# बिहार: सरकारी अस्पतालों में दी जाने वाली दवाओं की स्ट्रीप पर होगा बार कोड

**राज्य ब्यूरो, जागरण ● पटना :** बिहार के सरकारी अस्पतालों में मरीजों को दी जाने वाली छह सौ से अधिक तरह की दवाओं की स्ट्रीप पर आने वाले दिनों में बार-कोड होगा। इससे पता करना आसान होगा कि दवा की एक्सपायरी कब है। स्वास्थ्य विभाग के स्तर पर दवाओं की गुणवत्ता को लेकर हुई एक उच्चस्तरीय बैठक में इस संबंध में निर्णय लिया गया। इस निर्णय के अनुपालन का जिम्मा सरकार ने बिहार स्वास्थ्य सेवाएं आधारभूत संरचना निगम (बीएमएसआइसीएल) को सौंपा है। राज्य के सभी श्रेणी के सरकारी अस्पतालों के ओपीडी में आने वाले मरीजों के साथ ही भर्ती मरीजों को सरकार की नीति के तहत 612 तरह की दवाएं मुफ्त दी जाती हैं। इन दवाओं की खरीद का जिम्मा दो हिस्सों में बंटा है। करीब 75 प्रतिशत खरीद की जिम्मेदारी बीएमएसआइसीएल के पास है, जबकि 20 से 25 प्रतिशत दवाओं की खरीद जिला स्तर पर खुले बाजार से होती है। कई बार अधिक मात्रा में दवाओं की आपूर्ति जिलों में होने पर इनके एक्सपायर होने का खतरा बना रहता है।

# लोगों को मित्रता और नारी का सम्मान गिद्धराज जटायु से सीखने की जरूरत : योगी

जागरण संवाददाता, गोरखपुर

रामायण के कालजयी पात्र गिद्धराज जटायु की चर्चा कर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सरोकार और संस्कार समझाए। धर्म की रक्षा व नारी सम्मान के लिए उनके सर्वोच्च बलिदान को याद कर उनकी वीरता का बखान किया। बोले- गिद्धराज नारी सम्मान को बचाने के लिए लंकापति रावण से भिड़ गए। मित्रता व नारी सम्मान कैसे किया जाता है, यह जटायु से सीखने की जरूरत है। मुख्यमंत्री शुक्रवार को कैंपियरगंज में जटायु संरक्षण एवं प्रजनन केंद्र के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने क्षेत्र में फारेस्ट्री कालेज खोलने की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री ने कहा कि रामयुग के पहले बलिदानी गिद्धराज जटायु थे। गोस्वामी तुलसीदास व महर्षि वाल्मीकि ने भी गिद्धराज की वीरता का उल्लेख किया है। मित्रता कैसी होनी चाहिए और वचन कैसे निभाया जाता है, इसकी सीख हमें मिलती है। हरतालिका तीज पर गिद्धराज जटायु व उनकी वर्तमान पीढ़ी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने के लिए जटायु संरक्षण एवं प्रजनन केंद्र का लोकार्पण किया गया है।

गोरखपुर में शुक्रवार को जटायु संरक्षण केंद्र का लोकार्पण करने के बाद सेल्फी लेते उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। प्रेट्र

**प्रकृति को साथ लेकर हुआ विकास स्थायी**

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में 2017 के पहले सिर्फ पेड़ काटे जाते थे, लेकिन अब रिकार्ड पौधारोपण किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य है, जहां सात वर्षों में दो सौ करोड़ से अधिक पौधे लगाए गए हैं। सौ वर्ष से ऊपर के वृक्षों को बचाने के लिए हेरिटेज वृक्ष घोषित कर उनका संरक्षण किया जा रहा है। लुप्तप्राय नदियों को पुनर्जीवित किया जा रहा है।

**वन संरक्षण का बड़ा माध्यम बनेगा फारेस्ट्री कालेज:** योगी आदित्यनाथ ने वन विभाग को निर्देशित करते हुए कहा कि क्षेत्र में एक फारेस्ट्री (वानिकी) कालेज बनाएं, जिसमें वानिकी से संबंधित डिग्री और डिप्लोमा के पाठ्यक्रम चलाए जाएं। इससे वन विभाग की आवश्यकता के अनुरूप नौकरी मिल सकेगी।

# आइटीआर ने पर्यावरण, वन व जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को भेजा प्रस्ताव

अनिमेष पाल ● जागरण

**जगदलपुर:** इंद्रावती टाइगर रिजर्व (आइटीआर) बस्तर में गिद्धों के लिए रेस्टोरेंट खोलने की तैयारी में है। आइटीआर ने गिद्धों के लिए 'गिद्ध रेस्टोरेंट' खोलने व जियो टैगिंग का प्रस्ताव केंद्रीय पर्यावरण, वन व जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को भेजा है। आइटीआर प्रबंधन का मानना है, यह योजना गिद्धों की संख्या बढ़ाने में मददगार हो सकती है। त्रालय से अनुमति मिलते ही इस योजना पर कार्य आरंभ कर दिया जाएगा।

बस्तर संभाग के बीजापुर स्थित इंद्रावती टाइगर रिजर्व क्षेत्र में पिछले तीन वर्ष में गिद्धों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी से उत्साहित आइटीआर प्रबंधन ने गिद्धों का कुनबा बढ़ाने 'गिद्ध रेस्टोरेंट' नाम से योजना तैयार की है। इसमें गिद्धों के लिए 20 से अधिक नए आहार स्थल बनाना प्रस्तावित किया गया है। इसका उद्देश्य गिद्धों के लिए ऐसे क्षेत्र विकसित करना है, जहां मानवीय बाधा को कम कर गिद्धों के लिए पर्याप्त आहार उपलब्ध कराए जा सकें। गिद्धों की जियो टैगिंग भी की जानी है, जिससे गिद्धों के चरित्र की जानकारी एकत्र की जा सकी।

इंद्रावती टाइगर रिजर्व क्षेत्र में गिद्ध। आइटीआर

गिद्धों को आहार उपलब्ध कराने 'गिद्ध रेस्टोरेंट' का प्रस्ताव पर्यावरण, वन व जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को भेजा गया है। इसके साथ ही गिद्धों पर अध्ययन के लिए जियो टैगिंग की भी योजना तैयार की गई है।
-सुदीप बलगा, निदेशक आइटीआर

**आइटीआर में तेजी से बढ़े गिद्ध:** आइटीआर में गिद्ध संरक्षण की योजना को गति देने के परिणाम भी आ रहे हैं। वर्ष 2021 में यहां 55 गिद्ध थे, अब इनकी संख्या 200 से अधिक है और यह लगातार बढ़ रही है। गिद्धों के संरक्षण के प्रयास की शुरुआत स्थानीय युवाओं को गिद्ध मित्र बनाने से की थी जो गिद्धों पर नजर रखने के साथ ही ग्रामीणों को जागरूक भी करते हैं। गिद्ध मित्र व पशु चिकित्सा विभाग की सहायता से ग्रामीणों के मवेशियों का उपचार अब एलोपैथिक दवाओं के स्थान पर जड़ी-बूटी से किया जाने लगा है। गिद्ध मित्र इन मृत मवेशियों को गांव से दूर जंगल में चिन्हांकित स्थानों पर छोड़ आते हैं, ताकि गिद्धों को पर्याप्त आहार मिल सके। आहार की उपलब्धता बढ़ते ही यहां गिद्ध की तीन प्रजाति इंडियन गिद्ध, व्हाइट ट्रम्पड गिद्ध व अब ग्रिफ्फान गिद्ध दिखाई देने लगे हैं।

********

## अमेरिका ने लांच किया दुनिया का पहला जैविक अनुसंधान उपग्रह

1967 में आज ही के दिन अमेरिका ने पहला जैविक अनुसंधान उपग्रह बायोसेटेलाइट-2 लांच किया था। जीवों और पौधों पर विकिरण और अंतरिक्ष पर्यावरण के प्रभावों का परीक्षण करने के उद्देश्य से लांच यह उपग्रह कीड़े, मेंढक के अंडे, गेहूं के पौधे सहित सैकड़ों सूक्ष्मजीवों को अपने साथ ले गया था।

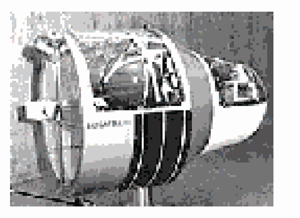

## पहली बार अमेरिका में किया गया शिशु इनक्यूबेटर का इस्तेमाल

1888 में आज ही पहली बार अमेरिका में शिशु इनक्यूबेटर का इस्तेमाल किया गया था। तीन फीट वर्गाकार व चार फीट ऊंचे उपकरण में एक किग्रा की शिशु एडिथ मैकलीन को रखा गया था। इससे समय से पहले जन्मे शिशुओं की जीवन दर बढ़ाने में मदद मिली।

## गोपीनाथ कविराज को तंत्र शास्त्र को पहचान दिलाने का श्रेय

योग व तंत्र के प्रकांड विद्वान पंडित गोपीनाथ कविराज का जन्म 1887 में आज ही के दिन अविभाजित भारत के ढाका (अब बांग्लादेश में) में हुआ था। 1914 में वाराणसी में सरस्वती भवन पुस्तकालय में पुस्तकालयाध्यक्ष बने। इसी दौरान वह तंत्र अनुसंधान में रुचि लेने लगे। 1918 में सिद्ध तांत्रिक व दार्शनिक विशुद्धानंद से दीक्षा लेने के बाद तंत्र में अपनी साधना और अनुसंधान को आगे बढ़ाया। संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय में तंत्रागम विभाग उन्हीं की देन है। 1964 में पद्मविभूषण से सम्मानित हुए।

# रात के समय प्रकाश प्रदूषण से अल्जाइमर का खतरा

**शोध** ▶ 48 अमेरिकी राज्यों में प्रकाश प्रदूषण के मानचित्रों का विश्लेषण करने वाले अध्ययन में जानकारी दी गई

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** स्ट्रीट लाइट और रोशनी वाले संकेतों से रात के समय होने वाले प्रदूषण से अल्जाइमर रोग के बढ़ने को जोड़ा गया है। इसका लोगों की नींद और जैविक घड़ियों पर प्रभाव पड़ता है। यह बात 48 अमेरिकी राज्यों में प्रकाश प्रदूषण मानचित्रों का विश्लेषण करने वाले एक अध्ययन में कही गई है। शोधकर्ताओं ने कहा कि रात के समय प्रकाश प्रदूषण का उम्र बढ़ने से संबंधित विकार के बढ़ने के लिए महत्वपूर्ण जोखिम कारक हो सकता है। अमेरिका के रश यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर के शोधकर्ताओं ने कहा कि इसके लिए अधिक अध्ययन की आवश्यकता है क्योंकि रात के समय बाहरी और आंतरिक प्रकाश के संयुक्त प्रभाव अल्जाइमर रोग के बढ़ने को कैसे प्रभावित करते हैं, यह समझने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

**65** वर्ष या उससे अधिक आयु के लोगों में अल्जाइमर में रात के प्रकाश प्रदूषण से जुड़ा हुआ है

▶ डिमेंशिया के बढ़ने में मेटाबोलिज्म संबंधी स्थितियां जैसे डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर व अवसाद का योगदान

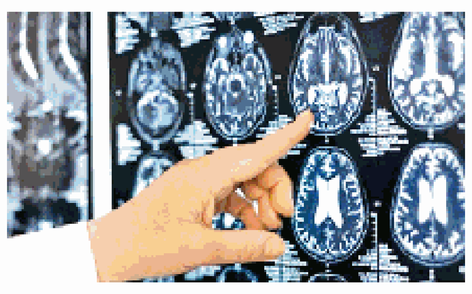

रात के प्रकाश का किया अध्ययन। फाइल

डिमेंशिया में अनियमित नींद का पैटर्न एक सामान्य विशेषता है जो हल्के संज्ञानात्मक नुकसान को तेज करने में सक्षम है। यह डिमेंशिया से पहले की अवस्था है, जिसमें अल्जाइमर रोग सबसे आम रूप है। डिमेंशिया की पहचान स्मृति, सोच और निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित होने से होती है। इससे व्यक्ति का दैनिक कामकाज लगातार बिगड़ता जाता है। डिमेंशिया के बढ़ने के लिए ज्ञात जोखिम कारकों में मेटाबोलिज्म संबंधी स्थितियां जैसे डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और अवसाद शामिल हैं। फ्रंटियर्स इन न्यूरोसाइंस पत्रिका में प्रकाशित इस अध्ययन में शोधकर्ताओं ने चिकित्सा रिकार्ड से लिए गए निवासियों के डाटा के साथ प्रकाश प्रदूषण के मानचित्रों को देखा। इसके डाटा अल्जाइमर रोग के बढ़ने के खतरे कारकों से संबंधित थे।

शोधकर्ताओं ने पाया कि 65 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों में अल्जाइमर रोग अवसाद और मोटापे सहित अन्य कारकों की तुलना में रात के प्रकाश प्रदूषण से अधिक मजबूती से जुड़ा हुआ था। हालांकि, डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और स्ट्रोक जैसे खतरे प्रकाश प्रदूषण की तुलना में अल्जाइमर रोग से अधिक मजबूती से जुड़े पाए गए। शोधकर्ताओं ने पाया कि 65 वर्ष से कम आयु के लोगों में रात के समय तेज प्रकाशअध्ययन में विश्लेषण किए गए किसी भी अन्य जोखिम कारक की तुलना में अल्जाइमर रोग से प्रभावित होने वाले अधिक लोगों से संबंधित थी। शोधकर्ताओं ने कहा कि इसके परिणाम बताते हैं कि 65 वर्ष से कम उम्र के लोग रात में प्रकाश के संपर्क के प्रभावों के प्रति विशेष रूप से संवेदनशील हो सकते हैं।

उन्होंने कहा कि वे इस बात को लेकर स्पष्ट नहीं थे कि युवा लोग अधिक संवेदनशील क्यों हो सकते हैं, जबकि प्रकाश के प्रति व्यक्तिगत प्रतिक्रियाएं हो सकती है। साथ ही अल्जाइमर रोग के आनुवंशिक जोखिम की एक भूमिका हो सकती है। रश यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर के एसोसिएट प्रोफेसर और लेखक राबिन वोइग्ट ज़ुवाला ने कहा कि कुछ जीनोटाइप (माता-पिता से संतानों में स्थानांतरित जीनों का कुल योग) अल्जाइमर रोग की प्रारंभिक शुरुआत को प्रभावित करते हैं। जैविक तनावों की प्रतिक्रिया को प्रभावित करते हैं जो रात के समय प्रकाश के संपर्क में आने के प्रभावों के प्रति संवेदनशीलता को बढ़ा सकते हैं। वोइग्ट-ज़ुवाला ने कहा कि इसके अतिरिक्त युवा लोगों के शहरी क्षेत्रों में रहने और उनकी जीवनशैली ऐसी होने की अधिक संभावना है जो रात में प्रकाश के संपर्क में आने को बढ़ा सकती है। लेखकों ने कहा कि प्रकाश प्रदूषण के कारण अल्जाइमर रोग को बढ़ावा देने वाली संभावित प्रक्रियाओं में नींद में खलल, जैविक घड़ी में व्यवधान और प्रकाश के संपर्क में आने के कारण सूजन में वृद्धि शामिल है। उन्होंने कहा कि डाटा से पता चलता है कि रात के समय प्रकाश के संपर्क में आने से अल्जाइमर रोग विकसित हो सकता है। इसके लिए अतिरिक्त अध्ययनों की आवश्यकता है, जिसमें उम्र बढ़ने से संबंधित स्थिति पर घर में और घर के बाहर रोशनी के प्रभावों को देखना शामिल है।

# बोन मैरो का स्थान ले सकती है ब्लड स्टेम सेल

**मेलबर्न (आस्ट्रेलिया), एएनआई :** मेलबर्न के शोधकर्ताओं ने दुनिया के लिए एक पहली उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने सफलतापूर्वक रक्त स्टेम सेल बनाए हैं, जो मानव ऊतक से मिलते-जुलते हैं। इसके अतिरिक्त इस खोज के परिणामस्वरूप अंततः बोन मैरो (अस्थि मज्जा) के फेल होने पर सिंड्रोम और ल्यूकेमिया से पीड़ित बच्चों के लिए कस्टमाइज थेरेपी हो सकती हैं।

▶ मेलबर्न के शोधकर्ताओं ने ब्लड स्टेम सेल बनाए, जो मानव ऊतक से काफी मिलते-जुलते हैं

▶ ब्लड स्टेम सेल्स के उत्पादन में महत्वपूर्ण बाधा को सफलतापूर्वक पार कर लिया

▶ इम्यून की कमी वाले चूहों में मानव रक्त स्टेम सेल्स के साथ इंजेक्ट किया गया

प्रतीकात्मक

मर्डोक चिल्ड्रेन रिसर्च इंस्टीट्यूट (एमसीआरआइ) द्वारा संचालित और नेचर बायोटेक्नोलाजी में प्रकाशित इस अध्ययन ने मानव रक्त स्टेम कोशिकाओं के उत्पादन में महत्वपूर्ण बाधा को सफलतापूर्वक पार कर लिया है, जो लाल, सफेद और प्लेटलेट्स पैदा करने में सक्षम हैं जो मानव भ्रूण में देखे जाने वाले समान हैं। एमसीआरआइ की प्रोफेसर एलिजाबेथ एनजी ने कहा कि टीम ने ब्लड स्टेम सेल के विकास में महत्वपूर्ण खोज की है, जिससे इन प्रयोगशाला में बनाए गए कोशिकाओं को ब्लड स्टेम सेल और बोन मैरो ट्रांसप्लांट में उपयोग करने का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

उन्होंने कहा कि किसी मरीज से कोई भी सेल लेने, उसे स्टेम सेल में पुनः प्रोग्राम करने और फिर ट्रांसप्लांट के लिए मेल खाने वाली ब्लड सेल्स में बदलने की क्षमता से इन कमजोर मरीजों के जीवन पर बड़ा प्रभाव पड़ेगा। इस अध्ययन से पहले प्रयोगशाला में मानव रक्त स्टेम कोशिकाओं का विकास करना जो स्वस्थ रक्त कोशिकाओं को बनाने में बोन मैरो के फेल होने वाले पशु माडल में ट्रांसप्लांट करने में सक्षम थे, हासिल करने योग्य नहीं था। हमने एक कार्यप्रवाह विकसित किया है जिसने ट्रांसप्लांट ब्लड स्टेम सेल्स को बनाया है जो मानव भ्रूण में कोशिकाओं के करीब है। महत्वपूर्ण बात यह है कि इन मानव सेल्स को क्लिनिकल उपयोग के लिए आवश्यक पैमाने व शुद्धता पर बनाया जा सकता है।

**चूहों पर किया गया अध्ययन :** अध्ययन में इम्यून की कमी वाले चूहों को प्रयोगशाला में मानव ब्लड स्टेम सेल्स के साथ इंजेक्ट किया गया था। इसने पाया कि ब्लड स्टेम कोशिकाएं गर्भनाल रक्त कोशिका प्रत्यारोपण में देखे गए समान स्तरों पर कार्यात्मक बोन मैरा बन गईं, जो सफलता का बेंचमार्क है।

## अवैध डीपफेक सामग्री के विरुद्ध उठी आवाज

दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल में शुक्रवार को अवैध डीपफेक सामग्री के विरोध में संगठित ढंग से आवाज उठी। नारीवादी कार्यकर्ताओं ने रैली निकालकर सरकार से इस विषय पर कार्रवाई की मांग की। कार्यकर्ता पोस्टर लिए हुए थे, जिस पर लिखा था, 'ऐसे इंटरनेट प्लेटफार्म को नियंत्रित करें जो डीपफेक यौन अपराधों को प्रोत्साहित करते हैं।' डीपफेक का उपयोग विभिन्न दुर्भावनापूर्ण उद्देश्यों के लिए होने पर विश्वभर में चिंताएं बढ़ी हैं। एपी

## फिल्म रिव्यू : तंगलान ★★★½

**प्रमुख कलाकार :** चियान विक्रम, मालविका मोहनन, पार्वती थिरुवोथु, डेनियल कैल्टागिरोन
**निर्देशक :** पा. रंजीत **अवधि :** दो घंटे 36 मिनट

### कहानी में कसावट की कमी

अपरिचित, पीएस 1 और पीएस 2 (पोन्नियन सेल्वन भाग 2) जैसी फिल्मों से हिंदी दर्शकों के बीच लोकप्रिय चियान विक्रम की मूल रूप से तमिल में बनी पीरियड ड्रामा फिल्म तंगलान को हिंदी में डब करके सिनेमाघरों में प्रदर्शित किया गया है।

कहानी वर्ष 1850 के दौर में उत्तरी आरकोट के वेपूर गांव की है, जब अंग्रेजों का शासन था। गांव में जहां ज्यादातर आदिवासी जमींदार के अधीन काम करने को मजबूर थे, वहीं तंगलान (चियान विक्रम) के पास थोड़ी अपनी जमीन थी। वह पत्नी गंगम्मा (पार्वती थिरुवोथु) और बच्चों के साथ सुखमय जीवन व्यतीत करता है। जमींदार उसकी फसल में आग लगवा देता है। उसे मजबूरन जमींदार के अधीन काम करना पड़ता है। तंगलान को अजीबोगरीब सपने भी आते हैं। वह बच्चों को मायावी आरती (मालविका मोहनन) की कहानी सुनाता है, जो उस क्षेत्र की रक्षक है, जहां सोने का टीला है। अंग्रेज अफसर क्लेमेंट (डेनियल कैल्टागिरोन) ने भी इस बारे में सुन रखा है। वह तंगलान और कुछ गांववालों के साथ उस जगह की खोज में निकलता है। तंगलान के साथ उसका युवा बेटा भी जाता है। विकट परिस्थितियों से गुजरने के बाद वे उस जगह को खोजने में कामयाब रहते हैं। खुदाई के लिए और लोगों को लाने तंगलान वापस गांव आता है, लेकिन लौटने पर परिदृश्य बदल जाता है। उसका बेटा अजीब हरकतें करने लगा है। अंग्रेज अफसर का स्वभाव भी बदल गया है। क्या वे वाकई सोना हासिल कर पाएंगे? उनकी जिंदगी बदल पाएगी? तंगलान का आरती से क्या संबंध है? फिल्म इन पहलुओं पर आगे बढ़ती है।

पांच भूमिकाएं निभाने वाले विक्रम का तंगलान में अभिनय प्रशंसनीय है। सौ.: फिल्म टीम

रजनीकांत के साथ फिल्म कबाली और काला बना चुके निर्देशक पा रंजीत ने तंगलान में 18वीं सदी के परिवेश, वेशभूषा, युद्ध और मायावी शक्तियों से टकराव के दृश्यों का चित्रण बेहतरीन तरीके से किया है। कहानी में जातिवाद, मानवीय लालच और जमींदारी व्यवस्था में गरीबों पर होने वाले जुल्म जैसे पहलुओं को पिरोया गया है। पर तंगलान के दोबारा उस जगह आने पर नदी में पानी की कमी, जंगली जानवरों से टकराव जैसी पहले की तरह समस्या क्यों नहीं आती? तंगलान अनपढ़ आदिवासी है, फिर भी उसका अंग्रेजी आसानी से समझना खटकता है।

विक्रम ने इसमें पांच भूमिकाएं निभाई हैं। तंगलान के रूप में उनका अभिनय प्रशंसनीय है। पात्र में ढलने को लेकर अपने शारीरिक कायांतरण व हावभाव से वह चौंकाते हैं। गंगम्मा की भूमिका को पार्वती ने समुचित तरीके से आत्मसात किया है। मालविका मोहनन आरती की भूमिका में याद रह जाती हैं। अंग्रेज अफसर की भूमिका में डेनियल कैल्टागिरोन का काम सराहनीय है। गीत-संगीत प्रभावी नहीं है।

**स्मिता श्रीवास्तव**

★★★★★ उत्कृष्ट ★★★★ बहुत अच्छी ★★★ अच्छी ★★ औसत ★ औसत से कम

अपनी राय हमें जरूर बताएं : feature@jagran.com

## इधर-उधर की

### छात्र ने बनाया दुनिया का सबसे छोटा वैक्यूम क्लीनर

पेन को बनाया 0.25 इंच लंबा वैक्यूम क्लीनर। इंटरनेट मीडिया

**जागरण संवाददाता, पटना :** राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआइटी पटना) के छात्र तपला नादामुनि ने एक ऐसा वैक्यूम क्लीनर बनाया है जिसे आप अपनी जेब में भी रख सकते हैं। नादामुनि ने एक बालपाइंट पेन को दुनिया के सबसे छोटे वैक्यूम क्लीनर में बदलकर गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड अपने नाम कर लिया है। इसकी लंबाई महज 0.25 इंच यानी अंगुली के नाखून की चौड़ाई से भी कम है। गिनीज के नियमों के तहत कुल लंबाई में हैंडल और पावर कोर्ड को नहीं मापा गया है। नादामुनि ने दो साल में लगभग 20 हजार रुपये खर्च कर इसे बनाया। इसमें चार वोल्ट कंपन मोटर से चलने वाला एक छोटा पंखा लगा है जो बिजली से जुड़ने पर धूल के कणों को सोखता है।

# हिप रिप्लेसमेंट के बाद होने वाला संक्रमण बेहद खतरनाक

**अनुसंधान**

एक शोध में सामने आया है कि हिप रिप्लेसमेंट (कूल्हे के प्रत्यारोपण) के बाद अगर किसी मरीज को पेरीप्रोस्थेटिक ज्वाइंट इंफेक्शन (पीजेआइ) हो जाए तो अगले दस वर्षों के दौरान मौत का खतरा पांच गुना बढ़ जाता है। अध्ययन का परिणाम जर्नल आफ बोन एंड ज्वाइंट सर्जरी में प्रकाशित किया गया है।

आइसीईएस, सनीब्रुक रिसर्च इंस्टीट्यूट और टोरंटो विश्वविद्यालय के टेमर्टी फैकल्टी आफ मेडिसिन के सर्जरी विभाग के शोधकर्ताओं ने कनाडा के ओंटारियो में हिप रिप्लेसमेंट कराने वाले 175,432 वयस्कों के लिए पीजेआइ के 10 वर्ष के भीतर मृत्यु जोखिम की जांच की। टोटल हिप आर्थ्रोप्लास्टी के बाद पीजेआइ के रोगियों पर यह अब तक के सबसे बड़े अध्ययनों में से एक है। अध्ययन के मुख्य लेखक और टेमर्टी मेडिसिन के सर्जरी विभाग में सहायक प्रोफेसर डा. रमन ने कहा अधिकांश हिप रिप्लेसमेंट सर्जरी सफल होती हैं, लेकिन दुर्भाग्य से एक से दो प्रतिशत रोगियों में कृत्रिम जोड़ में संक्रमण विकसित हो जाता है। इस तरह के संक्रमण लंबे समय तक रोगी के स्वास्थ्य पर प्रभाव डालते हैं, लेकिन यह शोध इस बात का पुख्ता सुबूत देता है कि इससे मौत भी हो सकती है।

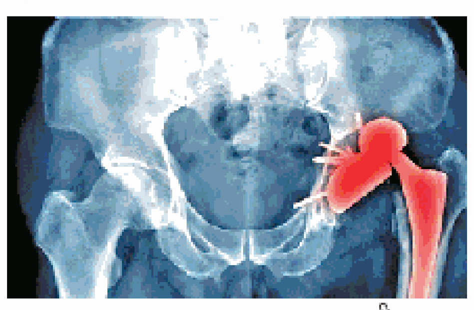

प्रतीकात्मक

शोधकर्ताओं ने पाया कि 2002 से 2021 तक अपना पहला हिप रिप्लेसमेंट कराने वाले वयस्कों में से 868 रोगियों (0.5 प्रतिशत) को एक साल के भीतर पीजेआइ के लिए आगे की सर्जरी की आवश्यकता पड़ी। पहले वर्ष के भीतर पीजेआइ वाले मरीजों में संक्रमण विकसित नहीं होने वाले लोगों की तुलना में 10 साल के दौरान मृत्यु दर काफी अधिक थी। डा. रमन ने कहा कि हमारे निष्कर्ष आर्थ्रोप्लास्टी सर्जनों और संक्रामक रोग विशेषज्ञों को रोकथाम के प्रयासों पर साथ काम करने और रोगी देखभाल के लिए सर्वोत्तम अभ्यास दिशानिर्देशों का पालन करने की आवश्यकता को रेखांकित करते हैं। (एएनआइ)

## विश्व का सबसे बड़ा इंडोर स्की रिजार्ट

चीन के शंघाई स्थित पुडोंग जिले में शुक्रवार को 'द शंघाई एल प्लस स्नो इंडोर स्कीइंग थीम रिजार्ट' आधिकारिक रूप से लोगों के लिए खुल गया। गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड ने इसे विश्व के सबसे बड़े इंडोर स्की रिजार्ट के रूप में दर्ज किया है। इसका स्नो वर्ल्ड एरिया 98,828.7 वर्गमीटर है। इसके साथ होटल, डाइनिंग, इंटरटेनमेंट एवं शापिंग जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। अधिकांश आगंतुकों के लिए इंडोर स्नोफील्ड ट्रेन तथा स्नो माउंटेन जंपिंग प्लेटफार्म विशेष आकर्षण है। इस रिजार्ट ने जिस पिछले रिकार्ड धारक को पीछे छोड़ा है, वह भी चीन में ही है। एएफपी

## स्क्रीन शाट

# छावा के लुक के लिए की गई है गहन रिसर्च

हिंदी सिनेमा में जोधा अकबर, पद्मावत समेत कई ऐतिहासिक फिल्में रिलीज से पहले विवादों में घिरी रहीं। यही वजह है कि छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन पर बनी फिल्म 'छावा' को लेकर निर्देशक लक्ष्मण उतेकर ने काफी सावधानी बरती है। फिल्म में संभाजी की भूमिका में विक्की कौशल होंगे। पिछले साल फिल्म की शूटिंग आरंभ होने से पहले निर्देशक ने कई इतिहासकारों और कास्ट्यूम डिजाइनर शीतल शर्मा के साथ मिलकर एक साल तक शोध किया, ताकि मुख्य किरदार के साथ-साथ बाकी कलाकारों के लुक को भी विश्वसनीय बनाया जा सके। सूत्रों के मुताबिक शोध के लिए शर्मा और उतेकर औरंगाबाद, रत्नागिरी, पुणे, नासिक समेत महाराष्ट्र के कई अन्य शहरों में गए। दोनों ने इन शहरों और कस्बों में कई किलों व संग्रहालयों का दौरा किया, जिससे उन्हें उस युग की पोशाक और संस्कृति के बारे में और जानकारी मिली। उन्होंने इतिहासकारों से भी मुलाकात की, जिन्होंने उस दौर का अध्ययन किया था। रश्मिका के लुक के लिए पोशाक डिजाइन टीम पैठण व नारायणपेठ गई, जहां से प्रामाणिक पैठणी और नारायणपेठ साड़ियां खरीदी गईं। उन्होंने संग्रहालयों से कपड़ों की तस्वीरें लीं, जिन्हें फिर बुनकरों द्वारा बनाया गया। रश्मिका ने चंद्रकला डिजाइन वाली कई पैठणी साड़ियां पहनी हैं। वहीं छावा के टीजर की आखिर छवि, जिसमें विक्की सिंहासन पर बैठे हैं, पुणे में एक मूर्ति के आधार पर डिजाइन की गई है। आभूषण कोल्हापुर, सावंतवाड़ी व रत्नागिरी से मंगवाए गए हैं। बता दें कि यह फिल्म शिवाजी सावंत के इसी नाम से लिखे गए मराठी उपन्यास का रूपांतरण है। फिल्म में संभाजी की पत्नी येसुबाई की भूमिका में रश्मिका मंदाना होंगी, अक्षय खन्ना मुगल सम्राट औरंगजेब के पात्र में होंगे।

छत्रपति संभाजी महाराज की भूमिका में होंगे विक्की कौशल @vickykaushal09

## आमिर रिलीज से पहले ओटीटी प्लेटफार्म को नहीं बेचेंगे अपनी फिल्म

फिल्म सिनेमाघरों में बाक्स आफिस पर पैसे कमाए न कमाएं, लेकिन रिलीज से पहले सैटेलाइट और डिजिटल प्लेटफार्म को बेचकर फिल्ममेकर लागत तो वसूल ही लेते हैं। आमिर से जुड़े सूत्रों के अनुसार, वह कंटेंट को सामान्य अवधि से ज्यादा समय तक सिनेमाघरों में ही रखना चाहते हैं। वह फिल्मों के डिजिटल राइट्स रिलीज से पहले नहीं बेचना चाहते हैं। उनका मानना है कि सोशल कामेडी जानर को कम से कम 12 सप्ताह तक केवल बड़े पर्दे पर होना चाहिए। सिनेमाघरों में फिल्म की रिलीज के बाद ही आमिर डिजिटल के अधिकार बेचेंगे। इसे इंडस्ट्री के लोग खेल बदलने वाला कदम मान रहे हैं। फिल्म के पोस्टर और ट्रेलर पर डिजिटल प्लेटफार्म का कोई लोगो या प्रचार न कर आमिर स्पष्ट करेंगे कि केवल बड़े स्क्रीन पर उन्हें कंटेंट का अनुभव कराना है। खैर, फिलहाल आमिर अपनी फिल्म सितारे जमीं पर से यह शुरू करेंगे या आगे, यह फिलहाल तय नहीं है। खबरें यही हैं कि वह निर्देशकों, निर्माताओं व टीम के सदस्यों के साथ चर्चा कर रहे हैं।

सितारे जमीं पर होगी आमिर की अगली फिल्म। फाइल

## पैपराजियों से सलमान खान ने कहा आराम से, दो पसलियां टूटी हैं

काम को लेकर प्रतिबद्धता के चलते कई बार अपनी निजी तकलीफों को एक तरफ रखना होता है। अभिनेता सलमान खान इन दिनों ऐसा ही कुछ कर रहे हैं। एक तरफ उनकी फिल्म सिकंदर की शूटिंग चल रही है, वहीं दूसरी तरफ रियलिटी शो बिग बास 18 का प्रोमो और फोटोशूट भी उन्होंने शूट किया है। हालांकि जब सलमान बिग बास के फोटोशूट के लिए पहुंचे, तो वह सेहत की वजह से परेशान दिखे। फिर भी पैपराजियों से घिरे सलमान ने एक बार भी न ही तस्वीर के लिए मना किया, न ही वीडियो के लिए। वह बार-बार पसलियों पर हाथ रख रहे थे। जब पैपराजियों की भीड़ ज्यादा बढ़ गई, तो सलमान ने उनसे सिर्फ इतना कहा कि आराम से, दो पसलियां टूटी हैं। सलमान के इस वीडियो के इंस्टाग्राम पर वायरल होते ही प्रशंसक उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना करने लगे। एक प्रशंसक ने लिखा कि सलमान के चेहरे पर दर्द नजर आ रहा है, लेकिन फिर भी वह मुस्कुराना नहीं भूलते हैं। कमिटमेंट के चलते सलमान सिकंदर फिल्म के लिए 45 दिनों का शेड्यूल भी शूट कर रहे हैं। जिसमें कई हैरतअंगेज एक्शन सीन की शूटिंग चल रही है।

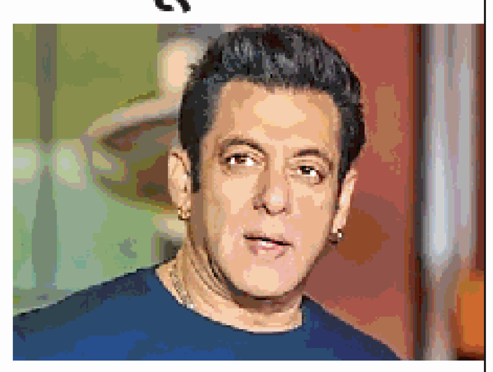

बिग बास की मेजबानी सलमान करेंगे। फाइल

## गणेशोत्सव में पूरा शहर ही मंदिर बन जाता है : हितेश भारद्वाज

कई बार काम के चक्कर में कलाकारों के लिए त्योहार मनाना कठिन हो जाता है। हालांकि गणेशोत्सव का माहौल बाकी त्योहारों से अलग हो जाता है। मुंबई में धूमधाम से यह त्योहार मनाया जाता है। जो कलाकार मुंबई में शूटिंग कर रहे हैं, उन्हें दर्शन करने का मौका भी मिल जाता है। अभिनेता हितेश भारद्वाज खुश हैं कि भले ही व्यस्त रहने के कारण वह गणेश जी की स्थापना इस साल अपने घर पर न कर पाए हों, लेकिन मुंबई में अलग-अलग पंडालों में उन्हें दर्शन करने का मौका मिलेगा, साथ ही उनके धारावाहिक के सेट पर भी गणेशोत्सव मनाया जा रहा है। दरअसल, स्टार प्लस के शो गुम है किसी के प्यार में और माटी से बंधी डोर दोनों धारावाहिकों का संगम इस गणेशोत्सव में होगा। दोनों शो के पात्र एकदूसरे के शो का हिस्सा होंगे और गणेशोत्सव साथ मिलकर मनाएंगे। हितेश कहते हैं कि इस बार इस त्योहार पर काम कर रहा हूं। मौका मिलेगा, तो उन दोस्तों के यहां जाऊंगा, जो गणेश जी को लाते हैं। सेट पर भी गणेशोत्सव का सीन शूट हो रहा है। भगवान तो भगवान होते हैं, शूटिंग भले ही चल रही हूं, लेकिन अंदर वह भावना तो जाग ही जाती है। गणेशोत्सव के माहौल में ही शूटिंग हो रही है, तो अलग ही भक्तिमय माहौल हुआ है। सेट से छुट्टी लेकर कहीं जाने की जरुरत नहीं पड़ेगी, क्योंकि इन दस दिनों में हर जगह गणेश जी के पंडाल लगे होंगे। पूरा शहर ही मंदिर जैसा बन जाता है। जहां से निकलेंगे, वहीं उनके दर्शन हो जाएंगे। मैं खुश हूं कि अपने शो में भी इस त्योहार को दिखा रहे हैं। टीवी घर-घर तक पहुंचता है, दर्शकों को भी इस त्योहार के बारे में करीब से जानने का मौका मिलेगा।

गुम है किसी के प्यार में के सेट पर मनेगा गणेशोत्सव - टीम हितेश

*********